# समावर्तन
## 2022

एक नया
इतिहास
रचें हम

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

## महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर-273 014 (उ.प्र.)
Web : www.mpm.edu.in | e-mail : mpmpg5@gmail.com | Phone : 7897475917, 9794299451

# हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत–

**'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'**

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि–

**'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'**

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन-अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

## महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

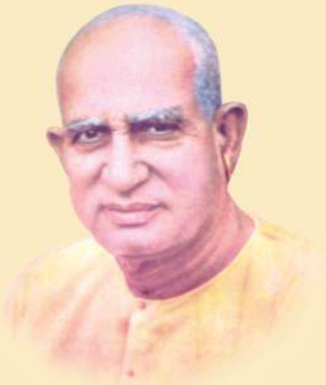

शिक्षा के प्रसार को लोक-जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित चार दर्जन से भी अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण एवं चिकित्सा-शिक्षा संस्थाओं में 70 हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

## महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र-संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1957-58 ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

## महाविद्यालय के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना लोक कल्याणार्थ शिक्षा को सेवा एवं साधना का माध्यम बनाने के लिए की गई। इस संस्था का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

## महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बालगंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि की शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई.में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी, कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। स्वतंत्रता संग्राम के एक सशक्त सिपाही महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

महाराणा प्रताप डिग्री कालेज एवं महाराणा प्रताप महिला डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप

शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। तदन्तर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने दोनों महाविद्यालयों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में चार दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण, चिकित्सा, तकनीकी तथा सेवा संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक गोरखनाथ, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, शिशु शिक्षा विहार लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी पीपीगंज, गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ पितेश्वरनाथ मन्दिर भरोहिया पीपीगंज, महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र चौक माफी पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरु श्रीगोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग बालापार रोड, सोनबरसा, महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरु श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम (छात्रावास) जंगल धूसड़, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार, आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल देवीपाटन तुलसीपुर, बलरामपुर आदि प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय, महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी चिकित्सालय देवीपाटन, गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा का लोकार्पण महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार माननीय श्री रामनाथ कोविंद द्वारा इस वर्ष किया जा चुका है। यह महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का एक युगान्तकारी प्रघटन है, जो शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रतिमान संस्था के रुप में आगामी भविष्य में विकसित होगा। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

## समावर्तन अतिथि

| | | |
|---|---|---|
| **समावर्तन 2008** | अध्यक्षता | **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर |
| | मुख्य अतिथि | **कर्नल बी.पी. शाही**<br>ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर |
| **समावर्तन 2009** | अध्यक्षता | **प्रो. एन.एस. गजभिए**<br>कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |
| | मुख्य अतिथि | **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय**<br>उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र. |
| **समावर्तन 2010** | अध्यक्षता | **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर |
| | मुख्य अतिथि | **श्री बसवराज पाटिल**<br>पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलवर्ग कनार्टक |
| **समावर्तन 2011** | अध्यक्षता | **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर |
| | मुख्य अतिथि | **श्री प्रकाश सिंह (पद्मश्री)**<br>पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश |
| **समावर्तन 2012** | अध्यक्षता | **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर |
| | मुख्य अतिथि | **श्री आशीष जी**<br>अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार |
| **समावर्तन 2013** | अध्यक्षता | **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर |
| | मुख्य अतिथि | **डॉ. कृष्ण गोपाल जी**<br>सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली |
| **समावर्तन 2014** | अध्यक्षता | **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर |
| | मुख्य अतिथि | **न्यायमूर्ति कलाधर शाही**<br>अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र. |
| **समावर्तन 2015** | अध्यक्षता | **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>सांसद, गोरखपुर |
| | मुख्य अतिथि | **प्रो. राम शंकर कठेरिया**<br>राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार |
| | विशिष्ट अतिथि | **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर**<br>पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार |

## समावर्तन अतिथि

### समावर्तन 2016

| | | |
|---|---|---|
| अध्यक्षता | : | **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>सांसद, गोरखपुर |
| मुख्य अतिथि | : | **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी**<br>कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र. |
| विशिष्ट अतिथि | : | **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय**<br>राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना |

### समावर्तन 2017

| | | |
|---|---|---|
| अध्यक्षता | : | **डॉ. भोलेन्द्र सिंह**<br>पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर |
| मुख्य अतिथि | : | **प्रो. रमाशंकर दूबे**<br>कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार |
| विशिष्ट अतिथि | : | **प्रो. उदय प्रताप सिंह**<br>पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर |

### समावर्तन 2018

| | | |
|---|---|---|
| अध्यक्षता | : | **प्रो. उदय प्रताप सिंह**<br>पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर |
| मुख्य अतिथि | : | **न्यायमूर्ति श्री रण विजय सिंह**<br>माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र. |
| विशिष्ट अतिथि | : | **डॉ. विवेक कुमार निगम**<br>यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद |

### समावर्तन 2019

| | | |
|---|---|---|
| अध्यक्षता | : | **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**<br>प्रबन्धक एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश |
| मुख्य अतिथि | : | **श्री जे.पी. नड्डा**<br>माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार |
| विशिष्ट अतिथि | : | **श्री आशुतोष टण्डन**<br>माननीय स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश |

### समावर्तन 2020

| | | |
|---|---|---|
| सानिध्य | : | **प्रो. उदय प्रताप सिंह**<br>पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर |
| मुख्य अतिथि | : | **सुश्री निवेदिता भिड़े (पद्मश्री)**<br>उपाध्यक्ष, स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, केरल |
| अध्यक्षता | : | **प्रो. विजय कृष्ण सिंह**<br>कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |

### समावर्तन 2021

| | | |
|---|---|---|
| सानिध्य | : | **प्रो. उदय प्रताप सिंह**<br>पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर |
| मुख्य अतिथि | : | **श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार**<br>सामाजिक कार्यकर्त्री, कर्नाटक |
| अध्यक्षता | : | **प्रो. राजेश सिंह**<br>कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |

### समावर्तन 2022

| | | |
|---|---|---|
| सानिध्य | : | **प्रो. उदय प्रताप सिंह**<br>पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर |
| मुख्य अतिथि | : | **प्रो. शंकर शरण**<br>आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली |
| अध्यक्षता | : | **प्रो. राजेश सिंह**<br>कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |

# दो शब्द...

श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के सोलहवाँ वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का पन्द्रहवाँ बैच स्नातक एवं आठवाँ बैच परास्नातक तथा बी.एड्. का पाँचवाँ बैच इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग एक सौ तीस करोड़ लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर एवं बी.एड्. की शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। आजादी से लेकर कुछ वर्ष पूर्व तक सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारती धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया था। परिणामत: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई। परिवार संस्था भी कमजोर होती गयी। गाँव विरान होते गये। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने आया। आजादी के बाद के पिछले साढ़े छ: दशक में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ तथा कुछ विश्वविद्यालय परिसरों में राष्ट्र विरोधी तत्त्वों का संरक्षण निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक थे।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के लगभग सात दशक बाद भी हम मैकाले के भूत से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। आजादी के बाद लगभग साढ़े छ: दशक तक 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक रही। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के उसके मानस-पुत्रों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? यद्यपि कि अब देश एवं प्रदेश की राजनीति ने करवट ली है और सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा भी इस दिशा में प्रयत्न प्रारम्भ हुए

हैं। हम भी अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है कुछ शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान एवं भारतीय जीवन मूल्यों के प्रति श्रद्धा जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (1932 ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी महन्त परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन भी श्रीगोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। पिछले समावर्तन के पश्चात् ही कोरोना की वैश्विक महामारी ने शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती उत्पन्न की। इस चुनौती का हमारे महाविद्यालय ने आसानी से सामना किया, क्योंकि हम बहुत पूर्व से ही शिक्षा में तकनीक का उपयोग के अभ्यस्त हो चुके थे। प्रोजेक्टर युक्त कक्षाओं का प्रयोग, वेबसाइट पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपने ब्लॉग में अपलोड व्याख्यान, के आधार पर इस सत्र में भी एक अगस्त से हमारी ऑनलाइन कक्षाएँ प्रारम्भ हो गईं। प्रति सत्र के अनुसार ही पठन-पाठन के शैक्षिक कैलेण्डर को महाविद्यालय ने लागू करने में सफलता प्राप्त की। यहाँ तक कि प्रति सत्र की तरह बदली हुई परिस्थिति में भी निर्धारित तिथि पर ही छात्रसंघ चुनाव कराकर महाविद्यालय ने अपनी विशिष्टता को प्रमाणित किया। 3 अक्टूबर से नियोजित कक्षाओं का संचालन और सभी कक्षाएँ लाइव कर महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा संस्थाओं के समक्ष एक और उदाहरण प्रस्तुत किया। सम्पन्न हो रहा यह सत्र हमारे महाविद्यालय के शिक्षकों-कर्मचारियों की अनवरत तपस्या का सुखद परिणाम है। मुझे इस बात का सन्तोष है कि इस सत्र के हमारे विद्यार्थी के अध्ययन को हमारी टीम ने प्रभावित नहीं होने दिया। हम गर्व से कह सकते हैं कि हमारे विद्यार्थियों के पठन-पाठन में वर्तमान परिस्थिति का और अधिक लाभ मिला है। हमारा विद्यार्थी गर्व से कह सकता है कि कोरोना की वैश्विक महामारी की चपेट में आयी दुनिया के समय भी उसके अध्ययन में कोई बाधा नहीं उत्पन्न हुई। मुझे विश्वास है कि मेरे विद्यार्थी जहाँ भी होंगे, जैसे भी होंगे, उत्पन्न किसी भी परिस्थिति पर विजय प्राप्त करने के आत्म विश्वास से भरे होंगे। निष्काम भाव से अपने कर्म और तपस्या से वे जीवन की हर चुनौती का सामना करने में सफल होंगे। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

**(प्रदीप कुमार राव)**
प्राचार्य

तिथि - फाल्गुन शुक्ल दशमी, वि.सं. 2078, युगाब्द 5123
तद्नुसार 13 मार्च 2022 ई., रविवार

## समावर्तन 2021 से ग्रीष्मावकाश तक के प्रमुख कार्यक्रम

समावर्तन संस्कार 2021 के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

समावर्तन संस्कार के अवसर पर समावर्तन पत्रिका का विमोचन

23 फरवरी को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों का 15वाँ समावर्तन संस्कार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकत्री श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार जी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने की। कार्यक्रम में अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार यादव तथा पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष श्री मनीष त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। समारोह में महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह का सानिध्य प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने महाविद्यालय में अपनी पढ़ाई पूर्ण कर चुके छात्र-छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ-साथ शुचिता एवं ईमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति के प्रति

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्बोधन देती मुख्य अतिथि श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्बोधन देते कुलपति प्रो. राजेश सिंह

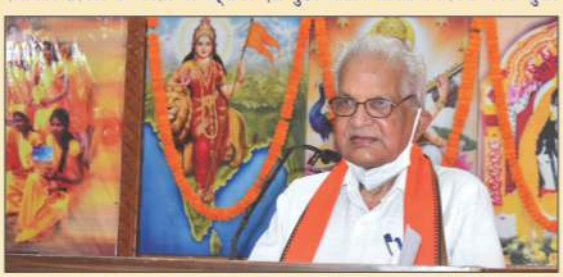

उद्बोधन देते पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सरस्वती सम्मान ग्रहण करती श्रीमती शिप्रा सिंह

निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान एवं संवर्धन करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री रामरतन

सर्वश्रेष्ठ पुरातन छात्र का पुरस्कार प्राप्त करते श्री मनीष कुमार त्रिपाठी

इस अवसर पर समावर्तन-2021 पत्रिका का लोकार्पण मुख्य अतिथि श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार तथा कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह जी ने किया। मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय में वर्ष भर की गतिविधियों के आधार पर श्रेष्ठतम् शिक्षक श्रीमती शिप्रा सिंह को सरस्वती सम्मान, श्रेष्ठतम् कर्मचारी श्री रामरतन को महाराणा प्रताप सम्मान, श्रेष्ठतम् चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री राजाराम को महायोगी गुरू गोरक्षनाथ सम्मान तथा सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में श्री सत्यप्रकाश तिवारी को एकलव्य सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के आस-पास की ग्रामीण महिलाओं एवं महाविद्यालय की छात्राओं के स्वावलम्बन के लिए महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र से 06 माह का प्रशिक्षण

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री सत्यप्रकाश तिवारी

सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री राजाराम

हमारे पूर्वांज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करते श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव

जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री अनीता निषाद

# समावर्तन–2022

नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री रीतिका प्रजापति

समावर्तन उपदेश देते महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण

समावर्तन हेतु उन्मुख महाविद्यालय के अन्तेवासी

समावर्तन उपदेश ग्रहण करने के उपरान्त प्रसन्नता व्यक्त करते विद्यार्थी

प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं में से सर्वश्रेष्ठ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षु के रूप में सुश्री रीतिका प्रजापति को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सम्मान के साथ प्रतिवर्ष की भाँति पुरस्कार में सिलाई मशीन प्रदान किया गया। महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी सुश्री सोनी यादव को सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु का चेतक सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही साथ बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम 'हमारे पूर्वज' एवं 'जीवन मूल्य' के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में क्रमश: श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव को महन्त दिग्विजयनाथ सम्मान तथा सुश्री अनीता निषाद को महायोगी गोरखनाथ सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ पुरातन छात्र का स्वामी विवेकानन्द सम्मान महाविद्यालय के पूर्व छात्र श्री मनीष त्रिपाठी को दिया गया।

## वार्षिक समीक्षा बैठक

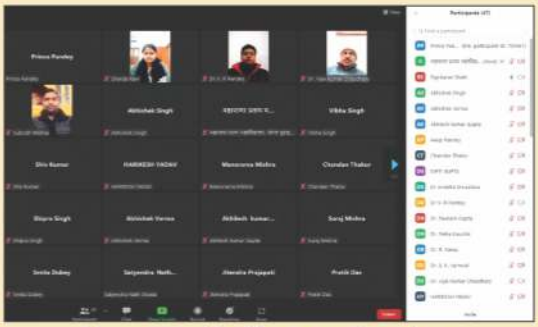

शिक्षक-प्राचार्य ऑनलाइन समीक्षा बैठक

02 मई को प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय की वार्षिक समीक्षा बैठक वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण ऑनलाइन माध्यम (जूम ऐप) द्वारा प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक में पिछले सत्र की विविध गतिविधियों पर शिक्षकों के साथ प्राचार्य का अनुभव साझा किया गया। पठन-पाठन की गुणवत्ता, पठन-पाठन में नवीन तकनीकों का समावेश, शिक्षण कार्य में अत्याधुनिक उपकरणों से शिक्षकों को परिचित कराना तथा महाविद्यालय में नवाचारों से सम्बन्धित अनेक विषयों पर विस्तृत चर्चा-परिचर्चा हुई। इस दौरान विभागीय रपट, राष्ट्रीय सेवा योजना रपट तथा कार्यक्रम अधिकारी चयन, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रपट, पाठ्यक्रम योजना, नयी पहल (सभी व्याख्यान पी.पी.टी. पर, वेबसाइट पर शिक्षक ब्लॉग, सामूहिक व्यक्तित्व विकास तथा आदर्श गाँव), साप्ताहिक स्मृति व्याख्यान माला, प्रवेश/परीक्षा समिति, मुख्य नियन्ता एवं दायित्व विभाजन, अनापत्ति (पुस्तकालय एवं कर्ज), योजना बैठक (1-7 जुलाई, 2021) सहित बदली हुई परिस्थितियों (कोरोना महामारी) में किस प्रकार अगले सत्र का क्रियान्वयन किया जाये आदि विषय विचारार्थ प्रस्तुत हुए। बैठक में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने सहभाग किया।

## पौधरोपण कार्यक्रम

5 जून को महाविद्यालय में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा रुद्राक्ष के पौधे को रोप कर किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत सफेद चन्दन, रुद्राक्ष, आम, अनार, नीम, पीपल, अर्जुन आदि के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. सुबोध मिश्र, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने भी पौधे लगाये। इस अवसर पर समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में पौधरोपण करते महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी

## महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2021-22)

### सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक

**उद्घाटन समारोह:** 01 से 07 जुलाई 2021 तक महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का आयोजन कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए महाविद्यालय के जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न किया गया।

वार्षिक योजना बैठक के प्रथम दिन उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा किया गया। बैठक में प्राचार्य ने कार्यशाला की प्रस्ताविकी तथा सम्पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत की।

कार्यशाला के प्रथम दिन कोविड-19 की बदली हुई परिस्थिति में अध्ययन-अध्यापन हेतु तकनीकी कौशल विकसित करने हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गये। इस विषय पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा श्री अभिषेक वर्मा सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। तदनन्तर परिचर्चा के साथ कार्यशाला का प्रथम दिन सम्पन्न हुआ।

योजना बैठक में विचार व्यक्त करती श्रीमती शिप्रा सिंह

**दूसरा दिन** - 02 जुलाई को शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में शैक्षिक पंचांग, दायित्व सह कार्य विभाजन, प्रवेश, परीक्षा, परिसर अनुशासन आदि विषय पर तथा द्वितीय सत्र में पुस्तकालय, स्वच्छता, प्रयोगशाला आदि विषय पर चर्चा की गई जिसमें डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, श्री रमाकान्त दूबे, श्री विनय कुमार सिंह, डॉ. शिवकुमार वर्नवाल, श्रीमती शिप्रा सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपनी बात रखी। शिक्षकों द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव के साथ सत्र सम्पन्न हुआ।

योजना बैठक में अपनी बात रखते डॉ. राम सहाय

**तीसरा दिन** - 03 जुलाई को बैठक के तीसरे दिन प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, पठन पाठन, नैक तथा द्वितीय सत्र में वेबसाइट विषय पर डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, श्री अभिषेक वर्मा,

डॉ. रामसहाय, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विचार प्रस्तुत किया।

**चौथा दिन** - 04 जुलाई को कार्यशाला एवं बैठक के चौथे दिन प्रथम सत्र में उन्नत भारत अभियान, गोद लिए गाँव, गोद लिए गये विद्यार्थी तथा द्वितीय सत्र में पाठ्यक्रम योजना, प्रार्थना सभा तथा क्रीड़ा विषय पर चर्चा की गई। इस सत्र में श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. नीलम गुप्ता, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्रीमती शिप्रा सिंह तथा डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार साझा किये।

योजना बैठक में अपनी बात रखती श्रीमती पुष्पा निषाद

**पाँचवा दिन** - 05 जुलाई को बैठक के पाँचवे दिन प्रथम सत्र में विभागीय कार्ययोजना, छात्र-संघ एवं द्वितीय सत्र में ध्येय पथ ई-पत्रिका, निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण आदि विषय पर सुश्री शारदा रानी, सुश्री स्मिता दूबे, श्री सिद्धार्थ शुक्ल, डॉ. रामसहाय डॉ. नेहा कौशिक, डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपनी-अपनी बात रखी।

योजना बैठक में अपना मत व्यक्त करती सुश्री शारदा रानी

**छठवाँ दिन** - 06 जुलाई को बैठक के छठवें दिन प्रथम सत्र में रोवर-रेंजर्स, प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम, बागवानी तथा द्वितीय सत्र में शोध-पत्रिका प्रकाशन, छात्र समिति, ई.पी.एफ. विषय पर डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री हरिकेश यादव, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती साधना सिंह तथा श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने विचार रखे।

योजना बैठक में चर्चा-परिचर्चा करते प्राचार्य व शिक्षक

## सप्त दिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का समारोप कार्यक्रम

07 जुलाई 2021 को कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के सातवें दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में प्रथम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण आयोजनों जैसे- महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला, साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह, युवा महोत्सव, भारत-भारती पखवारा, समावर्तन संस्कार इत्यादि को बदली हुई परिस्थिति में कैसे कराया जाय, इस विषय पर विचार विमर्श

किया गया, इस विषय पर सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. अरूण राव, डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर, श्री चन्दन ठाकुर, डॉ. सुधा शुक्ला, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी तथा डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपने विचार रखे। द्वितीय सत्र में समारोप कार्यक्रम के अवसर पर सात दिनों तक चली शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में सम्पूर्ण विषयों की कार्य योजना से सम्बन्धित लिए गये निर्णयों को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्तुत किया। सात दिनों के गहन विचार-विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र 2021-2022 के लिए महाविद्यालय की वार्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचांग को निर्मित किया गया।

योजना बैठक के समापन अवसर पर उपस्थित समस्त शिक्षक एवं प्राचार्य

## पौधरोपण कार्यक्रम

5 जुलाई को महाविद्यालय को कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए एन.सी.सी. के तत्वावधान में वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत पोधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ उप प्राचार्य श्री संतोष श्रीवास्तव द्वारा नींबू के पौधे को रोप कर किया गया। पोधरोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत चन्दन, गुलाब, चाँदनी, नीम, अनार आदि के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर श्री रमाकांत दूबे, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. मंजेश्वर कुमार सहित अन्य शिक्षकों ने भी पौधे लगाये।। कार्यक्रम में समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण करते एन.सी.सी. के कैडेट एवं सी.टी.ओ.

## ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

ऑनलाइन व्याख्यान देते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

7 जुलाई को प्राणि विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'विकास की कोशिकीय क्रियाविधि' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के सेवानिवृत आचार्य प्रो. डी.के. सिंह ने उपरोक्त विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह तथा अध्यक्षता प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह ने किया।

## ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

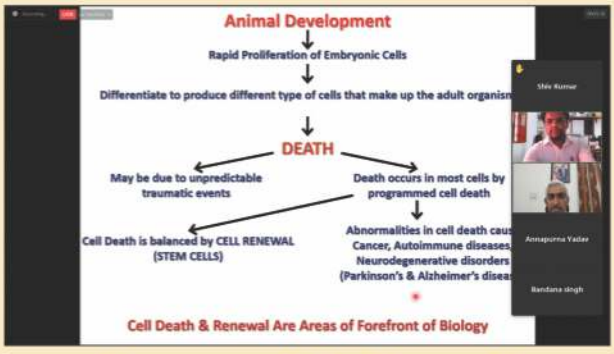


ऑनलाइन व्याख्यान देते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

19 जुलाई को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के सेवानिवृत आचार्य प्रो. डी.के. सिंह ने 'स्टेम सेल' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राणि विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. आर. एन. सिंह ने किया।

## स्वतंत्रता दिवस

ध्वजारोहण करते महाविद्यालय के प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि

15 अगस्त को महाविद्यालय में 74वाँ स्वतंत्रता दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष भी विगत सत्र की ही भाँति कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सस्वर गान हुआ। तत्पश्चात। घंटे का संक्षिप्त सांस्कृतिक

कार्यक्रम कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, सिविल लाइन्स, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजित विविध संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों का महाविद्यालय के फेसबुक पेज एवं यू-ट्यूब चैनल पर भी सीधा प्रसारण किया गया जहाँ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और सामान्य श्रोताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता ने तथा संचालन महाविद्यालय के छात्र कुँवर अमन सिंह तथा कुँवर शिवम सिंह ने किया।

राष्ट्रगान का सस्वर गान करते महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

उपस्थित मंचस्थ अतिथि

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते प्राचार्य

उद्बोधन देते मुख्य अतिथि

अध्यक्षीय उद्बोधन देते महाविद्यालय के प्राचार्य

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती महाविद्यालय की छात्राएं

## युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 52वीं तथा राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 7वीं पुण्यतिथि समारोह के अन्तर्गत आयोजित साप्ताहिक ऑनलाइन व्याख्यानमाला ( 23-29 अगस्त 2021 )

**व्याख्यानमाला का उद्घाटन** - 23 अगस्त को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 52वीं तथा राष्ट्रसन्त ब्रहालीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 7वीं पुण्यतिथि समारोह के अन्तर्गत आयोजित ऑनलाइन साप्ताहिक व्याख्यानमाला के उद्घाटन अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.), वाराणसी के रसायन शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वी. रामानाथन ने 'पास्कल से पूर्व पास्कल त्रिभुज' विषय पर उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं प्रस्ताविकी प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने प्रस्तुत दी। अतिथि स्वागत उद्बोधन एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार वर्नवाल ने किया।

व्याख्यान माला के प्रथम दिन अध्यक्षीय उद्बोधन देती डॉ. अजिथा डी.एस.

व्याख्यान माला में आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान

**व्याख्यानमाला का दूसरा दिन** - 24 अगस्त को मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायनशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. गीता सिंह ने 'पर्यावरण और खाद्य सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में कृषि कीटनाशकों की भूमिका' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास एवं संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा अतिथि स्वागत एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता

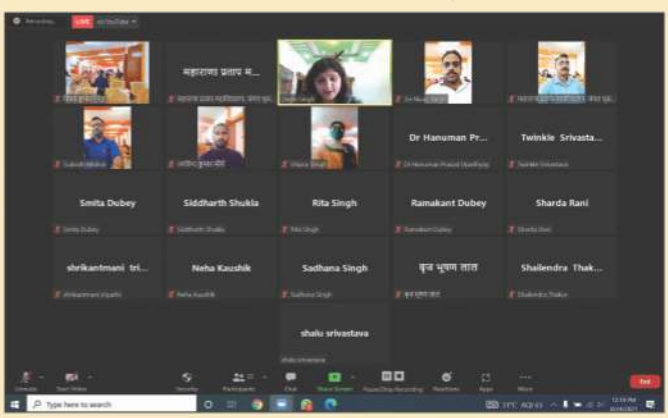

व्याख्यान माला के दूसरे दिन उद्बोधन देती डॉ. गीता सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (से.नि.) डॉ. अतुल वाजपेयी ने की।

**व्याख्यानमाला का तीसरा दिन** – 25 अगस्त को 'संगीत एवं आध्यात्म' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के ललित कला एवं संगीत विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य, पद्मश्री सम्मानित डॉ. राजेश्वर आचार्य ने ऑनलाइन व्याखान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता तथा अतिथि स्वागत एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने की।

व्याख्यान माला के तीसरे दिन उद्बोधन देते डॉ. राजेश्वर आचार्य

**व्याख्यानमाला का चौथा दिन**– 26 अगस्त को पुनरूत्थान विद्यापीठ, अहमदाबाद, गुजरात की कुलपति डॉ. इन्दुमति काटदरे ने 'युवा अवस्था में जीवन विकास के सूत्र' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अतिथि स्वागत एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने तथा संचालन महाविद्यालय के पुरातन छात्र श्री मनीष कुमार त्रिपाठी ने किया।

व्याख्यान माला के चौथे दिन उद्बोधन देती डॉ. इन्दुमती काटदरे

**व्याख्यानमाला का पाँचवा दिन**– 27 अगस्त को 'राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ एवं सामाजिक दायित्व' विषय पर भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेन्ट जनरल डी.वी. शेकटकर ने ऑनलाइन उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री मनीष कुमार त्रिपाठी तथा अतिथि स्वागत एवं अध्यक्षता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन उद्बोधन देते से.नि. ले.ज. डी.वी. शेकटकर एवं उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

**व्याख्यानमाला का छठवां दिन**– 28 अगस्त को डी.आर.डी.ओ., नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त

नरायण भट्ट ने 'कोविड–19 महामारी के लिए सुरक्षात्मक एवं चिकित्सकीय ज्ञान : प्राचीन वैदिक संस्कृति से आधुनिक विज्ञान तक' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री मनीष कुमार त्रिपाठी ने तथा अतिथि स्वागत एवं अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायनशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. गीता सिंह ने किया।

व्याख्यान माला के छठवें दिन उद्बोधन देते डॉ. अनन्त नरायण भट्ट

## मेजर ध्यानचन्द जयन्ती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस

28 अगस्त को ध्यानचन्द जयन्ती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान के माध्यम से मेजर ध्यानचन्द के जीवन, व्यक्तित्व, उपलब्धियाँ एवं खेल के क्षेत्र में उनके राष्ट्रीय अवदानों पर प्रकाश डालते हुए एक सारगर्भित उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

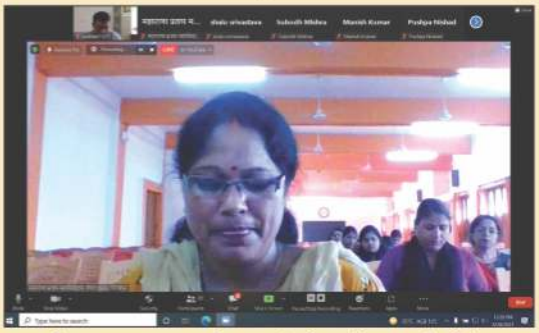

मेजर ध्यानचन्द को श्रद्धांजलि डॉ. आरती सिंह

**व्याख्यान माला : समापन समारोह**– 29 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्त–दिवसीय व्याख्यानमाला के समापन अवसर पर 'समर्थ शिक्षक–समर्थ भारत' विषय पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के भौतिकी विभाग के पूर्व आचार्य, पद्मश्री से सम्मान से सम्मानित प्रसिद्ध भौतिकविद् प्रोफेसर एच.सी. वर्मा ने ऑनलाइन माध्यम से अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अतिथि स्वागत एवं अध्यक्षता भारतीय सेना के सेवानिवृत्त मेजर जनरल दुष्यन्त सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया। 7 दिनों तक चलने वाली इस ऑनलाइन व्याख्यान माला का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया। सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के सातों दिनों में महाविद्यालय के फेसबुक और यूट्यूब चैनल पर बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और श्रोतागण सक्रिय रुप में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में बड़ी संख्या में शिक्षक–विद्यार्थी एवं प्रबुद्धजन की ऑनलाईन सहभागिता हुई।

व्याख्यान माला के समारोप अवसर पर उद्बोधन देते प्रो. एच.सी. वर्मा एवं अध्यक्षता करते से.नि. मे.जन. दुष्यन्त सिंह

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

## निबन्ध प्रतियोगिता

4 सितम्बर को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का शिक्षा में योगदान" विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 63 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष की स्मिता सिंह एवं बी.ए. प्रथम वर्ष की अन्नू ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष के दिलीप कुमार एवं बी.ए. प्रथम वर्ष की निक्की शर्मा ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष की अंकिता दूबे व बी.ए. प्रथम वर्ष की साक्षी पाण्डेय ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में बी.एड. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह, श्रीमती विभा सिंह तथा सुश्री दीप्ती गुप्ता रहीं। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

व्याख्यान देती डॉ. शालिनी सिंह

## विशिष्ट व्याख्यान

4 सितम्बर को रसायनशास्त्र विभाग द्वारा "ओरिजिन ऑफ क्वान्टम मैकेनिक्स" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में सहायक शिक्षिका डॉ. शालिनी सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रसायनशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

उद्बोधन देते श्री सिद्धार्थ शुक्ल

## नवागान्तुक विद्यार्थी स्वागत समारोह

6 सितम्बर को वाणिज्य विभाग द्वारा "नवागन्तुक विद्यार्थी स्वागत समारोह" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ शुक्ल ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री श्वेता ने एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने की।

## विश्व साक्षरता दिवस

8 सितम्बर को विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान के माध्यम से वैश्विक स्तर पर शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

उद्बोधन देती डॉ. अनुभा श्रीवास्तव

## भारतेन्दु हरीशचन्द्र जयन्ती

9 सितम्बर को प्रार्थना सभा के अन्तर्गत भारतेन्दु हरीशचन्द्र जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर हिन्दी के महान साहित्यकार भारतेन्दु हरीशचन्द्र को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धाजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि देते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

## गोविन्द वल्लभ पन्त जयन्ती

10 सितम्बर को प्रार्थना सभा के अन्तर्गत गोविन्द वल्लभ पन्त की जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने व्याख्यान प्रस्तुत कर उ.प्र. के प्रथम मुख्यमंत्री गोविन्द वल्लभ पंत को महाविद्यालय परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोविन्द बल्लभ पन्त को श्रद्धा-सुमन अर्पित करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

## कवियित्री महादेवी वर्मा पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे जयन्ती

11 सितम्बर को प्रार्थना सभा के अन्तर्गत महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि एवं सन्त विनोबा भावे की जयन्ती के अवसर पर हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने दोनों महान विभूतियों के जीवन एवं व्यक्तित्त्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि देती डॉ. आरती सिंह

श्रद्धांजलि देते डॉ. रमाकान्त दूबे एवं उपस्थित अतिथि

## यतीन्द्र नाथ बोस बलिदान दिवस

13 सितम्बर को प्रार्थना सभा के अंतर्गत यतीन्द्र नाथ बोस बलिदान दिवस पर रक्षा अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रमाकान्त दूबे ने व्याख्यान प्रस्तुत कर देश के

रंगोली बनाती महाविद्यालय की छात्राएं

वीर सपूत एवं क्रांतिकारी यतीन्द्र नाथ बोस को महाविद्यालय परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

## रंगोली प्रतियोगिता

14 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा "राष्ट्रीय हिन्दी दिवस" के अवसर पर समूह रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 32 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महादेवी वर्मा समूह की सुमन कुमार (बी.ए. तृतीय वर्ष), पिंकी सिंह (बी.ए. तृतीय वर्ष), प्रियंका चौहान (बी.ए. तृतीय वर्ष); द्वितीय स्थान सरोजनी नायडू समूह की रानी (बी.ए. तृतीय वर्ष), ज्योति (बी.ए. तृतीय वर्ष), अंकिता (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा तृतीय स्थान सुभद्रा कुमारी चौहान समूह की रूबी भारती (बी.ए. तृतीय वर्ष), क्षिप्रा रानी (बी.ए. तृतीय वर्ष), आयुषी पाण्डेय (बी.ए. प्रथम वर्ष), शिल्पा (बी.ए. द्वितीय वर्ष) व सांत्वना पुरस्कार ऊषा देवी समूह की अंकिता सिंह (एम.ए. द्वितीय वर्ष), दीक्षा मिश्रा (एम.ए. द्वितीय वर्ष), गरिमा त्रिपाठी (एम.ए. द्वितीय वर्ष) व कृति गौड़ (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री शारदा रानी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शिप्रा सिंह ने की।

विशिष्ट व्याख्यान देते प्रो. प्रत्यूष दूबे

## विशिष्ट व्याख्यान

14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा एकदिवसीय विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. प्रत्यूष दूबे ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने तथा संयोजन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने किया। मंच संचालन श्री प्रभाकर पाण्डेय ने किया।

## एम. विश्वेश्वरैया जयन्ती

15 सितम्बर को प्रार्थना सभा में देश के महान वैज्ञानिक एम. विश्वेश्वरैया की जयन्ती के अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक वर्मा ने व्याख्यान प्रस्तुत कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री अभिषेक वर्मा

## विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

16 सितम्बर को प्रार्थना सभा में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत कर सभी को ओजोन परत के संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

ओजोन परत की महत्ता को बताते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

## विश्वकर्मा जयन्ती

17 सितम्बर को प्रार्थना सभा में देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपने सारगर्भित व्याख्यान के माध्यम से भारतीय देवमण्डल के इस पौराणिक देवता द्वारा भिन्न-भिन्न युगों एवं कालखण्डों में की गयी विभिन्न प्रकार की रचनाओं के विषय में अपने विचार प्रस्तुत कर देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा के कृतित्व से सभी को परिचित कराते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धाजलि अर्पित की।

भगवान विश्वकर्मा को स्मरण करते हुए डॉ. विजय कुमार चौधरी

## योगाभ्यास

18 सितम्बर को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षिका के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने उपस्थित समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को योग एवं प्राणायाम के विभिन्न लाभों को बताते हुए योग के विविध प्रकार के आसनों का योगाभ्यास कराया।

योगाभ्यास करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

## फ्रीडम रन कार्यक्रम

18 सितम्बर को एन.सी.सी. 45वीं बटालियन द्वारा फ्रीडम रन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एन.सी.सी. 45वीं बटालियन के सी.टी.ओ. श्री रमाकान्त दूबे एवं 15वीं बटालियन की सी.टी.ओ. सान्त्वना श्रीवास्तव ने किया।

दौड़ लगाते एन.सी.सी. के कैडेट

## युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 52वीं एवं राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 7वीं पुण्यतिथि श्रद्धांजलि सभा ( उद्घाटन समारोह )

19 सितम्बर को गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 52वीं एवं राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 7वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बी.आर. डी. मेडिकल कालेज के मेडिसिन विभाग के एसो. प्रोफेसर डॉ. राजकिशोर सिंह एवं मुख्य अतिथि के रूप में एम्स गोरखपुर की डाइरेक्टर डॉ. सुरेखा किशोर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की।

उद्बोधन देती एम्स गोरखपुर की डाइरेक्टर डॉ. सुरेखा किशोर

उद्बोधन देते बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के डॉ. राजकिशोर सिंह

## विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करतीं श्रीमती आकृति पाण्डेय

21 सितम्बर को विश्व अल्जाइमर दिवस के अवसर पर 'बढ़ती उम्र और अल्जाइमर रोग' विषय पर गृह विज्ञान विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सृजन मेंटल वेलनेस सोसाइटी की बाल मनोविशेषज्ञ श्रीमती आकृति पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती

शिप्रा सिंह एवं संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक तथा संचालन डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने किया।

## युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धांजलि कार्यक्रम

महन्त द्वय को श्रद्धांजलि अर्पित करतीं प्रो. शोभा गौड़

23 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी एवं राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की आचार्य प्रो. शोभा गौड़ ने महन्तद्वय के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राणी विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह एवं संचालन तथा संयोजन मनोविज्ञान विभाग के आचार्य डॉ. वेंकट रमन ने किया।

महन्त द्वय को श्रद्धांजलि अर्पित करते महाविद्यालय के शिक्षक

स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. आर.एन. सिंह

उद्बोधन देतीं प्रो. शोभा गौड़

## युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धांजलि समारोह ( समापन समारोह )

अश्विन कृष्ण तृतीय तद्नुसार 24 सितम्बर को युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी की 52वीं पुण्यतिथि तथा राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 7वीं पुण्यतिथि की के अवसर पर श्रीगोरखनाथ मंदिर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से सम्बद्ध सभी शिक्षण संस्थाओं के संस्थाध्यक्षों ने महाराज जी द्वय के विराट व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

उद्बोधन देते पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सतीश धवन जयंती

श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री विनय कुमार सिंह

25 सितम्बर को प्रार्थना सभा में देश के महान विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं प्रसिद्ध वैज्ञानिक सतीश धवन की जयंती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर दोनों महान विभूतियों को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

## व्याख्यान प्रतियोगिता

25 सितम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें एम.एस-सी. अंतिम वर्ष की श्वेता मिश्रा, गरिमा चौहान एवं सुजीत चौरसिया को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल के रूप में

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं विद्यार्थी

प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में उपस्थित शिक्षक

श्रद्धांजलि करते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार बरनवाल, डॉ. राम सहाय, श्री संजय जायसवाल एवं श्रीमती प्रियंका मिश्र उपस्थित रहीं।

## राजाराम मोहन राय पुण्यतिथि

27 सितम्बर को प्रार्थना सभा में देश के महान समाज सुधारक राजाराम मोहन राय की पुण्यतिथि के अवसर पर इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

## विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान में उपस्थित विद्यार्थी

27 सितम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा "साहित्य क्या है?" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. विमलेश कुमार मिश्र ने बतौर मुख्य वक्ता अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने तथा संयोजन एवं संचालन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

## सरदार भगत सिंह जयन्ती

व्याख्यान के माध्यम से श्रद्धांजलि देते श्री जीतेन्द्र प्रजापति

28 सितम्बर को प्रार्थना सभा में देश के वीर क्रांतिकारी एवं माँ भारती के सच्चे सपूत सरदार भगत सिंह की जयंती के अवसर पर इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जीतेन्द्र प्रजापति ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

## छात्रसंघ चुनाव – कक्षा प्रतिनिधि चयन एवं पर्चा दाखिला

28 सितम्बर को छात्रसंघ चुनाव के प्रथम चरण के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों के चुनाव का आयोजन किया गया। प्रत्येक कक्षा में बहुविकल्पीय परीक्षा का आयोजन किया गया। संचालित सभी पाठ्यक्रमों/विषयों के अन्तर्गत 70 में से 65 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव छात्रसंघ संविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्रसंघ

कक्षा प्रतिनिधि चुनाव में सम्मिलित होते विद्यार्थी

उम्मीदवारों के परचे की जाँच करते शिक्षक

चुनाव में अध्यक्ष पद पर 4, उपाध्यक्ष पद पर 2, महामंत्री पद पर 2 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 2 प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिल किया।

## छात्रसंघ चुनाव – योग्यता भाषण

29 सितम्बर को छात्रसंघ चुनाव के नामांकित प्रत्याशियों द्वारा योग्यता भाषण का प्रस्तुतीकरण किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद के लिए श्री राकेश गुप्ता, श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, श्री ज्ञानेश्वर मणि उपाध्याय एवं श्री सूरज गुप्ता, उपाध्यक्ष पद के लिए श्री दुर्गेश पाल एवं श्री शुभम कुमार वर्मा, महामंत्री पद के लिए श्री राहुल यादव एवं श्री सौरभ कुमार तथा पुस्तकालय मंत्री हेतु श्री विशाल प्रसाद एवं श्री संदीप यादव ने विद्यार्थियों के समक्ष अपना–अपना विचार प्रस्तुत कर उनसे अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

विद्यार्थियों के समक्ष अपने पक्ष में मतदान की अपील करते तथा योग्यता भाषण प्रस्तुत करते विभिन्न पदों के उम्मीदवार

## छात्रसंघ चुनाव – मतदान

30 सितम्बर को छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न हुई जिसमें अध्यक्ष पद पर श्री सूरज गुप्ता अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी से 120 मतों से, उपाध्यक्ष पद पर श्री शुभम कुमार वर्मा 44 मतों से, महामंत्री पद पर श्री राहुल यादव 170 मतों से एवं पुस्तकालय मंत्री पद पर श्री संदीप

मतदान हेतु कतारबद्ध विद्यार्थी

विद्यार्थियों की जाँच करते शिक्षक

मताधिकार का प्रयोग करतीं छात्राएं

विजेता प्रत्याशी को प्रमाण-पत्र देते डॉ. शिव कुमार वर्नवाल

विजय के बाद प्रसन्नचित मुद्रा में विजेता प्रत्याशी

यादव 133 मतों के अन्तर से विजयी घोषित हुए। अन्त में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. शिव कुमार बरनवाल ने विजित प्रत्याशियों को प्रमाण–पत्र देकर उन्हें भावी जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

## महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

2 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के जयन्ती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पश्चात मध्यकालीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से दोनों महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

## विशिष्ट व्याख्यान

4 अक्टूबर को भूगोल विभाग के तत्वावधान में 'पर्यावरण अवनयन : कारण, परिणाम एवं निदान' विषय पर एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बापू पी. जी. कॉलेज, पीपीगंज के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री सूरज मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अरविन्द कुमार मौर्य व कार्यक्रम का संयोजन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक सिंह ने तथा अध्यक्षता विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता ने की।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री सूरज मिश्र

## गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि

7 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि पर राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री हरिकेश यादव ने गुरु गोविन्द सिंह के जीवन दर्शन से सम्बन्धित व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री हरिकेश यादव

## वायुसेना दिवस एवं मुंशी प्रेमचन्द स्मृति दिवस

8 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में वायुसेना दिवस पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने वायुसेना के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात साहित्य में 'कलम का सिपाही' कहे जाने वाले प्रसिद्ध उपन्यासकार, कहानीकार मुंशी प्रेमचन्द के जीवन व्यक्तित्व के साथ ही साहित्यिक उपलब्धियों पर भी प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किया।

भारतीय वायुसेना के विषय में विद्यार्थियों का ज्ञानवर्द्धन करते डॉ. अभिषेक सिंह

## योगाभ्यास कार्यक्रम

योगाभ्यास कराते श्री विनय कुमार सिंह

9 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने ध्यान, अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं अन्य सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## विशिष्ट व्याख्यान

9 अक्टूबर को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में "मेडिकल-टेक्सटाइल" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महायोगी गोरक्षनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर की होम-साइंटिस्ट डॉ. श्वेता सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दूबे व कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी सुश्री शारदा रानी ने की।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करतीं सुश्री शारदा रानी

व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. श्वेता सिंह

## विशिष्ट व्याख्यान

9 अक्टूबर को शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 'सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि नेशनल पी.जी. कॉलेज, बड़हलगंज-गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद व कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने की।

व्याख्यान प्रस्तु करते डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

## वाल्मीकि जयंती

20 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में वाल्मीकि जयंती के अवसर पर महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक ने वाल्मीकि जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धा-सुमन अर्पित करतीं डॉ. नेहा कौशिक

## ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का शुभारम्भ

21 अक्टूबर को गृहविज्ञान विभाग द्वारा 'ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर' विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दूबे ने किया। उद्घाटन सत्र का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने किया।

ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का शुभारम्भ

## पोस्टर प्रतियोगिता

21 अक्टूबर को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री निक्की शर्मा ने प्रथम, अंकिता निषाद ने द्वितीय एवं अभिजीत गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्नातक स्तर पर बी.ए. भाग दो की सुश्री खुशबू प्रजापति ने प्रथम, श्री दिलीप कुमार ने द्वितीय एवं सुधा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. नन्दन शर्मा, सुश्री श्वेता, श्री सिद्धार्थ शुक्ल ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

प्रतियोगिता के विजित प्रतिभागी

## अमर शहीद अशफाक उल्ला खाँ जयंती

22 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में माँ भारती के अमर सपूत अशफाक उल्ला खाँ की जयंती के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ शुक्ल ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

अशफाक उल्ला खाँ को श्रद्धांजलि देते श्री सिद्धार्थ शुक्ल

## योग प्रशिक्षण

23 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कया गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने योग से होने वाले स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए विविध प्रकार के योगाभ्यास का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योगाभ्यास करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

बैठक में उपस्थित शिक्षक

## ऑनलाइन प्राचार्य-शिक्षक बैठक

रात्रि 09:30 पर प्राचार्य शिक्षक ऑनलाइन जूम एप पर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पठन-पाठन एवं स्मार्ट क्लास संचालन पर आपसी चर्चा एवं परिचर्चा की गयी। बैठक की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। बैठक में समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

## विशिष्ट व्याख्यान

26 अक्टूबर को महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग द्वारा ''जाति व्यवस्था'' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने की तथा कार्यक्रम का संचालन व संयोजन समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री बृजभूषण लाल ने किया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

## प्रदर्शनी

26 अक्टूबर को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा ''उद्यमिता विकास एवं सशक्तिकरण'' विषय पर गृहविज्ञान प्रयोगशाला में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान उपस्थित रहीं। प्रदर्शनी कार्यक्रम का संयोजन गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दूबे ने किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते महाविद्यालय के शिक्षक

## यतीन्द्रनाथ दास जयन्ती

27 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में महान क्रान्तिकारी यतीन्द्रनाथ दास जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री चन्दन ठाकुर ने अपने व्याख्यान के माध्यम से यतीन्द्रनाथ दास के जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते श्री चन्दन ठाकुर

## प्राचार्य-शिक्षक बैठक ( ऑनलाइन )

रात्रि 09:30 पर प्राचार्य शिक्षक ऑनलाइन जूम एप पर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पठन-पाठन पर आपसी चर्चा एवं परिचर्चा की गयी। बैठक की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। बैठक में समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित शिक्षक

## अभिरूचिकारी व्याख्यान

29 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग द्वारा ''आधुनिक परिदृश्य में प्रबन्धन का बदलता स्वरूप'' विषय पर एक अभिरूचिकारी व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के

अभिरूचकारी व्याख्यान प्रस्तुत करतीं सुश्री श्वेता प्रजापति

रूप में वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री चन्दन ठाकुर ने किया तथा कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ शुक्ल ने किया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सुधीर नरायण सिंह

30 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'गेमिंग इफेक्ट ऑन लैंग्वेज एण्ड कम्यूनिकेशन स्किल' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में मदन मोहन मालवीय प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं प्रबन्धन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुधीर नारायण सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## होमी जहाँगीर भाभा एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती

श्रद्धा-सुमन अर्पित करतीं सुश्री दीप्ति गुप्ता

30 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में देश के महान वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा एवं लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम की मुख्य वक्ता बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता ने अपने व्याख्यान के माध्यम से दोनों महापुरुषों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से दोनों महानुभावों के प्रति हार्दिक श्रद्धाजंलि अर्पित की।

## व्यापार मेला

व्यापार मेला में स्वनिर्मित सामानों की प्रदर्शनी लगाते विद्यार्थी

30 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग द्वारा एक 'व्यापार मेला' का आयोजन किया गया। इस व्यापार मेले में स्वावलम्बी ग्राम योजना के अन्तर्गत दीपावली पर्व के अवसर पर विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों का विपणन कार्य करने के गुण विद्यार्थियों को सिखाये गये। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## विशिष्ट व्याख्यान

09 नवम्बर को रसायन विज्ञान विभाग में 'एजिरिडीन यौगिक की उपादेयता' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। व्याख्यान में नार्थ इस्टर्न रिजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, ईटानगर के रसायनशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल एवं संयोजन रसायनशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती प्रियंका मिश्रा तथा संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामसहाय ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव एवं उपस्थित विद्यार्थी

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते विभाग के शिक्षक

## प्राचार्य-शिक्षक बैठक

बैठक में उपस्थित शिक्षक

10 नवम्बर को रात्रि 09:30 पर प्राचार्य शिक्षक ऑनलाइन जूम एप पर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव, पठन-पाठन एवं अनुशासन आदि पर आपसी चर्चा एवं परिचर्चा की गयी। बैठक की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। बैठक में समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

## पं. मदनमोहन मालवीय पुण्यतिथि

12 नवम्बर को प्रार्थना सभा में भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय की पुण्यतिथि के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने पं. मदन मोहन मालवीय जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें महाविद्यालय परिसर की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महामना मदन मोहन मालवीय को श्रद्धांजलि अर्पित करतीं श्रीमती साधना सिंह

## पारिवारिक पौधशाला का उद्घाटन

12 नवम्बर को गृहविज्ञान विभाग द्वारा पारिवारिक पौधशाला का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह रही। कार्यक्रम का संयोजन गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दूबे ने किया।

पौधारोपण करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह एवं विद्यार्थी

## योगाभ्यास

13 नवम्बर को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के आचार्य श्री सिद्धार्थ शुक्ल ने योग के महत्व को बताते हुए विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया।

योगाभ्यास करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

## प्राचार्य-शिक्षक बैठक

बैठक में उपस्थित शिक्षकगण

13 नवम्बर का रात्रि 09:30 पर प्राचार्य शिक्षक ऑनलाइन जूम एप पर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्मार्ट क्लास संचालन, परिसर संस्कृति आदि विषय पर आपसी चर्चा-परिचर्चा की गयी। बैठक की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। बैठक में समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

## संत विनोबा भावे जयन्ती

15 नवम्बर को प्रार्थना सभा में भूदान आन्दोलन के प्रणेता संत विनोबा भावे की जयन्ती के अवसर पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द मौर्य ने व्याख्यान प्रस्तुत कर उनके द्वारा चलाये गये भूदान आन्दोलन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हे भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते श्री अरविन्द मौर्य

## राष्ट्रीय प्रेस दिवस

16 नवम्बर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर रक्षा एवं स्त्रतजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रमाकान्त दूबे ने प्रेस के महत्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रेस के महत्व को समझाते श्री रमाकान्त दूबे

## भाषण प्रतियोगिता

16 नवम्बर को शिक्षाशास्त्र विभाग में 'विद्यार्थी जीवन में शिक्षा की भूमिका' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 32 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष की अंकिता दूबे को प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष की खुश्बू प्रजापति को द्वितीय तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के दिलीप कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह, इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति एवं गृहविज्ञान विभाग की अध्यक्ष सुश्री शारदा रानी रही। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

## लाला लाजपत राय बलिदान दिवस

17 नवम्बर को प्रार्थना सभा में भारत के लौह पुरुष माने जाने वाले लाला लाजपत राय के बलिदान दिवस के अवसर पर वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते श्री नन्दन शर्मा

## रानी लक्ष्मीबाई एवं गुरुनानक जयन्ती

19 नवम्बर को प्रार्थना सभा में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई एवं सिख धार्म के संस्थापक गुरुनानक देव की जयन्ती के अवसर पर हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर दोनों महानुभावों को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करतीं डॉ. आरती सिंह

## योगाभ्यास

20 नवम्बर को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने योग का महत्व बताते हुए, विद्यार्थियों को विभिन्न यौगिक आसनों का योगाभ्यास कराया।

योगाभ्यास करते महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं योग का प्रशिक्षण देते डॉ. सतेन्द्र नाथ शुक्ल

## मतदान जागरूकता कार्यक्रम

22 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने व्याख्यान प्रस्तुत कर मतदान के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस अवसर पर सभी पंजीकृत मतदाताओं को अनिवार्यत: मतदान की शपथ भी दिलायी गयी। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्री बृजभूषण लाल ने किया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान अनिवार्य मतदान की शपथ लेते महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

श्रद्धांजलि अर्पित करतीं डॉ. सुधा शुक्ला

## झलकारी बाई जयन्ती

22 नवम्बर को प्रार्थना सभा में वीरांगना झलकारी बाई के जयन्ती के अवसर पर हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

## जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि

23 नवम्बर को प्रार्थना सभा में देश के महान वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस की पुण्यतिथि के अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

## गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस

24 नवम्बर को प्रार्थना सभा में सिख धार्म के बलिदानी गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस के अवसर पर इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति ने व्याख्यान प्रस्तुत कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते श्री जितेन्द्र प्रजापति

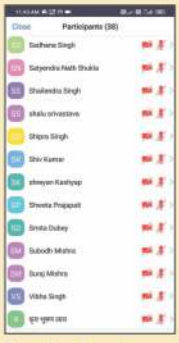


बैठक में उपस्थित शिक्षकगण

## प्राचार्य-शिक्षक बैठक

24 नवम्बर को रात्रि 09:30 पर नियमित प्राचार्य-शिक्षक ऑनलाइन बैठक जूम एप पर सम्पन्न हुई। बैठक में पठन-पाठन के साथ-साथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थपक समारोह में महाविद्यालय की सहभागिता पर आपसी चर्चा एवं परिचर्चा की गयी। बैठक की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। बैठक में समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

## योगाभ्यास कार्यक्रम

27 नवम्बर को प्रार्थना सभा में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सतेन्द्र नाथ सिंह ने योग का महत्व बताते हुए, विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया।

योगाभ्यास करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

## राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय शिविर

01 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों ईकाईयों के स्वयंसेवकों द्वारा लोगों को एड्स महामारी के प्रति जागरूक करने के लिए पोस्टर, बैनर आदि माध्यमों का प्रयोग कर जागरूक किया गया। जागरूकता रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

एड्स के प्रति जनजागरूकता रैली निकालते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

## डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती

03 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने व्याख्यान प्रस्तुत कर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा-सुमन अर्पित श्री अभिषेक त्रिपाठी

## महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह ( शोभा यात्रा उद्घाटन कार्यक्रम )

04 से 10 दिसम्बर तक प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय रूप से सहभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय खेल, युवा, सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर उपस्थित रहे। महाविद्यालय द्वारा शोभा यात्रा के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में छात्र/छात्राओं द्वारा

शोभायात्रा में सम्मिलित महाविद्यालय का वाद्य दल

शोभायात्रा में सम्मिलित महाविद्यालय की विभिन्न विषयों पर आधारित झाकियाँ एवं महाविद्यालय का वाद्य दल

शोभायात्रा में सम्मिलित महाविद्यालय की विभिन्न विषयों पर आधारित झाकियाँ

शोभायात्रा में सम्मिलित महाविद्यालय का अनुशासित दल

शोभायात्रा में सम्मिलित महाविद्यालय की पैना जल जौहर की झाँकी

विविध महत्वपूर्ण विषयों यथा चौरी–चौरा शताब्दी वर्ष, मिशन मंझरिया उन्नत भारत अभिमान आदि को उकेरने वाली मनमोहक व महत्वपूर्ण झांकिया निकाली गई, जो शहर वासियों को आकृष्ट कर रही थी। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने की।

## महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का संस्थापक समारोह ( पुरस्कार वितरण एवं मुख्य महोत्सव )

10 दिसम्बर को महाविद्यालय महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्रलय के कैबिनेट मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा योग्यता छात्रवृत्ति, विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शोभा–यात्रा में श्रेष्ठ पद संचलन एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं में सर्वश्रेष्ठ कार्य के आधार पर श्रेष्ठम संस्था सहित, श्रेष्ठतम् शिक्षक एवं कर्मचारी को पुरस्कृत किया गया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की विभिन्न संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को कुल 800 से अधिक विविधा पुरस्कार प्रदान किया गया। महाविद्यालय की तरफ से विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान सुश्री अनुश्री (बी.एड्. प्रथम वर्ष), आशुभाषण प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में द्वितीय स्थान ज्ञानेन्द्र पाण्डेय (बी.ए. द्वितीय वर्ष), गोरखवाणी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान स्नातक वर्ग में कुँवर अमन सिंह (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष), ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक श्री सुजीत कुमार (एम.एस–सी. अन्तिम वर्ष) हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान स्नातक वर्ग में कुँवर अमन सिंह (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष) एवं बालीबाल प्रतियोगिता की बालिका वर्ग की टीम को उपविजेता घोषित कर उन्हें पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि से सम्मान प्राप्त करते श्री सुजीत कुमार सिंह

मुख्य अतिथि से पुरस्कृत होते कुँवर अमन सिंह

मुख्य अतिथि से पुरस्कृत होते कुँवर शिवम सिंह

## सी.डी.एस. 06 जनरल विपिन रावत निधन पर एक शोक सभा

09 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में देश के प्रथम सी.डी.एस. जनरल विपिन रावत के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने जनरल विपिन रावत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रार्थना सभा में उपस्थित समस्त शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण ने दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें मौन रूप से श्रद्धा–सुमन अर्पित किया।

जनरल विपिन रावत के निधन पर आयोजित मौन सभा

## राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर व्याख्यान

14 दिसम्बर को महाविद्यालय की प्रार्थना सभा में 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने ऊर्जा के विविध उपक्रमों के विषय में बताते हुए ऊर्जा संरक्षण करने हेतु सभी को प्रेरित किया।

ऊर्जा संरक्षण के महत्व को समझाते डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर

## योग्यता छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम

14 दिसम्बर को महाविद्यालय में योग्यता छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने–अपने कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन करने वाले प्रथम दो विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के आदरणीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र द्वारा नकद छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंजली मिश्रा पुत्री मन्टू मिश्रा बी.एस–सी. भाग–एक, प्रीति कोसले पुत्री श्री भागवत प्रसाद बी.एस–सी. भाग–एक, सुहानी सिंह पुत्री श्री बृजभूषण सिंह बी. एस–सी. भाग–दो, आदित्य प्रजापति पुत्र श्री राजेश प्रसाद प्रजापति बी.एस–सी. भाग–दो, बिट्टू कुशवाहा पुत्र श्री श्रवण कुशवाहा, बी.एस–सी. भाग–दो, सिल्की कुमारी पुत्री श्री श्याम सुन्दर प्रसाद बी.एस–सी. भाग–तीन, मनीष कुमार दूबे पुत्र श्री वशिष्ठ दूबे बी.एस–सी. भाग–तीन, अमित कुमार पटवा पुत्र श्री गणेश पटवा बी.ए. भाग–एक,

विद्यार्थियों को प्रेरणादायी उद्बोधन देते श्री प्रमथ नाथ मिश्र

अपनी-अपनी कक्षाओं में योग्यता छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थी एवं मंचस्थ अतिथि

मोनी खातून पुत्री श्री करिमुल्लाह बी.ए. भाग–एक, श्यामसुन्दर यादव पुत्र श्री रामचन्द्र यादव बी.ए. भाग–दो, अभिषेक यादव पुत्र श्री प्रभुनाथ यादव बी.ए. भाग–दो, ज्योति यादव पुत्री श्री व्यासमुनि यादव बी.ए. भाग–दो, विशाल प्रसाद पुत्र श्री उमेश प्रसाद बी.ए. भाग–दो, दीपचन्द पुत्र श्री सुभाषचन्द साहनी बी.ए. भाग–तीन, सुरज गुप्ता पुत्र श्री दयाराम गुप्ता बी.ए. भाग–तीन, सुनिधि सिंह पुत्री श्री सुबास चन्द्र सिंह बी.काम. भाग एक, उत्कर्ष राय पुत्र श्री मनोज कुमार राय बी.काम. भाग–एक, रमा शुक्ला पुत्री प्रेम नारायण शुक्ला बी.काम. भाग दो, लक्ष्मी शुक्ला पुत्री श्री प्रेम नारायण शुक्ला बी.काम. भाग–दो, विघ्नेश्वर सिंह पुत्र श्री उग्रसेन सिंह बी.काम. भाग–तीन, रशीदा खातुन पुत्री सखावतुल्लाह बी.काम भाग–तीन, अंजली मद्धेशिया पुत्री श्री राजेश कुमार मद्धेशिया एम.एस–सी. प्रथम वर्ष, मुन्ना कुमार निषाद पुत्र श्री राम सुधारे एम.एस–सी. प्रथम वर्ष, श्वेता पुत्री श्री प्रमोद कुमार मिश्रा, एम. एस–सी. अन्तिम वर्ष, रसायनशास्त्र, गरिमा मल्ल पुत्री श्री सदावृक्ष मल्ल एम.एस–सी. अन्तिम वर्ष रसायनशास्त्र, गौरव गुप्ता पुत्र श्री द्वारिका गुप्ता एम.ए. प्रथम वर्ष भूगोल, सीमा कुमारी पुत्री श्री किमेश्वर पाण्डेय एम.ए. प्रथम वर्ष भूगोल, आदित्यनाथ पुत्र श्री राजकिशोर एम.ए. अन्तिम वर्ष भूगोल, दीनू चौरसिया पुत्र श्री भजुराम प्रसाद चौरसिया एम.ए. अन्तिम वर्ष भूगोल, ऋचा ओझा पुत्री श्री विक्रम ओझा, एम.ए. प्रथम वर्ष हिन्दी, रूबी गुप्ता पुत्री श्री जवाहर गुप्ता एम.ए. प्रथम वर्ष हिन्दी, सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा पुत्र श्री अनिल कुमार पाण्डेय एम.ए. प्रथम वर्ष राजनीतिशास्त्र, मन्जू यादव पुत्री श्री शिवशंकर यादव एम.ए. प्रथम वर्ष समाजशास्त्र, मनीषा यादव पुत्री श्री रंजीत यादव एम.ए. प्रथम वर्ष समाजशास्त्र, पूजा विश्वकर्मा पुत्री दिलीप विश्वकर्मा एम.ए. प्रथम वर्ष इतिहास, निशा निषाद पुत्री श्री भोला निष्ठाद एम.ए. अन्तिम वर्ष इतिहास, आम्बिका सिंह पुत्री श्री वीरेन्द्र सिंह एम.ए. अन्तिम वर्ष गृह विज्ञान, नेहा विश्वकर्मा पुत्री श्री शशि कुमार विश्वकर्मा एम.ए. अन्तिम वर्ष गृहविज्ञान, चौधरी मानसी कीर्तन पुत्री श्री कीर्तन चौधरी एम.काम. प्रथम वर्ष, साक्षी तिवारी पुत्री श्री प्रेम प्रकाश तिवारी एम.ए. प्रथम वर्ष, कुमारी सावित्री सिंह पुत्री श्री तारकेश्वर सिंह एम.काम अन्तिम वर्ष, कृति गौड़ पुत्री श्री गिरीश कुमार गौड़ एम.काम अन्तिम वर्ष, शैलेन्द्र प्रजापति पुत्र श्री चन्द्रिका बी.एड्. प्रथम वर्ष, रीतिका सिंह पुत्री श्री सुरेश सिंह बी.एड्. प्रथम वर्ष, शिवेन्द्र वर्मा पुत्र श्री दीपक वर्मा बी.एड्. प्रथम वर्ष, बबिता गुप्ता पुत्री श्री रामनयन गुप्ता बी.एड्. अन्तिम वर्ष, तारकेश्वर पुत्र श्री

सुभाष चन्द गुप्ता बी.एड्. अन्तिम वर्ष, अनिता निषाद पुत्री श्री उदय राज निषाद बी.एड्. अन्तिम वर्ष को योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान किया गया।

## राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस

17 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस के अवसर पर प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने अपने व्याख्यान के माध्यम से माँ भारती के अमर सपूत राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश रखते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते श्री विनय कुमार सिंह

## पर्यावरण जागरूकता रैली

18 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महाविद्यालय परिसर से बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गये गाँव मंझरिया तक गयी। छात्राध्यापकों द्वारा गाँव के लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए स्लोगन तख्तियों, पोस्टर व बैनर के माध्यम से जानकारी दी गई। इस रैली में बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के कुल 82 छात्राध्यापकों सहित विभाग के सभी शिक्षकों ने सहभाग किया। इस जन जागरूकता रैली का नेतृत्व मिशन मंझरियां की प्रभारी एवं बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

जन जागरूकता रैली निकालते बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापिकाएं

## विशिष्ट व्याख्यान

18 दिसम्बर को महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 'जैविक कृषि' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, गुरु श्रीगोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र चौक माफी के डॉ. संदीप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश गुप्त ने तथा अध्यक्षता डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने की।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. संदीप सिंह

## योगाभ्यास कार्यक्रम

18 दिसम्बर को प्रार्थना सभा के अन्तर्गत योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विषय के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों उपस्थित रहे।

योगाभ्यास का प्रशिक्षण देते डॉ. सतेन्द्रनाथ शुक्ल एवं योग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

## एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

कार्यशाला में उद्बोधन देते हुए डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

20 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल व प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र उपस्थित रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने की। कार्यशाला में स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं क्रियाविधि के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों ईकाईयों के समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

## स्वच्छता जागरूकता रैली

जन जागरूकता रैली निकालते शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थी एवं शिक्षक

20 दिसम्बर को शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा ''स्वच्छता जागरूकता रैली'' का आयोजन किया गया। यह रैली महाविद्यालय से प्रारम्भ होकर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम हसनगंज तक गयी। रैली का संयोजन

बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधाना सिंह ने किया। रैली में शिक्षाशास्त्र विषय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लगभग 50 विद्यार्थियों ने सहभाग किया तथा विभाग के सभी शिक्षक भी इस रैली में सम्मिलित हुए।

## विशिष्ट व्याख्यान

20 दिसम्बर को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा "जलवायु परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग के विशेष सन्दर्भ में" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश गुप्ता ने किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने की।

व्याख्यान देतीं डॉ. शालू श्रीवास्वत एवं उपस्थित विद्यार्थी

## राजा वीर छत्रसाल जयन्ती

20 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में बुन्देला राजा वीर छत्रसाल की जयन्ती के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री बृजभूषण लाल ने अपने व्याख्यान के माधयम से राजा छत्रसाल को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते डॉ. बृजभूषण लाल

## प्रथम एक दिवसीय शिविर

21 दिसम्बर को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। एक दिवसीय शिविर के अन्तर्गत अभिग्रहीत ग्राम-हसनगंज में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया तथा एक बौद्धिक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। बौद्धिक विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाइयों के सभी स्वयंसेवक/ स्वयंसेविकाए उपस्थित रहे।

श्रमदान करते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

## रामानुजन जयन्ती

22 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में भारत के महान गणितज्ञ रामानुजन की जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य श्री कालीशंकर पाण्डेय ने अपने व्याख्यान के माध्यम से महाविद्यालय परिवार की ओर से श्री रामानुजन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करते श्री कालीशंकर पाण्डेय

## राष्ट्रीय गणित दिवस

22 दिसम्बर को गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय गोरखपुर के गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विनित मिश्रा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्रीकान्तमणि त्रिपाठी ने किया तथा आभार सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरूण राव ने किया।

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते श्री श्रीकान्तमणि त्रिपाठी

## स्वास्थ्य शिविर

23 दिसम्बर को वाणिज्य विभाग द्वारा अपने अधिगृहित गाँव तिनकोनिया नं. 02 में स्वावलम्बी ग्राम योजना के अन्तर्गत एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में गुरु श्रीगोरखनाथ चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र द्वारा गांव के लोगों को परामर्श दिया गया। शिविर में 200 से अधिक परिवारों को स्वास्थ्य परामर्श एवं नि:शुल्क दवा वितरित किया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरित करते चिकित्सक

## चौधरी चरण सिंह जयन्ती

23 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की जयन्ती

के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

चौधरी चरण सिंह को श्रद्धा-सुमन अर्पित करते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

## विज्ञान प्रदर्शनी

24 दिसम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि के रूप में एशियन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, मणिपुर के सहायक आचार्य डॉ. शोभित कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के कुल 90 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. एस-सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों अर्चना साहनी, पूजा गुप्ता, प्रीति शर्मा, हर्षिता सिंह एवं पवन कुमार, अंजली मिश्रा, निकिता मिश्रा, रितु सिंह व शताक्षी सिंह की टीम के माडल को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान पर बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की कोमल पासवान के माडल को व तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से रेनू साहनी, अन्नु सिंह, प्रगति, खुशबू चौहान, रणवीर यादव व स्नेहलता के माडल को विजयी घोषित किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी का संयोजक प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार ने किया। निर्णायक मण्डल में श्री विनय कुमार सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती साधना सिंह ने अपनें दायित्वों का कुशल निर्वहन किया।

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते विभागीय शिक्षक

## विशिष्ट व्याख्यान

24 दिसम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा मशरूम संवर्धन विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में एशियन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, मणिपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शोभित कुमार श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. शोभित कुमार श्रीवास्तव

## विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी में प्रदर्शित मॉडलों का अवलोकन करते विभागीय शिक्षक

27 दिसम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा एक भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर रहे। प्रदर्शनी में बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष के कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में प्रथम स्थान अमन कुमार यादव, ऋषिकांत विश्वकर्मा तथा मुंजेश पटेल के ग्रुप को, द्वितीय स्थान शिल्पी गौर के मॉडल को तथा तृतीय स्थान राजेश यादव, आशीष कुमार तथा शोएब के ग्रुप को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद एवं श्रीमती साधना सिंह रहीं। प्रदर्शनी का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. रघुवीर नारायण सिंह द्वारा किया गया।

## एक दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला को सम्बोधित करते मुख्य वक्ता डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र

28 दिसम्बर को मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'मानव व्यवहार का दैहिक आधार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में इन्दिरा गांधा राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्यप्रदेश के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा अतिथि स्वागत मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने तथा संचालन डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी ने किया।

## व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

28 दिसम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25 विद्यार्थियों ने अपने रोचक एवं प्रभावपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष के आदर्श कुमार ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष के तारकेश्वर पाण्डेय द्वितीय स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष की रोहिणी चौहान तृतीय स्थान, तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की नन्दिनी प्रजापति तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की नीतू यादव ने संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. श्रीराम चरित्र, श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुधा शुक्ल ने तथा अध्यक्षता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

## सुमित्रानन्दन पन्त पुण्यतिथि

28 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में हिन्दी भाषा के विख्यात कवि सुमित्रानन्दन पंत की पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने अपना उद्बोधन के माध्यम से सुमित्रानन्दन पन्त के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

पुण्यतिथि पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करतीं डॉ. आरती सिंह

## महर्षि रमण जयन्ती

30 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में महर्षि रमण जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने अपने व्याख्यान के माध्यम से महर्षि रमण के जीवन तथा व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि व्यक्त करतीं श्रीमती पुष्पा निषाद

## व्याख्यान प्रतियोगिता

04 जनवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा छात्रों में अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से एक व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की शिखा को प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष की आश्रिति सिंह को द्वितीय, बी.ए. द्वितीय वर्ष की प्रिया जायसवाल को तृतीय एवं बी.ए. प्रथम वर्ष के अभय शुक्ला को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, सुश्री स्मिता दूबे तथा सुश्री रितिका त्रिपाठी रहीं। कार्यक्रम की संयोजक अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

## व्याख्यान प्रतियोगिता

04 जनवरी को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष हेतु व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 38 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता अपराजिता उपाध्याय को प्रथम

स्थान, अमन कुमार यादव को द्वितीय स्थान तथा नम्रता सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. रघुवीर नारायण सिंह, सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार एवं श्री विनय कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

## शैक्षिक प्रदर्शनी

05 जनवरी को प्राणि विज्ञान विभाग के बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा एक भव्य शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के कुल 60 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चन्द्रप्रभा सिंह, चन्द्रकला सिंह, आकृति सिंह और अल्पना चौधरी के ग्रुप को, द्वितीय स्थान आदित्य पटेल, आकाश सिंह, भास्कर विश्वकर्मा तथा पिंकु कुमार के ग्रुप को तथा तृतीय स्थान प्रीति गुप्ता, शरीका सिंह तथा रागिनी सिंह के ग्रुप को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रितिका त्रिपाठी, सुश्री स्मिता दूबे एवं प्राणि विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह रहे। प्रदर्शनी का संयोजन श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

शैक्षिक प्रदर्शनी का अवलोकन करते शिक्षक एवं निर्णायक

## व्याख्यान प्रतियोगिता

8 जनवरी को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष हेतु शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के कुल 62 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से पूजा गुप्ता व अंजली मिश्रा को प्रथम स्थान, संयुक्त रूप से प्रीति गुप्ता व खुशबू चौहान को द्वितीय स्थान एवं प्रिया विश्वकर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. रघुवीर नारायण सिंह, सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार व श्री विनय कुमार सिंह रहे। प्रतियोगिता का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती विद्यार्थी

## विश्व हिन्दी दिवस

10 जनवरी को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

हिन्दी भाषा की महत्ता को समझाती डॉ. आरती सिंह

## कोविड-19 टीकाकरण शिविर

14 जनवरी को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने तथा विभिन्न विभागों द्वारा अधिग्रहित गांव यथा मंझरिया, तिनकोनिया, हसनगंज, जंगल धूसड़, रेतवाहिया, ककरहियां आदि के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरगांवा के स्वास्थ्य पर्यवेक्षक श्री राकेश पाठक एवं उनके सहयोगी श्री श्वेता सिंह एवं आशा कार्यकत्रियों का सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर में 305 लोगों का टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य टीम के प्रति राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी श्री बृजभूषण लाल ने आभार ज्ञापित किया।

टीकाकरण शिविर के दौरान टीका लगवाते विद्यार्थी

कम्बल प्राप्त करते महाविद्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

## कम्बल वितरण कार्यक्रम

21 जनवरी को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. मंजेश्वर, श्री विनय कुमार सिंह तथा वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों श्री विनोद, श्री विश्वनाथ, श्री विश्वनाथ, श्री रामलखन, श्री लालसा, श्री योगेन्द्र, श्री राजाराम, श्री रामअशीष सहित सभी को कम्बल वितरित किया गया।

## ऑनलाइन व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में उपस्थित प्रतिभागी

29 जनवरी को गृह विज्ञान विभाग द्वारा ''सर्वाइकल कैंसर और महिला जागरूकता'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 16 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम. ए. द्वितीय वर्ष की अम्बिका सिंह को प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष की अंकिता दूबे को द्वितीय एवं बी.ए. तृतीय वर्ष की कृति गौड़ को तृतीय तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की पिंकी सिंह को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव, सुश्री रितिका त्रिपाठी एवं सुश्री स्मिता दूबे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह विज्ञान विभाग प्रभारी श्री शिप्रा सिंह ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन व संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

## ऑनलाइन कहानी लेखन प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

04 फरवरी को अंग्रेजी विभाग के द्वारा एक ऑनलाइन कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 23 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की शिखा सिंह ने प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष की आँचल ने द्वितीय तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष की शोभा गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजेताओं का निर्णय एवं संयोजन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

## सरस्वती पूजन

सरस्वती पूजन में सम्मिलित शिक्षक एवं विद्यार्थी

05 फरवरी को महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति पूर्ण विधि-विधान से सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। पूजन कार्यक्रम में यजमान के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रही। इस अवसर पर पूजन कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण महाविद्यालय के फेसबुक पेज व यू-ट्यूब चैनल पर भी किया गया जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी साथ ही इस अवसर पर महाविद्यालय में उपस्थित कर्मचारी व शिक्षकों ने भी पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।

## ऑनलाइन निबन्ध प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

07 फरवरी को गृह विज्ञान विभाग द्वारा ''वैश्विक स्तर पर कैंसर का बढ़ता प्रकोप : कारण, रोकथाम एवं उपचार'' विषय पर ऑनलाइन निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष की अंकिता दूबे को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष की दीपशिखा सिंह को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की कृति गौड़, बी.ए. द्वितीय वर्ष की सपना गुप्ता व बी.ए. तृतीय वर्ष की क्षिप्रा रानी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक, सुश्री रितिका त्रिपाठी एवं सुश्री स्मिता दुबे उपस्थित रही।

## मतदाता जागरूकता अभियान

ग्रामीणों को जागरूक करते विभागीय विद्यार्थी

11 फरवरी को अंग्रेजी विभाग एवं प्राचीन इतिहास विभाग के विद्यार्थियों ने अपने-अपने अभिगृहीत ग्राम क्रमशः ककरहिया एवं छोटी रेतवहिया में ग्रामीणों को मतदान करने के लिए जागरूक किया।

## ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता

विद्यार्थियों द्वारा बनये गये पोस्टर

14 फरवरी को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष हेतु पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 41 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में शिल्वी गौड़ को प्रथम स्थान, दिव्यांशी सिंह को द्वितीय स्थान तथा प्रीति सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव रहे तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश गुप्ता ने किया।

## ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता

विद्यार्थियों द्वारा बनये गये पोस्टर एवं उपस्थित विभागी शिक्षक

14 फरवरी को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष हेतु पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 19 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रीति कुमारी को प्रथम स्थान, अनुपमा पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा रिंकी गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में डॉ. अखिलेश गुप्ता रहे तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

## ऑनलाइन मैप ड्राइंग प्रतियोगिता

15 फरवरी को भूगोल विभाग द्वारा 'भारत एवं विश्व मानचित्र' विषय पर एक मैप ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 55 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष के वीरेन्द्र चौहान को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के दीपचन्द्र को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष की कुमारी अर्चना चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. शालू श्रीवास्तवा व श्री अरविन्द कुमार मौर्य रहे। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन डॉ. नीलम गुप्ता ने किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

## ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

16 फरवरी को हिन्दी विभाग द्वारा 'साहित्य क्यों पढ़ें?' विषय पर एक ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता केन्द्रिय विश्वविद्यालय इलाहाबाद के हिन्दी विभाग के प्रोफेसर योगेन्द्र प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा शुक्ला ने संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

## ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

16 फरवरी को भूगोल विभाग द्वारा 'पर्यावरणीय समस्याएँ' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष की पूजा शर्मा को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के जसवंत चौहान को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की कुमारी आँचल चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. शालू श्रीवास्तवा व डॉ. नीलम गुप्ता रहीं। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने किया।

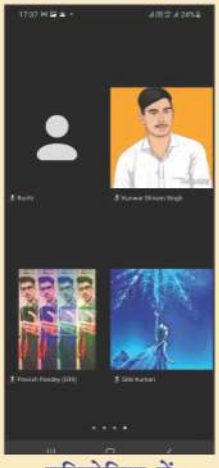

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

## शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

16 फरवरी को भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के कुँवर अमन सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के प्रवीण पाण्डेय को द्वितीय स्थान एवं बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की स्नेहा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. अभिषेक वर्मा व डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर रहे। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. अभिषेक वर्मा व संचालन डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थी द्वारा बनाया गया पोस्टर

## ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता

16 फरवरी को भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा 'आधुनिक विज्ञान में ऊर्जा के नये आयाम' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के आदित्य प्रजापति को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के कुँवर अमन एवं सिल्की कुमारी को द्वितीय स्थान एवं बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की सुनिधि व रिया को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. अभिषेक वर्मा व डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर रहे। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. अभिषेक वर्मा व संचालन डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया।

## ऑनलाइन शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

17 फरवरी को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष की अपराजिता उपाध्याय को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की राजलक्ष्मी को द्वितीय स्थान एवं बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के अमन कुमार यादव एवं ऋषिकान्त विश्वकर्मा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में डॉ. अखिलेश गुप्त रहे। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

व्याख्यान प्रस्तुत करते मोहम्मद अतिकुल्लाह

## ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

20 फरवरी को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'नेशनल इंटेलेक्चुअल एण्ड प्रापर्टी अवेयरनेस मिशन के सहयोग' से 'अवेयरनेस एण्ड ड्रेसिंग ऑन इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी' विषय पर एक ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में पेटेन्ट और डिजाइन, आई.पी.ओ. दिल्ली के सह-नियंत्रक मोहम्मद अतिकुल्लाह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. राम सहाय ने तथा संयोजन श्रीमती प्रियंका मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं
तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ
जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता।

– स्वामी विवेकानन्द

## महाविद्यालय का अभिनव प्रयोग

एक विभाग – एक गाँव
एक कॉलेज – एक गाँव

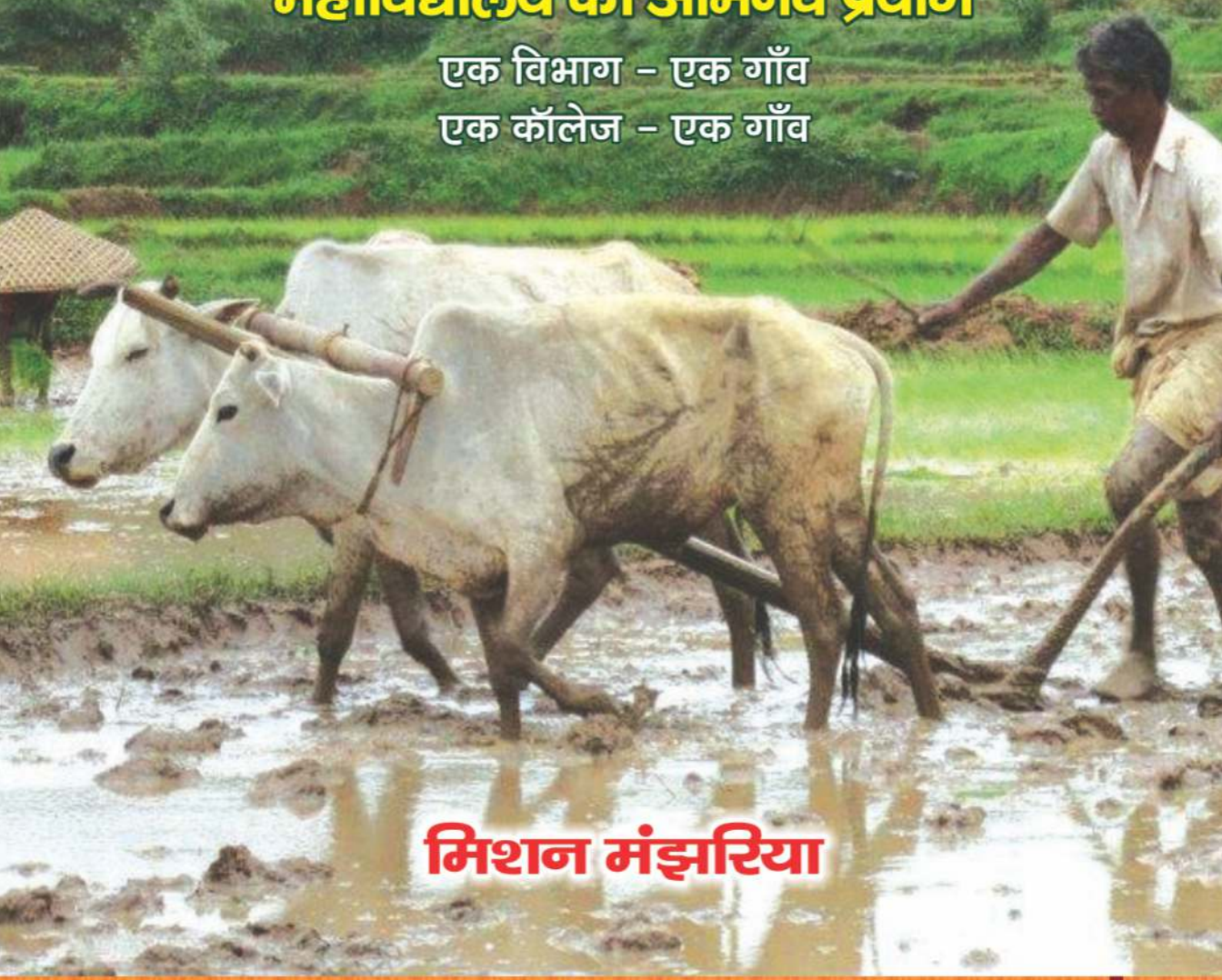

# मिशन मंझरिया

## मिशन मंझरिया

जंगल धूसड़ की ग्रामीण पृष्ठभूमि में स्थापित महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक-कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन-सरोकारों से सीधा-संवाद स्थापित किया। अपने स्थापना वर्ष में ही 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर महाविद्यालय द्वारा 'आदर्श ग्राम योजना' का स्वरूप निर्धारित किया गया। गाँव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग-एक गाँव' की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015-2017 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबंधक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गाँवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम सभा औराही में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान ने आदर्श-ग्राम योजना को अनुभव-जन्य गति प्रदान किया।

गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2021-22 ई. की योजना बैठक में 'एक विभाग-एक गाँव' योजना को पूर्ववत् जारी रखते हुए, कोरोना महामारी के कारण कुछ विलंब से महाविद्यालय से सटे ग्राम 'मंझरिया' को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गाँव बनाने की दिशा में 'मिशन मंझरिया' प्रारंभ किया गया। इस मिशन मंझरिया अभियान को बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के निर्देशन में 27 सितम्बर 2021 से पुनः मिशन बनाकर प्रतिदिन अपराह्न 2 से 4 बजे तक कार्य प्रारम्भ किया।

इस सत्र में छात्राध्यापकों के कुल आठ शिक्षण केन्द्र इस प्रकार है-

शिक्षण केन्द्र 01 – भीमराव अम्बेडकर शिक्षण केन्द्र

शिक्षण केन्द्र 02 – माँ सीता शिक्षण केन्द्र

शिक्षण केन्द्र 03 – माँ सरस्वती शिक्षण केन्द्र

शिक्षण केन्द्र 04 – वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र

## मिशन मंझरिया

शिक्षण केन्द्र 05 – माँ कात्यायनी शिक्षण केन्द्र

शिक्षण केन्द्र 06 – रानी पद्मिनी शिक्षण केन्द्र

शिक्षण केन्द्र 07 – रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र

शिक्षण केन्द्र 08 – स्वामी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र

**छात्राध्यापकों द्वारा अपने इस सेवा कार्य को 'मन से मंझरिया' नाम से संबोधित किया गया है।**

27 सितम्बर, 2021 ई. से छात्राध्यापकों का समूह मंझरिया ग्राम में विभिन्न शिक्षण केन्द्रों पर जाकर कोविड टीकाकरण सर्वे करने के साथ पठन-पाठन सर्वे के उपरान्त छात्राध्यापकों ने ज्ञान यश का कार्य प्रारंभ किया। कक्षा 01 से 10 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की नि:शुल्क कोचिंग कक्षाएं विभिन्न केन्द्रों पर माँ और बच्चों के साथ-साथ पढ़ाने का कार्य गत वर्ष की भांति जारी किया गया। प्रत्येक माह के अंत में पढ़ाये गये विषयों का मासिक मूल्यांकन भी किया जाता रहा, और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया है।

कोविड-19 टीकाकरण शिविर हेतु ग्रामवासियों का सर्वे करते मिशन मंझरियां के सेवाव्रती विद्यार्थी

## मिशन मंझरिया

04 नवंबर को दीपावली उत्सव भी इस मिशन का हिस्सा गत वर्ष की ही भाँति बनाया गया। छात्राध्यापकों के साथ ग्रामीण महिलाएं एवं गाँव के नौनिहाल पूर्ण मनोयोग से दीया पेंटिंग एंव सजावट कार्य में हर्षोल्लास के साथ लग गए।

दीपावली उत्सव के अन्तर्गत दिया बनाते एवं उनकी पेण्टिंग करते ग्राम मंझरियां के नौनिहाल एवं महिलायें

दीपोत्सव पर पोस्टर के द्वारा अपनी खुशी व्यक्त करते नौनिहाल

मिट्टी से खिलौना बनाना सीखते ग्राम मंझरियां के बच्चे

महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान, प्रार्थना, योगा आदि योजना की तर्ज पर प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का कार्य भी पूर्ववत् जारी रखा गया। प्रत्येक शनिवार आठों केन्द्रों पर शिक्षण कार्य स्थगित कर पहले अपने केन्द्र पर झाड़ू उठाकर छात्राध्यापक ग्रामीण महिलाएं एवं बच्चे साथ मिलकर सफाई करते, तत्पश्चात गायन नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा एक दूसरे का मनोरंजन करते सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक बाल दिवस एवं अन्य आयोजित समारोहों में दिखी।

योग का प्रशिक्षण देते मिशन मंझरियां के सवोव्रती विद्यार्थी

## मिशन मंझरिया

खेल खेलते गाँव के नौनिहाल

स्वास्थ्य के प्रति नौनिहालों को जागरूक करते सेवाव्रती विद्यार्थी

पढ़ने-पढ़ाने के साथ-साथ छात्राध्यपकों द्वारा व्यक्तित्व विकास योजना का कार्य भी किया गया। जिसमें योग प्रशिक्षण, आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षण पाक कला प्रशिक्षण के माधयम से रचनात्मकता का विकास भी किया गया।

अपनी कला का प्रदर्शन करते गाँव के बच्चे

गाँव के बच्चों को साक्षर करती छात्राध्यापक

पाक कला का प्रदर्शन करते गाँव के बच्चे

पाक कला का प्रदर्शन करती गाँव की महिलाएं

क्राफ्ट कला का प्रदर्शन करते गाँव के बच्चे

गाँव के बच्चों को कहानी के माध्यम से प्रेरणादायी शिक्षा देते सेवाव्रती विद्यार्थी

## मिशन मंझरिया

'मन से मंझरिया' मिशन में छात्राध्यापकों ने ग्रामवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पर्यावरण जागरूकता रैली का भी आयोजन किया। वहीं महिलाओं एवं बच्चों को तकनीकि शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। साथ ही साथ सिलाई-कढ़ाई का हुनर भी छात्राध्यापकों द्वारा सिखाया गया।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखाते हुए पौधारोपण करते ग्राम मंझरियां के नौनिहाल एवं सेवाव्रती विद्यार्थी

मिशन उन्नत भारत के माध्यम से गाँव मंझरिया की महिलाओं को स्वावलम्बन एवं रोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एल.ई.डी. बल्ब, झॉलर एवं अन्य छोट-बड़े इलेक्ट्रानिक सजावटी उत्पाद बनाने हेतु सात दिनों की कार्यशाला का आयोजन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया गया।

एल.ई.डी. बल्ब एवं अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करती ग्राम मंझरियां की महिलाएं

एल.ई.डी. बल्ब एवं अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करती ग्राम मंझरियां की महिलाएं एवं उनके द्वारा बनाये गए उत्पादों की प्रदर्शनी

## मिशन मंझरिया

प्रतिष्ठित समाजसेवी श्रीमती शीलम वाजपेयी एवं बी.एड्. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने सभी केन्द्रों पर भ्रमण कार्य कर स्वावलम्बन की दिशा में ग्रामीणों महिलाओं की जागरूक किया।

स्वावलम्बन की ओर अग्रसर करती श्रीमती शीलम वाजपेयी

ग्राम मंझरियां की महिलाओं द्वारा बनाये गए हस्तशिल्प को देखतीं श्रीमती शीलम वाजपेयी

ग्राम मंझरियां के बच्चों को दुलारती श्रीमती शीलम वाजपेयी

ग्राम मंझरियां की महिलाओं को स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करतीं श्रीमती शीलम वाजपेयी

15 जनवरी, 2022 को मिशन मंझरिया में नि:शुल्क स्वस्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 194 ग्रामवासियों का स्वस्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क दवा वितरित किया गया।

ग्रामवासियों का परीक्षण करते स्वास्थ्य चिकित्सक

मिशन मंझरिया बी.एड्. विभाग की अद्वितीय उपलब्धि के रूप में निरंतर प्रगति पथ पर है। वर्तमान सत्र में इस मिशन को प्रारंभ से वर्तमान परिणति तक पहुंचाने वाले सेवाव्रती विद्यार्थी है– सत्यजीत, नितेश, अनीता, नीलम, अंजली, पूर्णिमा, प्रियंका कुमारी, ज्योति साहनी, हिमांशु कुमार, सिद्धि, सुनीधि, अश्वनी, अभिषेक, बबिता, सुनीता, रामआशीष, अवनीश, पूजा, ऋषभ, मनोज गुप्ता, शैलेश पासवान, संदीप यादव, सिमस आदिती, कृष्णा, संदीप, प्रकाश, विनोद, कृति पाण्डेय, रंजना, उमेश, प्रतीक, सत्यम, ज्योति सिंह, वंदना, प्रियंका, सुष्मिता, दयाशंकर, मनीष, तारकेश्वर, रामचन्दर, अभिषेक, गौतम, सूरज चौधरी।

मिशन मंझरिया अनवरत गति से चलता रहे, इस दृष्टि से बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने बी.एड्. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को भी 5 मार्च से इस मिशन में जोड़ दिया है।

## मिशन मंझरिया

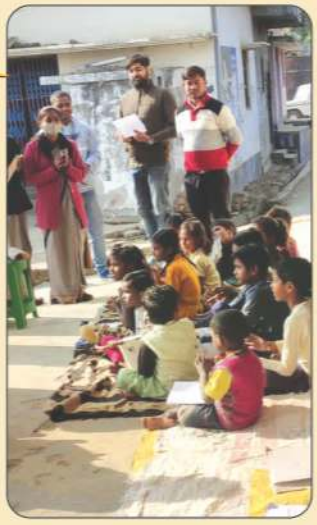

मन को आनन्द से भरती एवं चित्त को आह्लादित करती मिशन मंझरिया एवं मन से मंझरिया प्रकल्पों की कुछ सुखद झलकियाँ

# मिशन शक्ति

नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

**शान हो, सम्मान हो**
**अभिमान हो**

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः।।

## मिशन शक्ति

भारतीय संस्कृति अपने जिन प्रमुख विशेषताओं के कारण जानी जाती है, उनमें एक है नारी स्वातंत्र्य एवं स्वावलम्बन। वैदिक युग में नारी अपने स्वातंत्र्य, स्वावलम्बन एवं स्वाभिमान के उत्कर्ष पर थी। नारी और पुरुष में सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक इत्यादि क्षेत्रों में समानता के समान अवसर उपलब्ध थे। विकास के दीर्घकाल में अनेक सामाजिक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय समाज में नारी को मातृशक्ति के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त रही है। भारतीय संस्कृति में नारी सदैव से ही सम्मानित एवं पूजित रही है। भारत की धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा में इस बात के प्रमाण आज भी उपलब्ध हैं। भारत की धार्मिक तथा आध्यात्मिक परंपरा में मातृ शक्ति को शस्त्रधारी शक्तिसम्पन्न ज्ञान की अधिष्ठात्री और काल पर भी विजय प्राप्त करने के रूप में पूजा जाता है किंतु वैदेशिक आक्रमणकारियों की कट्टरता, नारी को उपयोग की वस्तु समझने की पाशविक प्रवृत्ति के कारण आज नारी असुरक्षित हुई है। समाज में इस पाशविक प्रवृत्ति पर विजय पाने एवं नारी को मातृ शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित करने का पावन अभियान उत्तर प्रदेश की सरकार ने शारदीय नवरात्र से प्रारंभ किया। नवरात्र पर्व को जन-जागरण का अभियान बनाने वाले इस पवित्र अभियान का महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ भी सहभागी बना। 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत महाविद्यालय ने जिन कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया है उन कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण आप के समक्ष प्रस्तुत है।

### ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

19 अप्रैल को महाविद्यालय में मिशन शक्ति के अन्तर्गत "नारी सशक्तिकरण की आवश्यकता" विषय पर ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 39 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड. द्वितीय वर्ष की हर्षा गुप्ता को प्रथम स्थान, बी.एड. प्रथम वर्ष की ज्योति कुमारी को द्वितीय स्थान, बी.एड. प्रथम वर्ष की शालिनी मिश्रा को तृतीय स्थान और बी.एड. प्रथम वर्ष की पूजा राय को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में बी.एड. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती पुष्पा निषाद, श्रीमती विभा सिंह एवं शैलेन्द्र सिंह रहे। संचालन सुश्री दीप्ती गुप्ता एवं संयोजन बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

### ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता

20 अप्रैल को महाविद्यालय में मिशन शक्ति के अन्तर्गत "नारी सशक्तिकरण" विषय पर ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 31 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता

## मिशन शक्ति

में बी.एड. द्वितीय वर्ष की ऐश्वर्या त्रिपाठी को प्रथम स्थान, बी.एड. प्रथम वर्ष की नीलम गुप्ता एवं नीतू मल्ल को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान, बी.एड. द्वितीय वर्ष की सहाना अंसारी को तृतीय स्थान और बी.एड. प्रथम वर्ष की ममता कुमारी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं संयोजन बी.एड. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

### भाषण प्रतियोगिता

26 अगस्त को बी.एड. विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत 'महिलाओं में उद्यमिता विकास' विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 41 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड. द्वितीय वर्ष की ज्योति कुमारी को प्रथम स्थान, बी.एड. द्वितीय वर्ष के नितेश कुमार को द्वितीय स्थान तथा बी.एड. द्वितीय वर्ष के ऋषभ सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आरती सिंह व डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव रहे। प्रतियोगिता का संचालन व संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

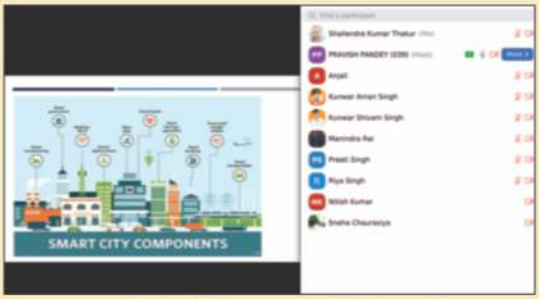


प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

### पोस्टर प्रतियोगिता

4 सितम्बर को मिशन शक्ति के अन्तर्गत "पोषण के प्रति जागरूकता" विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 27 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड. द्वितीय वर्ष की नीलम गुप्ता को प्रथम स्थान, बी.एड. द्वितीय वर्ष के सूरज चौधरी एवं अनीता निषाद को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.एड. द्वितीय वर्ष की प्रियंका सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला, बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री चन्दन ठाकुर रहे। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता के विजित प्रतिभागी एवं निर्णायक मंडल सदस्य

## मिशन शक्ति

नारी सशक्तिकरण पर उद्बोधन देतीं महिला थाना की एस.ओ. श्रीमती अर्चना सिंह

### व्याख्यान एवं मुक्त परिचर्चा

11 सितम्बर को बी.एड. विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत 'नारी सशक्तिकरण' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महिला थाना गोरखपुर की एस.ओ. श्रीमती अर्चना सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने तथा संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

### एनी बेसेंट जयन्ती

1 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में श्रीमती एनी बेसेंट की जयन्ती के अवसर पर 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत गृह विज्ञान की प्रभारी सुश्री शारदा रानी ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा-सुमन अर्पित करतीं सुश्री शारदा रानी

### शपथ ग्रहण समारोह

30 अक्टूबर को महाविद्यालय के बी.एड. विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सुश्री दीप्ति गुप्ता ने कार्यक्रम का संयोजन किया। कार्यक्रम में शपथ ग्रहण कराने का दायित्व श्रीमती शिप्रा सिंह ने पूर्ण किया। इस अवसर पर श्रीमती शिप्रा सिंह ने देश की अखण्डता और एकता के लिए आजीवन प्रयास करने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल को स्मरण करते हुए विद्यार्थी एवं शिक्षकों को देश की अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए अपील की

राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलातीं सुश्री दीप्ति गुप्ता

उन्नत भारत अभियान
UNNAT BHARAT ABHIYAN

## भारत सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जनोपयोगी योजना

# उन्नत भारत अभियान

## विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम ...

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

उन्नत भारत अभियान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को समृद्ध करने हेतु शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित एक प्रमुख कार्यक्रम है। ग्रामीण क्षेत्रों को विकासोन्मुख और समृद्ध करने हेतु उच्च शिक्षण संस्थाओं को इस योजना से जोड़ा गया है, जिसका समन्वय आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संचालित सभी उच्च शिक्षण संस्थानों और उन्नत भारत अभियान योजना से संबद्ध संस्थानों के माध्यम से पिछड़े ग्राम पंचायतों को अपने संज्ञान में लेकर, उनके ग्राम और विशेषज्ञता का प्रयोग कर, ग्राम पंचायतों में होने वाली कमी और आने वाली सभी समस्याओं को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। एक ओर जहां नगरीय क्षेत्र शिक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता एवं रोजगार आदि जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से परिपूर्ण थे, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे। अत: शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मध्य इस अंतराल को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने उपरोक्त उद्देश्यों हेतु यह योजना लागू की। अपने-अपने क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक परम्पराओं का संरक्षण एवं संवर्धन शिक्षण संस्थाओं का नैसर्गिक धर्म है। आर्थिक स्वावलंबन, जीवन जीने तथा किसी भी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत को विकसित करते रहने की अनिवार्य शर्त है।

महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही अपने इस उत्तरदायित्व का निर्वहन अत्यंत संवेदनशीलता एवं सजगता के साथ करता आ रहा है। इस उत्तरदायित्व के अन्तर्गत महाविद्यालय का प्रत्येक विभाग परिसर के आस-पास स्थित गांवों में से किसी एक गांव को गोद लेकर वहां की मूलभूत आवश्यकता जैसे- शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार, कौशल विकास, सरकारी योजनाओं से परिचय एवं उनके लाभ के प्रति जागरूक करना, महिला आत्मनिर्भरता इत्यादि स्तरों पर अपने दायित्व का निर्वहन करता आ रहा है। उन्नत भारत अभियान की सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात महाविद्यालय के कुछ विभागों द्वारा अधिग्रहित गांवों का सर्वांगीण विकास करने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना बनाकर गांवों में व्यापक स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। इन प्रयासों में बी.एड्. विभाग द्वारा ग्राम मंझरियां, अंग्रेजी विभाग द्वारा ककरहियां, हिन्दी विभाग द्वारा बड़ी रेतवहियां, प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा छोटी रेतवहियां तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा हसनगंज गांव को गोद लिया गया है। उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत अधिग्रहित पांच गांवों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक उन्नति हेतु अहर्निश प्रयत्न गोद लिए गांवों के विकासात्मक अभियान में मील का पत्थर साबित होगा, ऐसी हमें आशा एवं पूर्ण विश्वास है।

उपरोक्त गांवों को गोद लेने वाले विभागों ने निर्धारित कार्ययोजना के साथ गोद लिए गए गांवों को विकासोन्मुख करने का अपना कर्तव्य इस सत्र में प्रारंभ किया जिनमें से कुछ क्रियाकलापों की झलकियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं-

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

### स्वच्छता एवं स्वास्थ्य

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश निरंतर गांवों में दिया जाता रहा है, चाहे वह सामान्य दौर रहा हो या वैश्विक महामारी कोविड–19 का समय। वैश्विक महामारी कोविड–19 जब अपने चरम पर थी, संपूर्ण विश्व के चिकित्सीय संसाधन विफल थे ऐसे में तत्कालीन समय में भी, बचाव के प्राप्त सुझाव, एवं संदेशों अर्थात् दो गज की दूरी, सैनिटाइजर का प्रयोग, हाथों को बार–बार धोना, मास्क का प्रयोग इत्यादि को गांव में पहुंचाया गया।

इसी क्रम में महाविद्यालय ने अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति एवं समाज सेवा की भावना का परिचय देते हुए महाविद्यालय की प्रयोगशाला में न सिर्फ डब्लू.एच.ओ. के मानक अनुसार सैनिटाइजर का निर्माण कराया अपितु विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के सहयोग से बड़ी संख्या में मास्क निर्मित कराकर उन्हें गांवों में नि:शुल्क वितरित करवाया तथा वैक्सीन उपलब्ध होने पर वैक्सीन लगवाने हेतु लोगों को जागरूक करने के साथ–साथ महाविद्यालय में वैक्सीन शिविर का आयोजन भी किया गया।

प्रयोगशाला में सेनेटाइजर का निर्माण करते महाविद्यालय के कोरोना वॉरियर्स

मास्क का निर्माण करतीं सिलाई–कढ़ाई केन्द्र की प्रशिक्षु

स्वास्थ्य रक्षा, स्वच्छता के महत्व के प्रति समय–समच पर जन जागरूकता रैली तथा श्रमदान के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया जाता है और इसी का परिणाम है कि गोद लिए गए पांचों गांव ककरहियां, हसनगंज, बड़ी रेतवहिया, छोटी रेतवहिया और मंझरिया खुलें में शौच मुक्त घोषित हो चुके हैं। समय–समय पर महाविद्यालय इन पांच गांवों में बाबा राघवदास मेडिकल कालेज, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय तथा पी.एच.सी चरगावां के चिकित्सकों के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी व्याख्यान तथा नि:शुल्क चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन कर ग्रामवासियों को नि:शुल्क दवा वितरित करता रहा है। ग्रामवासियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए उन्हें स्वास्थ्य रक्षा एवं स्वस्थ्य जीवन हेतु महाविद्यालय सदैव प्रेरित करता रहता है। वैक्सीनेशन के उपरांत एक बार पुन: नि:शुल्क चिकित्सा

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

शिविरों का आयोजन आरंभ किया गया।

**ग्राम मंझरिया में चिकित्सा शिविर**– 15 जनवरी को ग्राम मंझरियां में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र मिश्र एवं उनकी टीम के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 194 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवा एवं परामर्श दिया गया।

ग्रामवासियों को दवा वितरित करते चिकित्सक

**ग्राम हसनगंज में चिकित्सा शिविर**– अधिग्रहित ग्राम हसनगंज 4 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना ने गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र मिश्रा एवं टीम के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामवासियों को शुगर, बी.पी., वजन आदि की जांच कर 170 रोगियों को नि:शुल्क दवा एवं चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

ग्रामवासियों को दवा वितरित करते चिकित्सक

**ग्राम ककरहियां में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर**– 16 फरवरी को अंग्रेजी विभाग के अभिगृहित ग्राम ककरहियां में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र एवं सहयोगी मृत्युजंय यादव की मदद से नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 163 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया। शिविर आयोजन में विभाग के छात्र ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, रजनीश, नीलेश, आदर्श, आश्रिती, स्मिता, दिनेश राजभर, सुबोधकान्त यादव, अभिषेक साहनी, पंकज विश्वास, संजय निषाद, प्रदीप कन्नौजिया एवं वर्षा सहानी ने विशेष सहयोग किया।

स्वास्थ्य परीक्षण हेतु कतारबद्ध ग्रामवासी

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

**ग्राम छोटी रेतवहियां में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर**– 17 फरवरी को प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम छोटी रेतवहियां में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र एवं उनकी टीम द्वारा ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं रोगियों को नि:शुल्क दवा व चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। शिविर को सफल बनाने में छात्र दीपक, अभय राज वर्मा, विकास चौधरी, कमलेश सहानी ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान गांव के कुल 186 लोगों का स्वस्थ्य परीक्षण किया गया और 182 लोगों को नि:शुल्क औषधि वितरित किया गया।

ग्रामवासियों को दवा वितरित करते चिकित्सक

**ग्राम बड़ी रेतवहियां में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर**– 24 फरवरी ग्राम बड़ी रेतवहिया में हिन्दी विभाग द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में डॉ. मिश्र द्वारा रोगियों को नि:शुल्क दवा तथा चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य शिविर में 180 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा नि:शुल्क दवा वितरित किया गया।

उपचार हेतु आयी ग्रामीण महिला

**कोविड-19 टीकाकरण शिविर**– 14 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उन्नत भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के सन्निकट एवं अधिग्रहीत गांव मंझरिया, हसनगंज,

टीकाकरण शिविर के दौरान टीका लगवाता ग्रामवासी

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

छोटी रेतवहियां, बड़ी रेतवहियां, ककरहियां आदि के स्थानीय निवासियों में प्रतिरक्षण क्षमता विकसित करते हेतु तथा कोविड–19 के बचाव के लिए नि:शुल्क टीकाकरण शिविर का अयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरगांवा के स्वास्थ्य पर्यवेक्षक श्री राकेश पाठक एवं उनके सहयोगी सुश्री श्वेता सिंह (ए.एन.एम.) एवं आशा कार्यकत्रियों के सहयोग से टीकाकरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

## शिक्षा

ग्रामवासियों को शिक्षित करते मिशन मंझरिया के विद्यार्थी

महाविद्यालय अपनी महत्वाकांक्षी 'मन से मंझरिया' मिशन के तहत विगत वर्षों से निरन्तर शिक्षा की ज्ञान ज्योति से ग्रामवासियों के जीवन को प्रज्जवलित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना के अन्तर्गत ग्राम मंझरियां में भीमराव अम्बेडकर, मां सीता, मां सरस्वती, वीर अभिमन्यु, मां कात्यायनी, रानी पद्मिनी, रानी लक्ष्मीबाई एवं स्वामी विवेकानन्द जैसे 8 शिक्षण केन्द्र बी.एड. द्वितीय वर्ष के माध्यम से संचालित कर ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं को शिक्षित कर रहा है। इस सत्र में विभिन्न शिक्षण केन्द्र पर शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थी एवं महिलाएं की संख्या अग्रलिखित है।

| शिक्षण केन्द्र | शिक्षण केन्द्र में अध्ययनरत महिलाओं एवं बच्चों की संख्या |
|---|---|
| रानी पद्मिनी शिक्षण केन्द्र | 45 |
| स्वामी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र | 53 |
| मां सरस्वती शिक्षण केन्द्र | 32 |
| भीमराव शिक्षण केन्द्र | 46 |
| वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र | 32 |
| रानी लक्ष्मी बाई | 30 |
| मां सीता शिक्षण केन्द्र | 32 |
| मां कात्यायनी शिक्षण केन्द्र | 28 |

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

**भाषण प्रतियोगिता**– 23 नवम्बर को नये भारत की नई शिक्षा नीति विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.एस–सी. भाग दो की कादम्बरी को प्रथम, बी.एस–सी. भाग दो की सुहानी सिंह को द्वितीय तथा बी.एस–सी. भाग दो की सुहानी सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन उन्नत भारत अभियान प्रभारी कविता मंध्यान ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, श्री नन्दन शर्मा एवं डॉ. नेहा कौशिक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

## नारी–स्वावलम्बन

महाविद्यालय में स्थापित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से नारी–स्वावलम्बन की ओर 2011 में ही पहल कर दी गयी थी। नारी स्वावलम्बन की भावना को चरितार्थ करते हुए वर्ष भर ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षण पश्चात सर्वेश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित, प्रेरित एवं उत्साहवर्धन किया जाता है। स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करते हुए गांवों में एक अनूठी पहल प्रारम्भ की थी जो आज सफल भी हो रही है। जिसमें महिलाओं की रूचि जानकर उनके प्रशिक्षण का प्रबंध किया गया। उन्हें मिट्टी के दीयों को सजा विभिन्न प्रकार के बन्धनवार, पायादान, ऊनी मोजे व स्वेटर बुनने की कला को निखार कर उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को मंच प्रदान किया गया। जिससे उनके उत्पादों का उचित मूल्य को प्राप्त हुआ साथ ही उनमें आत्मविश्वास जगाकर भविष्य में उनकी आय का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। सरकार की मंशा हर–हाथ–रोजगार तथा 'वोकल फॉर लोकल' को भी बल देने का प्रयास किया गया।

एल.ई.डी. बल्ब बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं ग्रामीण महिलाएं

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

**एल.ई.डी. ग्राम लाइट विषयक 06 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर** – इसी क्रम में महिलाओं में तकनीकी दक्षता को स्थापित करने एवं उनके संवर्धन हेतु एक अनूठी पहल करते हुए उन्नत भारत अभियान आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के संयुक्त तत्वावधान में छः दिवसीय एल.ई.डी. ग्राम लाइट प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का तिथिवार संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है :-

**उद्घाटन कार्यक्रम** – 06 दिसम्बर को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'एल.ई.डी. ग्राम लाइट' विषयक 06 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में गोरखपुर के सांसद श्री रवि किशन शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप गोरखपुर परिक्षेत्र की अग्रणी सामाजिक कार्यकत्री श्रीमती शीलम बाजपेयी, प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक सिंह, आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान के सचिव श्री विनोद सिंह, सिडबी के प्रबन्धक श्री कुमार अभयचन्द के अलावा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएँ, महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवक/कैडेट उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात महाविद्यालय के छात्रावास योगिराज बाबा गम्भीनाथ सेवाश्रम में मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक सिंह द्वारा ग्राम ककरहियाँ, मंझरियाँ, हसनगंज, छोटी रेतवहियाँ एवं बड़ी रेतवहियाँ की 32 महिलाओं को एल.ई.डी. बल्ब एवं लड़ी बनाने का प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण प्राप्त करतीं ग्रामीण महिलाएं

उद्बोधन देते गोरखपुर सांसद मा. रवि किशन शुक्ल

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

**प्रशिक्षण कार्यशाला का दूसरा दिन–** 07 दिसम्बर को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के उन्नत भारत अभियान एवं मिशन मंझरियाँ द्वारा चलाये जा रहा एल.ई.डी. ग्राम लाइट विषयक छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रशिक्षण प्राप्त कर रही प्रशिक्षुओं को एल.ई.डी. बल्ब के विभिन्न कल-पुर्जों को असेंबल करना सिखाया गया। मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक सिंह ने इस पूरे प्रशिक्षण सत्र को कार्यशाला की सफलता का मुख्य आधार बताया साथ ही ऐसी कार्यशालाओं को महिला स्वावलम्बन तथा स्वरोजगार की दिशा में महत्वूपर्ण कदम बताया।

प्रशिक्षण देते मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक सिंह एवं उपस्थित प्रशिक्षुगण

**प्रशिक्षण कार्यशाला का तीसरा दिन–** 08 दिसम्बर को आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अन्तर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना विषय कार्यशाला के तीसरे दिन ग्राम मंझरियाँ छोटी रेतवहियाँ, ककरहियाँ, हसनगंज और बड़ी रेतवहिया कि 32 महिलाओं ने अंगूरा लाइट, झालर, झूमर निर्माण एवं पुराने खराब एल.ई.डी. बल्ब की मरम्मत सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षक श्री राम गोपाल सिंह एवं श्री अमित साहनी ने ग्रामीण महिलाओं का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में कार्यशाला के सह संयोजक श्री विनय कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण देते मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक सिंह एवं उपस्थित प्रशिक्षुगण

**प्रशिक्षण कार्यशाला का चौथा दिन–** 09 दिसम्बर को आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त

एल.ई.डी. बल्ब से झालर बनाना सींखती ग्रामीण महिलाएं

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अन्तर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना विषयक कार्यशाला के चौथे दिन ग्रामीण महिलाओं को कन्सील लाइट, एल.ई.डी. बल्ब, डोर बेल निर्माण एवं पुराने खराब एल.ई.डी. बल्ब की मरम्मत सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षक श्री राम गोपाल सिंह एवं श्री अमित साहनी ने महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलम्बन के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस प्रशिक्षण कार्यशाला के सहसंयोजक श्री विनय कुमार सिंह ने सत्रन्त में दोनों प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक शिक्षक भी उपस्थित रहे।

**प्रशिक्षण कार्यशाला का पाँचवां दिन–** 10 दिसम्बर को आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अन्तर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना विषयक कार्यशाला के पाँचवें दिन ग्रामीण महिलाओं को झूमर एवं ए.सी, डी.सी. बल्ब निर्माण सम्बन्धी प्रशिक्षण श्री राम गोपाल सिंह एवं श्री अमित साहनी द्वारा प्रदान किया। श्री विनय कुमार सिंह ने दोनों प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापित किया।

सजावटी झूमर बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं ग्रामीण महिलाएं

**प्रशिक्षण कार्यशाला का समारोप कार्यक्रम–** 11 दिसम्बर को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) तथा महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एल.ई.डी. ग्राम लाइट विषयक 06 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू चौधरी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित सामाजिक

उद्बोधन देतीं पूर्व महापौर श्रीमती अंजू चौधरी

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

कार्यकर्ती श्रीमती शीलम बाजपेयी भी उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री चौधरी प्रमोद कुमार ने किया। समापन समारोह में कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक सिंह, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के प्रबन्धक श्री कुमार अभयचन्द तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव भी उपस्थित रहे। समारोप कार्यक्रम में 32 ग्रामीण महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर कार्यशाला के सह संयोजक श्री विनय कुमार सिंह तथा महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

एल.ई.डी. से बने उत्पादों की प्रदर्शनी

प्रमाण-पत्र के साथ प्रशिक्षण पूर्ण कर चुकीं महिलाएं

**कार्यशाला में महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये इन गाँवों की महिलाओं ने पाया प्रशिक्षण**

6 दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यशाला द्वारा गोद लिए गये निम्न गांवो की महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

| | |
|---|---|
| **बड़ी रेतवहियां** | शान्ति देवी विश्वकर्मा, नीतू चौहान, शीला, कुमकुम देवी, संतोला देवी। |
| **छोटी रेतवहियां** | सरस्वती देवी, विद्यावती देवी, खुशबू निषाद, रूकमिणी, रीता देवी, कुंती देवी, राजमती, करिश्मा गुप्ता, गुड्डी देवी। |
| **मंझरियां** | गंगोत्री देवी, शांति देवी, गीता देवी, इशरावती देवी, गुजराती, उर्मिला देवी, आरती देवी, आरती देवी, आरती देवी, शीला देवी, प्रियंका देवी, सरोज देवी। |
| **ककरहियां** | ललिता देवी, चन्दा देवी, सुचिता साहनी, लीलावतर, मंजू |

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

**किसान दिवस**– 23 दिसम्बर को हमारे अन्नदाता, भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ व भारत की समृद्धि के सूत्रधार किसानों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित किसान दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में समाज शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिसर की ओर हार्दिक श्रद्धाजंलि अर्पित की।

उद्बोधन देते हुए डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

**मतदान जागरूकता हेतु जनसम्पर्क** – 11 जनवरी को ग्राम ककहरियां एवं छोटी रेतवहिया में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को मतदान करने के लिए जागरूक करते हुए उन्हें मतदान का महत्व बताते हुए निष्पक्ष मतदान करने हेतु जनसम्पर्क किया। विद्यार्थियों ने उनसे राष्ट्रनिर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर देश के विकास हेतु सक्षम व्यक्ति के चयन में सहयोग की अपील की।

मतदान हेतु जागरूक करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

## उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत भविष्य में महाविद्यालय की योजना

महाविद्यालय ने निकट भविष्य में उन्नत भारत अभियान में गोद लिए गांवों में महिला आत्मनिर्भरता एवं स्वरोजगार के बढ़ावा देने का निश्चय किया है। मातृशक्ति हमारे देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है और एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी परिकल्पना को साकार करने के लिए हमें इस सच को स्वीकार करना होगा। प्रत्येक क्षेत्र में नारी शक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

**अगरबत्ती प्लांट**– इस हेतु महाविद्यालय ने महिला–आत्मनिर्भरता उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण महिलाओं के रोजगार का मार्ग प्रशस्त करते हुए अगरबत्ती प्लांट के कार्य योजना बनाई है जिसमें महिलाओं को प्रशिक्षित करने के पश्चात उनसे अगरबत्ती निर्मित कराया जायेगा जिससे उनकी आय का मार्ग प्रशस्त होगा।

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

क्रेडिट उद्योगों की स्थापना के लिए सरकारी योजनाओं से परिचित कराकर उन्हें लाभ देने में मदद करना महाविद्यालय के भविष्य में महत्वपूर्ण कदम होगें।

**जैविक खेती को बढ़ावा**– बाजार में जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए तथा किसानों की आय में बढ़ोत्तरी के उद्देश्य से कम लागत में उच्च गुणवत्तापूर्ण फसल प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

**पशु पालन, डेयरी प्रबन्धन, मछली पालन**– महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा परामर्श लेकर किसानों के आय में वृद्धि के लिए महाविद्यालय अगले सत्रों से कार्य करने की योजना पर

## उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

गम्भीरतापूर्वक कार्य कर रहा है। विशेषज्ञों के सहयोग से गौ पालन, बकरी पालन, मछली पालन एवं अन्य अनेक लघु एवं मझोले उद्योगों को महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गाँवों में लागू करने की दिशा में कार्य करेगा।

**सरकारी योजनाओं की पूर्ण जानकारी देना** – ग्रामवासियों तक सभी सरकारी योजना तथा विज्ञान की जानकारी पहुँचाना तथा पात्रों को योजना का लाभ पाने में हो रही कठिनाईयों का निवारण कर उन तक योजनाओं को पहुंचाकर ग्रामोत्थाम में सहयोग कर वास्तव में उन्नत भारत बनाने में अपनी सहभागिता को सुनिश्चित करना।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना उन्नत भारत अभियान को महाविद्यालय ने पूर्ण मनोयोग से वर्ष भर संचालित किया एवं अधिग्रहित ग्राम में मुख्यतः शिक्षा, स्वास्थ्य, सहयोग, स्वावलंबन और संवर्धन जैसे पंचसूत्र के माध्यम से मूर्त रूप प्रदान किया। महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही अपने आराध्य के समक्ष जीवन के इस उद्देश्य कि–

**वह शक्ति हमें दो दयानिधे, कर्तव्य मार्ग पर डट जाएं।**
**पर सेवा पर उपकार में हम, निज जीवन सफल बना जाएं।**

का निशदिन वंदन करते हुए अपने कर्तव्य पथ पर अद्यतन सतत रूप से अग्रसर है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

# आजादी के अमृत महोत्सव

एवं

राष्ट्रीय मानस में राष्ट्रवाद की प्रेरणा का संचार करने वाली

# चौरी चौरा घटना के शताब्दी वर्ष

**04 फरवरी 2021 से 04 फरवरी 2022 तक**

के अन्तर्गत आयोजित

## प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग तथा इतिहास विभाग

द्वारा आयोजित कार्यक्रम

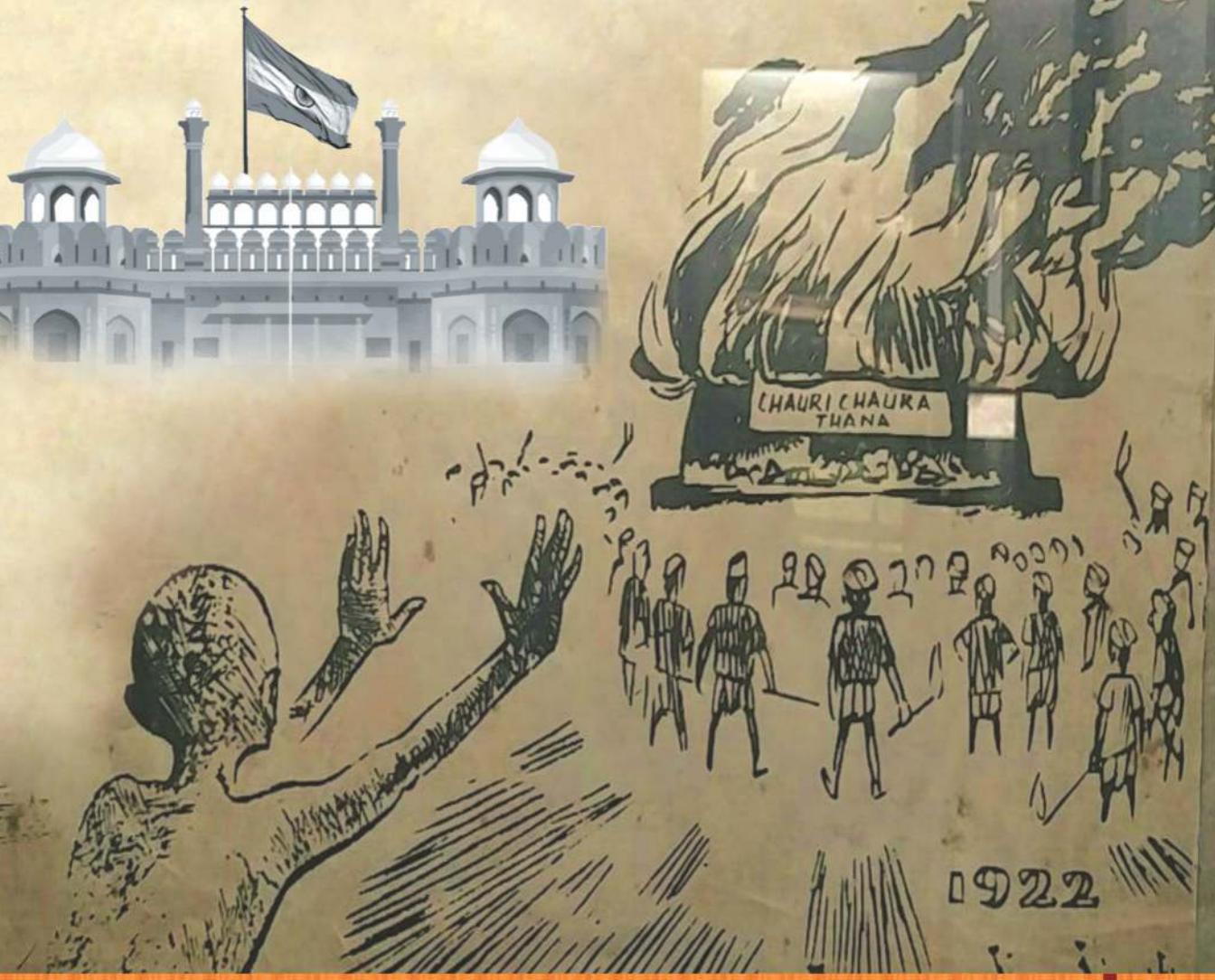

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

चौरी चौरा की घटना राष्ट्रीय फलक को प्रभावित करने वाली एक गौरवपूर्ण घटना थी। इस घटना ने राष्ट्रीय स्तर पर लोगों को भीतर से झकझोरा। वस्तुत: देखा जाए तो यह घटना मूलरूप से मदिरा और माँस के खुलेआम बिक्री का शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन मात्र था, किन्तु अंग्रेजों ने इस शांतिपूर्ण कार्यवाही के विरोध में बर्बरता का प्रदर्शन किया। चौरी चौरा के थाने के समक्ष प्रदर्शन का रहे निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर पहले अंग्रेजों ने लाठीचार्ज किया फिर अंधाधुंध फायरिंग प्रारम्भ कर दी, जिससे अनेक निर्दोष लोग मौके पर ही शहीद हो गए। परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों का शांतिपूर्ण आन्दोलन उग्र हो गया। उग्र हुई भीड़ ने पहले तो चौरी चौरा थाने पर पथराव किया, तदुपरान्त उग्र भीड़ ने थाने को घेरकर उसमें आग लगा दी। वाचिक परम्परा की मानें तो भीड़ का उद्देश्य न तो थाने को फूँकना था और न ही सुनियोजित हिंसा का प्रदर्शन करना ही था। भीड़ तो मात्र महात्मा गाँधी के असहयोग आन्दोलन का ही अनुसरण कर रही थी। इसी घटना के बाद गाँधी जी ने असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया। अंग्रेजों ने प्रदर्शनकारियों की धर-पकड़ प्रारम्भ की। 172 लोगों को अंग्रेजों ने घटना का आरोपी बनाया और उन्हें फाँसी की सजा मुकर्रर की, किन्तु मालवीय जी के अथक प्रयासों के चलते सिर्फ 19 लोग ही फाँसी के तख्ते पर चढ़े, शेष उनकी कुशल कानूनी कार्य-कौशल से बच गए। फाँसी के तख्ते पर चढ़े वे 19 शहीद आज हमारे लिए नज़ीर से कम नहीं हैं। यह वर्ष चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 04 फरवरी 2021 से लेकर 04 फरवरी 2022 तक के कालखण्ड को चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। संयोग से इसी वर्ष भारत के स्वतंत्रता का 75वाँ वर्ष भी प्रारम्भ हो रहा है। पूरा देश हर्षोल्लास के साथ अपने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वतंत्रता के इस 75वें वर्ष को आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। इसी क्रम में महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग तथा इतिहास विभाग ने 04 फरवरी 2021 से आगामी 04 फरवरी 2022 तक अपने-अपने विभाग में आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों को आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत मनाने का फैसला कर देश के लिए अपना सर्वस्व लुटाने वाले अमर शहीदों के चरणों में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने का प्रण लिया है। इस प्रण की कुछ झलकियाँ आप सभी के समझ द्रष्टव्य है-

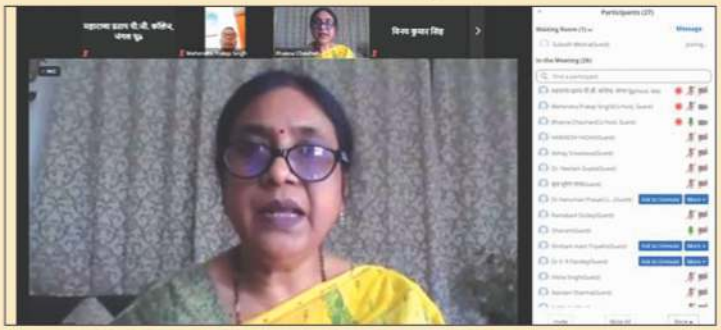

ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. भावना चौहान

### ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

13 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरीचौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत ऑनलाइन विशिष्ट

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सी.एम.पी. कॉलेज, प्रयागराज के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भावना चौहान ने 'जलियाँवाला बाग नरसंहार : एक ऐतिहासिक विश्लेषण' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने की।

### भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन व्याख्यान

13 अगस्त को आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, गाजियाबाद के स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एण्ड गवर्नेन्स विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. अक्षय के. सिंह ने 'भारत : विभाजन की वेदना से विकास के पथ पर' विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने तथा अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक पेज पर भी इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।

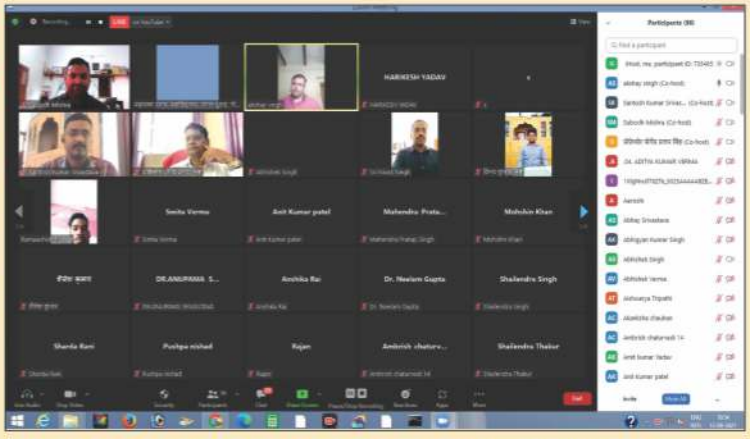

ऑनलाइन व्याख्यान देते डॉ. अक्षय के. सिंह तथा उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षकजन

### विशिष्ट व्याख्यान

5 सितम्बर को आजादी के अमृत महोत्सव तथा चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष के तत्वावधान में "समसामयिक सन्दर्भ में शिक्षक का आदर्श एवं व्यवहार" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट व्याख्यान के

ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राजशरण शाही एवं अध्यक्षता करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

मुख्य वक्ता भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. राजशरण शाही ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने तथा संयोजन बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने की।

### विशिष्ट व्याख्यान

उद्बोधन देते मुख्य वक्ता डॉ. श्रीराम यादव

22 सितम्बर को आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत 'धर्म का सामाजिक जीवन पर प्रभाव' विषय पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्रीराम यादव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय एवं संचालन समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री बृजभूषण लाल ने किया।

### विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. संजय कुमार मिश्र

27 सितम्बर को इतिहास विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष के अवसर पर "राजाराम मोहन राय का जीवन दर्शन" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संजय कुमार मिश्र ने बतौर मुख्य वक्ता अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह एवं संयोजन तथा मंच संचालन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जीतेन्द्र प्रजापति ने किया।

आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

# आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष

के अन्तर्गत

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

द्वारा प्रायोजित

भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्षप्रांत

तथा

गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग और इतिहास विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

द्वारा

## भारत का स्वातंत्र्य समर : गोरखपुर परिक्षेत्र के विशेष संदर्भ में

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

## राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद कृष्ण द्वादशी एवं त्रयोदशी, युगाब्ध-5123, वि.सं. 2078

तद्नुसार 16 एवं 17 अक्टूबर, 2021 ई.

### उद्घाटन सत्र

16-17 अक्टूबर, 2021 को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्ष प्रांत तथा गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति और इतिहास विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के संयुक्त

उद्घाटन समारोह में उपस्थित मंचस्थ अतिथि

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

उद्बोधन देते विशिष्ट अतिथि श्री हर्षवर्धन शाही

बीज वक्तव्य प्रस्तुत करते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

तत्वावधान में भारत का स्वातंत्र्य समय : गोरखपुर परिक्षेत्र के विशेष संदर्भ में विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 16 अक्टूबर को हुआ जिसके मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय उपस्थित रहे। संगोष्ठी का बीज वक्तव्य दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने प्रस्तुत किया। बतौर विशिष्ट अतिथि उ.प्र. के राज्य सूचना आयुक्त श्री हर्षवर्धन शाही भी समारोह में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने की। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

उद्बोधन देते मुख्य अतिथि डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय

अध्यक्षीय उद्बोधन देते कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त

अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

### प्रथम एवं द्वितीय संयुक्त तकनीकी सत्र

विषय विशेषज्ञ के रूप में उद्‌बोधन देते डॉ. राजेश नायक

उद्‌घाटन समारोह के तत्काल बाद प्रथम एवं द्वितीय तकनीकी सत्रों को एक साथ मिलाकर संयुक्त तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस संयुक्त सत्र की अध्यक्षता दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने की। सह अध्यक्ष के रूप में दी.उ.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. मनोज तिवारी एवं प्राचीन इतिहास विभाग के आचार्य प्रो. कमलेश गौतम उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. राजेश नायक तथा श्रीगणेशाय पी.जी. कालेज, डोभी, जौनपुर के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीन कुमार त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। इस सत्र में डॉ. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ. कन्हैया सिंह, डॉ. सर्वेश शुक्ल, डॉ. अभय कुमार सिंह,

अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते सत्राध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह

तकनीकी सत्र के दौरान विचार व्यक्त करते प्रो. कमलेश गौतम

तकनीकी सत्र के दौरान विचार व्यक्त करते डॉ. मनोज तिवारी

शोध-पत्र प्रस्तुत करते करते डॉ. कन्हैया सिंह

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

डॉ. शचीन्द्र मोहन, डॉ. रितेश्वर नाथ तिवारी, डॉ. अलका सिंह, डॉ. कामिनी सिंह, शोधार्थी सुश्री प्रज्ञा, सुश्री कंचन सहित 14 लोगों ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा प्रतिवेदन डॉ. विनोद कुमार ने किया। सत्र के अन्त के सत्राध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने पी.पी.टी. के माध्यम से अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।

सत्र का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी

### तृतीय तकनीकी

संगोष्ठी के दूसरे दिन अर्थात् 17 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे तृतीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. हरीश शर्मा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में मजीदुन्निशां गर्ल्स पी.जी. कालेज, मऊ के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार मिश्र एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। सत्र का संचालन डॉ. आशुतोष त्रिपाठी ने किया। इस सत्र में डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, श्री जयगोपाल मधेशिया, डॉ. शत्रुजीत सिंह, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. प्रवीण त्रिपाठी, डॉ. ब्रजभूषण यादव सहित 09 लोगों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र के अन्त में महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी नें सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

तकनीकी सत्र में मंचस्थ अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ

अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते सत्राध्यक्ष डॉ. हरीश शर्मा

विषय विशेषज्ञ के रूप में विचार व्यक्त करते डॉ. अजय मिश्र

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र में शोध-पत्र प्रस्तुत करते डॉ. सुबोध कुमार मिश्र (बायें) एवं डॉ. अजय कुमार सिंह (दायें)

### समूह परिचर्चा सत्र

समूह परिचर्चा सत्र में उपस्थित विषय विशेषज्ञ, शोधार्थी एवं विद्यार्थी

तृतीय तकनीकी सत्र के उपरान्त एक मुक्त समूह परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस मुक्त समूह परिचर्चा सत्र की अध्यक्षता जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा विहार के इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. राजेश नायक ने की। सह अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. मनोज तिवारी उपस्थित रहे। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञानप्रकाश मंगलम, डॉ. रितेश्वरनाथ त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण त्रिपाठी, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. अम्बिका तिवारी आदि ने भी अपनी उपस्थिती दर्ज करायी। मुक्त परिचर्चा सत्र का विषय प्रवर्तन डॉ. राजेश नायक ने किया। विषय प्रवर्तन के उपरान्त एक-एक करके सभी विषय विशेषज्ञों ने अपनी-अपनी बात रखी। तत्पश्चात श्रोताओं और महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएं एवं प्रश्न विषय विशेषज्ञों के सामने रखा जिसका उत्तर विषय विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

समूह परिचर्चा सत्र की अध्यक्षता करते डॉ. राजेश नायक

परिचर्चा में विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछता महाविद्यालय का विद्यार्थी

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

### विशेष व्याख्यान कार्यक्रम

तृतीय सत्र के उपरान्त एक विशिष्ट व्याख्यान सत्र का आयोजन महाविद्यालय के श्रीराम सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीज़ शुक्ल ने 'क्षेत्रीय इतिहास लेखन' विषय पर अपना सारगर्भित उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा संचालन भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के मानद सदस्य प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने की।

### समापन समारोह

विशिष्ट व्याख्यान सत्र के तुरन्त बाद दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर राजवंत राव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा के कुलपति प्रोफेसर रजनीश शुक्ल तथा मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत के सचिव प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के हिन्दी विभाग के आचार्य डॉ. हरीश शर्मा भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में दो दिनो तक चलने वाली इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का संपूर्ण प्रतिवेदन

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

मुख्य अतिथि के रूप में अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

उद्‌बोधन देते प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

श्रीगणेश राय पी.जी. कालेज के इतिहास विकास के आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के पोस्ट डाक्टोरल फेलो डॉ. सर्वेश शुक्ल ने किया जबकि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने समस्त अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

समारोप सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते प्रो. राजवंत राव

### विशिष्ट व्याख्यान

30 नवम्बर को आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग में 'भारत में स्तरीकरण का बदलता स्वरूप' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय तथा संचालन श्री बृजभूषण लाल ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी

### व्याख्यान प्रतियोगिता

18 दिसम्बर को समाजशास्त्र विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 24 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें बी.ए. द्वितीय वर्ष के अभिषेक यादव को प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय को द्वितीय, बी.ए. द्वितीय वर्ष को सौरभ कुमार को तृतीय तथा बी.ए. तृतीय वर्ष के दुर्गेश पाल और अंकिता चौधरी सांत्वना स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल के रूप में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय एवं श्री बृजभूषण लाल ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री बृजभूषण लाल ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में उपस्थित निर्णायक मंडल सदस्य

## आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

### निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

30 दिसम्बर को आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरा-चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत अंग्रेजी विभाग द्वारा ''इम्पारटेंस ऑफ वोटिंग इन इण्डिया'' विषय पर एक निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 62 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की महिमा यादव को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के संगम कुमार को द्वितीय स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के शीतल निषाद को तृतीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के आशुतोष कुमार सिंह एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष की प्रिया सिंह ने संयुक्त रूप से चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, श्री रामचरित्र तथा श्रीनिवास सिंह रहे। विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने अन्त में निर्णायक मण्डल के प्रति आभार ज्ञापित किया।

### एक दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

30 दिसम्बर को महाविद्यालय में कम्प्यूटर साइंस विभाग के तत्वावधान में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से तथा 350 से अधिक विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से जुड़कर भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों के विषय में जानकारी प्राप्त की। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधिकारी श्री राहुल कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यशाला का संचालन एवं संयोजन कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों के विषय में अपनी जिज्ञासा श्री राहुल कुमार के सामने रखी जिनका उन्होंने संतोषजनक उत्तर दिया।

महान स्वतंत्रता सेनानी

और भारत माता के सच्चे सपूत

# नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

की 125वीं जयन्ती वर्ष

(23 जनवरी 2021 से 23 जनवरी 2022 तक)

के अन्तर्गत

## बी.एड्. विभाग

द्वारा आयोजित कार्यक्रम

## नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नता थे। उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक (उड़ीसा) में हुआ था। वे एक भारतीय राष्ट्रवादी थे जिनकी देशभक्ति भारतीयों के दिलों में आज भी जिंदा है। नेताजी को 'आजाद हिंद फौज' के संस्थापक के रूप में तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कई योगदान के लिए जाना जाता है। यह वर्ष नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्म का 125वाँ वर्ष है। उनके जीवन के प्रेरणास्पद बिन्दुओं को युवाओं तक पहुँचाने के उद्देश्य से बी.एड्. विभाग ने सुभाष चन्द्र बोस के 125वें जयन्ती वर्ष में विविध आयोजन करने की योजना बनाई है। अत: 23 जनवरी 2021 से 23 जनवरी 2022 तक निर्धारित आयोजन की श्रृंखला के अब तक सम्पन्न कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है :

### निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

12 मार्च को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 125वें जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की संघर्ष गाथा' विषयक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी. एड्. प्रथम वर्ष के 61 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें अश्वनी कुमार गुप्ता ने प्रथम स्थान, मनीष साहनी ने द्वितीय स्थान तथा अविनेश मद्धेशिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में बी.एड्. विभाग की श्रीमती पुष्पा निषाद, श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री दीप्ती गुप्ता तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने सक्रिय योगदान किया। प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

### शैक्षिक देशाटन

शैक्षिक देशाटन में शामिल विभागीय शिक्षक एवं विद्यार्थी

20 मार्च को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 125वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा एक शैक्षणिक देशाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बी. एड्. विभाग के सभी अध्यापक तथा विद्यार्थी बौद्ध धर्म से जुड़ी हुई जानकारियों को एकत्रित करने के उद्देश्य से गौतम बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल कुशीनगर की यात्रा की। इस शैक्षणिक देशाटन कार्यक्रम का संयोजन विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

### विशिष्ट व्याख्यान - बी.एड. विभाग

23 मार्च को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत बी.एड. विभाग के तत्वावधान में "लोकसंगीत में लोकगीत : लोककला एवं रंगमंच का अध्ययन" विषय पर एक दिवसीय

## नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में लोकप्रिय गायक एवं शिक्षाविद् डॉ. मिथिलेश तिवारी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राध्यापिका हर्षा गुप्ता ने तथा अध्यक्षता बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करती डॉ. मिथिलेश तिवारी

### पौधरोपण कार्यक्रम

7 जुलाई को बी.एड. विभाग द्वारा गोद लिये गये मंझरिया गाँव में कोविड-19 प्रोटोकाल का पूर्णत: पालन करते हुए बी.एड. एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्वावधान में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के 125वें जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत वन महोत्सव सप्ताह मनाया गया। पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ बी.एड. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा पाकड़ के पौधे को रोप कर किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत रुद्राक्ष, चन्दन, करी पत्ता, अनार, नीम आदि के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर बी.एड. विभाग की प्रवक्ता सुश्री दीप्ती गुप्ता, पुष्पा निषाद, शैलेन्द्र सिंह, विभा सिंह, साधना सिंह, अनुभा श्रीवास्तव तथा बी.एड. के छात्राध्यापक उपस्थित रहे।

पौधरोपण करते विभागीय शिक्षक एवं विद्यार्थी

### शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

16 सितम्बर को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 125वें जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत बी.एड. विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 32 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.एड. भाग दो की ज्योति कुमारी, वन्दना सिंह, विनोद यादव को क्रमश: प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। निर्णायक के रूप में भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. अरविन्द मौर्य, बी.एड.

विजित प्रतिभागियों के साथ विभागीय शिक्षक

## नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

विभाग की प्रवक्ता श्रीमती विभा सिंह एवं वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री चन्दन ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### भाषण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति देता बी.एड. विभाग का छात्राध्यापक

22 अक्टूबर को बी.एड. विभाग द्वारा 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की संघर्ष गाथा' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड. द्वितीय वर्ष के विनोद यादव प्रथम, मनीष साहनी द्वितीय तथा कृष्णा जायसवाल एवं उमेश कुमार सिंह को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया। संचालन सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया तथा निर्णायक मण्डल सदस्य के रूप में श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्री चन्दन ठाकुर एवं श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### पोस्टर प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी एवं निर्णायक मण्डल सदस्य

22 अक्टूबर को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री निक्की शर्मा ने प्रथम, अंकिता निषाद ने द्वितीय एवं अभिजीत गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्नातक स्तर पर बी.ए. भाग दो की सुश्री खुशबू प्रजापति ने प्रथम, श्री दिलीप कुमार ने द्वितीय एवं सुधा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. नन्दन शर्मा, सुश्री श्वेता, श्री सिद्धार्थ शुक्ल ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

प्रतियोगिता में अपना पक्ष रखती प्रतिभागी

### वाद-विवाद प्रतियोगिता

13 नवम्बर को बी.एड. विभाग द्वारा 'शिक्षा में औपचारिक-अनौपचारिक साधनों का महत्व' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 42 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड. द्वितीय वर्ष की ज्योति कुमारी को

## नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

प्रथम, विनोद यादव को द्वितीय तथा अभिषेक कुमार यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल सदस्य के रूप में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान, बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह एवं वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता रही। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

### पर्यावरण जागरूकता रैली

18 दिसम्बर को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के 125वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत बी.एड. विभाग के तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महाविद्यालय परिसर से बी.एड. विभाग द्वारा गोद लिए गये गाँव मंझरिया तक गयी। छात्राध्यापकों द्वारा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए स्लोगन तख्तियों, पोस्टर व बैनर के माध्यम से जानकारी दी गई। इस रैली में बी. एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के कुल 82 छात्राध्यापकों सहित विभाग के सभी शिक्षकों ने सहभाग किया।

जन जागरूकता रैली का नेतृत्व करतीं विभागी प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह

### स्वच्छता जागरूकता रैली

20 दिसम्बर को महाविद्यालय में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा 'स्वच्छता जागरूकता रैली'' का आयोजन किया गया। यह रैली महाविद्यालय से प्रारम्भ होकर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम हसनगंज तक गयी। इस रैली का संयोजन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने किया। रैली में शिक्षाशास्त्र विषय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लगभग 50 विद्यार्थियों ने सहभाग किया तथा विभाग के सभी शिक्षक भी इस रैली में सम्मिलित हुए।

स्वच्छता जागरूकता रैली निकालते महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

### पेंटिंग प्रतियोगिता

06 जनवरी को बी.एड. विभाग द्वारा नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के 125वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत

प्रमाण–पत्र प्राप्त करते विजयी प्रतिभागी

## नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता का विषय 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' था। प्रतियोगिता में कुल 30 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका महिमा विश्वकर्मा ने प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा शिवान्या राव ने द्वितीय एवं बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक आशुतोष त्रिपाठी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्रीमती साधना सिंह, श्री हरिकेश यादव एवं श्री विवेक गुप्ता रहे। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

### आनलाइन शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

12 जनवरी को बी.एड. विभाग में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के 125वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत आनलाइन व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। व्याख्यान प्रतियोगिता का विषय 'युवा दिवस पर स्वामी विवेकानन्द के शैक्षिक निहितार्थ' रहा। प्रतियोगिता में कुल 14 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम वर्ष की अर्चना यादव ने प्रथम स्थान, बी.एड. प्रथम वर्ष के सत्यप्रकाश तिवारी ने द्वितीय स्थान एवं बी. एड. द्वितीय वर्ष की अनिता निषाद ने तृतीय स्थान ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में बी. एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह एवं सुश्री दीप्ति गुप्ता रही। प्रतियोगिता की अध्यक्षता बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। आनलाइन प्रतियोगिता में कुल 64 लोग सम्मिलित हुए।

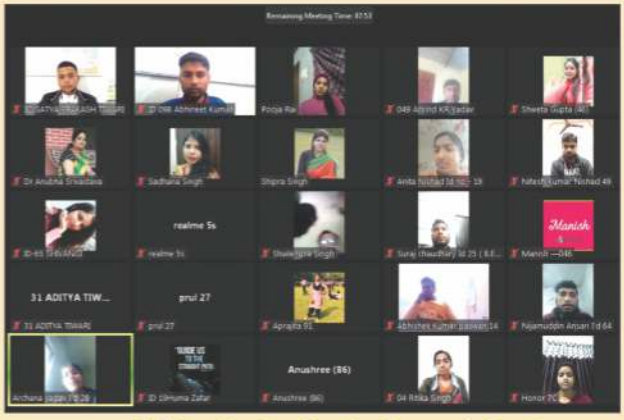

व्याख्यान प्रतियोगिता में उपस्थित विभागीय शिक्षक एवं प्रतिभागीगण

### आनलाइन भाषण प्रतियोगिता

19 जनवरी को महाविद्यालय के बी.एड. विभाग में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के 125वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत महाराणा प्रताप स्मृति दिवस के अवसर पर आनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कुल 14 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड. द्वितीय वर्ष के ऋषभ प्रताप सिंह को प्रथम स्थान, बी.एड. प्रथम वर्ष के

ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता में उपस्थित विभागीय शिक्षक एवं प्रतिभागीगण

## नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

चक्रधार पाठक को द्वितीय स्थान एवं बी.एड. प्रथम वर्ष की अमृता सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती साधना सिंह एवं सुश्री दीप्ति गुप्ता रहीं। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

### ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

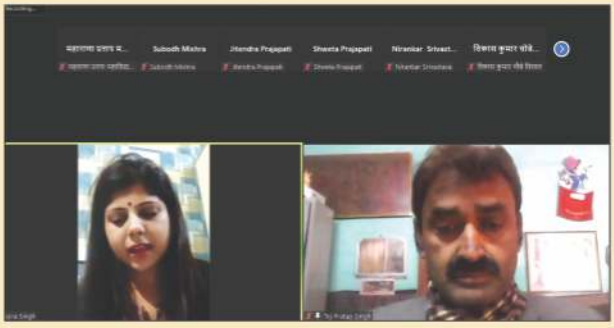

व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. तेज प्रताप सिंह

23 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत ''भारत का स्वतंत्रता संग्राम और नेता जी सुभाष चन्द्र बोस'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के राजनीतिविज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. तेज प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन जूम ऐप पर किया गया जहाँ महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने ऑनलाइन अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त व्याख्यान का प्रसारण महाविद्यालय के फेसबुक पेज एवं यू-ट्यूब चैनल पर भी किया गया जहाँ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं सामान्य श्रोताओं ने व्याख्यान देखा एवं सुना।

### ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम

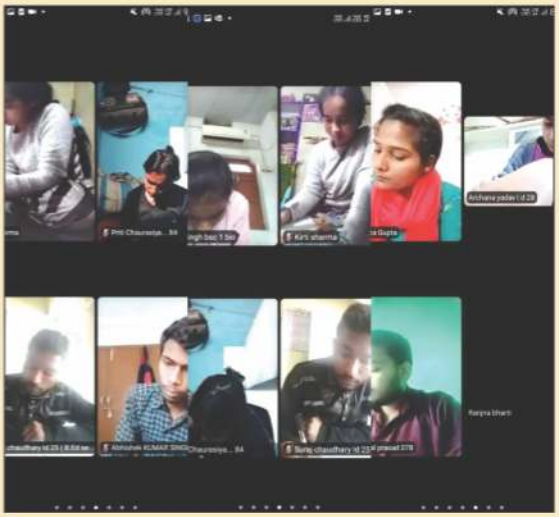

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते विभागीय विद्यार्थी

23 जनवरी को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 125वें जयन्ती वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के पेंटिंग, पोस्टर, स्लोगन एवं भाषण के द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को उनकी 125वीं जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

## नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

राष्ट्रनायक, रत्नगर्भा माँ भारती के वीर सपूत

# नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

के जीवन की कुछ दुर्लभ छवियाँ

महाविद्यालय के राष्ट्रवादी पहल की सुनहरी झलक

# भारत भारती पखवाड़ा

(12–26 जनवरी 2022)

## भारत भारती पखवाड़ा

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं परम्परा आधारित आधुनिक ज्ञान विज्ञान एवं कला की शिक्षा सांस्कृतिक क्रिया कलापों के माध्यम से देना भारत भारती पखवाड़ा का प्रमुख उद्देश्य है। महाविद्यालय द्वारा अपनी स्थापना वर्ष से ही संचालित यह प्रकल्प विद्यार्थियों को स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर भोग्या वसुन्धरा भारत भूमि के अमर स्वतंत्रता सेनानी एवं महान सपूतों के पद चिन्हों पर चलने के लिए सतत् प्रेरणा देने वाला प्रकल्प है। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 12 जनवरी से लेकर 26 जनवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के शैक्षिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी कुछ झलकियाँ प्रस्तुत हैं :-

### आनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

12 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी तक चलने वाले भारत-भारती पखवारा के भव्य उद्घाटन अवसर पर 'स्वामी विवेकानन्द का जीवन दर्शन और युवा' विषय पर आनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. राजशरण शाही ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया। आनलाइन कार्यक्रम का संयोजन कम्प्यूटर विभाग के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह ने किया। यह आनलाइन विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम जूम एप पर सम्पन्न हुआ जहाँ पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त व्याख्यान का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू-ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पेज पर भी किया गया जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं श्रोताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

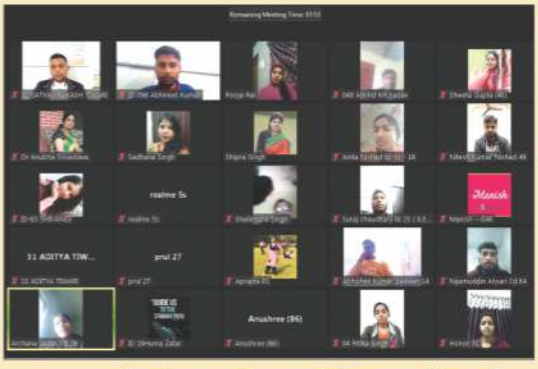

व्याख्यान में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

### आनलाइन हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

13 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत

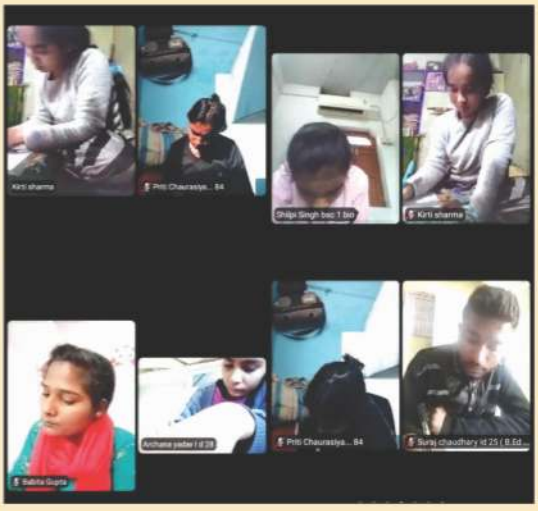

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

## भारत भारती पखवाड़ा

कोरोना काल में विकसित होती हुई शिक्षण प्रनिधि विषय पर आनलाइन हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के रूप में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह एवं सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता में बी.काम. द्वितीय वर्ष की रमा शुक्ला को प्रथम, बी.एड. द्वितीय वर्ष की बबिता गुप्ता को द्वितीय और पर बी.एड. द्वितीय वर्ष की रोशनी गुप्ता को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। साथ ही बी.ए. प्रथम वर्ष की अर्चना यादव तथा बी.काम. द्वितीय वर्ष की प्रीति चौरसिया को संयुक्त रूप से सान्तवना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता का संयोजक बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह एवं वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता ने किया।

प्रतियोगिता में भाषण देती प्रतिभागी

### आनलाइन हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

17 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत ''भारत के विकास में मील का पत्थर: डिजिटल इण्डिया'' विषय पर आनलाइन हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड. द्वितीय वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय को प्रथम स्थान, बी.एड. द्वितीय वर्ष के ऋषभ सिंह को द्वितीय स्थान और बी.एड. प्रथम वर्ष की प्रीति को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.ए. तृतीय वर्ष के आयुष शर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री बृजभूषण लाल एवं बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह रहीं। प्रतियोगिता का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

### आनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता

18 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत ''जागरूक मतदाता- जागरूक समाज'' विषय पर एक आनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 32 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड.

## भारत भारती पखवाड़ा

द्वितीय वर्ष की नीलम गुप्ता को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की नेहा चौरसिया को द्वितीय स्थान तथा बी.एड. प्रथम वर्ष की महिमा विश्वकर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के रूप में वनस्पति विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ. अभय श्रीवास्तव, रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल एवं अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान रहीं। प्रतियोगिता का संयोजक रसायन विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने किया।

### बेस्ट आउट वेस्ट प्रतियोगिता

18 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत बेस्ट आउट वेस्ट विषय पर एक आनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 26 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की भावना जायसवाल को प्रथम स्थान, बी.एड. द्वितीय वर्ष की नीलम गुप्ता को द्वितीय स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष की रानी को तृतीय स्थान एवं संयुक्त रूप से एम.ए. द्वितीय वर्ष की अम्बिका सिंह तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के विष्णु पटेल को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं सुश्री दीप्ति गुप्ता तथा गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक रहीं। प्रतियोगिता का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

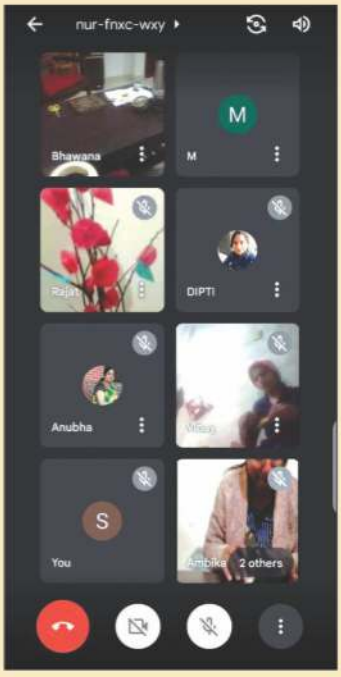

प्रतियोगिता में अपने हुनर का प्रदर्शन करते विद्यार्थी

### आनलाइन व्याख्यान

19 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी तक चलने वाले भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि के अवसर पर एक आनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। आनलाइन व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

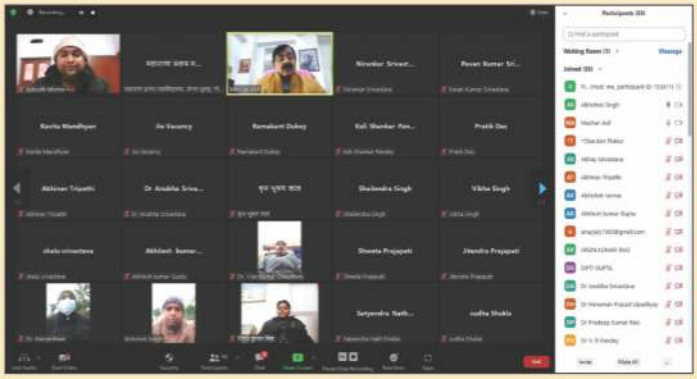
ऑनलाइन व्याख्यान देते मुख्य प्रो. मज़हर आसिफ

## भारत भारती पखवाड़ा

अध्ययन संस्थान के आचार्य एवं संकाय अध्यक्ष प्रो. मजहर आसिफ रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी जूम-एप पर आनलाइन माध्यम से व्याख्यान में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। व्याख्यान का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के फेसबुक पेज एवं यू-ट्यूब चैनल पर भी किया गया जहां पर बड़ी संख्या मे श्रोता उपस्थित रहे।

### फूड विद्आउट फॉयर प्रतियोगिता

20 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत फूड विद्आउट फॉयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता मे एम.काम. प्रथम वर्ष की सारिका पटेल एवं सर्वेश पाण्डेय को प्रथम स्थान, एम.ए. द्वितीय वर्ष की अम्बिका सिंह एवं बी.ए. तृतीय वर्ष की अंशिका सिंह को द्वितीय स्थान, एम.ए. द्वितीय वर्ष की गरिमा त्रिपाठी एवं शालू विश्वकर्मा को तृतीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष की दिव्या गुप्ता को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में गृह विज्ञान विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, मध्यकालीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी एवं गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी उपस्थित रही। प्रतियोगिता का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

प्रतियोगिता में विजेताओं का निर्णय करते निर्णायक मंडल के सदस्गण

ऑनलाइन सेमिनार में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अभिषेक सिंह

### ऑनलाइन सेमिनार

20 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक आयोजित भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा ''पर्यावरणीय समस्याएं एवं भविष्य की चुनौतियाँ'' विषय पर महाविद्यालय स्तरीय ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में 15

## भारत भारती पखवाड़ा

मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं छात्राएं

विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। सेमिनार में बी.ए. तृतीय वर्ष के यशवंत चौहान को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के राहुल यादव को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष के अंकित मण्डल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सेमिनार के निर्णायक के रूप में डॉ. अभिषेक सिंह सहायक अध्यापक, एम.जी.एम. इण्टर कॉलेज, ढिकौली बागपत, सह निर्णायक के रूप में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी एवं अरविंद मौर्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव के द्वारा किया गया।

### मेंहदी प्रतियोगिता

21 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 18 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की चाँदनी खातून को प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष की प्रिया गुप्ता को द्वितीय तथा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की भावना जायसवाल को तृतीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की ज्योति शर्मा एवं बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की नेहा निषाद को संयुक्त रूप से सांत्वाना स्थान प्रताप हुआ। निर्णायक मण्डल के रूप में हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह उपस्थित रहीं।

### गायन प्रतियोगिता

24 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की सोनी विश्वकर्मा ने प्रथम, बी.एड. द्वितीय वर्ष के सत्यजीत वर्मा ने द्वितीय

प्रतियोगिता में अपने गायन कला का प्रदर्शन करते विद्यार्थी

## भारत भारती पखवाड़ा

तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की सुमन विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी, गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी तथा बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता रहीं। प्रतियोगिता का संयोजन बी. एड. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

### रंगोली प्रतियोगिता

25 जनवरी को महाविद्यालय में 12 से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले भारत भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में एम.ए. प्रथम वर्ष की रानी को प्रथम स्थान, बी.एड. प्रथम वर्ष की महिमा विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. तृतीय वर्ष की कीर्ति चौरसिया को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायण मण्डल में बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह, गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी तथा बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता रहीं। प्रतियोगिता की संयोजक बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने किया।

प्रतियोगिता में मनमोहक रंगोली बनाती छात्राएं

### 73वां गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी को महाविद्यालय में 73वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से उल्लासपूर्वक किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने इस अवसर पर ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने ऑनलाइन माध्यम से महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित किया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते महाविद्यालय के प्राचार्य

## भारत भारती पखवाड़ा

ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन जूम एप पर किया गया जहां महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। साथ ही महाविद्यालय के फेसबुक पेज एवं यू-ट्यूब चैनल पर भी इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं श्रोताओं ने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने तथा कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

गणतंत्र दिवस के अवसर उद्बोधन देते महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

ध्वजारोहण कार्यक्रम में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराते महाविद्यालय के शिक्षक

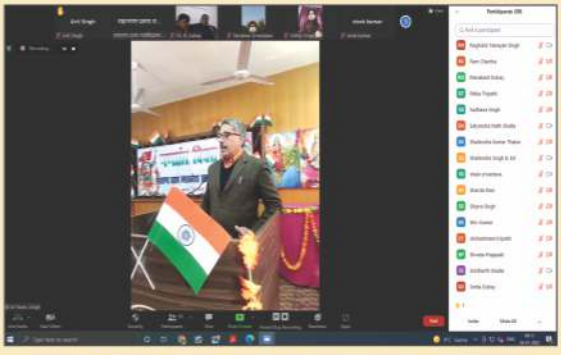

गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम का जूम एप पर सीधा प्रसारण

ऑनलाइन राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत में सम्मिलित होते महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी

बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतिस्पर्धओं का सौहार्द युक्त सुनहरा क्षितिज

# महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

(22–28 नवम्बर 2022)

## महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री नहीं करता। महाविद्यालय का यह संकल्प है कि यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर सामाजिक जीवन में जाने वाला प्रत्येक विद्यार्थी परम्परागत एवं आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ संस्कृति और संस्कार का भी संवाहक बने। विद्यार्थी जहाँ और जिस क्षेत्र में भी जाए, वहाँ वह अपने नैतिक, चारित्रिक एवं बौद्धिक बल के दम पर अपनी एक अलग छाप छोड़ने में समर्थ हो। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ उनमें प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के उत्तरोत्तर विकास हेतु महाविद्यालय प्रतिवर्ष नवम्बर माह में वार्षिकोत्सव का आयोजन करता है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव 22 नवम्बर से 28 नवम्बर तक सम्पन्न हुआ जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष प्रस्तुत हैं :-

### हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में भाषण देता महाविद्यालय का विद्यार्थी

22 नवम्बर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'स्वतन्त्रता के अमृत महोत्सव अभियान में प्रतिबिम्बित भावी भारत' रहा। प्रतियोगिता में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के कुँवर अमन सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. प्रथम वर्ष के सुधीर पाण्डेय को तृतीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के राहुल यादव व बी.एड्. द्वितीय वर्ष के ऋषभ सिंह को सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ला, श्री नन्दन शर्मा व श्री अभिषेक त्रिपाठी रहे। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

### हिन्दी आशु भाषण प्रतियोगिता

आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता प्रतिभागी

22 नवम्बर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत हिन्दी आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 41 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष के राहुल यादव को प्रथम स्थान, बी.एड्. द्वितीय वर्ष के ऋषभ सिंह व बी.ए. द्वितीय वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के अभिषेक प्रताप को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के

## महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

निर्णायक मण्डल में डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ला, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री रितिका त्रिपाठी ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

### अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

23 नवम्बर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'न्यू एजूकेशन पॉलिसी रिफ्लेक्टेड इन न्यू इंडिया' रहा। प्रतियोगिता में कुल 39 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की कादम्बरी सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस-सी द्वितीय वर्ष सुहानी सिंह को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की खुशबू चौहान को तृतीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की कृति मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्री नन्दन शर्मा, डॉ. नेहा कौशिक तथा डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में निर्धारित विषय पर अपना विचार रखती प्रतिभागी

### संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

23 नवंबर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत 'भारतीय जीवन मूल्यानि' विषय पर संस्कृत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 21 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी. कॉम. प्रथम वर्ष के सुधीर पाण्डेय को प्रथम, बी.ए. तृतीय वर्ष के दुर्गेश पाल को द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के तारकेश्वर पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ अभिषेक सिंह, डॉ. अमित त्रिपाठी तथा डॉ. सत्येंद्र नाथ शुक्ला रहे। प्रतियोगिता का संयोजन रमाकांत दुबे ने किया।

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता महाविद्यालय का छात्र

### हिन्दी निबंध प्रतियोगिता

25 नवंबर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत 'उत्तर प्रदेश : एक जिला एक उत्पाद

निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

## महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

योजना' विषय पर हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 32 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. द्वितीय वर्ष की अनीता निषाद को प्रथम, बी.एड्. द्वितीय वर्ष की बबिता गुप्ता को द्वितीय तथा बी.एड्. द्वितीय वर्ष की रोशनी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा शुक्ला तथा डॉ. वेंकटरमन ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

### सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

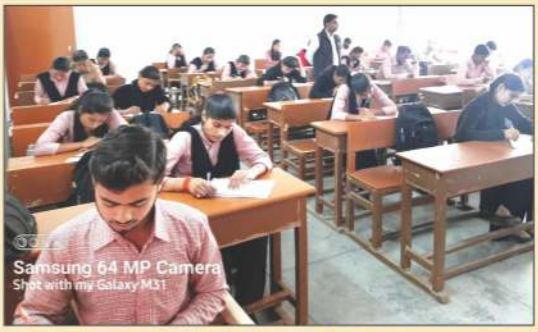

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

25 नवंबर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 113 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. प्रथम वर्ष की अनुश्री व बी.एड्. द्वितीय वर्ष के अभिषेक पासवान को प्रथम स्थान, बी. ए. द्वितीय वर्ष के ज्ञानेंद्र पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय वर्ष के कमलेश कुमार, बी.ए. तृतीय वर्ष के दीपचंद प्रजापति तथा बी.एड्. द्वितीय वर्ष के तारकेश्वर कुमार गुप्ता को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. वेंकटरमन, श्री बृजभूषण लाल, श्री श्रीकांतमणि त्रिपाठी, सुश्री शारदा रानी तथा सुश्री रितिका त्रिपाठी ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

### योगासन प्रतियोगिता

योगासन प्रतियोगिता हेतु उपस्थित प्रतिभागीगण

25 नवंबर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें बी.कॉम. प्रथम वर्ष के सुधीर पाण्डेय को प्रथम, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की अन्नपूर्णा दुबे को द्वितीय तथा बी.कॉम. प्रथम वर्ष की महिमा सिंह को तृतीय स्थान एवं बी.कॉम. तृतीय वर्ष के रोहित गौड़ व बी.कॉम. प्रथम वर्ष के राज को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सत्येंद्र नाथ शुक्ल तथा श्रीमती पुष्पा निषाद ने सक्रिय सभा किया। प्रतियोगिता का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ शुक्ला ने किया।

## महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

### कंप्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता

कंप्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र/छात्राएं

26 नवंबर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत कंप्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 62 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.एस-सी तृतीय वर्ष के अभिषेक को प्रथम, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के सत्यजीत कुमार को द्वितीय, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की सुहानी सिंह को तृतीय तथा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की नेहा सिंह को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्री श्रीनिवास सिंह तथा श्री अभिषेक वर्मा ने अपना सक्रिय योगदान दिया। प्रतियोगिता का संयोजन कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह ने किया।

### उदीयमान कवि सम्मेलन प्रतियोगिता

उदीयमान कवि सम्मेलन में स्वरचित कविता का पाठ करता प्रतिभागी

26 नवंबर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत उदीयमान कवि सम्मेलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 49 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के कुंवर शिवम सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के दुर्गेश पाल को द्वितीय स्थान, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की निधि तिवारी को तृतीय स्थान तथा बी.एड्. द्वितीय वर्ष के सूरज चौधरी और ऋषभ सिंह को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सत्येंद्र नाथ शुक्ल, श्री बृजभूषण लाल व दीप्ति गुप्ता ने अपना सक्रिय सहयोग दिया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

### गोरखवाणी प्रतियोगिता

गोरखवाणी प्रतियोगिता में गुरू गोरखनाथ के रचे सबदियों का सस्वर पाठ करती छात्रा

27 नवंबर को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत गोरखवाणी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 32 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के

## महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

कुँवर शिवम सिंह को प्रथम, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के कुंवर अमन सिंह को द्वितीय तथा बी.एड्. द्वितीय वर्ष के सत्यजीत शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. सत्येंद्र नाथ शुक्ल, श्री बृजभूषण लाल तथा डॉ. आरती सिंह ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यार्थी

### प्रश्न मंच प्रतियोगिता

27 नवंबर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 32 विद्यार्थियों (8 टीमों) ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष के विकास चौधरी, बी.ए. तृतीय वर्ष के दीपचन्द प्रजापति, बी.ए. तृतीय वर्ष के राहुल यादव तथा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के पिन्टू कुमार की टीम को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष के ज्ञानेन्द्र कुमार पाण्डेय, बी.ए. द्वितीय वर्ष के विशाल कुमार, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के कुँवर शिवम सिंह तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के दिलीप कुमार की टीम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. अभिषेक सिंह व डॉ. वेंकटरमन ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

### वॉलीबाल प्रतियोगिता

28 नवंबर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 4 टीमों के प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम टीम विजेता तथा महाराणा प्रताप महाविद्यालय टीम उपविजेता रही। इसी क्रम में बालिका वर्ग में रानी झलकारी बाई टीम विजेता तथा रानी लक्ष्मीबाई टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. एस.एन. शुक्ला, श्री श्रीनिवास सिंह, श्री झब्बर शर्मा, डॉ. सुधा शुक्ला व सुश्री शारदा रानी रही। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

वॉलीबाल में प्रतिभाग करती महाविद्यालय की बालिका टीम (बायें) एवं बालक टीम (दायें)

# महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में आयोजित

## सप्तदिवसीय विशेष कार्यशालाएं

# महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाना हमारी बाध्यता है। ऐसा बहुत कुछ पाठ्यक्रम में सम्मिलित होता है जो पढ़ाने योग्य नहीं होता, और जो पढ़ाने योग्य होता है, वो पाठ्यक्रम में सम्मिलित नहीं होता। इन दुविधाओं का सामना करते हुए महाविद्यालय के विभाग विद्यार्थियों के हितों का ध्यान रखते हुए उन्हें विषयगत व्यवहारिक शिक्षा देने के उद्देश्य से समय-समय पर ज्ञानवर्द्धक कार्यशालाओं का आयोजन करते रहते हैं। वर्तमान सत्र में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा सप्तदिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिनका विभागवार विवरण आप सभी के समक्ष प्रस्तुत हैं :-

## हिन्दी विभाग

### सप्त दिवसीय कार्यशाला ( उद्घाटन कार्यक्रम )

25 अक्टूबर हिन्दी विभाग द्वारा 25 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले 'भाषा, वर्तनी, ध्वनियाँ एवं व्याकरण का उचित अनुप्रयोग' विषयक सप्त दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. अरविन्द त्रिपाठी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुधा शुक्ला ने जबकि संचालन विभागीय विद्यार्थी श्री तारकेश्वर पाण्डेय ने किया।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करती हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह

### कार्यशाला का दूसरा दिन

26 अक्टूबर को सप्तदिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन किसान पी.जी. कालेज, सेवरही कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रख्यात साहित्यकार डॉ. वेदप्रकाश पाण्डेय ने कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षुओं को शब्दोच्चारण एवं वर्तनी सम्बन्धी बातों का प्रशिक्षण किया।

प्रशिक्षुओं को वर्तनी सम्बन्धी जानकारी देते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

प्रशिक्षुओं को मात्रात्मक त्रुटियों के सम्बन्ध में जानकारी देते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

### कार्यशाला का तीसरा दिन

27 अक्टूबर को सप्तदिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेदप्रकाश पाण्डेय ने कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षुओं को मात्रात्मक अनवधानता से बचने का तरीका बताते हुए उन्हें प्रशिक्षित किया।

भाषा पर व्याख्यान देते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

### कार्यशाला का चौथा दिन

28 अक्टूबर को सप्तदिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने 'भाषा के विविध आयाम' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान की अध्यक्षता महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने तथा संचालन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला नें किया।

### कार्यशाला का पाँचवाँ दिन

29 अक्टूबर को सप्तदिवसीय कार्यशाला के पाँचवाँ दिन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पाठालोचन की विविध विधियों से परिचित कराया।

मुख्य अतिथि प्रो. आर.डी. राय को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए

व्याकरण सम्बंधी ज्ञान देते प्रो. आर.डी. राय

### कार्यशाला का छठवाँ दिन

30 अक्टूबर को सप्तदिवसीय कार्यशाला के छठवें दिन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. रामदरश राय नें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं को व्याकरण सम्बन्धी त्रुटियों से अवगत कराते हुए उनसे बचने के उपायों से परिचित कराया।

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

### कार्यशाला साँतवाँ दिन ( समापन समारोह )

कार्यशाला के समापन अवसर पर व्याख्यान देते डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी

31 अक्टूबर हिन्दी विभाग द्वारा 25 से 31 अक्टूबर तक 'भाषा, वर्तनी, ध्वनियाँ एवं व्याकरण का उचित अनुप्रयोग' विषयक सप्त दिवसीय कार्यशाला का समापन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सतीश चन्द्र पी.जी. कॉलेज, बलिया के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह नें सात दिनों तक चलने वाले इस कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला नें एवं संचालन विभागीय विद्यार्थी श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने किया।

## अंग्रेजी विभाग

### ऑनलाइन सप्त दिवसीय कार्यशाला ( उद्घाटन समारोह )

कार्यशाला को सम्बोधित करतीं डॉ. शिखा मालवीय

07 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा ''लिटरेरी क्रिटिसिजम'' विषय पर ऑनलाइन सप्त दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर श्री बृजबिहारी डिग्री कॉलेज, कौशिक कला, मथुरा के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिखा मालवीय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के सभी विद्यार्थियों ने ऑनलाइन अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग की छात्र सुश्री प्रिया जायसवाल द्वारा किया गया।

उद्बोधन देते डॉ. मोहम्मद फैज

### कार्यशाला का दूसरा दिन

08 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन ''मनोविश्लेषणात्मक साहित्यिक आलोचना'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन के मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्याय महाविद्यालय, पीलीभीत के अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज नें ऑनलाइन माध्यम द्वारा विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यशाला के दूसरे दिन

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

विभाग के सभी विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़े। कार्यक्रम के अन्त में विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग की छात्र सुश्री प्रिया जायसवाल द्वारा किया गया।

### कार्यशाला का तीसरा दिन

09 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन ''नारीवादी साहित्यिक आलोचना'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के तीसरे दिन के मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्याय महाविद्यालय, पीलीभीत के अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज ने नारीवादी साहित्य की विशेषताओं सहित उसके आलोचनात्मक पक्ष से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यशाला के तीसरे दिन विभाग के सभी विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़े। कार्यशाला के अन्त में विभाग प्रभारी कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र देवल चित्रांश ने किया।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी गण

न्यू क्रिटिसिज्म पर विचार व्यक्त करतीं डॉ. शिखा मालवीय

### कार्यशाला का चौथा दिन

10 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के चौथे दिन ''न्यू क्रिटिसिज्म'' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री बृजबिहारी डिग्री कॉलेज, कौशी कला, मथुरा के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिखा मालवीय ने अंग्रेजी पाठालोचन के विविध आयामों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। कार्यशाला के अन्त में विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र श्री दुर्गेश द्वारा किया गया।

### कार्यशाला का पाँचवा दिन

11 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के अन्तर्गत पाँचवे दिन ''प्रेक्टिकल क्रिटिसिजम'' विषय पर व्याख्यान आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री बृजबिहारी डिग्री कॉलेज, कौशी कला, मथुरा की अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिखा मालवीय नें उपरोक्त विषय से सम्बन्धित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र श्री दुर्गेश ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं डॉ. शिखा मालवीय

# महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

## कार्यशाला का छठवाँ दिन

12 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के छठे दिन ''जीवनी साहित्यिक आलोचना'' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्याय महाविद्यालय, पीलीभीत के अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला के छठे दिन विभाग के सभी छात्र-छात्रा ऑनलाइन जुड़े। कार्यशाला के अन्त में विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र श्री दुर्गेश ने किया।

कार्यशाला में उपस्थित विभागीय विद्यार्थी

## आनलाइन सप्त दिवसीय कार्यशाला का समापन समारोह

समापन अवसर पर सभी का आभार ज्ञापित करतीं श्रीमती कविता मंध्यान

13 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर ''शिकागो स्कूल ऑफ क्रिटिसिजम'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्याय महाविद्यालय, पीलीभीत के अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर पाठालोचन के विभिन्न आयोमों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़े रहे। समापन अवसर पर कार्यशाला की संयोजक श्रीमती कविता मंध्यान ने सातों दिनों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा सभी विषय विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

# गृह विज्ञान

## उद्घाटन समारोह

1 सितम्बर से गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के अन्तर्गत 01-07 सितम्बर तक सप्तदिवसीय कार्यशालाा का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। उद्घाटन सत्र का संचालन गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता सुश्री स्मिता दूबे ने किया। कार्यशाला का संयोजन सुश्री शारदा रानी ने किया।

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मंचस्थ अतिथि

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

### फोर्टिफाइड फूड प्रतियोगिता

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

2 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत "फोर्टिफाइड फूड प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 22 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिव्या गुप्ता (बी.ए. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान शान्ति मौर्या (बी.ए. तृतीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान अंजली तिवारी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा सांत्वना पुरस्कार खुशबू निषाद (बी.ए. तृतीय वर्ष) एवं शालू सिंह (एम.ए. द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह रहे। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. नेहा कौशिक ने तथा संयोजन डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने किया।

### विशिष्ट व्याख्यान

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

3 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत "कुपोषण मुक्त भारत" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट व्याख्यान की मुख्य वक्ता के रूप में गंगोत्री देवी महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना तिवारी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

### विशिष्ट व्याख्यान

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करतीं सुश्री स्मिता दूबे

4 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में सप्तदिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत "एनीमिया मुक्त भारत" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट व्याख्यान की मुख्य वक्ता सरस्वती विद्या मन्दिर महाविद्यालय की गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. कनक मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने तथा

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री स्मिता दूबे ने किया।

### भाषण प्रतियोगिता

6 सितम्बर को गृहविज्ञान विभाग द्वारा सप्तदिवसीय कार्यशला के अन्तर्गत "राष्ट्रीय औषधीय उद्यान कार्यक्रम" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकिता दूबे (बी.ए. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान दिव्या गुप्ता (बी.ए. द्वितीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान कृति गौड़ (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी, सुश्री रीतिका त्रिपाठी व सुश्री स्मिता दूबे रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नेहा कौशिक ने एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शिप्रा सिंह ने की।

औषधीय पौधों के विषय में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करते प्रशिक्षु

कार्यशाला में अपना विचार व्यक्त करतीं प्रशिक्षु

### समापन समारोह

7 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा सप्तदिवसीय कार्यशाला समापन समारोह के अन्तर्गत "सही पोषण देश रोशन" विषय पर कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 22 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निशा विश्वकर्मा (बी.ए. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान अम्बिका सिंह (एम.ए. द्वितीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान कृति गौड़ (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा सांत्वना पुरस्कार पिंकी सिंह (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह, भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता तथा गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा

कार्यशाला के समापन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि एवं अपना अनुभव व्यक्त करते प्रशिक्षुगण

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

कौशिक रहीं। कार्यक्रम का संचालन सुश्री शारदा रानी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शिप्रा सिंह ने की।

### रक्षा अध्ययन

### आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशाला (उद्घाटन कार्यक्रम)

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते श्री गौतम गुप्ता

27 दिसम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सप्तदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला आपदा विशेषज्ञ श्री गौतम गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में श्री नीतीश शुक्ला ने आपदाओं से निपटने के कुछ गुण बताए। कार्यक्रम में उपस्थित दोनों अतिथियों का आभार कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य व एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे ने किया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. कैडेट्स के साथ–साथ आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में पंजीकृत सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में उपस्थित आपदामोचक दल के सदस्य एवं प्रशिक्षु

### कार्यशाला का दूसरा दिन

28 दिसम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित सप्तदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य प्रशिक्षक श्री अश्विनी कुमार वर्मा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा श्री उमेश निषाद, रवि कुमार यादव, आशुतोष मिश्रा, विजयपाल यादव, आदेश कुमार आदि की टीम ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे ने किया। रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने सभी प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापन किया।

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

### कार्यशाला का तीसरा दिन

आपदाओं से बचने का प्रशिक्षण प्राप्त करते प्रशिक्षुगण

29 दिसम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के तीसरे दिन राष्ट्रीय आपदा मोचक दल ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की आपदाओं में स्वयं को बचाने तथा दूसरों को बचाने तथा प्राथमिक उपचार कैसे दे आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया। यह पूरा प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य आपदा प्राधिकरण के प्रशिक्षक श्री अश्विनी कुमार वर्मा के नेतृत्व में संचालित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

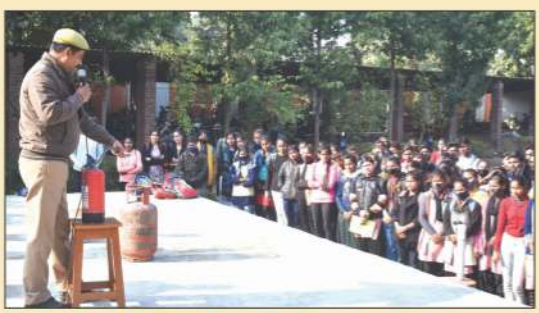

आपदाओं से निपटने के गुर सिखाते आपदा मोचक दल के सदस्य श्री अश्विनी वर्मा

### कार्यशाला का चौथा दिन

30 दिसम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के चौथे दिन राष्ट्रीय आपदा मोचक दल के प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को किसी भी आपदा के समय धन-जन की क्षति को कम से कम करने के लिए आवश्यक उपाय सिखाये। प्रशिक्षकों की टीम का नेतृत्व एस.डी.आर.एफ. के प्रशिक्षक श्री अश्विनी वर्मा ने किया।

### कार्यशाला का पाँचवां दिन

गैस सिलेण्डर में लगी आग पर काबू पाने का गुर सिखती प्रशिक्षु

31 दिसम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के पाँचवे दिन पुलिस विभाग के अग्निशमन दल ने विद्यार्थियों को आग बुझाने के विभिन्न तरीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया। अग्निशमन दल का नेतृत्व विन्ध्यवासिनी सिंह ने

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

किया। इनके सहयोगी के रूप में राम प्रताप भारती, हैदर अली और उमेश निषाद ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। यह प्रशिक्षण कार्य एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापन डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

### कार्यशाला का छठवां दिन

01 जनवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के छठवें दिन राष्ट्रीय आपदा मोचक दल के प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को किसी भी आपदा के समय धन–जन की क्षति को कम करने के लिए आवश्यक उपायों का प्रशिक्षण दिया गया।

सी.पी.आर. की विधि सिखाते प्रशिक्षकगण

कार्यक्रम मे एन.डी.आर.एफ. के इंसपेक्टर श्री डी.पी. चन्द्रा ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। डॉ. अभिषेक सिंह ने सभी प्रशिक्षकों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

### आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशाला (समापन समारोह)

02 जनवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सप्तदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के

कार्यशाला के समापन अवसर पर उपस्थित अतिथि, प्रशिक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य

## महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

कार्यशाला को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि

समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला के पूर्व आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती ने की। मुख्य अतिथि के रूप में गोरखपुर के अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री राजेश सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में 11वीं वाहिनी एन.डी.आर.एफ. के डिप्टी कमाण्डर श्री पी.एल. शर्मा, प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक एवं गोरखपुर के जिला आपदा विशेषज्ञ श्री गौतम गुप्ता जी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे ने किया। रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने इस कार्यक्रम के आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी का धन्यवाद किया।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते महाविद्यालय के प्राचार्य

अध्यक्षीय उद्बोधन देते डॉ. राजेन्द्र भारती

समापन अवसर पर उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

समापन अवसर पर उपस्थित कार्यशाला के प्रशिक्षुगण

# महाविद्यालय के बढ़ते मूल्यपरक अकादमिक विकास की नींव का पत्थर

महाविद्यालय का

## आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

## आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ महाविद्यालय के शैक्षणिक प्रशासन, नवाचार एवं अकादमिक गतिविधियों का मेरूदण्ड है। महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, पठन-पाठन के विविध आयाम, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य क्रिया कलापों का नियामन इसी के दिशा निर्देशन में किया जाता है। आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के माध्यम से महाविद्यालय सन् 2015 ई. में नैक मूल्यांकन कराकर श्रेणी 'बी' प्रत्यायित हो चुका है। वैश्विक महामारी कोरोना के कारण विगत सत्र में महाविद्यालय नैक द्वारा पुनः मूल्यांकन नहीं करवा पाया परन्तु महाविद्यालय की यह टीम इस हेतु पूर्णतः तैयार है। आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के दिशा-निर्देशन में इस सत्र में होने वाले कुछ कार्यक्रमों झलकियाँ प्रस्तुत हैं :-

### प्राचार्य-शिक्षक बैठक

बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण

15 अगस्त को महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत त्रैमासिक प्राचार्य-शिक्षक समीक्षा बैठक का आयोजन सयाजी राव वाचनालय में सम्पन्न हुआ। बैठक में गत सत्र की समीक्षा के साथ प्रवेश, छात्रसंघ चुनाव, सप्तदिवसीय व्याख्यान माला, अनुशासन, पी.पी.टी. आधारित कक्षा संचालन एवं दायित्व-सह कार्य विभाजन के साथ-साथ महाविद्यालय परिसर में संस्कृति बनाये रखने पर चर्चा-परिचर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। इस अवसर पर सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

### मार्डन टेक्नीक एण्ड टूल्स फार ई-लर्निंग विषयक सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला

**उद्घाटन समारोह** - 7 से 13 सितम्बर तक आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मार्डन टेक्नीक एण्ड टूल्स फार ई-लर्निंग विषय पर सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। 7 सितम्बर को कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में Viacoo software के विशेषज्ञ श्री प्रमोद श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संयोजन आई.क्यू.ए.सी. को-आर्डिनेटर श्री अभिषेक वर्मा ने किया तथा संचालन कम्प्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष श्री निवास सिंह ने किया। कार्यशाला में Viacoo software से आए विषय-विशेषज्ञ श्री प्रमोद श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों को स्मार्ट बोर्ड की ट्रेनिंग दी। इंटरेक्टिव सत्र में शिक्षकों नें अपने प्रश्नों के जवाब विषय-विशेषज्ञ से जाने।

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते विषय विशेषज्ञ श्री संतोष श्रीवास्तव

## आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

पावर प्वाइंट बनाने की बारीकियां बताते श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव

यू-ट्यूब पर वीडियो कन्टेन्ट अपलोड करना सिखाते श्री श्रीनिवास सिंह

गुगल फार्म बनाना सीखते महाविद्यालय के शिक्षक

कार्यशाला में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षकगण

**कार्यशाला का दूसरा दिन** - 8 सितम्बर को कार्यशाला के दूसरे दिन महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने 'पावर प्वाइंट प्रेजेटेशन कैसे बनायें' विषय पर उद्बोधन दिया। उन्होनें बताया की पावर प्वाइंट को प्रस्तुति की रूपरेखा पर या ग्राफ और चित्रों को प्रदर्शित करते करने के लिए या प्रमुख बिन्दुओं पर छात्रों का ध्यान केंन्द्रित करने के लिए नियोजित किया जा सकता है।

**कार्यशाला का तीसरा दिन** - कार्यशाला के तीसरे दिन श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने शैक्षणिक वीडियो बनाने और यू-ट्यूब पर वीडियो अपलोड करने कि विधि पर उद्बोधन दिया। उन्होंने शिक्षकों को विभिन्न साफ्टवेयर का उपयोग करते हुए वीडियो लेक्चर बनाने और लेक्चर को यू-ट्यूब पर अपलोड करने का व्यवहारिक ज्ञान दिया। साथ ही उपरोक्त विधि का पावर प्वाइंट के माध्यम से प्रदर्शन भी किया।

**कार्यशाला का चौथा दिन** - कार्यशाला के चौथे दिन श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने गुगल फार्म कैसे बनाये विषय पर उद्बोधन दिया। गूगल फार्म गूगल सर्च इंजन एक की सर्विस है जिसका उपयोग आनलाइन फार्म बनाने के लिए किया जाता है। शिक्षकों ने कार्यशाला में गूगल फार्म का प्रयोग करते हुए आनलाइन क्विज फार्म, सर्वेफार्म, रिव्यू फार्म एवं फाइल अपलोड फार्म को तैयार करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिक्षकों ने गूगल फार्म अपेन आवश्यकता अनुसार कस्टमाइज करना भी सीखा।

**कार्यशाला का पांचवां दिन** - कार्यशाला के पांचवें दिन महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के

## आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

प्रभारी श्रीनिवास सिंह ने आनलाइन क्लास लेने के लिए जूम एप, गूगल मीट एवं वेबएक्स के द्वारा कैसे आनलाइन क्लास में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा डॉक्यूमेंट शेयर किया जाए इसकी जानकारी सभी शिक्षकों को अपने पावर प्वांइट प्रजेन्टेशन के माध्यम से दी।

**कार्यशाला का छठवां दिन** - इस सप्तदिवसीय कार्यशाला के छठवें दिन कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्रीनिवास सिंह ने गूगल क्लासरूम के बारे में जानकारी दी। इसके माध्यम सें शिक्षक अपनी कक्षाओं को कैसे चला सकते हैं एवं गूगल क्लासरूम में कैसे अपने विद्यार्थियों का अटेंडेंस लिया जा सकता है, इन सब बिन्दुओं पर सभी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।

गुगल क्लासरूम के विषय में जानकारी प्राप्त करते महाविद्यालय के शिक्षक

समापन समारोह के अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करते के उपरान्त उसका व्यवहारिक अनुप्रयोग करती श्रीमती कविता म मन्ध्यान

**कार्यशाला का समापन समारोह** - 13 सितम्बर को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय कार्यशाला का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस दिन महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह ने आनलाइन शिक्षण पद्धति तथा आफलाइन शिक्षण पद्धति में क्या अंतर है, दोनों की विशेषताएं तथा दोनों माध्यमों की कमियां क्या-क्या हैं आदि मुद्दों पर शिक्षकों का ज्ञानवर्द्धन किया। कक्षा में नए-नए आईटी टूल्स का प्रयोग करके कैसे अपनी कक्षाओं को अधिक से अधिक रूचिकर बनाया जाए इसके बारे में भी जानकारी दी। कार्यशाला के समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि वह अपनी कक्षा में अधिक से अधिक आईटी टूल एवं टेक्निक का समायोजन करके अपनी कक्षाओं को रूचिकर बनाए जिससे विद्यार्थियों के अन्दर सीखने की ललक बढ़ाई जा सके।

### प्राचार्य-शिक्षक बैठक

2 अक्टूबर को महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत प्राचार्य-शिक्षक बैठक का आयोजन जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न हुआ। बैठक में पठन-पाठन,

बैठक में दायित्वसह कार्य पर चर्चा करते महाविद्यालय के शिक्षक एवं प्राचार्य

## आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

बैठक में अपनी बात रखतीं सुश्री स्मिता दूबे

अनुशासन व्यवस्था, दायित्व-सह कार्य, आदि विषयों पर सामूहिक चर्चा-परिचर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। इस अवसर पर सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

### प्राचार्य-शिक्षक बैठक

11 अक्टूबर को महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत प्राचार्य-शिक्षक बैठक का आयोजन जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न हुआ। बैठक में प्रवेश, अनुशासन, पी.पी.टी. आधारित कक्षा संचालन एवं दायित्व-सह कार्य विभाजन के साथ-साथ महाविद्यालय परिसर में संस्कृति बनाये रखने पर चर्चा-परिचर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। इस अवसर पर सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

बैठक में पठन-पाठन पर अपना विचार व्यक्त डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

परिसर अनुशासन पर अपनी बात रखते महाविद्यालय के मुख्य नियंता डॉ. मंजेश्वर

### विशिष्ट व्याख्यान

11 अक्टूबर को महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत विशिष्ट

शिक्षकों को आदर्श शिक्षक के गुणों से परिचित कराते डॉ. राजेन्द्र भारती

व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं मुख्य वक्ता

## आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

व्याख्यान का आयोजन जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला, पुणे के सेवानिवृत आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती ने 'आदर्श शिक्षक एवं शिक्षण पद्धति' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह व कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. के प्रभारी श्री अभिषेक वर्मा ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

### शिक्षक कार्यशाला

30 नवम्बर को आई.क्यू.ए.सी. के तत्वावधान में 'सी.बी.सी.एस./सेमेस्टर पाठ्यक्रम के स्वरूप' विषय पर आयोजित कार्यशाला में आई.क्यू.ए.सी. के प्रभारी श्री अभिषेक वर्मा ने प्राध्यापकों को सी.बी.सी.एस. की सम्पूर्ण जानकारी दी। कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम की जानकारी देते महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी श्री अभिषेक वर्मा

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम पर विचार विमर्श करते महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक

### सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम पर शिक्षक कार्यशाला

06 दिसम्बर को महाविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा निर्धारित सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम से सम्बन्धित एक शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी श्री अभिषेक वर्मा ने सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अन्तर्गत प्रोग्राम, कोर्स, क्रेडिट, सेमेस्टर,

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम पर शिक्षकों का ज्ञानवर्द्धन करते महाविद्यालय के प्राचार्य

## आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

कार्यशाला में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक

सी.बी.सी.एस. प्रणाली पर अपनी जिज्ञासा रखते डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी

पाठ्यक्रम, मूल्यांकन पद्धति एस.जी.पी.ए एवं सी.जी.पी.ए. इत्यादि के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

### सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम पर कार्यशाला

11 दिसम्बर को महाविद्यालय में दीनदयाल उपाधयाय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा पारित सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम प्रारूप पर महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ सभी शिक्षकों की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सी.बी.सी.एस. पैटर्न के अन्तर्गत विद्यार्थी पंजीकरण अध्ययन, अध्यापन, परीक्षा प्रारूप इत्यादि पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला में सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अन्तर्गत परीक्षा एवं मूल्यांकन के प्रारूप पर विचार-विमर्श करते शिक्षक एवं प्राचार्य

## उत्तर प्रदेश सरकार तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर प्रशासन द्वारा महाविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया गया

मिशन शक्ति के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य सम्पादन हेतु महाविद्यालय के बी.एड. विभाग एवं मिशन मंझरियां की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह को उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया

नई शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन में विशेष योगदान देने हेतु महाविद्यालय के 11 शिक्षकों को क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. राजेश सिंह द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया

## आगामी कार्यक्रम

**समावर्तन संस्कार समारोह 2022**

13 मार्च को महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न होगा।

**तीसरा एकदिवसीय शिविर**

16 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना का तीसरा एकदिवसीय शिविर कार्यक्रम प्रस्तावित है।

**चौथा एकदिवसीय शिविर**

21 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना का चौथा एकदिवसीय शिविर कार्यक्रम प्रस्तावित है।

**ऐतिहासिक पर्यटन स्थल भ्रमण**

चौरी चौरा के घटना के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत 17 अप्रैल को प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं सांस्कृतिक विभाग तथा इतिहास विभाग के चयनित विद्यार्थियों के साथ शहीद स्थल का भ्रमण का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

**एकदिवसीय कार्यशाला**

29 अप्रैल को महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा शिक्षण तकनीक विषयक एकदिवसीय संगोष्ठी प्रस्तावित है।

**दो दिवसीय कार्यशाला**

29–30 अप्रैल को महाविद्यालय के मीडिया एवं जन सम्पर्क विभाग द्वारा शिक्षकों हेतु समाचार लेखन विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

**समीक्षा बैठक**

2 मई को महाविद्यालय में सत्र 2020–21 में सम्पन्न समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक क्रिया कलापों की समीक्षा हेतु समीक्षा बैठक आयोजित होगी जिसमें प्राचार्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक गतिविधियों की समीक्षा हेतु उपस्थित रहेंगे।

**पाँच दिवसीय शिक्षक कार्यशाला**

21–27 मई तक महाविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षिक उन्नयन एवं तकनीक कौशल विकास हेतु हेतु पाँच दिवसीय कम्प्यूटर अनुप्रयोग कार्यशाला का आयोजन प्रस्तावित है।

**साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला**

15 से 21 जून, 2021 तक 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर गुरु श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर में साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य–शिक्षक सहभागी होंगे।

## विशिष्ट आयाम

### प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः 9:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष/घटना की जयन्ती/ पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरुष/घटना के सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भागवत्‌गीता का हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित चुने हुए श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

### स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को अंतिम चार कक्षाएं 40 मिनट की चलाई जाती है तथा 12.10 से 1.10 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

### साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

### मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

### प्रगति आख्या

कक्षावार प्रत्येक विद्यार्थी से सम्बन्धित समस्त शैक्षिक सूचना हेतु प्रगति आख्या प्रपत्र

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत

किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन तथा आचरण व्यवहार के अंक का उल्लेख होता है।

## विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्त्व विकास हेतु अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

## प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

पठन-पाठन में अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ प्रोजेक्टर का कक्षाध्यापन में प्रयोग किया जाता है। शिक्षक अपने व्याख्यान में अधिक से अधिक पावर प्वाइंट तकनीक का उपयोग करने लगा है। बी.एड्. सहित कुछ विषयों की कक्षाओं में शत-प्रतिशत प्रोजेक्टर का प्रयोग किया जाता है।

पीपीटी के माध्यम से कक्षाध्यापन

## कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से निर्मित किया जाता है।

## प्रशासन में छात्र सहभाग

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। प्रयत्न किया जाता है कि महाविद्यालय के प्रशासन एवं संचालन में विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष सहभाग हो। उनके व्यक्तित्व में निर्णय लेने की क्षमता का निरंतर विकास हो। छात्रसंघ अपने बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

## छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। विद्यार्थी अपनी समस्यायें रखता है,

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात विद्यार्थी कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

## काउंसलिंग सेल

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग सेल की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को व्यावसायिक, सामाजिक तथा मानसिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान परामर्शदाता के द्वारा किया जाता है। काउंसलिंग सेल के माध्यम से महाविद्यालय के अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

## विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है। दोनो शोध पत्रिकाएं ISSN युक्त हैं।

## पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित कर दी जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

## दीवार पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवार पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवार पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवार पत्रिका हेतु दे सकता है।

## छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवार पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका का प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

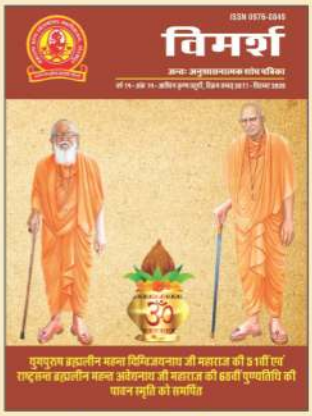

वार्षिक पत्रिका 'विमर्श'

अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'मानविकी'

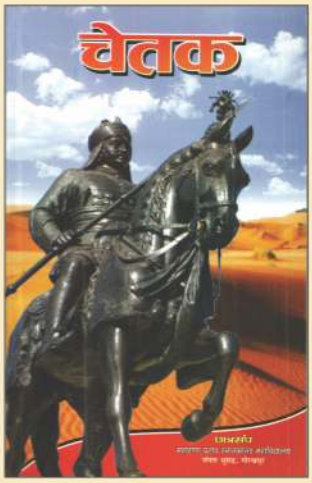

छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक'

## अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा चुका है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय है – ग्रामीण भारत का भविष्य 2006; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 2008; समावर्तन 2008 से अद्यतन (2019); उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में 2010; आर्दश शिक्षक आचरण एवं व्यवहार 2011; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि 2012; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार 2014; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन 2015; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा 2017; क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन 2017, इन्स्टीट्यूशनल स्वच्छता रैंकिंग रिपोर्ट 2017; लोकभाषा संवर्द्धन में नाथपंथ का योगदान 2019; विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियाँ 2019; भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार 2020 (प्रेस में) पाठ्यपुस्तकों में थियरी ऑफ सैम्पलिंग 2017; न्यूमेरिकल एनालिसिस 2017; डेमोग्राफिक मेथड 2017; फाइनाइट डिफरेन्सेज एण्ड इण्टरपोलेशन 2017 एन इन्ट्रोडक्शन टू जिम्नोस्पर्म्स एण्ड पैलियोबॉटनी 2019।

निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

## महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस-पास के गाँवों के मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में निःशुल्क एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। उपचार केन्द्र के स्थापना वर्ष (2015) से अभी तक दस हजार से अधिक रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

## ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्विवविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई-बुक्स, ई-जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने तथा दुनिया की लगभग 100 से अधिक पुस्तकालयों के उपयोग का अवसर विद्यार्थी-शिक्षकों को प्राप्त है।

## विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में 4 बार (अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को) सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

## नि:शुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार नि:शुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन-मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों कीशृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन-मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

### 1. योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का छः माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। प्रतिवर्ष श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को एक सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है।

नि:शुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र

### 2. राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को नि:शुल्क छः माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

### 3. हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. द्वितीय वर्ष में यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

### 4. जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा-परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन-मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. प्रथम वर्ष यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

## स्व मूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षक द्वारा प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है। विगत सत्र से यह प्रारूप ऑनलाइन भी भरा जाता है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

शिक्षक के मासिक दायित्व के उल्लेख हेतु स्वमूल्यांकन प्रपत्र

## शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप-'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीड-बैक लिया जाता है। प्राचार्य द्वारा इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग-अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों में उत्तरोत्तर सुधार हेतु भरा जाने वाला शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

## ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ-साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। पत्रिका में प्रत्येक माह महाविद्यालय से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियों का संयोजन होता है।

## सिविल सविर्सेज के सामान्य अध्ययन की कक्षाएं

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016-17 से विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त नि:शुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है।

## मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के कक्षा 6, 7 एवं 8 की कक्षाओं को बी.एड्. विभाग द्वारा 'मॉडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन-पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड्. कालेज द्वारा आस-पास के स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा की कमी पूरी की जा सकती है।

## आदर्श ग्राम योजना

इस सत्र से ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अन्तर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया। बी.एड्. विभाग द्वारा यह परियोजना सफलता पूर्वक चलाई जा रही है।

आदर्श ग्राम में स्वास्थ्य शिविर

## वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक उपयोग हेतु महाविद्यालय परिसर वाई-फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों-विद्यार्थियों को नि:शुल्क उपलब्ध करा दी गई।

## सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना

वर्तमान सत्र 2017–18 से गोद लिए गए विद्यार्थियों, छात्रसंघ के कक्षा प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास को एक समूह मानकर सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना की परिकल्पना लागू की गई। यह अनिवार्य किया गया कि छात्रावास के सभी विद्यार्थी गोद लिए जाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में लिए जाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना में शेष रिक्त स्थानों पर गोद लिए गए विद्यार्थी ही सम्मिलित किए जाएं। इससे एक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास पर शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रसंघ एवं छात्रावास की चार इकाई कार्य करेगी।

## वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

## शिक्षक ब्लॉग

महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का अपना ब्लॉग है। शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित प्रश्नपत्रों के विभिन्न टापिक्स के पावर प्वाइंट स्लाइड को ब्लॉग पर अपलोड करते रहते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक अपने शोधपत्र भी समय-समय पर अपने ब्लॉग पर डालते रहते हैं जहाँ से सम्बन्धित विद्यार्थी उसे देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकता है। विद्यार्थियों को पाठ्य सामाग्री उपलब्ध कराने का यह सशक्त माध्यम है।

## वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान महाविद्यालय के कुछ विशिष्ट आयाम

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान पठन-पाठन, महाविद्यालय ने प्रशासन एवं अपने नैसर्गिक सामाजिक दायित्वों के संदर्भ में कुछ विशिष्ट आयाम स्थापित किये हैं। कोविड-19 के दौरान सेनेटाइजर एवं मास्क का निर्माण, कक्षाओं का नियमित सेनेटाइजेशन, आन लाइन

मास्क बनातीं कोरोना वॉरियर्स

सेनेटाइजर बनाते कोरोना वॉरियर्स

कक्षाओं का संचालन, आन लाइन एवं ऑफ लाइन कक्षाओं का एक साथ संचालन कर महाविद्यालय ने एक नया प्रतिमान प्रस्तुत किया है जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष हैं :-

आन लाइन के साथ ऑफ लाइन कक्षा पढ़ाते महाविद्यालय के शिक्षक

कोविड प्रोटोकाल का पालन करते कोरोना वॉरियर

महाविद्यालय की कक्षाओं को सेनेटाइज करता महाविद्यालय का कोरोना वारियर

## समावर्तन संस्कार समारोह

समावर्तन संस्कार समारोह की एक झलक

महाविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपने स्थापना काल से प्रतिवर्ष समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित करता है। समावर्तन संस्कार का हिन्दू जीवन दर्शन के मानव जीवन के षोडश संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। समावर्तन संस्कार के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय जीवन मूल्य का सम्मान करने, योग्य नागरिक बनने, जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ देश की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी जाती है। साथ ही समावर्तन उपदेश के माध्यम से उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाता है। पन्द्रहवां समावर्तन संस्कार समारोह 13 मार्च 2022 को सम्पन्न हो रहा है।

## वार्षिक योजना विवरण

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 01 जुलाई 2021 ई. से सप्तदिवसीय शिक्षक- कार्यशाला एवं वार्षिक-योजना बैठक प्रारम्भ हुई। प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक चलने वाली कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक 7 जुलाई 2021 को सम्पन्न हुई। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में विचारार्थ निम्न विषय प्रस्तुत किए गए-

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के उद्घाटन सहित विभिन्न दिनों की कुछ झलकियाँ

1. शैक्षिक पचांग।
2. दायित्त्वसह कार्य विभाजन।
3. शिक्षक आचार संहिता
4. प्रवेश एवं परीक्षा।
5. समय–सारणी।
6. पठन–पाठन।
7. पुस्तकालय–वाचनालय
8. प्रयोगशाला
9. कक्षाध्यापन में नए प्रयोग।
10. प्रार्थना सभा
11. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा–
    - (क) पाठ्यक्रम योजना
    - (ख) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन
    - (ग) मासिक मूल्यांकन
    - (घ) शिक्षक प्रतिपुष्टि– प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन
    - (ङ) शिक्षक स्वमूल्यांकन
    - (च) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
    - (छ) गोद लिए गए विद्यार्थी
    - (ज) गोद लिए गए गाँव
    - (झ) मासिक मूल्यांकन
12. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
    - (क) जीवनमूल्य
    - (ख) हमारे पूर्वज
    - (ग) नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग
    - (घ) नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण
    - (ङ) आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन
13. नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र।
14. क्रीड़ा
15. छात्रसंघ
16. राष्ट्रीय सेवा योजना
17. एन.सी.सी.
18. रोवर्स रेंजर
19. वेबसाइट/फेसबुक/ट्यूटर/यूट्यूब
20. तकनीकी प्रसार
21. कार्यालय
22. NAAC/AISHE
23. महत्त्वपूर्ण आयोजन–
    - (क) 13 अगस्त भारत विभाजन की पूर्व संध्या (व्याख्यान)
    - (ख) 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस समारोह
    - (ग) राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला
    - (घ) साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
    - (ङ) युवा महोत्सव/वार्षिक महोत्सव
    - (च) संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषदद)
    - (छ) भारत–भारती पखवारा (12 जनवरी–26 जनवरी)
    - (ज) सरस्वती पूजा (बसन्त पंचमी)
    - (झ) समावर्तन संस्कार–समारोह
24. वार्षिक बजट
25. अन्य किसी के सुझाव पर

**वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार-विमर्श कर एक मत से निम्नांकित निर्णय लिए गए-**

1. **शैक्षिक पंचांग** - महाविद्यालय का शैक्षिक पञ्चांग पाँच भागों से मिलकर बनाया गया। भाग 01 - महाविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रम गतिविधियाँ एवं समय-सारणी। भाग 02 - विभागीय कार्ययोजना एवं कार्यक्रम। भाग 03 - क्रीड़ा गतिविधियाँ। भाग 04 - राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक विवरण भाग 05 - प्रमुख अवकाश। शैक्षिक पञ्चांग निम्नवत है -

**भाग-1 : वार्षिक तिथिक्रम - महत्वपूर्ण कार्यक्रम**

| | |
|---|---|
| 16 जून, 2021 | कक्षारम्भ ऑनलाइन, स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष |
| 04 जुलाई | स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि पर पौधारोपड़ |
| 10 अगस्त | वार्षिक परीक्षा |
| 11 अगस्त | कक्षारम्भ स्नातक प्रथम एवं तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष |
| 13 अगस्त | भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान |
| 15 अगस्त | स्वतंत्रता दिवस समारोह |
| 16 अगस्त | प्रयोगशालाएं प्रारम्भ |
| 22 अगस्त | आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन - प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ |
| 23-29 अगस्त | राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान-माला |
| 04-05 सितम्बर | राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्राचीन इतिहास विभाग |
| 07-08-09 सितम्बर | छात्रसंघ चुनाव |
| 13 सितम्बर | शिक्षक संघ चुनाव |
| 14 सितम्बर | हिन्दी दिवस, छात्रसंघ शपथ ग्रहण |
| 18 सितम्बर | ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह उद्घाटन कार्यक्रम (श्रीगोरखनाथ मंदिर) |
| 20 सितम्बर | महाराणा अग्रसेन जयन्ती- व्याख्यान |
| 23 सितम्बर | युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम (महाविद्यालय में) |
| 24 सितम्बर | बह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह समापन कार्यक्रम - (श्रीगोरखनाथ मन्दिर परिसर में) |

| | |
|---|---|
| 25 सितम्बर | कर्मचारी संघ चुनाव |
| 02 अक्टूबर | महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारी, गोद लिए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान, गोद लिए गए विद्यार्थियों की बैठक, महाविद्यालय के त्रयमासिक शिक्षक, प्राचार्य समीक्षा बैठक) |
| 04 अक्टूबर (अश्विनकृष्ण त्रयोदर्शी) | योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान |
| 31 अक्टूबर | वल्लभ भाई पटेल/आचार्य नरेन्द्र देव जयन्ती-अभिरूचिकारी व्याख्यान (1) (विषय - फिल्म, सोसाइटी और लिट्रेचर) श्रीमती कविता मन्ध्यान |
| 07 नवम्बर | विपिन चन्द्रपाल जयन्ती- अभिरूचिकारी व्याख्यान (2) (विषय - स्वतंत्रता संग्राम में विपिन चन्द्रपाल का योगदान) डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह (पूर्वसंध्या) |
| 19 नवम्बर | गुरु नानक जयन्ती- व्याख्यान |
| 22-28 नवम्बर | वार्षिक महोत्सव (महाविद्यालय) |
| 24 नवम्बर | गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस पर व्याख्यान |
| 04-10 दिसम्बर | संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर) |
| 06 दिसम्बर | डॉ. बी.आर. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर व्याख्यान (पूर्व संध्या) |
| 16 दिसम्बर | विजय दिवस समारोह-अभिरूचिकारी व्याख्यान (2) (विषय - वर्तमान समय में 16 दिसम्बर, 1971 का स्त्रातजिक मूल्यांकन) डॉ. रमाकान्त दूबे |
| 12-26 जनवरी | भारत-भारती पखवारा |
| 26 जनवरी | गणतन्त्र दिवस समारोह |
| 05 फरवरी | बसन्त पंचमी - माँ सरस्वती पूजन |
| 06-20 फरवरी | विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं परिणाम घोषणा |
| 16 फरवरी | माघपूर्णिमा- संत रविदास जयन्ती - अभिरूचिकारी व्याख्यान (4) (विषय- सन्त रविदास का सामाजिक सरोकार) डॉ. आरती सिंह |
| 22-24 फरवरी | रिमेडियल कक्षाएं |
| 13 मार्च | समावर्तन संस्कार समारोह |
| मार्च | विश्वविद्यालय परीक्षा |

## प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

| अगस्त | |
|---|---|
| 1 | अवकाश/लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस/राजर्षि टण्डन जयन्ती |
| 2 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 01, 02 |
| 3 | मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती |
| 4 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 21, 22, 44 |
| 5 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03 |
| 6 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 13, 14, 15 |
| 7 | साप्ताहिक योगाभ्यास/रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि |
| 8 | अवकाश |
| 9 | भारत छोड़ो आन्दोलन/काकोरी काण्ड |
| 10 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 16, 18, 20 |
| 11 | खुदीराम बोस बलिदान दिवस |
| 12 | अमर शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस |
| 13 | अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि |
| 14 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 15 | स्वतन्त्रता दिवस/महर्षि अरविन्द जयन्ती/अवकाश |
| 16 | रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि 1886/ अटल स्मृति दिवस |
| 17 | मदनलाल धीगड़ा बलिदान दिवस |
| 18 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 23, 24, 25 |
| 19 | मोहर्रम |
| 20 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 26, 27, 28 |
| 21 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 22 | अवकाश/रक्षाबन्धन |
| 23 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 33, 34, 35 |
| 24 | राजगुरु जयन्ती |
| 25 | रास बिहारी बोस पुण्यतिथि |
| 26 | रानी पद्मिनी जौहर दिवस |

| | |
|---|---|
| 27 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 36, 37, 38 |
| 28 | साप्ताहिक योगाभ्यास /राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचन्द जयन्ती) पूर्व दिवस |
| 29 | अवकाश/राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचन्द जयन्ती) |
| 30 | कृष्ण जन्माष्टमी |
| 31 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 42, 43, 44 |
| **सितम्बर** | |
| 1 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 45, 46 |
| 2 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 47, 48 |
| 3 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 54, 55, 56 |
| 4 | साप्ताहिक योगाभ्यास/दादाभाई नौरोजी जयन्ती, शिक्षक दिवस (पूर्व दिवस) |
| 5 | अवकाश/शिक्षक दिवस, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती |
| 6 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 62, 63, 64 |
| 7 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 66, 67, 68 |
| 8 | विश्व साक्षरता दिवस |
| 9 | भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती |
| 10 | गोविन्द बल्लभ पन्त जयन्ती/आचार्य विनोबा भावे जयन्ती |
| 11 | महादेवी वर्मा पुण्यतिथि |
| 12 | अवकाश |
| 13 | यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस |
| 14 | हिन्दी दिवस/दधीचि जयन्ती( भाद्रपाद शुक्ल पक्ष की अष्टमी) |
| 15 | एम. विश्वेश्रैया जयन्ती (इन्जीनियर्स डे) |
| 16 | विश्व ओजोन संरक्षण दिवस |
| 17 | विश्वकर्मा जयन्ती |
| 18 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 19 | अवकाश/ अनन्त चतुर्दशी |
| 20 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 70, 71, 72 |
| 21 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्रतीय अध्याय, श्लोक- 25, 26 |
| 22 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्रतीय अध्याय, श्लोक- 27, 29, 30 |
| 23 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्रतीय अध्याय, श्लोक- 33, 34, 35 |

| | |
|---|---|
| 24 | भिकाजी कामा जयन्ती |
| 25 | साप्ताहिक योगाभ्यास /पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती/सतीश धवन जयन्ती |
| 26 | अवकाश |
| 27 | राजा राम मोहन राय पुण्यतिथि/राष्ट्रीय पर्यटन दिवस |
| 28 | सरदार भगत सिंह जयन्ती/चेहल्लूम |
| 29 | ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती |
| 30 | श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 36, 37, 38 |
| **अक्टूबर** | |
| 1 | एनी बेसेन्ट जयन्ती |
| 2 | साप्ताहिक योगाभ्यास/महात्मा गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती |
| 3 | अवकाश |
| 4 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 41, 42, 43 |
| 5 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 05, 06, 07, 08 |
| 6 | मेधनाथ साहा जयन्ती/पितृ विसर्जन |
| 7 | गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि |
| 8 | वायुसेना दिवस/मुंशी प्रेमचन्द स्मृति दिवस |
| 9 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 10 | अवकाश |
| 11 | जय प्रकाश नारायण जयन्ती/दशहरा अवकाश |
| 12 | राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि/दशहरा अवकाश |
| 13 | दशहरा अवकाश |
| 14 | दशहरा अवकाश |
| 15 | डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती/दशहरा अवकाश |
| 16 | साप्ताहिक योगाभ्यास/दशहरा अवकाश |
| 17 | अवकाश |
| 18 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 11, 12, 13 |
| 19 | स्वामी महावीर निर्वाण दिवस/वाराकात ईद-ए-मिलाद |
| 20 | वाल्मीकि जयन्ती (अश्विन मास पूर्णिमा) |
| 21 | आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस |

| | |
|---|---|
| 22 | अशफाक उल्ला खाँ जयन्ती |
| 23 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 24 | अवकाश/संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस |
| 25 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 16, 17, 18 |
| 26 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 25, 26, 27 |
| 27 | जतीन्द्र नाथ दास जयन्ती |
| 28 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 28, 29, 30 |
| 29 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 34, 35, 36 |
| 30 | साप्ताहिक योगाभ्यास/होमी जहांगीर भाभा जयन्ती |
| 31 | अवकाश/ इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि /सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती |
| **नवम्बर** | |
| 1 | अवकाश (दिपावली अवकाश) |
| 2 | अवकाश (दिपावली अवकाश) |
| 3 | गुरु गोविन्द सिंह पुणतिथि (कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी) |
| 4 | वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती/स्वामी दयानन्द सरस्वती निर्वाण दिवस (कार्तिक कृष्ण अमावस्या) |
| 5 | गोवर्धन पूजा भैया दूज |
| 6 | साप्ताहिक योगाभ्यास/महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती |
| 7 | अवकाश/विपिन चन्द्र पाल/ सी.वी. रमन जयन्ती |
| 8 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 38, 41, 42 |
| 9 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03 |
| 10 | छठ पर्व |
| 11 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक- 09, 09, 10 |
| 12 | मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि |
| 13 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 14 | अवकाश |
| 15 | आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि/विरसा मुण्डा जयन्ती/कार्तिक एकादशी |
| 16 | राष्ट्रीय प्रेस दिवस |
| 17 | लाला लाजपत राय बलिदान दिवस |
| 18 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक- 15, 16, 17 |

| | |
|---|---|
| 19 | गुरुनानक जयन्ती (कार्तिक पूर्णिमा)/रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती |
| 20 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 21 | अवकाश/महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि |
| 22 | झलकारी बाई जयन्ती |
| 23 | जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि |
| 24 | गुरुतेग बहादुर शहीद दिवस |
| 25 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक, 18, 19, 20 |
| 26 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक, 24, 25, 26 |
| 27 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 28 | अवकाश |
| 29 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 01, 04, 15 |
| 30 | जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती |
| **दिसम्बर** | |
| 1 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 37, 38, 39 |
| 2 | राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस |
| 3 | डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती |
| 4 | साप्ताहिक योगाभ्यास/भारतीय नौसेना दिवस |
| 5 | अवकाश/डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि |
| 6 | डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि |
| 7 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 39, 40 |
| 8 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 42, 43 |
| 9 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 44, 45 |
| 10 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 46, 47 |
| 11 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 12 | अवकाश |
| 13 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 01, 02 |
| 14 | राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस |
| 15 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 03, 06 |
| 16 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 07, 12 |

| | |
|---|---|
| 17 | राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस |
| 18 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 19 | अवकाश/रोशन सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस |
| 20 | वीर छत्रसाल पुण्यतिथि |
| 21 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 14, 16, 17 |
| 22 | राष्ट्रीय गणित दिवस |
| 23 | किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह जयन्ती) |
| 24 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टम अध्याय, श्लोक- 01, 05 |
| 25 | क्रिस्मष्ठा डे (अवकाश)/मदन मोहन मालवीय जयन्ती |
| 26 | अवकाश/फतेह सिहं, जोरावर सिंह बलिदान दिवस |
| 27 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टम अध्याय, श्लोक- 27, 28 |
| 28 | सुमित्र नन्दन पन्त स्मृति दिवस |
| 29 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 01, 03 |
| 30 | महर्षि रमण जयन्ती |
| 31 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 06, 09 |
| **जनवरी** | |
| 1 | साप्ताहिक योगाभ्यास/शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस |
| 2 | अवकाश |
| 3 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 16, 17 |
| 4 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 18, 27 |
| 5 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दश अध्याय, श्लोक- 02, 32 |
| 6 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दश अध्याय, श्लोक- 33,, 34 |
| 7 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दश अध्याय, श्लोक- 38, 39 |
| 8 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 9 | अवकाश/हर गोविन्द खुराना जयन्ती |
| 10 | विश्व हिन्दी दिवस |

| | |
|---|---|
| 11 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 01, 02 |
| 12 | स्वामी विवेकानन्द जयन्ती |
| 13 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 19, 20 |
| 14 | मकर संक्रान्ति |
| 15 | साप्ताहिक योगाभ्यास/मकर संक्रान्ति/अवकाश |
| 16 | अवकाश |
| 17 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 52, 53 |
| 18 | महादेव गोविन्द रानाडे जयन्ती |
| 19 | महाराणा प्रताप स्मृति दिवस |
| 20 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 54, 55 |
| 21 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 01, 05 |
| 22 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 23 | अवकाश/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती |
| 24 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 06, 07 |
| 25 | राष्ट्रीय मतदान दिवस |
| 26 | गणतन्त्र दिवस |
| 27 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 10, 11 |
| 28 | लाला लाजपत राय जयन्ती |
| 29 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 30 | अवकाश/महात्मा गाँधी पुण्यतिथि |
| 31 | मेजर सोमनाथ शर्मा जयन्ती |
| **फरवरी** | |
| 1 | मौनी अमावस्या/अवकाश |
| 2 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 12, 13 |
| 3 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 14, 17 |
| 4 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्र्योदश अध्याय, श्लोक- 20, 21 |

| | |
|---|---|
| 5 | बसंत पंचमी |
| 6 | अवकाश |
| 7 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्र्योदश, श्लोक- 33, 34 |
| 8 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 01, 03 |
| 9 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 05, 10 |
| 10 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 12, 13 |
| 11 | पं. दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि |
| 12 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 13 | अवकाश |
| 14 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचदश, श्लोक- 15, 16 |
| 15 | मोहम्मद हजरत अली जयन्ती/अवकाश |
| 16 | गुरु रविदास जयंती/अवकाश |
| 17 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक- 17, 18 |
| 18 | रामकृष्ण परमहंस जयंती |
| 19 | छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती/साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 20 | अवकाश |
| 21 | अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस |
| 22 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 01, 02 |
| 23 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 03, 06 |
| 24 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 07, 09 |
| 25 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 23, 24 |
| 26 | वीर सावरकर पुण्यतिथि/साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 27 | अवकाश |
| 28 | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस/डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि |

| मार्च | |
|---|---|
| 1 | महाशिवरात्रि/अवकाश |
| 2 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 01, 02 |
| 3 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 03, 05 |
| 4 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 10, 20 |
| 5 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 6 | अवकाश |
| 7 | अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस |
| 8 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 21, 22 |
| 9 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 26, 27 |
| 10 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 05, 06 |
| 11 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 72, 73 |
| 12 | साप्ताहिक योगाभ्यास |
| 13 | अवकाश |
| 14 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 74, 75 |
| 15 | श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 76, 77 |

## भाग-2 : विभागीय कार्य योजना

योजना बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग पूर्व की भाँति अपने विभाग की वार्षिक कार्य-योजना बनाए। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखते हुए बनायी जायेगी। विभागीय रपट नैक मूल्यांकन के अनुरूप अद्यतन रखी जायेगी। विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा अद्यतन किया जाता रहे। विद्यार्थियों की प्रगति-रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन किया जाय। प्रगति-रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा, तदोपरान्त उनके बारे में अपने प्रयत्न की रूपरेखा बनायी जायेगी।

विभाग द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थी का पूर्ण विवरण एवं शिक्षक के प्रयत्न से उनमें गुणात्मक सुधार का तथ्यात्मक विवरण रखा जाएगा। गोद लिए गए विद्यार्थियों के विकास की स्पष्ट योजना बनायी जायेगी। विभागीय पुस्तकालय, प्रयोगशाला का अनवरत विकास किया जाएगा। विभागवार कार्ययोजना निम्नवत् हैं -

### गणित विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** - विभाग द्वारा सत्र 2021-22 की पाठ्ययोजना बना कर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। विभाग द्वारा 16 जून 2021 से बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की कक्षा प्रारम्भ हो चुकी हैं। 12 अगस्त 2021 से बी.एस-सी. प्रथम वर्ष एव बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ होंगी।
2. **पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य** - महाविद्यालय में विभागीय पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य यह है कि छात्र-छात्राओं को यह पहले से पता होना चाहिए की किस दिन विभाग के किस शिक्षक का व्याख्यान है, तथा उस दिन कौन सा टॉपिक कक्षा में पढ़ाया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना में कक्षाध्यापन व मासिक मूल्यांकन अंकित रहता है, जिससे विभागीय छात्रों को पहले से पता रहता है कि किस दिन उस माह में कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन होगा।
3. **मासिक मूल्यांकन** - सत्र 2021-22 में प्रति माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, मासिक मूल्यांकन में उस माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे। अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे।

   **मासिक मूल्यांकन तिथि** - सत्र 2021-2022 में मासिक मूल्यांकन की तिथि निम्न है-

| कक्षा | मासिक मूल्यांकन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस.-सी. प्रथम | NA | 28 | 30 | 30 | 25 | स्थगित | स्थगित |
| बी.एस.-सी. द्वितीय | NA | 27 | 29 | 29 | 23 | 27 | 28 |
| बी.एस.-सी. तृतीय | NA | 27 | 29 | 29 | 23 | 27 | 28 |

4. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र**- विभाग शिक्षकों द्वारा प्रतिमाह, ऑनलाइन स्वमूल्यांकन प्रपत्र महाविद्यालय के वेबसाइट पर भरा जाता है। जिसमें शिक्षक गत माह में अपने द्वारा पढ़ाये गये कुल कक्षा व्याख्यान, अपने द्वारा कराये

गये कक्षाध्यापन, तथा विभाग द्वारा कराये गये मासिक मूल्यांकन की जानकारी भर कर सबमिट करते है। यह स्वमूल्यांकन प्रपत्र प्रतिमाह महाविद्यालय वेबसाइट शिक्षक के ब्लाग पर माह के प्रथम कार्यदिवस पर आनलाईन सबमिट किया जाता है तथा विभाग में उसका प्रिन्ट आउट सुरक्षित रखा जाता है।

5. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन**– विभाग द्वारा प्रति सप्ताह छात्र-छात्राओं से कक्षाध्यापन कराया जाता है, इस प्रक्रिया में कक्षाध्यापन की तिथि से 05-06 दिन पूर्व छात्र-छात्राओं को विषय आवंटित कर दिया जाता है, तथा कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन कराकर उन्हे श्रेणी प्रदान किया जाता है। इस कक्षाध्यापन की प्रक्रिया से छात्र-छात्रोंमें विषय वस्तु को समझने एवं प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण विभागीय शिक्षकों द्वारा किया जाता है।

**कक्षाध्यापन तिथि** – सत्र 2021-2022 में कक्षाध्यापन की तिथि निम्न है-

| कक्षा | कक्षाध्यापन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस.-सी. प्रथम | NA | 5,12,21 | 6,13,21 | 9, 3 | 16 | स्थगित | स्थगित |
| बी.एस.-सी. द्वितीय | 20,28 | 4,11,20 | 4,11,20 | 8,22 | 13,23 | 11,18 | 3,10,19 |
| बी.एस.-सी. तृतीय | 20,28 | 4,11,20 | 4,11,20 | 8,22 | 13,23 | 11,18 | 3,10,19 |

**कक्षाध्यापन में नूतन प्रयोग**– सत्र 2021-22 में विभाग द्वारा कक्षाध्यापन में एक नूतन प्रयोग किया जायेगा, शिक्षक कक्षाध्यापन की तिथि से 05-06 दिन पूर्व विषय आवंटित करेगें, छात्र-छात्राओं से उस विषय से सम्बन्धित एक सारांश बनाने में सहयोग करेगें, कक्षाध्यापन के दिन उस सारांश का मूल्यांकन करके, शिक्षक उसकी फोटो कापी अपने पास सुरक्षित रखेगे तथा मूलप्रति छात्रों को वापस कर दिया जायेगा।

6. **ग्राम दर्शन**– गणित विभाग, महाविद्यालय में अध्यापन के साथ-साथ सामाजिक दायित्व का भी कार्य करता है। विभाग अपने गोद लिए गाँव-घोघड़ा में सत्र 2021-22 में चार बार सेवा कार्य के लिए जायेगा। सत्र 2021-2022 में विभाग गोद लिए ग्राम-घोघड़ा में कोविड-19 के प्रति जागरुकता विषय पर कार्य करेगा। विभाग सत्र 2021-2022 में निम्न प्रस्तावित तिथि पर ग्राम दर्शन करेगा।
   1) 8 अगस्त (अगस्त के प्रथम रविवार)
   2) 24 अक्टूबर (विजयादशमी के अवकाश पर)
   2) 27 फरवरी (विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के बाद)
   2) 29 मई (गर्मी के अवकाश में)

7. **गोद लिए विद्यार्थी**– विभाग के शिक्षकों द्वारा अपने विषय के विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इस योजना में शिक्षक गोद लिए विद्यार्थियों से सीधो सम्पर्क में रहता है। शिक्षक अपने गोद लिए विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है। इसलिए शिक्षक अपने प्रयास से छात्र के रूचि के अनुसार उसे कक्षा प्रतिनिधि, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्र संघ प्रतिनिधि, स्काउट-गाइड का सदस्य बनने के लिए प्रेरित करता है। विभाग के निम्न शिक्षकों के गोद लिए विद्यार्थियों की सूची निम्नलिखित है।

| शिक्षक | गोद लिए छात्र |
|---|---|
| 1. श्रीकान्त मणि त्रिपाठी | 1. अभिमन्यु सिंह बी.एस-सी. भाग दो (कक्षा प्रतिनिधि)<br>2. संगम ठाकुर बी.एस-सी. भाग दो<br>3. आशिष शर्मा बी.एस-सी. भाग दो<br>4. विवेक पाल यादव बी.ए. भाग एक (रा.से.यो.)<br>5. श्वेता राय, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर |
| 2. श्री प्रतीक दास | 1. सुहानी सिंह (रा.से.यो.) बी.एस-सी. भाग दो<br>2. आदित्य प्रजापति (रा.से.यो.) प्रथम सेमेस्टर<br>3. प्रीति सिंह, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर<br>4. आशुतोष निषाद, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर<br>5. प्रेम निषाद, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर |

8. **समय सारणी**- महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय-सारणी उपलब्ध कराया जाता है। जिसमे प्रतिदिन बी.एस-सी. प्रथम वर्ष, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष एवं बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की दो-दो कक्षाएं संचालित होती है। विभाग समय सारणी का शत् प्रतिशत अनुपालन करता है।

9. **पठन पाठन, तकनीकी प्रसार एवं ब्लॉग**- विभाग अपने पठन पाठन में प्रतिवर्ष नूतन प्रयोग करते आया है तथा विभाग प्रयास करता है कि अपने पठन पाठन में तकनीकी का भी उपयोग करे। विभाग के शिक्षक पठन-पाठन में पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन का प्रयोग करते हैं। महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध व्यक्तिगत ब्लॉग पर शिक्षक अपने-अपने पेपर के पावर प्वाइंट स्टडी मटेरियल अपलोड किये है। सत्र 2021-22 में शिक्षक इस पावर प्वाइंट स्टडी मटेरियल को अधिक से अधिक अपलोड करने का प्रयास करेगें, विभागीय शिक्षकों को यदि अपने विषय से सम्बन्धित सारांश छात्रों को उपलब्ध करना होता है तो शिक्षक अपने ब्लाग के अन्य वाले शीर्षक में अपलोड करते है।

1. श्रीकान्त मणि त्रिपाठी – बी.एस-सी. भाग एक अपलोड विषय वस्तु की संख्या-19 (एम.एस.वर्ल्ड, पी.पी.टी.)
   बी.एस-सी. भाग दो अपलोड विषय वस्तु की संख्या-11 (एम.एस.वर्ल्ड, पी.पी.टी.)
   बी.एस-सी. भाग तीन अपलोड विषय वस्तु की संख्या-10 (एम.एस.वर्ल्ड, पी.पी.टी.)
   अन्य -10 (पी.डी.एफ), विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र-सत्र 2020-21-13 प्रश्नपत्र
2. श्री प्रतीक दास – बी.एस-सी. भाग एक अपलोड विषय वस्तु (पी.डी.एफ.) की संख्या-08
   बी.एस-सी. भाग दो अपलोड विषय वस्तु (पी.डी.एफ.) की संख्या-1

बी.एस-सी. भाग तीन अपलोड विषय वस्तु (पी.डी.एफ.+ पी.पी.टी.) की संख्या-10

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र - सत्र 2020-21 04 प्रश्नपत्र

10. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**- विभाग में शिक्षक के व्यक्तिगत विकास एवं उनके पठन पाठन के तरीके में सुधार के लिए विभाग द्वारा प्रतिवर्ष दो बार छात्रों से प्रतिपुष्टि प्रपत्र, सितम्बर एवं जनवरी माह में भरवाया जाता है इस प्रपत्र को सुरक्षित रखा जाता है।

    शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विभाग प्रभारी द्वारा भरवाया जाता है। इस प्रपत्र को विभाग प्रभारी द्वारा पढ़ा कर विभागीय शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास एवं पठन-पाठन के तरीके में आवश्यकता अनुसार सुधार के सन्दर्भ में वार्तालाप किया जाता है।

11. **निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र**- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ हास्पिटल की सहायता से महाविद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र का संचालन होता है। इस केन्द्र पर सप्ताह में दो दिन बुद्धवार एवं गुरुवार को चिकित्सक चिकित्सा केन्द्र पर बैठते हैं। इस केन्द्र पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों को उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है तथा महाविद्यालय के आस-पास के ग्रामवासियों को भी उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है।

    विभाग अपने कक्षा में छात्र-छात्राओं को निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में जागरूक करता रहता है कि यदि आप लोगों को स्वास्थ्य से सम्बन्धित कोई भी समस्या हो तो आप इस चिकित्सा केन्द्र पर अवश्य सम्पर्क करें, तथा आप अपने घर के आस-पास के गरीब एवं आर्थिक कमजोर वर्ग के लोगो को भी इस निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में बताऐ जिससे कि वो इस चिकित्सा केन्द्र का लाभ ले सकें।

12. **वेबसाइट, फेसबुक**- महाविद्यालय प्रशासन अपने सूचनाओं को छात्र-छात्राओं तक पहुँचाने के लिए प्रतिदिन महाविद्यालय प्रशासन अपनी वेबसाइट को अद्यतन करता रहता है तथा फेसबुक पर भी सूचनाओं को अद्यतन करता रहता है। विभाग अपनी सूचनाएं एवं विभागीय कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान, कार्यशाला) की सूचना एवं कार्यक्रम की जानकारी छात्र-छात्राओं तक पहुँचाने के लिए महाविद्यालय के वेबसाइट एवं फेसबुक का उपयोग करता है।

13. **पुस्तकालय**- विभाग अपने स्तर पर एक पुस्तकालय का गठन किया है। जिसमें यदि किसी छात्र को पुस्तक की आवश्यकता होती है तो विभाग उस छात्र का नाम, आई.डी. नोट करके पुस्तक दे देता है। वह पुस्तक छात्र को तीन दिन के अन्दर विभाग को वापस करना होता है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्रिय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। विभाग के शिक्षक प्रतिदिन पुस्तकालय में एक घण्टे बैठे, विभाग अपने स्तर पर ये सुनिश्चित करता है।

14. **नैक**- विभाग नैक को सहयोग करता है नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी द्वारा समय-समय पर माँगे गये सभी प्रपत्रों को विभाग तय सीमा से पहले नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी को उपलब्ध करा देता है।

15. **विभागीय दायित्व विभाजन**- विभाग में सभी शिक्षक अपने दायित्वो का निर्वहन जिम्मेदारी के साथ करते

है। विभाग द्वारा सत्र 2021–22 में निम्न दायित्व विभाग के निम्न शिक्षकों को दिया गया है।

1. कक्षा संचालन, पठन–पाठन, पाठ्यक्रम योजना को शत प्रतिशत लागू कराना, विभागीय कार्यक्रम, गोद लिए ग्राम शिक्षक प्रतिपुष्ठ प्रपत्र, कक्षाध्यापन का रिकार्ड रखना — **श्रीकान्त मणि त्रिपाठी**
2. प्रगति आख्या, नैक एवं आई.क्यू.ए.सी. सम्बन्धित प्रपत्र, विभागीय शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र रख रखाव, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र — **श्री प्रतीक दास**
3. विभागीय पुस्तकालय, पुस्तकों की सूची जनरलस की सूची प्रगति आख्या, विभागीय पूर्व विद्यार्थी, मासिक मूल्यांकन रिकार्ड — **श्री प्रतीक दास**

16. **श्री निवास रामानुजन अयंगर स्मृति, गणित महोत्सव कार्यक्रम**– गणित विभाग द्वारा 22 दिसम्बर, 2021 को श्री निवास रामानुजन अयंगर स्मृति, गणित महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन कराया जायेगा, इस कार्यक्रम में विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन होगा जिसका विषय ष्त्वसम वि डंजीमउंजपबे पद ।कअंदबमउमदज वि बपमदबमष् होगा।

    नोट – विषम परिस्थितियों में दिनांक व अतिथि में परिवर्तन सम्भव है।

17. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका**– परिसर अनुशासन में विभाग के शिक्षक अनुशासन मण्डल का सहयोग करते है। विभाग के शिक्षक ये सुनिश्चित करते है। वे महाविद्यालय परिसर में जहाँ पर भी हो वहाँ पर अनुशासन बनाये रखे। विभाग अपने अगल–बगल कमरों के आस–पास एवं गलियारे में अनुशासन के प्रति जबाब देह है। विभागीय स्तर पर इसे सुनिश्चित किया गया है।

18. **शिक्षण विधियाँ**–

    1. **व्याख्यान–विधि**– विभागीय शिक्षकों द्वारा इस विधि का प्रयोग किया जाता है। इस विधि में शिक्षक गणित विषय के प्रश्नों को छात्रों को व्याख्यान के माध्यम से समझाते है तथा उन प्रश्नों का हल श्यामपट्ट पर करते है।
    2. **पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण**– विभागीय शिक्षकों द्वारा इस विधि का प्रयोग गणितीय ज्यामिति एवं गणित विषय के जटिल प्रश्नों को आसानी से छात्रों को समझाने के लिए उपयोग में लाया जाता है।
    3. **प्रोजेक्ट विधि**– विभाग द्वारा इस विधि का प्रयोग स्नातक अन्तिम वर्ष में किया जाता है। इस विधि में छात्र अपने गणित विषय के पाँच प्रश्न–पत्रों में से प्रत्येक प्रश्न पत्र से दो अति महत्वूपर्ण प्रश्न को लिखते है तथा उसका मूल्यांकन विभागीय शिक्षकों से करते है।

19. **शिक्षक आचार संहिता में विभाग की भूमिका**– शिक्षक आचार संहिता सत्र 2021–2022 हेतु महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सर्वसम्मति से अद्यतन की गयी है। विभागीय शिक्षक, महाविद्यालय प्रशासन द्वारा अद्यतन शिक्षक आचार संहिता का यथा संभव शत–प्रतिशत पालन करेगें।

20. **प्रार्थना सभा में विभाग की भूमिका**– महाविद्यालय के दिनचर्या की शुरूआत प्रार्थना सभा से होती है।

जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, ईशवन्दना, सरस्वती वन्दना और साथ में महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान होता है। प्रार्थना सभा का समय प्रतिदिन 09.20 से 09. 40 तक होता है। शनिवार के दिन प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में उपस्थित रहते है तथा विभाग अपने छात्रों को प्रेरित करता है कि वे प्रार्थना सभा में समय से उपस्थित रहे।

## सांख्यिकी विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** – विभाग द्वारा सत्र 2021–22 की पाठ्यक्रम योजना बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। विभाग द्वारा 16 जनू 2021 से बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष की कक्षा प्रारम्भ की जा चुकी है। 12 अगस्त 2021 से बी.एस–सी. प्रथम वर्ष एव बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की कक्षायें प्रारम्भ होंगी।

2. **पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य** – महाविद्यालय में विभागीय पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों को यह पहले से पता होना चाहिए की किस दिन विभाग के किस शिक्षक का व्याख्यान है तथा उस दिन कौन सा टापिक कक्षा में पढ़ाया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना में कक्षाध्यापन व मासिक मूल्यांकन अंकित रहता है, जिससे विभागीय छात्रों को पहले से पता रहता है कि किस दिन उस माह में कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन होगा।

3. **मासिक मूल्यांकन** – सत्र 2021–22 में प्रतिमाह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। मासिक मूल्यांकन में उस माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे। अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे।

**मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ** –

| कक्षा | कक्षाध्यापन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस–सी. प्रथम | लागू नहीं | 24 | 25 | 27 | 29 | स्थगित | स्थगित |
| बी.एस–सी. द्वितीय | लागू नहीं | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 22 |
| बी.एस–सी. तृतीय | लागू नहीं | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 22 |

4. **स्व–मूल्यांकन प्रपत्र** – विभाग द्वारा प्रतिमाह आनलाइन स्वमूल्यांकन प्रपत्र महाविद्यालयके वेबसाइट पर भरा जाता हैं। जिसमें शिक्षक गत माह में अपने द्वारा पढ़ाये गये कुल कक्षा व्याख्यान, अपने द्वारा कराये गये कक्षाध्यापन तथा विभाग द्वारा कराये गये मासिक मूल्यांकन की जानकारी भर कर सबमिट करते है। यह स्वमूल्यांकन प्रपत्र प्रतिमाह महाविद्यालय वेबसाइट के शिक्षक ब्लाग पर माह के प्रथम कार्यदिवस पर आनलाइन भरा जाता है तथा विभाग में उसका प्रिन्टआउट सुरक्षित रखा जाता है।

5. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – विभाग द्वारा प्रतिमाह छात्र–छात्राओं से कक्षाध्यापन कराया जायेगा। इस प्रक्रिया में कक्षाध्यापन की तिथि से पाँच दिन पूर्व छात्र–छात्राओं को विषय आवंटित कर दिया जायेगा तथा

कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन कराकर उन्हें श्रेणी प्रदान किया जायेगा। इस कक्षाध्यापन की प्रक्रिया से विद्यार्थियों में विषय वस्तु को समझने एवं प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिया जाता है।

**कक्षाध्यापन तिथि :** सत्र 2021–22 में कक्षाध्यापन की तिथि निम्न है–

| कक्षा | कक्षाध्यापन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस–सी. प्रथम | लागू नहीं | 7, 16 | 2, 9, 16 | 5, 20 | 11, 20 | स्थगित | स्थगित |
| बी.एस–सी. द्वितीय | 23, 30 | 6, 14 | 1, 8, 15 | 4, 18 | 9, 18 | 7, 15, 22 | 6, 13 |
| बी.एस–सी. तृतीय | 23, 30 | 6, 14 | 1, 8, 15 | 4, 18 | 9, 18 | 7, 15, 22 | 6, 13 |

सत्र 2021–22 में विभाग द्वारा कक्षाध्यापन में एक नया प्रयोग किया जायेगा। इसमें कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों को सारांश बनाने के लिए कहा जायेगा। कक्षाध्यापन के दिन उनसे लिये गये सारांश का मूल्यांकन करके शिक्षक उसकी प्रति अपने पास रखकर मूल प्रति छात्रों को वापस कर देंगे।

6. **गाँव दर्शन** – विभाग महाविद्यालय में कक्षाध्यापन के साथ–साथ सामाजिक दायित्व का भी कार्य करता है। विभाग अपने गोद लिये गाँव 'केवटहिया' में सत्र 2021–22 में चार बार सेवा कार्य के लिए जायेगा। गोद लिये गये गाँव में 'कोविड–19' के प्रति जागरूकता विषय पर कार्य किया जायेगा। विभाग सत्र 2021–22 में निम्न प्रस्तावित तिथियों पर गाँव दर्शन करेगा।

   1) 08 अगस्त 2021
   2) 24 अक्टूबर 2021
   3) 27 फरवरी 2022
   4) 29 मई 2022

7. **गोद लिये विद्यार्थी** – विभाग के शिक्षक द्वारा अपने विषय के विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इस योजना में शिक्षक गोद लिये विद्यार्थियों से सीधे सम्पर्क में रहता है। शिक्षक अपने गोद लिये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है। इसलिए शिक्षक अपने प्रयास से छात्र के रूचि के अनुसार उसे कक्षा प्रतिनिधि, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रसंघ प्रतिनिधि, स्काउट–गाइड एवं एन.सी.सी. का सदस्य बनने के लिए प्रेरित करता है। विभाग द्वारा गोद लिये विद्यार्थियों की सूची निम्नलिखित है।

| शिक्षक | गोद लिए विद्यार्थी का नाम |
|---|---|
| डॉ. अरूण कुमार राव | 1. नेहा शर्मा, प्रथम सेमेस्टर<br>2. शनि वर्मा, प्रथम सेमेस्टर<br>3. कपीश कुमार सिंह, प्रथम सेमेस्टर<br>4. अनुप कुमार सिंह, प्रथम सेमेस्टर<br>5. आदित्य प्रताप राव, पार्ट तृतीय |
| श्री काली शंकर पाण्डेय | 1. अभिषेक गुप्ता, प्रथम सेमेस्टर<br>2. प्रांजल गुप्ता, प्रथम सेमेस्टर |

3. हर्षिता यादव, प्रथम सेमेस्टर
4. मधु, प्रथम सेमेस्टर
5. हर्ष श्रीवास्तव, प्रथम सेमेस्टर

**नोट :** चार सीट रिक्त है। सत्र 2021–22 में इसे पूरा किया जायेगा।

8. **समय-सारिणी** – महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय-सारिणी उपलब्ध कराया जाता है जिसमें विषय के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं का विवरण होता है। विभाग समय-सारिणी का शत-प्रतिशत अनुपालन करता है।

9. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं ब्लॉग** – विभाग अपने पठन-पाठन में प्रतिवर्ष नूतन प्रयोग करता आया है। विभाग प्रयास करता है कि वह अपने पठन-पाठन में तकनीकी का भी उपयोग करे। पठन-पाठन में प्रोजेक्टर का प्रयोग होता है। महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध व्यक्तिगत ब्लॉग पर पी.पी.टी. अपलोड किया गया है जिसे कोई भी छात्र कभी भी डाउनलोड करके पढ़ सकता है। ब्लाग के अन्य वाले शीर्षक में विषय से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को पी.डी.एफ. के रूप में भी अपलोड कर दिया गया है।

10. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग में शिक्षक द्वारा अपने व्यक्तित्व विकास एवं पठन-पाठन के तरीके में सुधार के लिए प्रतिवर्ष दो बार, सितम्बर एवं जनवरी माह में विद्यार्थियों से प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है तथा इस प्रपत्र को विभाग में सुरक्षित रखा जाता है।

11. **निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र** – महाराणा प्रताप शिक्षा परिषदद् द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय की सहायता से महाविद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र का संचालन होता है। इस केन्द्र पर सप्ताह में दो दिन बुधवार एवं गुरुवार को चिकित्सक चिकित्सा केन्द्र पर बैठते हैं। इस केन्द्र पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को उपचारात्मक सलाह व दवाइयाँ दी जाती हैं। महाविद्यालय के आसपास के ग्रामवासियों को भी उपचारात्मक सलाह व दवाइयाँ दी जाती हैं।

    विभाग अपने कक्षा में विद्यार्थियों को निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में जागरूक करता रहता है कि यदि आप लोगों को स्वास्थ्य से सम्बन्धित कोई भी समस्या हो तो आप इस चिकित्सा केन्द्र पर अवश्य सम्पर्क करें।

12. **वेबसाइट, फेसबुक** – महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए लगातार अपनी वेबसाइट को अद्यतन करता रहता है तथा फेसबुक पर भी सूचनाओं को अद्यतन करता रहता है। विभाग अपने विभागीय कार्यक्रम की सूचना एवं कार्यक्रम की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए महाविद्यालय के वेबसाइट एवं फेसबुक का उपयोग करता है।

13. **पुस्तकालय** – विभाग ने अपने स्तर पर एक पुस्तकालय का गठन किया है जिसमें यदि किसी विद्यार्थी को पुस्तक की आवश्यकता होती है तो विभाग इस छात्र का नाम तथा आई.डी. नोट करके पुस्तक दे देता है। यह पुस्तक तीन दिन के अन्दर विभाग को वापस करना होता है महाविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है।

14. **नैक** - विभाग नैक को सहयोग करता है। नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. द्वारा समय-समय पर माँगे गये सभी प्रपत्रों को विभाग तय सीमा के अन्दर प्रभारी को उपलब्ध करा देता है।
15. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** - परिसर अनुशासन में विभाग अनुशासन समिति का सहयोग करता है।
16. **शिक्षण विधियाँ** - 1. व्याख्यान विधि 2. प्रोजेक्टर विधि
17. **शिक्षक आचार संहिता में विभाग की भूमिका** - शिक्षक आचार संहिता सत्र 2021-22 हेतु महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सर्वसम्मति से अद्यतन की गयी है। विभाग इस आचार संहिता का पालन करेगा।
18. **प्रार्थना सभा में विभाग की भूमिका** - महाविद्यालय के दिनचर्या की शुरूआत प्रार्थना सभा से होती है। प्रार्थना सभा का समय प्रतिदिन 09.20 से 09.40 तक होता है। इसमें सोमवार से गुरुवार तक राष्ट्रगाान, राष्ट्रगीत, ईशवन्दना, सरस्वती वन्दना और साथ में महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान होता है। शनिवार के दिन प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में उपस्थित रहते है तथा विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे प्रार्थना सभा में समय से उपस्थित रहें।

## वनस्पति विज्ञान

1. **प्रार्थना सभा** - विभाग के शिक्षक दैनिक दिनचर्चा का प्रारम्भ एक अगस्त से प्रत्येक कार्य दिवस को प्रात: 09:20 बजे से क्रमश: राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ पूर्व की भाँति करेंगे। प्रार्थना सभा में श्रीमद्भगवत गीता के श्लोकों के वाचन एवं विशेष दिवस होने वाले उद्बोधन में प्रतिभाग करेंगे यथा ओजोन संरक्षण दिवस (16 सितम्बर, 2021), जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि 23 नवम्बर, 2021
2. **पाठ्यक्रम योजना** - विषय के पाठ्य को तिथिवार शिक्षक के नाम, व्याख्यान संख्या, प्रश्नपत्र एवं शीर्षक को सत्रारम्भ के पहले तैयार कर महाविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। इसका पूर्णत: पालन किया जाता है जिससे पाठ्यक्रम समय से पूर्ण हो जाता है। विद्यार्थियों को पहले से पता होता है कि किस दिन किस शिक्षक के द्वारा किस पाठ्य को पढ़ाया जायेगा जिससे वे कक्षा में तैयार होकर आयेगें।

   सत्र 2021-22 हेतु सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम योजना को अद्यतन उद्धृत कर दिया गया है।

   **वनस्पतिविज्ञान सैद्धान्तिक कक्षाएँ प्रारम्भ**

   1. स्नातक प्रथम वर्ष - 21 अगस्त 2021 2. स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष - 16 जून 2021
3. **प्रायोगिक कक्षाएँ** (स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष - 15 सितम्बर, 2021
   वनस्पति विज्ञान विषय के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्र 30.09.2021 तक तैयार कर लिये जायेंगे।
4. **ग्राम्य-दर्शन कार्यक्रम** सत्र में चार (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है:

   प्रथम - 08 अगस्त 2021 द्वितीय - 24 अक्टूबर 2021
   तृतीय - 27 फरवरी 2022 चतुर्थ - 29 मई 2022

5. **कक्षाध्यापन** – एक सप्ताह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित किसी एक प्रकरण पर विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है जिससे विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद-कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है। शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन करते हैं, ग्रेड देते हैं एवं प्रगति-आख्या में दर्ज करते हैं। एक कक्षाध्यापन के समय ही अगले कक्षाध्यापन हेतु विद्यार्थियों के नाम एवं उनसे पूछकर पाठ्यक्रम आवंटित कर दिया जाता है। बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष कक्षाध्यापन 21, 28. 6.21 को भी कराया जायेगा।

| कक्षा | कक्षाध्यापन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस.-सी. प्रथम | NA | 6, 14 | 1, 8, 15 | 4, 18 | 9, 18 | 7, 15 | NA |
| बी.एस.-सी. द्वितीय | 8, 22, 29 | 5, 12, 21 | 7, 14 | 1, 11 | 8, 17 | 3, 14, 21 | 5,12,21 |
| बी.एस.-सी. तृतीय | 22, 29 | 5, 12, 21 | 7, 14 | 1, 11 | 8, 17 | 3, 14, 21 | 5,12,21 |

6. **मासिक मूल्यांकन** – विद्यार्थियों में व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से विश्वविद्यालयीय सैद्धान्तिक परीक्षा के प्रारूप पर प्रश्न देकर लिखित परीक्षा कराया जायेगा, उसे मूल्यांकित किया जायेगा एवं उसे प्रगति आख्या में दर्ज किया जायेगा। इसके आधार पर चयनित कमजोर एवं कुशाग्र विद्यार्थियों का उपचारात्मक कक्षा पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

| कक्षा | कक्षाध्यापन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस.-सी. प्रथम | NA | 23 | 23 | 26 | 27 | NA | NA |
| बी.एस.-सी. द्वितीय | 15 | 31 | 22 | 25 | 26 | 29 | 31 |
| बी.एस.-सी. तृतीय | NA | 31 | 22 | 25 | 26 | 29 | 31 |

7. **प्रगति-आख्या** – प्रगति-आख्या में कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण-व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के गुण योग्यता का परिमाणात्मक आकलन कर दर्ज किया जाता है एवं इसका विश्लेषण हर माह करके प्राचार्य जी से हस्ताक्षरित करा लिया जायेगा।

8. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – यह प्रपत्र विभाग के शिक्षक द्वारा स्वयं द्वारा निर्मित योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक स्वमूल्यांकन कर प्रत्येक माह की 8 तारीख तक कार्यालय में जमा कर दिया जायेगा अथवा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

9. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**– यह प्रपत्र विभाग के प्रत्येक शिक्षक अपने व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में सुधार हेतु छात्रों द्वारा सत्र में दो बार यथा- जनवरी एवं अप्रैल माह में विद्यार्थियों द्वारा अपनी-अपनी प्रतिपुष्टि प्राप्त किया जायेगा, सुधार किया जायेगा एवं वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

10. **शिक्षण विधियाँ** – वनस्पतिविज्ञान विभाग में दोनों शिक्षकों द्वारा निम्न शिक्षण विधियाँ अपनायी जाती हैं- **व्याख्यान विधि** – इस विधि के अन्तर्गत शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय-वस्तु प्रकटन हेतु इस विधि का प्रयोग करते हैं और इस वर्ष भी करेंगे। इसके लिए

श्यामपट्ट पर चित्र बनाकर, विषय-वस्तु पर बने चार्ट एवं मॉडल की सहायता से तथ्यों को समझाया जायेगा।

**पावर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण** - पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरण पर शिक्षक द्वारा तैयार पी.पी.टी. प्रस्तुत कर व्याख्या की जायेगी। इस कार्य हेतु प्रोजेक्टर युक्त कक्षा का उपयोग किया जायेगा।

वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला एवं विक्रम साराभाई कक्ष में प्रोजेक्टर लगा हुआ है। जहाँ प्रोजेक्टर की सुविधा नहीं होती है वहाँ महाविद्यालय के मोबाइल प्रोजेक्टर का इस्तेमाल किया जायेगा।

**प्रश्नोत्तर विधि** - कक्षा-शिक्षण के दौरान विभागीय शिक्षक के द्वारा छात्रों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता प्रश्नोत्तर तकनीकी द्वारा कराकर शिक्षण-प्रक्रिया को बोधगम्य, प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया जाता है।

**करके सीखना** - विभागीय शिक्षक पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ ही सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य विद्यार्थियों से पूरा कराकर यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यार्थी पाठ को अच्छी तरह से समझ सकें एवं उनमें रुचि जाग्रत हो।

**गैर-पारम्परिक शिक्षण विधि** -

i) **पोस्टर प्रतियोगिता ( 14.02.2022 )**- पाठ्यक्रम के अलग-अलग पाठ अलग-अलग विद्यार्थियों में आवंटित कर एक प्रतियोगिता आयोजित करायी जायेगी जिसमें विद्यार्थी स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से निर्धारित पाठ्यविषय पर पोस्टर बनाएँगे एवं उसकी व्याख्या भी करेंगे। इन विद्यार्थियों को विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिया जायेगा।

ii) **विज्ञान प्रदर्शनी ( 13.03.2022 )**- अलग-अलग पाठ्यविषय पर विद्यार्थियों में मॉडल एवं क्रियात्मक मॉडल आवंटित किया जाता है जिसका निर्माण विद्यार्थियों द्वारा कराया जायेगा एवं वे उसकी व्याख्या भी करेंगे। प्रतिभागियों को विभाग प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा।

iii) **शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता ( 17.02.2022 )**- विद्यार्थियों को अलग-अलग पाठ्यविषय आवंटित किया जायेगा जिस पर पावर प्वाइण्ट बनाकर वे पाठ को समझाने का प्रयास करेंगे। शिक्षक उनका मूल्यांकन करेंगे। प्राचार्य या उपप्राचार्य पर्यवेक्षक होंगे एवं विभाग प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

iv) **ग्राम्य-भ्रमण** - विभाग को आवंटित ग्राम- शेखवानिया में शिक्षक एवं विद्यार्थी भ्रमण करेंगे तथा एक पृष्ठीय प्रश्नों के आधार पर पाठ के अनुप्रयोग वाले विषयों पर सर्वेक्षण कर ज्ञानार्जन करेंगे।

ग्राम्य-दर्शन कार्यक्रम सत्र में चार (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है:

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रथम | - 08 अगस्त 2021 | द्वितीय | - 24 अक्टूबर 2021 |
| तृतीय | - 27 फरवरी 2022 | चतुर्थ | - 29 मई 2022 |

v) **सरस्वती भ्रमण** - आसपास के गाँवों में शिक्षक एवं विद्यार्थी जायेंगे एवं अपने पाठ्यविषय से सम्बन्धित पाठों को उनके वासस्थान एवं प्राकृतिक स्वरूप में अध्ययन करेंगे, उपयोगी सामग्रियों को एकत्रित करेंगे, हरबेरियम बनायेंगे एवं चीजों को पहचानना सीखेंगे।

**सरस्वती भ्रमण हेतु कक्षा एवं दिवस** –

बी.एस-सी. (प्रथम) – 18.01.2022
बी.एस-सी. (द्वितीय) – 24.02.2022
बी.एस-सी. (तृतीय) – 13.11.2022
25.02.2022
26.02.2022

11. **सम्भावित अतिथि, वनस्पतिविज्ञान अन्तर्गत** –
    1. डॉ. शोभित श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, एशियन इन्टरनेज़नल विश्वविद्यालय, सैमसंग, इम्फाल, मनीपुर।
    2. डॉ. संदीप सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, गुरु गोरक्षनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र पीपीगंज, गोरखपुर

    वनस्पतिविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान:

    जैविक कृषि – 18 नवम्बर 2021
    जलवायु परिवर्तन – 20 दिसम्बर 2021
    मशरूम संवर्धान – 24 दिसम्बर 2021

12. **वनस्पतिविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम**

    वर्तमान सत्र 2021–22 में निम्नवत हैं–

    पोस्टर प्रतियोगिता – 14 फरवरी 2022
    विज्ञान प्रदर्शनी – 12 मार्च 2022
    शोध–व्याख्यान प्रतियोगिता – 17 फरवरी 2022

13. **गोद लिये विद्यार्थी** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थी गोद लिया जाता है जिसके अन्तर्गत शिक्षक– गोद लिये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते हैं। उनके आचरण व्यवहार, उनके पढ़ाई एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्व की तरह करेंगे।

| शिक्षक | गोद लिये विद्यार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|
| | क्र.सं. | छात्र/छात्रा का नाम | कक्षा | आई.डी. |
| डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव | 1 | वैष्णवी पाण्डेय | बी.एस-सी. प्रथम वर्ष | BSCMPPGBY01 |
| | 2 | अनुपम पाण्डेय | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष | BSC2019200118 |
| | 3 | रिंकी गुप्ता | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष | BSC2019200008 |
| | 4 | ऋषिकान्त विश्वकर्मा | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष | BSC2020210033 |
| | 5 | शिल्पी गौड़ | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष | BSC2020210010 |

14. **गोद लिये गाँव** – वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शेखवानिया गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ ग्राम भ्रमण कर विभिन्न समसामयिक सामाजिक मुद्दों पर एक पृष्ठीय प्रश्नो द्वारा सर्वेक्षण एवं जागरुक बनाना है। इस सत्र भी पूर्व की भाँति चार अवकाश के दिन शिक्षक-विद्यार्थी साथ जायेगें एवं सर्वेक्षण तथा

जागरुक बनाने का कार्य करेंगे। इसकी तिथियाँ 08 अगस्त 2021, 24 अक्टूबर 2021, 27 फरवरी, 2022 तथा 29 मई 2022 प्रस्तावित है।

15. **शिक्षक ब्लाग** – महाविद्यालय के वेबसाइट पर विभाग के शिक्षक का अपना-अपना ब्लाग है जिसपर शिक्षक द्वारा पढ़ाये जाने वाले प्रश्न पत्रों के टॉपिक का पावर प्वाइन्ट प्रस्तुतिकरण दर्ज है जहाँ से विद्यार्थी देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकते हैं। सत्र 2021–22 में इसे अद्यतन किया जायेगा। शिक्षक इसके द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं।

    ब्लाग पर विभाग के शिक्षक द्वारा 2021–22 में यह सुनिश्चित किया जायेगा कि विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं विगत पाँच वर्ष के वनस्पति विज्ञान के विश्वविद्यालयी परीक्षा के प्रश्नपत्र को ब्लाग पर अपलोड हो जाये।

16. **पाठ्य सारांश** – विभाग के शिक्षक द्वारा कक्षाध्यापन के एक पृष्ठिय सारांश को अपने ब्लाग पर अपलोड करेंगे जिसे विद्यार्थी देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकेंगे। सारांश में पाठ्य के मुख्य बिन्दू समावेषित रहेंगे।

17. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा** – विभाग के शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न पत्र विश्वविद्यालयी परीक्षा के पैटर्न पर तैयार किया जाता है जो शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को दिया जाने वाला संभावित प्रश्न होता है एवं विद्यार्थी विश्वविद्यालयी परीक्षा के पैटर्न भी समझ जाते हैं। सत्रान्त में यह परीक्षा होती है एवं विभाग के शिक्षक अपने-2 प्रश्न पत्रों को मूल्यांकित करते हैं तथा उपचारी कक्षाओं में विद्यार्थियों को उनकी कमियां और बेहतर लिखना समझाते हैं। हर प्रश्न पत्र में सर्वाधित अंक प्राप्त करने वाले तीन विद्यार्थियों के उत्तर पुस्तिका को पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखवाया जायेगा।

18. **विश्वविद्यालय पुस्तकालय** – विभिन्न प्रकाशकों द्वारा आवंटित स्पेसिमेन पुस्तक विभाग में रखे गये है जिसे दैनिक आधार पर विद्यार्थियों को जारी किया जाता। इसके अलावे केन्द्रिय पुस्तकालय के वनस्पति विज्ञान के पुस्तकों की सूची विभाग में विद्यार्थियों को देखने के लिए उपलब्ध है।

19. **वनस्पतिविज्ञान पाठ्यक्रम पूर्ण** – स्नातक सैद्धान्तिक व प्रायोगिक पाठ्यक्रम 28 फरवरी 2022 तक पूर्ण करा लिया जायेगा।

20. **विभागीय प्रायोगिक परीक्षा** – विश्वविद्यालयीय सैद्धान्तिक परीक्षा के पूर्व करा लिया जायेगा।

21. **उपचारात्मक कक्षाएँ** – 25 जनवरी, 7 फरवरी से क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय वर्ष।

    **नोट :** कोविड–19 महामारी या अन्य अपरिहार्य कारणों से उपर्युक्त में परिवर्तन सम्भव है।

## रसायन विज्ञान विभाग

1. **प्रार्थना सभा** – महाविद्यालय की दिनचर्या का प्रारम्भ प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से शुरु होने वाली प्रार्थना सभा में प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 09:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष की जयन्ती/पुण्यतिथि/ स्मृति दिवस होती है तो उसके सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भगवत गीता के श्लोकों का अनुवाद सहित वाचन होता है।

    प्रार्थना सभा में रसायन विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक सम्मिलित होते हैं तथा अपने विद्यार्थियों को इसमें सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करते हैं।

2. **पाठ्यक्रम योजना**– सत्र के प्रारम्भ में ही विभाग द्वारा स्नातक व स्नातकोत्तर की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम योजना की साफ्ट कापी तैयार करके महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करा दिया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की हार्डकापी विभाग में सुरक्षित रखा जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित स्नातक तथा स्नातकोत्तर के अद्यतन पाठ्यक्रम की हार्डकापी भी विभाग में सुरक्षित रखा गया है।

3. **कक्षा संचालन**– महाविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र की कक्षाएं संचालित की जाती है।

| | | |
|---|---|---|
| बी.एस-सी. भाग-दो की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ | – | 01 अगस्त, 2021 |
| बी.एस-सी. भाग-तीन की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ | – | 01 अगस्त, 2021 |
| एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ | – | 21 अगस्त, 2021 |
| बी.एस-सी. भाग-एक की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ | – | 21 अगस्त, 2021 |
| एम.एस-सी. प्रथम वर्ष की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ | – | 27 सितम्बर, 2021 |
| प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ | – | 15 सितम्बर, 2021 |

४. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन**– प्रत्येक सप्ताह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से सम्बन्धित टापिक पर पूर्व निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों के चिन्तनशीलता, अभिव्यक्ति, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का उतरोत्तर विकास होता है। इस सत्र की कक्षाध्यापन तिथियाँ कक्षावार निम्नवत् हैं–

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस.–सी. भाग–एक | – | 7,16 | 2,9,16 | 5,20 | 11,20 | 8,16,23 | 7,17 |
| बी.एस.–सी. भाग–दो | 23 | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6,13 |
| बी.एस.–सी. भाग–तीन | 23 | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6,13 |
| एम.एस.–सी. प्रथम सेमेस्टर | NA | NA | 2,9,16 | 5,20 | 11,20 | NA | NA |
| एम.एस.–सी. तृतीय सेमेस्टर | 23 | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | NA | NA |

5. **मासिक मूल्यांकन**– प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले सम्भावित प्रश्नों पर मासिक मूल्यांकन होता है। इससे विद्यार्थियों की पाठ्यक्रम के प्रति रूचि, ग्राह्यता एवं दक्षता का पता चलता है। इस सत्र में होने वाले मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ कक्षावार निम्नवत हैं–

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस.–सी. भाग–एक | NA | 24 | 25 | 27 | 29 | 31 | 24 |
| बी.एस.–सी. भाग–दो | 30 | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 22 |
| बी.एस.–सी. भाग–तीन | 30 | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 22 |
| एम.एस.–सी. प्रथम सेमेस्टर | NA | 24 | 25 | 27 | 29 | NA | NA |
| एम.एस.–सी. तृतीय सेमेस्टर | 30 | 23 | 23 | 26 | 27 | NA | NA |

6. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र**– यह महाविद्यालय के शिक्षकों के स्वमूल्यांकन की विशेष तकनीकी है, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह की 10 तारीख से पहले पिछले माह का स्वमूल्यांकन प्रपत्र आनलाइन भरा जाता है। इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गयी योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना लागू रहेगी।
7. **प्रगति आख्या**– इसके अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट भरी जाती है, जिसमें विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन में प्राप्त अंक, कक्षाध्यापन में उपस्थिति आदि विवरण आनलाइन भरा जाता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना यथावत रहेगी।
8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**– यह महाविद्यालय की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जो महाविद्यालय की स्थापना काल से ही लागू है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक सत्र में दो बार (सितम्बर व जनवरी) विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है प्रपत्र में प्राप्त फीडबैक (कमियों/सुझावों) को जानकर शिक्षक आवश्यकतानुसार सुधार करने का प्रयास करते हैं।
9. **स्वैक्षिक श्रमदान**– यह हमारे महाविद्यालय का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी स्वैक्षिक रूप से श्रमदान करते है। यह कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित करके, पठन-पाठन को अप्रभावित रखते हुए किया जाता है। इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चयनित स्थानों पर निर्धारित सहयोगियों के साथ सफाई का कार्य किया जाता है। रसायान विज्ञान विभाग के कुछ शिक्षक व विद्यार्थी इसमें सक्रिय सहभागिता करते है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी यथावत लागू रहेगी।
10. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा**– महाविद्यालय के स्थापनाकाल से ही फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न करा कर तत्पश्चात उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन विभाग के शिक्षकों द्वारा किया जाता है तथा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकायें विद्यार्थियों को दिखायी जाती हैं।
11. **रिमेडियल (उपचारात्मक) कक्षाएं**– विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के पज्चात विभाग द्वारा उपचारात्मक कक्षाएँ चलायी जाती हैं। जिसमें विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्नों के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की जाती है तथा विद्यार्थियों को सही उत्तर लिखने के लिए समझाया जाता है।

### प्रस्तावित विशिष्ट व्याख्यान -

12. **विभागीय पुस्तकालय**– महाविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त रसायन विज्ञान विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। इसमें विभाग के शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों को भी पुस्तक पढ़ने की सुविधा प्रदान की जाती है।
13. **विभागीय बैठक**– वर्तमान सत्र से प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षकों की मासिक बैठक की योजना बनाई गयी है।
14. **गोद लिए गये विद्यार्थी**– रसायन विज्ञान विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इसके अन्तर्गत शिक्षक गोद लिए गये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते है। शिक्षकों द्वारा अपने गोद लिए गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, पठन-पाठन एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्ववत जारी रहेगा।

| शिक्षक | गोद लिए गये विद्यार्थी | कक्षा | आई.डी. | मोबाईल नं. |
|---|---|---|---|---|
| डॉ. शिवकुमार बर्नवाल | 1. रंजीत रौनिआर | बी.एस–सी. भाग–तीन | BSC2018190021 | 6387534241 |
| | 2. नेहा सिंह | बी.एस–सी. भाग–दो | BSC2019200198 | 8303669269 |
| | 3. राकेश गुप्ता | बी.एस–सी. भाग–दो | BSC2019200169 | 8874668017 |
| | 4. आयुष नाथ तिवारी | बी.एस–सी. भाग–एक | BSC2020210007 | 6299095694 |
| | 5. सुनिधि सिंह | बी.एस–सी. भाग–एक | BSC2020210086 | 9140094696 |
| डॉ. राम सहाय | 1. मनसा गुप्ता | बी.एस–सी. भाग–तीन | BSC2018190065 | 8318819231 |
| | 2. अंकिता सिंह | बी.एस–सी. भाग–तीन | BSC2018190138 | 8881199895 |
| | 3. राजेश यादव | बी.एस–सी. भाग–एक | BSC2020210128 | 8090812390 |
| | 4. राजलक्ष्मी गोयल | बी.एस–सी. भाग–एक | BSC2020210099 | 9455869987 |
| | 5. विपिन रौनियार | बी.एस–सी. भाग–एक | BSC2020210096 | 7237935220 |
| श्रीमती प्रियंका मिश्रा | 1. सृष्टि श्रीवास्तव | बी.एस–सी. भाग–दो | BSC2019200089 | 7619834248 |
| | 2. प्राची जायसवाल | बी.एस–सी. भाग–दो | BSC2019200073 | 8737934811 |
| | 3. अंगीरा सिंह | बी.एस–सी. भाग–दो | BSC2019200017 | 7394051025 |
| श्री संजय जायसवाल | 1. अनुपमा सिंह | एम.एस–सी. अंतिम वर्ष | MSC2019200001 | 7007942108 |
| | 2. नेहा चौरसिया | बी.एस–सी. भाग–दो | BSC2019200208 | 8957422289 |
| | 3. दीपा गौड़ | बी.एस–सी. भाग–दो | BSC2019200152 | 8591093563 |
| | 4. सुशील प्रजापति | बी.एस–सी. भाग–तीन | BSC2018190035 | 9464538956 |
| | 5. आकाश दूबे | बी.एस–सी. भाग–तीन | BSC2018190003 | 6307246662 |

15. **गोद लिया गया गाँव**– रसायन विज्ञान विभाग द्वारा रामपुर गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति गांव के लोगों को जागरूक करना है। इस सत्र में भी पूर्व की भांति रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ ग्राम भ्रमण पर जायेंगे तथा जन जागरूकता का कार्य करेंगे। इसकी तिथियां 08 अगस्त, 2021, 24 अक्टूबर, 2021, 27 फरवरी, 2022 तथा 29 मई 2022 हैं।

16. **कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप**– रसायन विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस–सी. भाग एक, भाग दो व भाग–तीन तथा एम. एस–सी. प्रथम वर्ष व अंतिम वर्ष का कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसका उपयोग ऑनलाईन कक्षा पढ़ाने के लिए लिंक भेजने हेतु तथा महाविद्यालय व विभाग की आवश्यक सूचनाएं विद्यार्थियों तक पहुंचाने हेतु किया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

**प्रस्तावित विशिष्ट कार्यक्रम-**

| क्रमांक | कार्यक्रम का नाम | तिथि | संयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | ग्राम्य दर्शन | 08 अगस्त, 2021 | डॉ. शिवकुमार बर्नवाल |
| 2 | विशिष्ट व्याख्यान | 05 सितम्बर, 2021 | श्रीमती प्रियंका मिश्रा |
| 3 | व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर) | 23 सितम्बर, 2021 | डॉ. शिवकुमार बर्नवाल |
| 4 | ग्राम्य दर्शन | 24 अक्टूबर, 2021 | श्रीमती प्रियंका मिश्रा |
| 5 | विशिष्ट व्याख्यान | 09 नवम्बर, 2021 | डॉ. रामसहाय |
| 6 | विशिष्ट व्याख्यान/बेविनार | 20 जनवरी, 2022 | डॉ. शिवकुमार बर्नवाल |
| 7 | ग्राम्य दर्शन | 27 फरवरी, 2022 | डॉ. राम सहाय |
| 8 | विज्ञान प्रदर्शनी | 28 फरवरी, 2022 | डॉ. रामसहाय |
| 10 | ग्राम्य दर्शन | 29 मई, 2022 | श्री अभिनव त्रिपाठी |

**विशिष्ट व्याख्याताओं की सूची :-**

1. प्रो. सुधा यादव — अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2. प्रो. एच.सी. गुप्ता (अव.प्रा.) — आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3. डॉ. निखिल कान्त शुक्ला — उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
4. डॉ. राशिद तनवीर — उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
5. डॉ. आलोक श्रीवास्तव — अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर
6. डॉ. कमलेश पटेल — बी.डी.एस, एम.डी.एस पटेल डेन्टल क्लीनिक नियर, बी.आर.डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर
7. डॉ. जे.के. पाण्डेय — सहायक आचार्य रसायन विज्ञान विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
8. डॉ. प्रदीप कुमार राव — सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
9. डॉ. सचिन कुमार सिंह — सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
10. डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव — सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नार्थ इस्टर्न रीजनल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, ईटानगर, अरूणाचंल प्रदेश
11. डॉ. मीरा यादव — सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नार्थ इस्टर्न रीजनल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, ईटानगर, अरूणाचंल प्रदेश
12. डॉ. संतोष कुमार मिश्र — सहायक आचार्य, बायोइन्जिनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

**नोट** :- उपरोक्त विभागीय कार्यक्रमों की तिथियाँ एवं अतिथि परिवर्तित हो सकते हैं।

## Physics Department Annual Plan (2021-22)

1. **Practical syllabus-** The department this year plans to cover all the practical's listed in University syllabus irrespective of minimum number of recommended practical's prescribed by University for final Examinations. The department will also show simulations of Practical's through Audio/Visual methods in Practical classes.

2. **Monthly Evaluation-** The department plans to take monthly evaluation of students in last week of every month starting from August to January. The aim of monthly evaluation is to help the students grasp the concepts taught during the month and perform better in their final Examinations. The students are categorized according to their skill on the basis of monthly evaluation. They are then tutored accordingly so that their education may not hinder. Those who are weak learner are given attention to identify weak points and exercises are given them to remove the weakness. The total marks allotted for monthly evaluation is 35 which includes 30 marks for performance in test and 5 marks for behaviour of student in class.

   The questions which are being asked in these tests are being collectively asked in Pre University Exam also. Schedule of Monthly Evaluation:-

| CLASS | MONTHLY EVALUATION | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | July | August | September | October | November | December | January |
| B Sc I | NA | 31 | 30 | 25 | 30 | 29 | 29 |
| B Sc II | NA | 27 | 30 | 30 | 30 | 31 | 27 |
| B Sc III | NA | 27 | 29 | 23 | 23 | 29 | 28 |

3. **Pre University Examination -** In evaluation process, the department completely follows the pattern adopted by the university and the students are directed to prepare themselves, accordingly. The faculties of department prepares the Pre University Examination paper's which contains all questions which are being already asked in monthly evaluation tests.

   In Pre-university examinations, the utmost transparency is maintained. The emphasis is laid on to remove the shortcomings of the students. Their answer books are shown to them and they are told how to remove their shortcomings. This develops a positive aptitude in them. They are encouraged with awards and certificates. 1st, 2nd & 3rd rank holder students are appointed as members of admission committee for next session and avail library facility equivalent to teachers. Their answer books are kept in library. The students scoring poor grade in the different subjects are advised to be in touch with their subject teachers. The pre-university exam papers along with University exam papers of previous years are being uploaded on college website and can be downloaded at following web address :

   **www.mpm.edu.in/Hindi/Questionpaper.aspx**

   **Schedule :-** In the month of February.

4. **Pre declared Teaching Plans-** Teaching plans of each subject/paper are prepared, reviewed and finalized date-wise keeping in view holidays and working days. The teaching plan is then uploaded on college website. Students will get teaching plan from the following website address.

| S No | Class | Theory /Practical | Web address |
|---|---|---|---|
| 1 | B Sc I Sem I | Theory | mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojNA_03494271.pdf |
| 2 | B Sc I Sem I | Practical | mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojNA_62518640.pdf |
| 3 | B Sc II Sem I | Theory | mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojNA_95931118.pdf |
| 4 | B Sc II Sem I | Practical | mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojNA_78483051.pdf |
| 5 | B Sc III Sem I | Theory | mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojNA_61232672.pdf |
| 6 | B Sc II Sem I | Practical | mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojNA_96038917.pdf |

The main aim of pre declared Teaching plan is that the students be aware of what the concern faculty is going to teach in todays class. If he/she knows this thing, then they can come prepared for lecture and can get better understanding of subject. They also feel more confident while attending the lectures. The lecture of UG first year will start on 11th August and second and third year starts on 16th June in the current academic session.

5. **Remedial Classes for students-** The department will organize remedial classes after Pre-University Examinations in the month of February with the aim of clearing doubts and difficulties of students and preparing them for final Examinations.

6. **Teachers Feedback Form (Sikshak Pratipushti Prapatra)-** The department plans to take feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available on the website of the college. The first feedback will be taken in the month of September and second in the month of January. The Teachers feedback form is available at the following web address :

**www. mpm.edu.in/Hindi/ShikshakPratiPusti.aspx**

The Teachers feedback form is part of our regular effort to maintain quality instruction. Our faculty use responses to these questions to become better teachers.

7. **Use of ICT in teaching (PPT)-** The department this year plans to take all theory classes on projector only. The faculty members have already prepared their PPT's for teaching purpose which covers complete syllabus of the subject. Projectors are already installed in all classes as well as in the lab. To maintain an uninterrupted power supply during classes, an online generator is also being installed in the campus.

The main aim and advantages of teaching through PPT are as follows:-

i) Ease of use for students and teachers
ii) Facilitates effective E-learning
iii) Develops confidence in students
iv) Promotes interactive study
v) Development of in-depth knowledge
vi) Increased attention span of students

8. **Updating Teachers Blog-** The teachers blog contains PPT's, Video lectures and Research papers which are being prepared by teachers of department. The department plans to update the blog of teachers on college website so that maximum benefit of blog may be taken college students. The teachers blog helps the students in the following ways :-

- Promotes autonomous learning by providing opportunities for students to take more control of their learning
- Motivates students to become better readers and writers.
- Promotes discussion among students.
- Encourages the use of the Internet and the Web among students

The current status of teachers blog are as follows

**Current Blog status**

| S.No. | Name of Faculty | Type of e content on college website | PPT | Video | Research Paper |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Abhishek Verma | | 27+14+15 Total - 56 | 13 | 04 |
| 2. | Dr Shailendra Kumar Thakur | | 11+15 | 00 | 06 |
| 3. | Maneeta Singh | | 18+12 Total - 40 | 00 | 00 |

The students can access the blogs of teachers through the following web address

1. Blog of Abhishek Verma www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture
2. Blog of Dr S K Thakur www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture

9. **Class Teaching by Students-** After every V[th] class the students will be given chance to present their lecture in front of students of class. The main objective of this methodology of teaching is to make students self-confident and make them able to put their views in front of other people. At least 10 students take the class lectures on previously assigned topics.

**Schedule of Class Teaching for students This Year**

| CLASS | CLASS TEACHING SCHEDULE | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | July | August | September | October | November | December | January |
| B Sc I Sem I | NA | 12,21 | 07,14,22 | 11,21,26 | 8,17,26 | 14,21 | 5,12,21 |
| B Sc II Sem I | 20,28 | 04,11,20 | 06,13,21 | 9,23 | 13,23 | 11,18,27 | 10,19,24 |
| B Sc III Sem I | 20,28 | 12,21 | 06,13,29 | 01,30 | 16,15,25 | 2,13,20,27 | 5,17,22 |

The main aim of Class Teaching is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

10. **Progress Report-** The monthly progress report of each student is prepared by the teacher, summarised by the department and is uploaded on the faculty login of college website so that any guardian can see the activities of his ward in the college. Such monthly reports collectively form the annual report of the student. These are analysed as a parameter of successive qualitative development of the student and efforts for further development are tried to do. The main advantages of progress report are as follows

- Through Progress report, the faculties communicates the progress and performance of the students to help them know where they stand and make necessary improvement.
- The students as well their parents can check marks obtained, class attendance and class teaching done by their wards

The progress report of students can be seen on the following web address

**www.mpm.edu.in Hindi/akhya.aspx**

11. **Students Adoption by Faculties-** The faculty members of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field. Each teacher makes a complete record of all the adopted students which includes complete biodata, academic records, family background and photograph etc.

The main of this scheme is to develop a harmonious relation with the adopted student which in turns builds a confidence on teachers in students. It was also decided that an adopted student should also be either a member of NSS, a student representative or residing in college hostel. The reason behind this step is that the student must be simultaneously acted by these three to develop to their academic as well personality. Once adopted by a teacher he/she should remain adopted by same teacher till course completion.

Regular counselling session has been provided to the adopted students by concerned faculties. After this scheme is being implemented it is observed that most of the students who were adopted by concerned faculties have developed their personality to a considerable level.

**Students currently Adopted by faculties**

| S No | Name of student | Mobile Number | Class | Adopted by |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Ankita Singh | 9984152235 | B Sc III | Abhishek Verma |
| 2 | Kastoori Singh | 6394538208 | B Sc III | Abhishek Verma |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 3 | Deepika Chaurasiya | 9532476551 | B Sc III | Abhishek Verma |
| 4 | Prreti Kumari | 7505893815 | B Sc III | Abhishek Verma |
| 5 | Sadhna Singh | 8528841958 | B Sc II | Dr S K Thakur |
| 6 | Deeksha Gupta | 9696271492 | B Sc II | Dr S K Thakur |
| 7 | Madhumita Gond | 9621602198 | B Sc II | Dr S K Thakur |
| 8 | Pushpanjali Rai | 9336374249 | B Sc II | Dr S K Thakur |
| 9 | Shradha Singh | 9580366046 | B Sc II | Dr S K Thakur |

As four students are going to be passed out which are being adopted by one faculty, so four new student's will be adopted.

12. **Swachik Shramdaan-** Teachers and students participates (optional) in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that laborer's are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

    Apart from this, shramdaan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness & benefits the body in so many ways.

13. **Visit to village-** Two Villages Bhagwanpur and Haripur were adopted by the department to uplift the Educational and Socio-Economic status of the villagers.

    The Department will organize camps/visits in these villages four times in year at these pre-determined dates.

    - 08 August, 2021
    - 24 October, 2021
    - 27 Feburary, 2022
    - 24 May, 2022

    All the faculty members along with adopted students will participate in the village visit program. The Department organizes the camps in the following broad areas to develop the village community:-

    - Education and literacy
    - Sanitation
    - Health
    - Village development Schemes of Government
    - Mid-day meal
    - Awareness about AIDS
    - Awareness about pure drinking water
    - Encephalitis and Japanese Fever

14. **Upgradation of Lab and IT facilities indepartment-** The department currently has the following Lab facilities for their students

    - The department has 02 spacious laboratories with all necessary equipments, where 06 labs in three year degree course can be performed.
    - The department has spacious classrooms fitted with LCD projectors to conduct PPT classes.
    - **The labs are performed in the areas of**
        - General physics
        - Electronics
        - Electricity
        - Optics
        - Laser

    The department this year plans to purchase new instruments in order to cover all practical's prescribed in university syllabus irrespective of minimum number of practical's prescribed by University. The department also plans to repair all the those instruments which are malfunctioning.

15. **Teaching Methods/Pedagogy-** The department faculties adopts following teaching methods while teaching the students:

    - ***Pre-declared Teaching Plan:-*** Pre-prepared and pre-declared teaching-plan on website of the College. The teaching plan of each subject is prepared and uploaded on the website prior to the commencement

of classes. This makes the students aware what is going to be taught in class on that day. So he/she comes prepared for the lecture.

- **Abstract of Lecture:-** Lecture abstract is made available to each student of the class through teacher's blog. This helps the students in getting a better and clear understanding and command on the topic. The faculty is also benefitted through this method.
- **PPT presentation:-** The department encourages teachers to have maximum number of classes through Power Point slides.
- **Class Teaching by Students:-** The main aim of Class Teaching is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.
- **Monthly Evaluation:-** Monthly tests in each paper of each subject, evaluation, answers shown to students indicating their weakness and strength.
- **Group Discussion:-** Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

16. **Competitions**

1. **Poster making competition**- Poster making contest aims for the students to use their knowledge, understanding and awareness in creating their visuals (posters) to raise other students or people's knowledge, understanding and awareness about the significant theme, topic or question whenever and wherever they go.

| S No | Date | Event | Topic | Participants |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 12th Feb 2022 | Poster Making | New Energy resources | All the students of B Sc Physics |

2. **Department level Technical Paper Competition-** The objective of the competition are to challenge students to demonstrate superior presentation skills, present their research, and offer an opportunity for students to interact within their community at an early stage in their career.

| S No | Date | Event | Topic | Participants |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 13th Feb 2022 | Technical Paper Competition | Students Research Interests | All the students of B Sc III Physics |

17. **Value Added Course**- The department plans to offer one value added course of atleast 30 hours duration during the current academic session. The dates and timing's will be decided after consultation with the expert.

18. **Lab Manuals-** The department faculties have already prepared B Sc I year Lab manual's. The lab manuals of second year and third year will be prepared in the current academic year.

19. **Participation in Morning Prayer-** Morning Prayer is an integral part of our college culture. All the faculties and students, like previous years will participate in the morning prayers

20. **Participation in NSS/ Rover's rangers-** The college scheme's NSS and Rovers rangers are of great importance in overall personality development of the students. They are also part of our collective personality development scheme. The department will encourage the students to take part in NSS and rover rangers.

21. **Sending data to UP government digital library-** The faculties of department have more then 100 e content on UP govt digital library in previous year. The department faculties the year will also send econtent to UP government digital library.

22. **Role and Responsibilities in college schemes-** The **Respected Principal Sir** in Annual planning meeting,

after consultation with faculty members, distributes responsibilities to faculty members of all departments. The department faculties have been allotted following responsibilities in current session.

| S No | Name of faculty member | Responsibility |
|---|---|---|
| 1 | Abhishek Verma | NAAC, IQAC and related work |
| 2 | Dr S K Thakur | Divyang chhatri kalyan Prakosth |

The faculties of department willingly will give their best performance do the work assigned to them in stipulated time.

23. **Departmental Responsibilities**

| **Dr Shailendra Kumar Thakur** | **Abhishek Verma** |
|---|---|
| • Preparation of Lesson Plans<br>• Repair and Purchase of lab equipment's in association with Lab Assistant Satyam Ji.<br>• Preparation and maintenance of III year Whatsapp group and passing all information to the group.<br>• Progress report of II and III year.<br>• Conduction of Special lecture, Poster, Quiz competition and Workshop and report preparation.<br>• Research and Development.<br>• Village visit and report.<br>• Laboratory Instruction preparation.<br>• Media coverage of all departmental programs and its reporting in news papers. | • Preparation of Annual report of department.<br>• Future Planning Report of department.<br>• ICT infrastructure development.<br>• E content development.<br>• College You-tube video uploading.<br>• Preparation and maintenance of I and II year whatsapp group and Passing all information to the group.<br>• Progress report of I and II year.<br>• Updating of Blogs.<br>• Preparation of Lab manuals.<br>• Conduction of Special lecture, workshop and technical paper presentation and report preparation.<br>• NAAC and IQAC information. |

## भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की विभागीय योजना का निर्माण विद्यार्थियों की प्रगति-रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन करके प्रगति-रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा के पश्चात् उनके बारे में अपने प्रयत्नों की रूपरेखा बनायी गयी है। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखकर बनायी गयी है।

आरम्भ से ही भूगोल विभाग का शैक्षणिक उद्देश्य सकारात्मक, विकासात्मक, सुरुचिपूर्ण, अभिनवगामी आदि विविध आयामों से परिपूर्ण रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्णता हेतु विभाग के सभी शिक्षक प्रतिबद्ध है। भूगोल विभाग की कार्ययोजना का मर्म सदैव वास्तविकता के धारातल पर खरा उतरना है। कार्ययोजना केवल **'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर'** विभाग का ध्येय है।

1. **विभागीय कार्य विभाजन** - 04 जून 2021 को विभागीय कार्यों का वर्तमान सत्र में कुशलता पूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से विभागीय शिक्षकों के दायित्व को निर्धारित किये गये। दायित्व वितरण का कार्य विभाग की शिक्षिका डॉ. शालू श्रीवास्तवा ने किया-

1. **डॉ. विजय कुमार चौधरी**
- विभागीय बैठकों का आयोजन
- समय-सारणी तैयार करना
- पठन पाठन
- तकनीकी प्रसार
- विभागीय रिपोर्ट तैयार करना
- शैक्षणिक भ्रमण यात्रा
- पाठ्यक्रम योजना निर्माण
- विभागीय योजना

2. **डॉ. शालू श्रीवास्तवा**
- विभागीय स्वच्छता
- विभागीय कार्य निरीक्षण
- पूरक पाठ्यक्रम
- महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार आयोजन
- बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- स्वमूल्यांकन प्रपत्र तैयारी में सहयोग एवं एकत्र करना
- साप्ताहिक व्याख्यान आयोजन-स्नातकोत्तर स्तर (प्रत्येक शनिवार सातवीं घंटी में)
- विभागीय कार्य विभाजन
- नैक/आई.क्यू.ए.सी. सूचनाएं

3. **डॉ. नीलम गुप्ता**
- प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला उपकरण रख-रखाव (प्रयोगशाला सहायक के साथ)
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाना
- नवाचार एवं मौलिक प्रयोग
- स्नातकोत्तर (प्रथम एवं अन्तिम वर्ष) प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- पाठ्यक्रम संकलन पाठ्य पुस्तकों की सूची
- मैप ड्राइंग प्रतियोगिता
- पाठ्य पुस्तकों की सूची अद्यतन करना
- विभागीय पुस्तकालय
- नैक/आई.क्यू.ए.सी. सूचनाएं
- शिक्षक बायोडाटा
- विभागीय ब्लॉग आख्या
- बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- विभागीय गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम

4. **श्री अरविन्द कुमार मौर्य**
- विश्वविद्यालय पूर्वपरीक्षा प्रश्नपत्र
- विभागीय पूर्व विद्यार्थी
- दायित्व सह कार्य रिपोर्ट
- लैब मैन्युवल
- स्वैच्छिक श्रमदान प्रोत्साहन
- बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- अभिगृहित ग्राम रिपोर्ट
- भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता
- बी.ए./बी.ए-सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का पंजीकरण
- समाचार लेखन
- नैक/आई.क्यू.ए.सी. सूचनाएं

❖ उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त विभाग एवं विभाग समीप के अनुशासन का दायित्व सभी शिक्षकों का होगा।

2. **सत्रारम्भ** – 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् 11 अगस्त से स्नातक प्रथम वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नाकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएँ संचालित करने का निर्णय लिया गया। स्नातक द्वितीय वर्ष की कक्षाएं 16 जून से प्रारम्भ हो गयी हैं। 30 जनवरी तक पाठ्य योजना के अनुसार पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया जायेगा। विश्वविद्यालय परीक्षा के पूर्वाभ्यास के लिए 05 फरवरी से विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा होगी। विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के मूल्यांकन के आधार पर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं चलायी जायेंगी।

3. **समय-सारणी** – स्नाकोत्तर कक्षाओं की समय-सारणी (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक) विभागाधयक्ष द्वारा अद्यतन कर लिया गया है। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण कर लिया गया है। जबकि स्नातक कक्षाओं की समय-सारणी का निर्माण महाविद्यालय द्वारा गठित समिति करती है।

4. **प्रायोगिक कक्षाएं** – स्नातक एवं स्नाकोत्तर कक्षाओं की प्रयोगिक कक्षाएं 16 अगस्त से प्रारम्भ होगीं। विभिन्न कक्षाओं का लैब वर्क 20 दिसम्बर तक पूर्ण करके ग्रील्ड वर्क कराया जायेगा। स्नातक तृतीय वर्ष एवं स्नाकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा तीन दिवसों तक सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कराकर रिपोर्ट तैयार करायी जायेगी। यदि स्नाकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कोविड-19 महामारी के कारण नहीं जा पायेगा तो द्वितीय आंकडों के आधार पर प्रोजेक्ट तैयार कराया जायेगा ।

5. **पठन-पाठन** – विभाग का ध्येय **'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर'** है। इस लिए पठन-पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके। पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन की पूर्व की भाँति लागू रहेगा। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार 30 जनवरी तक सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम को पूर्ण कर लिया जायेगा। यदि किन्हीं कारणों से 30 जनवरी तक किसी कक्षा के किसी प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो पायेगा तो सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे।

6. **विभागीय पुस्तकालय** – विभागीय पुस्तकालय प्रभारी द्वारा विभागीय पुस्तकों का रख-रखाव एवं विद्यार्थियों में आवंटन किया जायेगा। वर्तमान सत्र के लिए आवश्यकतानुसार नये लेखकों की पुस्तकों की व्यवस्था किया जायेगा।

7. **प्रयोगशाला** – प्रयोगशाला अद्यतन रखी जायगी। प्रयोगशाला की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जायगी। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला हेतु आवश्यक उपकरण एवं अन्य सामग्री का क्रय करने के लिए माँग पत्र प्रयोगशाला प्रभारी के माध्यम से प्राचार्य के पास भेजा जायेगा। प्रयोगात्मक उपकरणों को भण्डार पंजिका में दर्ज किया जायेगा। भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से कराया जायेगा।

8. **कक्षाध्यापन में अभिनव प्रयोग** – कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, मानचित्र, मॉडल, इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर के माध्यम से चलेंगी। सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग अपलोड किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा उसे भी विभागीय शिक्षक अपने-अपने ब्लॉग पर डालेंगे। विभाग में प्रतिमाह कम से कम एक व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के शीर्षक पर कराया जायेगा। अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अन्तर्गत भूगोल विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जायेगा। प्रत्येक कक्षा में विभागीय शिक्षकों द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि

के सन्दर्भ में की जायेगी।

9. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – साप्ताहिक कक्षाध्यापन उद्देश्य विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना है। कक्षाध्यापन हेतु सत्रारम्भ के प्रथम दिन अर्थात् कक्षाध्यापन से 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा विषय कक्षा में तय करके घोषित कर दिया जायेगा। कक्षाध्यापन के लिए विद्यार्थियों की तैयारी कक्षा के बाहर करायी जायेगी। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर कक्षाध्यापन कराया जायेगा। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जायेगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा न हो जाय। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का विवरण विभागीय शिक्षकों द्वारा उन्हें 10 अंक के पूर्णांक में अंक देने के साथ रखा जायेगा। कक्षाध्यापन में छात्र-छात्राओं को अपना विषय वस्तु ठीक तरह से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा। सत्र 2021-2022 में साप्ताहिक कक्षाध्यापन की तिथियाँ निम्नवत् हैं-

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए./बी.एस-सी प्रथम | NA | 07,16 | 02,09,16 | 05,20 | 11,20 | 08,16,23 | 07,17 |
| बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय | 23,30 | 06,14 | 01,08,15 | 04,18 | 09,18 | 07,15,22 | 06,13 |
| बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय | 23,30 | 06,14 | 01,08,15 | 04,18 | 09,18 | 07,15,22 | 06 |
| एम.ए. प्रथम वर्ष | NA | 07,16 | 02,09,11 | 05,20 | 11,20 | 08,16,23 | 05 |
| एम.ए. अन्तिम वर्ष | 24,31 | 07,16 | 03,13,22 | 09,21 | 08,07 | 03,14,21 | 05 |

10. **सारांश** – विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति में नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर अपलोड पी.पी.टी द्वारा विद्यार्थी विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

11. **प्रार्थना सभा** – प्रार्थना सभा में पूर्व की भांति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु श्लोक चयनित करके लिपिबद्ध करके इन्हीं श्लोकों का वाचन हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत जाता है। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा में प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। प्रार्थना सभा के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जायेगा।

12. **शिक्षक आचार संहिता** – वार्षिक योजना बैठक में सत्र 2021-22 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। विभाग के शिक्षकों द्वारा आचार संहिता स्वप्रेरणा को अपने-अपने उपर लागू करेगें। यद्यपि शिक्षक आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन मान्य नहीं रहेगी। शिक्षकों द्वारा स्वयं आचार संहिता का पालन न करने पर आचार संहिता उस शिक्षक पर स्वत: लागू हो जाएगी।

13. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विद्यार्थियों द्वारा भरा जाने वाला एक प्रपत्र है। विद्यार्थियों के अभिमत शिक्षक के व्यक्तित्त्व विकास का माध्यम बनते हैं। वर्ष में दो बार (सितम्बर-दिसम्बर) विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक अपने बारे में शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाते हैं। इस प्रपत्र के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन

करते हैं।

14. **शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र**– योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार–विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रतिवर्ष लागू होता है। विभागीय शिक्षकों द्वारा जुलाई से जनवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जायेगा। जो शिक्षकों द्वारा प्रतिमाह स्वमूल्यांकन करके स्व–विकास का सशक्त माध्यम बनता है।

15. **पाठ्यक्रम योजना**– विभाग द्वारा प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना है तथा विद्यार्थी को पहले से पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा। वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को दिनांक, शिक्षक का नाम, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ 3+2+1 के सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसको महाविद्यालय की बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

16. **गोद लिए गए विद्यार्थी**– विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। गोद लिए गये विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आचरण–व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी गोद लिए शिक्षक की होती है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करेंगे। ये विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी या कक्षा प्रतिनिधि में से ही होते हैं। स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के रिक्त स्थानों पर स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जायेगा।

## गोद लिए गये विद्यार्थियों की सूची

**डॉ. विजय कुमार चौधरी**

| क्रम सं. | छात्र/छात्रा का नाम | कक्षा | मो. नं. |
|---|---|---|---|
| 1 | विशाल रॉय | बी.ए. भाग दो | 7785983498 |
| 2 | सुधीर सिंह | बी.ए. भाग दो | 8423404604 |
| 3 | शिवानन्द निषाद | बी.ए. भाग दो | 8795409287 |
| 4 | संतोष कुमार यादव | बी.ए. भाग दो | 8114075577 |
| 5 | राहुल यादव | बी.ए. भाग दो | 9336318042 |
| 6 | प्रतिमा सिंह | बी.ए. भाग दो | 8418901805 |
| 7 | पूजा यादव | बी.ए. भाग दो | 8303314468 |

सत्र 2021–22 के लिए कोई स्थान रिक्त नहीं है।

**डॉ. शालू श्रीवास्तव**

| क्रम सं. | छात्र/छात्रा का नाम | कक्षा | मो. नं. |
|---|---|---|---|
| 1 | अम्बाला सिंह | बी.एस–सी. भाग तीन | 8601163646 |
| 2 | श्वेता पटेल | बी.एस–सी. भाग तीन | 7398568064 |
| 3 | शशिकला गौण | बी.ए. भाग तीन | 8127574159 |

**नोट** – वर्तमान सत्र में स्नातक तृतीय वर्ष की तीनों छात्राओं के उत्तीर्ण हो जाने के पश्चात् पांचों स्थान रिक्त हो जाएगा। सत्र 2022-23 में प्रथम वर्ष से छात्र-छात्राओं को गोद लिया जाएगा।

**डॉ. नीलम गुप्ता**

| क्रम सं. | छात्र/छात्रा का नाम | कक्षा | मो. नं. |
|---|---|---|---|
| 1 | अर्चना चौहान | बी.एस. भाग दो | 9696239220 |
| 2 | संगम | बी.एस. भाग दो | 9889986252 |
| 3 | वर्षा पाठक | बी.एस. भाग दो | 7318447103 |
| 4 | आरोषी | बी.एस. भाग दो | 9518438664 |
| 5 | सोनी चौधरी | बी.एस. भाग दो | 6392966080 |

**डॉ. अभिषेक सिंह**

| क्रम सं. | छात्र/छात्रा का नाम | कक्षा | मो. नं. |
|---|---|---|---|
| 1 | हिमांशु मिश्रा | बी.एस. भाग एक | 7985775282 |
| 2 | दीनू चौरसिया | एम.ए. अन्तिम वर्ष | 9794661769 |

15. **गोद लिए गया गाँव** – भूगोल विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव को गोद लिया गया है। विभाग तथा महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कराकर सम्पूर्ण विवरण रखा जायेगा। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करेगा। इस सत्र में चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (08 अगस्त 2021, 24 अक्टूबर 2021, 27 फरवरी 2022 एवं 29 मई 2022) गाँव में जाएंगे।

16. **मासिक मूल्यांकन** – सत्र 2021-22 में माह के अन्तिम सप्ताह में पूर्व निर्धारित तिथि पर मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। अगस्त माह में मासिक मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के माध्यम से सम्पन्न कराया जायेगा। जिसमें प्राप्त सर्वोच्च अंकों के आधार पर प्रत्येक कक्षा में कक्षा प्रतिनिधि चुने जायेंगे। वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर-बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक मूल्यांकन के इन्ही प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी। जिनकी तिथियाँ निम्न हैं-

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए./बी.एस.–सी. प्रथम | NA | 24 | 25 | 27 | 29 | 31 | स्थगित |
| बी.ए./बी.एस.–सी. द्वितीय | NA | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | स्थगित |
| बी.ए./बी.एस.–सी. तृतीय | NA | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | स्थगित |
| एम.ए. प्रथम वर्ष | NA | 24 | 25 | 27 | 29 | 30 | स्थगित |
| एम.ए. अन्तिम वर्ष | NA | 25 | 30 | 25 | 26 | 29 | स्थगित |

17. **छात्रसंघ** – अगस्त माह में मासिक मूल्यांकन के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव प्रत्येक कक्षा में किया जायेगा। चुने गये कक्षा प्रतिनिधियों में से छात्रसंघ के पदाधिकारियों का चुनाव विद्यार्थियों के द्वारा मतदान के माध्यम से होगा।

18. **राष्ट्रीय सेवा योजना** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक के द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों में से अधिकांज़ विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक होते है। श्रम एवं समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए स्वयं सेवकों को प्रेरित किया जायेगा।

19. **वेबसाइट/शिक्षक ब्लॉग** – विभाग की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन कर दिया गया है तथा अन्य विभागीय सूचनाओं को भी समय-समय पर वेबसाइट पर अपडेट किया जाता रहेगा। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के लिए शिक्षकों के ब्लॉग पर सभी व्याख्यान की पी.पी.टी. बनाकर अपलोड किया जायेगा साथ ही अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायेंगे।

20. **तकनीकी प्रसार** – विभागीय शिक्षकों द्वारा लैपटॉप, प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास, स्काइप, जूम एप आदि का उपयोग किया जाता रहेगा। आवश्यकतानुसार इसका विद्यार्थियों में प्रसार भी किया जायेगा।

21. **नैक/आई.क्यू.ए.सी.** – नैक/आई.क्यू.ए.सी. से सम्बन्धित सभी सूचनाओं को विभागीय शिक्षकों द्वारा नैक/आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी को समय से उपलब्ध कराया जायेगा।

## महत्वपूर्ण विभागीय कार्यक्रम

1. **विशिष्ट व्याख्यान**

| क्रम | माह | तिथि | विषय | अतिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | अगस्त | 22.07.2021 | भू-जल संरक्षण | डॉ. अभिषेक सिंह |
| 2. | अक्टूबर | 04.10.2021 | पर्यावरण अवनयन कारण, परिणाम | निदान-सूरज प्रकाश मिश्रा |

2. **पोस्टर प्रतियोगिता** – पर्यावरणीय मुद्दों एवं घटनाओं के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने के लिए विभाग द्वारा 23 अक्टूबर, 2021 को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया जायेगा। जिसमें भूगोल विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों के विद्यार्थी सम्मिलित होगें।

3. **भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता** – सीखने का स्तर हमेशा शिक्षण विधियों पर केन्द्रित होता है। इसको ध्यान में रखते हुये भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य

विद्यार्थियों में नवीन प्रविधि के माध्यम से भौगोलिक ज्ञान की अभिवृद्धि करना है। इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण-05 अक्टूबर, 2021 को आयोजित किया जायेगा। प्रथम चरण में 30-30 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आधार पर 08 श्रेष्ठतम विद्यार्थियों का चयन करके 04 टीमें बनायी जायेगी। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का आयोजन 09 अक्टूबर, 2021 होगा, जिसमें 20 प्रश्नों के आधार पर विजेता टीम का चयन होगा।

4. **सर्वेक्षण कैम्प ( कन्टूरिंग )** - स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम के अंर्तगत सर्वेक्षण कैम्प का आयोजन 13-16 दिसम्बर, 2021 तक आयोजित किया जायेगा। जिसमें स्थलाकृतियों की गहराई-ऊँचाई के आधार पर समोच्च रेखाओं को बनाना बताया जायेगा।

5. **मैप ड्राइंग प्रतियोगिता** - विद्यार्थियों में स्वस्थ्य प्रतियोगिता विकसित करने उद्देश्य से गतवर्ष की भाँति इस सत्र में भी मैप ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजन 18 जनवरी, 2021 को किया जायेगा।

6. **महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार** - भूगोल विभाग अपने स्थापना सत्र से ही महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार का आयोजन करता आ रहा है। इस सत्र में भी 17-18 जनवरी, 2021 होगा।

**नोट :** कार्यक्रमों की तिथियों, विषय एवं अतिथि में परिस्थितिजन्य परिवर्तन सम्भव।

## प्राणि विज्ञान विभाग

१. **पाठ्यक्रम योजना**- महाविद्यालय अपने प्रारम्भिक काल से ही पाठ्य क्रम योजना बनाता रहा है। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार ही प्रत्येक दिन का कक्षा संचालन होता है एवं पाठ्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण हो जाता है। छात्रों को पूर्व से भी पता होता है कि किस दिनांक को किस अध्यापक द्वारा कौन सा शीर्षक पढ़ाया जाना है। प्राणि विज्ञान विभाग ने गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी पाठ्यक्रम के अनुसार वर्तमान सत्र की पाठ्यक्रम योजना जुलाई माह से पूर्व बना चुका है जो महाविद्यालय की वेबासाइट पर अपलोड हो चुका है।

2. **शिक्षक ब्लॉग**- विभाग के सभी शिक्षक अपने अपने पढ़ायें जाने के संदर्भ में सभी शीर्षक का पीपीटी बना कर अपने अपने ब्लॉग पर गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी अपलोड कर चुके हैं। जिसे छात्र डाउनलोड कर पढ़ सकें। सभी शिक्षक अपना बायोडाटा भी अपने ब्लाक पर अपलोड कर चुके हैं।

3. **कक्षा संचालन**- विभाग के सभी शिक्षक गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन कक्षा पीपीटी के माध्यम से पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ायेंगे। बी.एस-सी. भाग दो की कक्षा 16 जून, बी.एस-सी. भाग एक एवं तीन 11 अगस्त संचालित होगी।

4. **विभागीय पुस्तकालय**- विभाग अपने स्तर से पुस्तकालय का संचालन करता है। गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी विभागीय पुस्तकालय संचालित होगी। विभागीय पुस्तकालय से छात्रों को पुस्तक दी जाती है, जिसे छात्र अपनी आवश्यकता अनुसार प्रात करेगा तथा पढ़ कर वापस कर देगा। पुस्तक के लेन देन के हिसाब के लिए विभाग में रजिस्टर रखा गया है। यह योजना वर्तमान में लागू रहेगी।

5. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन**- इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर के डर, घबराहट को दूर करना तथा उनमें आत्मविश्वास पैदा करना होता है, जिससे वे किसी भी साक्षात्कार में अपनी बात को सहजतापूर्वक एवं निर्भिकतापूर्वक रख सकें। इस योगना के अन्तर्गत विभाग द्वारा 5 दिन पहले ही अगले कक्षाध्यापन के लिए विद्यार्थियों के नाम और शीर्षक बता दिया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में लागू रहेगी।

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस.–सी. भाग एक | NA | 5,12,21 | 7,14 | 1,11 | 8,17 | 3,14,21 | 06,13 |
| बी.एस.–सी. भाग दो | 20,28 | 4,11,20 | 6,13,21 | 23 | 16 | 2,13,20 | 4,11,20 |
| बी.एस.–सी. भाग तीन | 20,28 | 4,11,20 | 6,13,21 | 23 | 16 | 2,13,20 | 4,11,20 |

6. **मासिक मूल्यांकन**– इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को तैयार करना होता है, जिससे कि वे विश्वविद्यालय की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सके। मासिक मूल्यांकन में वही प्रश्न दिये जाते हैं, जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न होता है तथा विश्वविद्यालय परीक्षा के प्रश्न पर आधाारित होता है। विभाग महीने भर में पढ़ायें गये पाठ्यक्रम से ही विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन कराता है। गत सत्र की तरह वर्तमान सत्र में भी इसे लागू किया जायेगा।

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.एस.–सी. भाग एक | NA | 31 | 22 | 25 | 26 | 21 | 22 |
| बी.एस.–सी. भाग दो | NA | 27 | 30 | 30 | 25 | 28 | 29 |
| बी.एस.–सी. भाग तीन | NA | 27 | 30 | 30 | 25 | 28 | 29 |

7. **प्रगति आख्या**– विभाग महाविद्यालय के प्रारम्भिक काल से ही विभागीय प्रगति आख्या तैयार करता है। विभाग छात्रों का पठन पाठन, साप्ताहिक कक्षाध्यापन, उपस्तिथि, मासिक मूल्यांकन एव आचरण व्यव्हार के आधार पर छात्रों का सर्वांगीण विकास के तरफ अग्रसर करने का प्रयास करता रहा है। गत वर्ष की तरह वर्तमान सत्र में यथावत प्रगति आख्या लागू रहेगा।

8. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र**– प्रत्येक माह के 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा किया जायेगा।

9. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**– सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में प्रत्येक शिक्षक का शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र छात्रों द्वारा भरवाया जाता है। इसे वर्तमान सत्र में लागू किया जायेगा।

10. **विभागीय कार्यक्रम**

**व्याख्यान**

| क्र.सं. | दिनांक | शीर्षक | मुख्य वक्ता |
|---|---|---|---|
| 1. | 25.06.2021 | ''कोशिका संचरण'' | प्रो. डी.के. सिंह जी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |
| 2. | 07.07.2021 | ''विकास की कोशिकाएं क्रियाविधि'' | प्रो. डी.के. सिंह जी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |
| 3. | 18.08.2021 | स्टेम कोशिका | प्रो. डी.के. सिंह जी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |

**शोध व्याख्यान**

| | | |
|---|---|---|
| 1. बी.एस–सी. भाग एक | 08.01.2022 | (संयोजक डॉ. शिव कुमार) |
| 2. बी.एस–सी. भाग दो | 04.01.2022 | (संयोजक श्री विनय कुमार सिंह) |

**विज्ञान प्रदर्शनी**

| | | |
|---|---|---|
| 1. बी.एस–सी. भाग एक | 24.12.2021 | (संयोजक डॉ. शिव कुमार) |
| 2. बी.एस–सी. भाग दो | 27.12.2021 | (संयोजक डॉ. आर.एन. सिंह) |
| 3. बी.एस–सी. भाग तीन | 05.01.2022 | (संयोजक श्री विनय कुमार) |

11. **गोद लिए गए गाँव**– प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा लक्ष्मीपुर गांव को गोद लिया गया है।

**उद्देश्य**– लक्ष्मीपुर गांव के साथ विभाग का आत्मीय संबंध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सिखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन–जागरण कर जागरूक करना।

**कार्यपद्धति**– गांव के परिवारों का अमीर–गरीब, साक्षर–निरक्षर, रोजगार–बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग आदि की पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गांव में जन–जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक–विद्यार्थी गांव में जाते हैं। गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी यथावत लागू रहेगा।

12. **साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान**–

**उद्देश्य**– इस योजना का उद्देश्य विभाग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा–बड़ा नहीं होता, सभी कार्यों का अपने–अपने संदर्भ में समान महत्व सिद्धांत की प्रतिष्ठा करना है।

**कार्यपद्धति**– प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित कर तथा मध्यावकाश के बाद की 4 कक्षाओं के 50–50 मिनट का समय घटाकर 40–40 मिनट कर दिया जाता है। इस इस प्रकार 60 मिनट का साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान होता है।

13. **गोद लिए गए विद्यार्थी**– विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा 5 विद्यार्थी को गोद लिया जाता है। इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आचरण व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होती है।

**उद्देश्य**– विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

**कार्यपद्धति**– सत्र के आरंभ में विभाग के शिक्षकों द्वारा अपनी–अपनी कक्षाओं से 5–5 विद्यार्थियों के गोद लिये चुने जाते हैं। विद्यार्थियों को गोद लेते समय यह ध्यान रखा जाता है कि, इसमें विद्यार्थी या तो राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्य हो या छात्रावास में रह रहे हो या कक्षा प्रतिनिधि हो। गत वर्ष की भांति वर्तमान ने सत्र के भी लागू रहेगी।

| शिक्षक का नाम | गोद लिए विद्यार्थी |
|---|---|
| डॉ. आर.एन. सिंह | 1. अन्नपूर्णा दूबे, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष<br>2. मुंजेश पटेल, बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष<br>3. विशाल श्रीवास्तव, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष<br>4. अमित पाण्डेय, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष<br>5. यादव रणवीर, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष |

| | |
|---|---|
| श्री विनय कुमार सिंह | 1. गरिमा प्रजापति, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष<br>2. रागिनी सिंह, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष<br>3. दिव्या मद्धेशिया, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष<br>4. निधि सिंह, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष<br>5. सूर्य प्रताप सिंह, एम.ए. प्रथम वर्ष<br>6. नीतिका मिश्रा, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष |
| डॉ. शिव कुमार | 1. अमित कुमार, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष<br>2. पंकज कुमार, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष<br>3. पूजा गुप्ता, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष<br>4. रीतू पासवान-बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष<br>5. प्रीति गुप्ता, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष |

14. **छात्रसंघ प्रतिनिधि चुनाव**- छात्र संघ के माध्यम से विद्यार्थियों में कार्य क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सभा का गठन किया है।

    **कार्यपद्धति**- महाविद्यालय के छात्र संघ में केवल वही विद्यार्थी सदस्य हो सकते हैं जो अपनी कक्षा के प्रतिनिधि हो तथा वही विद्यार्थी छात्र संघ चुनाव भी लड़ सकते हैं। अत: विभाग ऐसे विद्यार्थियों के चयन करने के लिए 10 प्रश्न का बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र बनाता है तथा इस परीक्षा के माध्यम से जो विद्यार्थी सर्वाधिक अंक प्राप्त करते है, उसमें उनकी उपस्थिति जोड़ी जाती है, दोनों मिलाकर जिनका सर्वाधिक अंक आता है वे विद्यार्थी ही विभाग के प्रतिनिधि बनते हैं। कक्षा प्रविनिधि कक्षा का सर्वश्रेष्ठ छात्र होता है। यह योजना को वर्तमान सत्र में लागू रहेगा।

15. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न पत्र बनाना**- प्राणि विज्ञान विभाग के सभी प्राध्यापक गत वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न पत्र बनायेगे। सभी प्रश्न पत्र विश्वविद्यालय परीक्षा के प्रश्न पत्र के आधार पर बनाकर 30 सितम्बर तक परीक्षा प्रभारी के पास जमा करेंगे। यह सभी प्रश्न पत्र गत वर्ष की भाति इस वर्ष भी नि:शुल्क बनाया जायेगा।

16. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा**- महाविद्यालय अपने प्रारम्भिक काल से ही विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा कराता रहा है, इस परीक्षा में विभाग के सभी प्राध्यापक निष्शुल्क कक्ष परीप्रेक्षक एव उत्तर पुस्तिका का मूल्याकन करते रहे है। विभाग के सभी शिक्षक वर्तमान सत्र में इस कार्य को सम्पादित करेगे।

17. **विभागीय साप्ताहिक शिक्षक बैठक**- प्रति सप्ताह किये गए पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में साप्ताहिक शिक्षक बैठक होता है।

18. **विभागीय मासिक समीक्षा बैठक**- प्रत्येक महीने की मासिक समीक्षा अगले महीने की योजना।

19. **कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप**- विभाग ने बी.एस-सी. भाग-एक, दो व तीन तथा एम.एस-सी. प्रथम एवं अन्तिम वर्ष का कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है, जिसका प्रयोग ऑनलाइन कक्षा पढ़ाने के लिए लिंक भेजना तथा जरूरी सूचनाएं विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए किया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में लागू रहेगी।

## Computer Science Department

1. **Lesson Plan**

**Objective and goals:** In order to define the lesson, plan our objectives, consider asking our self the following questions:

- What will students accomplish during this lesson?
- To what specific level (i.e. 75% accuracy) will students need to be able to perform a given task in order for them to be considered proficient and their progress satisfactory?
- Exactly how will the students show that they understood and learned the goals of the lesson (worksheet, oral, group work, presentation, illustration, etc.)?

Additionally, we want to make sure that the lesson's objectives align with district and state educational standards for our grade level. By thinking clearly and thoroughly about the goals of the lesson, we will ensure that we are making the most of your teaching time.

Department of Computer science uploaded the lesion plan in our college website for the students to understand the lesion for the session 2021-2022. Computer Science Dept. teaches according to the lesson plan. This year our department try 100% lecture delivered in PPT and Smart Board use. This year dept. will try to complete the syllabus according to lesson plan & on time. Extra classes will be managed during the working days & hours.

The lesion plan is started on dated 16th June 2021 for BSc Second Year and for First year and third year this will be on dated 11 Aug 2021.

2. **Monthly Evaluation**

In the session 2021-22, monthly assessment will be conducted at the end of every month, in the monthly assessment, questions will be asked from the courses taught in that month. Monthly assessment questions asked from the month of August to January will be asked in the pre-university examination.

Monthly Evaluation help Lectures to assess that revealed or the taught portion of the month was understood by the students before it's too late. Evaluation shows that how many have failed to grasp a particular chapter & a lecturer can reteach it. If a few are confused, the lecturer can provide individualized help. It also helps students to get ready for the examinations & to know their weak points. Last year 35% students participated in the monthly evaluation.

Monthly Assessment Date - The date of monthly assessment in the session 2021-2022 is as follows-

| CLASS | MONTHLY EVALUATION SCHEDULE | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | July | August | September | October | November | December | January |
| B.Sc. I | NA | 27 | 30 | 30 | 30 | 31 | NA |
| B.Sc.II | NA | 31 | 22 | 25 | 26 | 29 | NA |
| B.Sc III | NA | 31 | 22 | 25 | 26 | 29 | NA |

3. **Swamulyankan Prapatra**

**Objective and Goals:-** Swamulyankan Prapatra is a tool to provide ability to examine our self to find out how much progress we have made. It is a skill that helps individuals monitor their own work or abilities, find out what their weaknesses and strengths are, and self-diagnose relevant solutions.

The purpose of Swamulyankan Prapatra is to help the individual know the extent of his abilities and to improve upon them without the need of a performance appraiser. It involves the use of questions such as; *what are my strengths; what are the obstacles*, etc.

Swamulyankan Prapatra will be filled & submit self-assessment form each & every months last day with the progress report of the student's online. It allows us to create critical reflective practice in our own actions. It strengthens & aware about the responsibilities over own work & increase control & ownership of our professional development.

4. **Saptahik Kaksha-Adhyapan**

**Objective and Goal:-** To groom the students, it is very important to make student with dyNAmic personality that's why the Department of Computer science provide a platform to every student to teach in the class. This will enhance the confidence of the student.

Every student is taught by the department, in this process, subject is allotted to the students 05-06 days before the date of class teaching, and class is given to them by getting them taught on the date of class teaching.

Class teaching date - The date of class teaching in the session 2021-2022 is as follows-

| CLASS | MONTHLY EVALUATION SCHEDULE | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | July | August | September | October | November | December | January |
| B.Sc. I | NA | 9,18 | 7,15,25 | 21,29 | 17,27 | 8,17,27 | 4,12,NA |
| B.Sc.II | 22,29 | 5,12,21 | 7,14 | 1,11 | 8,17 | 3,14,21 | 5,NA,NA |
| B.Sc III | 23,30 | 5,14,23 | 7,14,21 | 4,11 | 9,20 | 11,17 | NA |

5. **Guest Lectures**

Guest lectures help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lectures can be used to make classes more approachable and appealing to students.

6. **Guest Lectures**

Guest lectures help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lectures can be used to make classes more approachable and appealing to students.

**Proposed Guest Lectures**

| Sr.No. | Proposed Date | Day | Topic of Lecture | Proposed Guest |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 07 Oct 2021 | Thursday | Application of Data Structure | Dr. Ram Gopal Gupta |
| 2 | 27 Jan 2022 | Tuesday | Future Prospects of DBMS | Dr. Sanjeev Gangwar |

7. **Workshop, Seminar, Webinar & Conferences**

Seminars, workshops and conferences hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking.

There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.

- As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview.
- Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from

different institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. If a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

**Proposed Webinar**

| | | |
|---|---|---|
| 30th December 2021 | National Webinar on Azadi ka Amrit Mahotsav | Ministry of Culture Uniter Govt. of India |

**Proposed Workshop**

| | | |
|---|---|---|
| 17 Aug 2021 | Seven Days Faculty Development Program | Shri Santosh Kumar Srivastava & Sri Nivas Singh |

**Proposed Competitions**

Competitions offer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

| | |
|---|---|
| 8th November 2021 | Poster Making Competition |
| 26th November 2021 | Computer Quiz Competition |

**Proposed Speakers for Guest Lecture:-**

| | |
|---|---|
| 1. Dr. Suryakant Pathak | Director KIPM |
| 2. Dr. Ram Gopal Gupta | Associate Professor Department of CSSMS |
| 3. Dr. Pratibha Maurya | Assistant Professor Amity University, LKO Campus, Department of CSE |
| 4. Dr. Sanjeev Gangwar | Head CS & EC, VBS Purvanchal University, Jaunpur. |
| 5. Professor Pradeep Kumar Singh | HEAD CSE, MMMTU, Gorakhpur |
| 6. Professor Rakesh Kumar | Department of CS, MMMTU, Gorakhpur |

7. **Shikshak Pratipushti Prapatra**

**Objective:-** The main objective of the Shikshak Pratipushti Prapatra is to provide the view of his/her teacher by the students. This is very important tool for the principal and the management to observe the view of the students.

Dept. will take feedback of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month of September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college. Last year 100% regular students had filled feedback form.

8. **Adopted Students**

Each & every faculty of the college adopted five students to look after their academic & personality development of the student. This is an emotioNAl & sentimental relationship is developed just like parents & child. Faculty always in contact with the adopted students, this year we will try to sit together at least once in month with the adopted students in a group. Maximum students participate in the Swaikchik Shramdan & takes part either in N.C.C., N.S.S. or Rover Rangers too.

The department of computer science have to faculties and the list of the students for the same is given below separately: -

**Shri Sri Nivas Singh**

| Student Name | Class | Extra Responsibility |
|---|---|---|
| Pragya Shahi | BSc. (I$^{st}$ Year PMCs Group) | Class Representative & NSS |
| Vandana Prajapati | BSc. (I$^{st}$ Year PMCs Group) | |
| Jyoti Srivastava | BSc. (II$^{nd}$ Year PMCs Group) | Class Representative |
| Chandan Visvkarma | BSc. (II$^{nd}$ Year PMCs Group) | |
| Avanish Tripathi | BSc. (II$^{nd}$ Year PMCs Group) | |

**9. Adopted village Badi Jamunia visit**

The Department of Computer Science, along with teaching in the college, also does the work of social responsibility. The department will go to his adopted village – Badi Jamunia for service work four times in the session 2021-22. In the session 2021-2022, the department will work on the topic of awareness about Kovid-19 in the adopted village - Badi Jamunia.

Beautiful scenes of NAture, fresh-air, hospitable people, quiet & peaceful life-all these things are the real beauty of a village. This time Dept. has decided to introduce the students to the villagers with a new perspective. Dept. will visit the village just as a picnic spot where students will not only observe the NAtural way of life but also will be inspired for the community social works. The department will do village darshan in the session 2021-2022 on the following proposed date.

- 8$^{th}$ August 2021
- 24$^{th}$ October 2021
- 27 February 2022
- 29 May 2022

All the students of the department support & participate in the visits & camps organized by the dept.

10. **Swachik Shramdaan**

Dept. & more than 25% students participate in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that laborers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

Apart from this shramdaan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness& benefits the body in so many ways.

**Though last year due to covid 19 swachik shramdaan was suspended.** I hope this year situation will be normal & Dept. will again participate in swachik shramdaan.

11. **Teaching Methodology**

The Department of Computer Science will use the given below teaching methodology to teach students for the upcoming academic year: -

1. Combining *Chalk Talk* with *PowerPoint* to Increase In-class Student Engagement
2. Group Discussion
3. Problem Solving Sessions, Story Writing

12. **Library**

The department of computer science always visits & spends time on the regular basis. This will motivate the students to use the college library.

The department of computer science have also its departmental library so that the student of the department can use the library books frequently and easily.

13. **Value added Course**

"Rashtrasant Mahant Avaidya Nath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate Course"

Rashtrasant MahantAvaidya NAth Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course is organised by Maharana Pratap P.G. College, Jungle Dhusar for the poor students from nearby villages free of cost on the basis of first come first serve. This course is designed for three-month period so that our students can get knowledge about the basics of the computer.

**Objective -** Our objective is to serve the knowledge and interest to the poor students who have actually not enough infrastructure and condition to afford the computer classes which is very important for today's era.

**Methodology -** This course is conducted in the college computer lab. Through this offline method student had got the real environment of the class so that they can take all the practical's directly on the latest computers.

**Programmed Outcomes -** After this certification course our students well cleared the concept of Basic of computer, Microsoft word, MS paint, Microsoft excel and the basic of internet. After this programme all the students get the course certificate from our college.

14. **Faculty Blog Report**

The **objective** of the faculty blog is to provide the study material to the students in advance. This will help students a lot because the teacher uploads all the study material in advance before started the academic session.

The Department of Computer Science has uploaded 100% of course content ppt Last year. On the same manner we ensure that we will do the same for the upcoming session.

15. **Contribution in other fields**

The Computer Science Department faculty contribute in the given below area: -

- Value added computer certification course
- College Website
- Information Technology
- Training and Placement Scholarship

## रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग

1. **विभागीय कार्य योजना का उद्देश्य** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा निर्धारित किये गये लक्ष्यों को एक लिखित एवं क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करना जिससे कि सत्र की समाप्ति पर इसका विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया जा सके और विभाग को और ज्यादा समृद्ध बनाया जा सके।

2. **पाठ्यक्रम योजना** – पूर्व वर्षों की भाँति इस सत्र की पाठ्यक्रम योजना निर्धारित समय के अन्दर तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड करवा दी गयी है जिसमें स्नातक की सभी कक्षाएँ 16 जुलाई से प्रारम्भ होकर 31 जनवरी 2022 तक पूर्ण हो रही हैं। चुँकि कोरोना महामारी के कारण पाठ्यक्रम योजना में परिवर्तन किया गया है जिसमें स्नातक द्वितीय वर्ष की कक्षा 16 जून 2021 से तथा अन्य सभी कक्षायें 12 अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रही है। वेबसाइट पर अपलोड की गयी पाठ्यक्रम योजना उपरोक्त तिथियों से संचालित मानी जायेंगी।

3. **मासिक मूल्यांकन** – मासिक मूल्यांकन का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर को परखना और उसमें सुधार करना है। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रत्येक माह मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, परन्तु परिस्थितिवश तिथियों में परिवर्तन होने पर मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ भी संचालित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार परिवर्तित रहेंगी। मासिक मूल्यांकन के सभी प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के ही प्रश्न होंगे।

**मासिक मूल्यांकन की घोषित तिथियाँ**

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम | लागू नहीं | 24 | 25 | 27 | 29 | 31 | 31 |
| बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय | 30 | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 31 |
| बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय | 30 | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 17 |

4. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – साप्ताहिक कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय की समझ को विकसित करने के साथ-साथ अभिव्यक्ति के गुणों को विकसित करना है। पिछले सत्रों की भाँति इस सत्र में भी साप्ताहिक कक्षाध्यापन निर्धारित किया जा चुका है। इस सत्र में यह प्रयास रहेगा कि लगभग सभी विद्यार्थियों को कक्षाध्यापन का कम से कम दो अवसर अवश्य प्राप्त हो और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। कक्षाध्यापन से दो या तीन दिन पूर्व कक्षाध्यापन के विषय और विद्यार्थियों के नाम की घोषणा कक्षा में कर दी जायेगी जिससे कि विद्यार्थी उन विषयों को भलीभांति तैयार कर लें। संचालित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षाध्यापन का कार्य भी संचालित किया जायेगा।

**साप्ताहिक कक्षाध्यापन की घोषित तिथियाँ :**

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम | लागू नहीं | 7,16 | 2,9,16 | 5,20 | 11,20 | 8,16,23 | 7,17,24 |
| बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय | 23 | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6,13,22 |
| बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय | 23 | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6 |

5. **विशिष्ट व्याख्यान** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की यह परम्परा रही है कि हर सत्र में विशेष तिथियों पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित करता रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय से सम्बन्धित नित नवीन आयामों और तत्कालीन प्रासांगिकता के बारे में अवगत कराना है। पूर्व सत्रों की भाँति इस सत्र में भी विशिष्ट व्याख्यान की तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं।

**विशिष्ट व्याख्यान विवरण:**

| तिथि | विषय | मुख्य अतिथि |
|---|---|---|
| 1) 29 सितम्बर 2021 | 'भारत का सर्जिकल स्ट्राइक' | डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव पी.जी. कॉलेज, बभनान, गोण्डा |
| 2) 23 अक्टूबर 2021 | 'संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस' | श्री प्रेम पटवा, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव पी.जी. कॉलेज, बभनान, गोण्डा |
| 3) 16 दिसम्बर 2021 | विजय दिवस | डॉ. अंशुमान सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, मदन मोहन मालवीय पी.जी. कालेज, भटपार रानी देवरिया |
| 4) 22 जनवरी 2022 | सेना दिवस | डॉ. करुणेन्द्र सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर |

**नोट** – कार्यक्रम से सम्बन्धित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान शीर्षक सम्भावित हैं। विशेष परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रम में परिवर्तन किये जा सकते हैं।

6. **विभागीय प्रदर्शनी/रक्षा प्रदर्शनी** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग प्रत्येक सत्र में एक रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन करता रहा है। इस सत्र में भी 10 जनवरी 2022 को रक्षा प्रदर्शनी की तिथि निर्धारित की गयी है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में विभिन्न रक्षा उपकरणों के विषय में विशेष जानकारी एवं उसके निर्माण कला में रुचि विकसित करना होता है। इस प्रदर्शनी में अतिथियों को भी आवंटित किया जाता है जिनके निर्णय के अनुसार श्रेष्ठ प्रदर्शन वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिया जाता है।

7. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** – महाविद्यालय की महत्त्वपूर्ण योजनाओं में स्व-मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण योजना है जिसमें शिक्षक प्रतिमाह अपने कार्यों का मूल्यांकन स्वयं करते हैं। पिछले सत्र से स्व-मूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जा रहा है। वर्तमान सत्र में इस हर अगले माह की 10 तारीख के पूर्व विभाग के शिक्षकों द्वारा भर दिया जायेगा। सत्र के अन्त में इसकी प्रति विभाग में रख ली जायेगी।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – शिक्षकों को अपने शिक्षण विधि, विषय ज्ञान, सामाजिक व्यवहार, आचरण आदि के उत्तरोत्तर विकास एवं सुधार के लिए प्रत्येक सत्र में दो बार सितम्बर और दिसम्बर में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाता है। इन प्रपत्रों के विश्लेषण के आधार पर शिक्षक अपने में बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। प्रत्येक सत्र की भाँति इस सत्र में भी शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाना विभागीय कार्ययोजना का एक हिस्सा है जिसे पूरा किया जायेगा। और इसका विश्लेषण कर शिक्षकों के उत्तरोत्तर विकास पर ध्यान दिया जायेगा।

9. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रयोग एवं ब्लॉग** – महाविद्यालय एवं विभाग अपने नवीन तकनीकी प्रयोगों के लिए जाना जाता है। इस सत्र में विभाग ने सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इस सत्र में विभाग द्वारा समस्त कक्षाएँ प्रोजेक्टर पर चलाये जाने की योजना है। साथ ही समय-समय पर विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए व्हाट्सएप तथा अन्य माध्यमों का प्रयोग भी किया जायेगा। इस सत्र में प्रयास रहेगा कि पठन-पाठन की आधुनिक, व्यावहारिक एवं प्रभावकारी तकनीकों और पद्धतियों को अधिक से अधिक प्रयोग में लाने का प्रयास किया जायेगा।

10. **प्रयोगशाला नियमावली** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की प्रयोगशाला नियमावली निर्धारित की गयी है जिसके तहत विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में अपना प्रायोगिक कार्य प्रारम्भ करने से पहले इस नियमावली से अवगत कराया जाता है ताकि कोई दुर्घटना न हो सके। इस सत्र में भी प्रयोगशाला नियमावली अद्यतन कर दी गयी है। फिर भी किसी नवीन उपकरण के प्रयोग होने पर इस नियमावली को अद्यतन किया जायेगा।

11. **गोद लिये गये विद्यार्थी** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा कम से कम 05 विद्यार्थियों को गोद लेने की परम्परा रही है। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा। गोद लिये जाने का कार्य अगस्त माह में पूरा कर लिया जायेगा। गोद लिये गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए उनके साथ नियमित संवाद किया जायेगा और उनको सभी प्रकार के सम्भव सहायता उपलब्ध करवाये जायेंगे जिससे कि उनका सम्पूर्ण विकास सम्भव हो सके। विभाग के शिक्षक श्री रमाकान्त दूबे द्वारा गोद लिये गये सभी विद्यार्थी गत सत्र में उत्तीर्ण हो चुके है इसलिए उनके द्वारा नये विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा। डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थियों की सूची की निम्नलिखित है :-

| नाम | कक्षा | मोबाइल नं. |
|---|---|---|
| आदित्य वर्मा | बी.एस–सी. भाग तीन | 9616973686 |
| विकास गुप्ता | बी.एस–सी. भाग तीन | 9919514755 |
| सत्यम गुप्ता | बी.एस–सी. भाग दो | 8474841589 |
| धनन्जय यादव | बी.एस–सी. भाग दो | 8840874258 |
| वीर प्रताप सिंह | बी.एस–सी. भाग दो | 8303667318 |

12. **गोद लिये गये गाँव** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा महाविद्यालय से लगभग 3 किमी. दूरी पर लालगंज एवं मीरगंज गाँव को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लेने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जन–जागरूकता कार्यक्रम को संचालित करना एवं सरकारी योजनाओं को ग्रामीण लोगों तक सुलभ बनाना है। इस वर्ष गोद लिये गये गाँवों में विद्यार्थियों के भ्रमण एवं जागरूकता के लिए चार तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा 08 अगस्त 2021, 24 अक्टूबर 2021, 27 फरवरी 2022 और 29 मई 2022 की तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। विशेष परिस्थितियों में इन तिथियों में परिवर्तन भी किया जा सकता है। जागरूकता का विषय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित किया जायेगा।

13. **विभागीय पुस्तकालय** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की व्यवस्था की गयी है जिसमें विषय से सम्बन्धित सन्दर्भ–ग्रन्थों का संग्रह है। विभाग से विद्यार्थियों को केवल विभाग में बैठकर पढने के लिये पुस्तकें दी जाती हैं। विभागीय पुस्तकालय का अधिकतर प्रयोग शिक्षकों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिये महाविद्यालय का केन्द्रीय ग्रन्थालय का प्रयोग नियमित रूप से किया जाता है।

14. **आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र कार्यक्रम** – वर्तमान सत्र में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन विषय से प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकष्टतिक एवं मानव निर्मित विभिन्न प्रकार की आपदाओं के विषय में विशिष्ट जानकारी प्रदान करना एवं उससे निपटने के लिये उन्हे शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले इनके प्रभावों का भी विश्लेषण करना है। इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जा चुका है। इसकी कक्षायें 22 अगस्त 2021 से लेकर 29 जनवरी 2022 तक संचालित की जायेंगी। कक्षा संचालन के बाद विद्यार्थियों की परीक्षा ली जायेगी जिसके परिणाम के आधार पर उन्हे प्रमाणपत्र वितरित किया जायेगा।

15. **एन.सी.सी** – महाविद्यालय में विगत वर्षों से संचालित एन.सी.सी. का प्रभार विभाग के शिक्षक श्री रमाकान्त दूबे को सौंपा गया। चुंकि एन.सी.सी के अधिकतर कार्यक्रम एन.सी.सी. कार्यालय के निर्देशानुसार सुनिश्चित एवं आयोजित किये जाते है फिर भी महाविद्यालय के कार्यक्रमों में एन.सी.सी. की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की गयी है जिसका विस्तृत विवरण एन.सी.सी. प्रभारी के पास उपलब्ध है।

16. **राष्ट्रीय सेवा योजना** – पिछले सत्र से राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी का प्रभार विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह को दिया गया है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तैयार किया जा चुका है और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जा चुका है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों से सम्बन्धित निर्देश व सुझाव भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर दिये जाते रहते हैं इस लिये निर्धारित कार्यक्रमों के साथ-साथ नये कार्यक्रमों को भी शामिल किया जायेगा।

## गृह विज्ञान विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** – सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य योजना को अद्यतन उद्धरित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि पठन-पाठन का कार्य नियमित व सुचारू रूप से महाविद्यालय के शैक्षणिक पंचाग में निर्धारित दिवस के अनुरूप पूर्ण किया जा सके।
2. **कक्षा अध्यापन** – एक सप्ताह में पढ़ाये गये विषयवस्तु से सम्बन्धित किसी एक प्रकरण पर छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है, जिससे छात्राओं के मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है।
3. **मासिक मूल्यांकन** – छात्राओं में वांछित व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित संरचनात्मक मूल्यांकन का प्रारूप तैयार किया जाता है। जिसमें बहुविकल्पीय एवं निबन्धात्मक प्रश्नों द्वारा छात्राओं के उपलब्धि एवं योग्यता का परिणात्मक आंकलन किया जाता है।
4. **प्रगति आख्या** – प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक छात्र के कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इसमें छात्राओं के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक तथा गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।
5. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, वांछनीय दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। यह प्रपत्र प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह के 08 तारीख तक स्वयं भरकर जमा करना होता है।
6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तिव एवं पठन-पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो छात्राओं द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में अपनी प्रतिपुष्टि के रूप में दर्ज करायी जाती है। सत्र के अन्त में दोनों माह की प्रतिपुष्टियों की विभागाध्यक्ष द्वारा समीक्षा की जाती है।
7. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान करने का भी प्रकल्प है। जिसके अन्तर्गत छात्राओं एवं शिक्षिकों द्वारा सहभाग किया जाता है ताकि महाविद्यालय से कार्य करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य के मध्य समानता का भाव उत्पन्न हो सके।
8. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** – विभागाधयक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक शनिवार को पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, शिक्षण व्यूह रचना आदि विषयों की समीक्षा कर आगत सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक होता है।
9. **पूर्व विश्वविद्यालय परीक्षा प्रश्न पत्र** – विभागीय स्तर पर सम्भावित प्रश्न पत्र तैयार कर छात्राओं को विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए तैयार करना तथा उनके अधिगम कठिनाइयों एवं कमियों को इंगित करके सुधार लाना।
10. **नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण :** योगिराज बाबा गम्भीनाथ नि:शुल्क सिलाई कढाई प्रशिक्षण केन्द्र वर्तमान

में गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित है। इस निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करना है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का 06 माह तक नि:शुल्क प्रशिक्षण-दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त फरवरी माह में लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

11. **गोद लिया गया गाँव** - गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'नवका टोला' गाँव अधिगष्टहित किया गया है जो कि छोटी रेतवईयाँ धोधाडा गाँव के समीप है। छात्राएँ तथा शिक्षिकाएँ साथ में निर्धारित तिथि एवं समय पर गाँव में जाकर वहाँ के लोगों से वार्तालाप करके उनकी समस्याओं, को जानना का प्रयास करती हैं, जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

12. **गोद लिये गये विद्यार्थी** - महाविद्यालय की परम्परा अनुसार प्रत्येक शिक्षक महाविद्यालय के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेते हैं और उनके व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान व सहयोग देते है।

13. **नैक** - नैक एक संस्थान है जो भारत के उच्च शिक्षा तथा अन्य शिक्षा संस्थानों का आंकलन तथा प्रत्यायन का कार्य करती है जिसके अन्तर्गत हमारे महाविद्यालय में विभिनन प्रकार की शैक्षणिक एवं कौशल सम्बन्धी गतिविधियों को संचालित करके गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है एवं महाविद्यालय के नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर मांगे गए प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराया जाता है।

14. **एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी.** - महाविद्यालय में एन.एस.एस, एन.सी.सी. जैसे प्रकल्पों का भी प्रावधान है जिसके तहत विभाग की लगभग 10 छात्राएँ एन.एस.एस. में तथा 5-6 छात्रएँ एन.सी.सी. में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। विभाग द्वारा छात्राओं को अधिक से अधिक इन प्रकल्पों में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है और आगे भी निरन्तर रूप से किया जाता रहेगा।

15. **गोद लिये गये विद्यार्थी**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. **शारदा रानी** | : | कीर्ति रानी वर्मा | (एम.ए. प्रथम वर्ष) |
| | | कृति गौंड | (बी.ए. भाग दो) |
| | | निशा कुमारी | (बी.ए भाग दो) |
| | | कु. नेहा | (एम.ए. प्रथम वर्ष) |
| | | प्रभा सिंह | (बी.ए भाग दो) |
| 2. **सुश्री स्मिता दूबे** | : | अस्मिता सिंह | (बी.ए. भाग तीन) |
| | | पारूल सिंह | (बी.ए. भाग एक) |
| | | गरिमा त्रिपाठी | (बी.ए. भाग तीन) |
| | | बेबी गुप्ता | (एम.ए. अन्तिम वर्ष) |
| | | चन्दा गुप्ता | (एम.ए. प्रथम वर्ष) |
| 3. **सुश्री रीतिका त्रिपाठी** | : | अम्बिका सिंह | (एम.ए. प्रथम वर्ष) |
| | | निशा विश्वकर्मा | (बी.ए. भाग एक) |
| | | आकांक्षा चौहान | (बी.ए. भाग एक) |
| | | स्मिता सिंह | (बी.ए. भाग एक) |
| | | सल्लिमु निशा | (बी.ए. भाग एक) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. **डॉ. नेहा कौशिक** | : | मनीषा वर्मा | (बी.ए. भाग तीन) |
| | | कु. नेहा | (बी.ए. भाग एक) |
| | | दीक्षा मिश्रा | (एम.ए. प्रथम वर्ष) |
| | | दिव्या गुप्ता | (बी.ए. भाग एक) |
| | | अंकिता दूबे | (बी.ए. भाग एक) |
| 5. **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** | : | रूबी भारती | (बी.ए. भाग दो) |
| | | दीपशिखा सिंह | (बी.ए. भाग दो) |
| | | शालू सिंह | (एम.ए. प्रथम वर्ष) |
| | | रागिनी पाल | (बी.ए. भाग तीन) |
| | | पूजा चौहान | (एम.ए. अन्तिम वर्ष) |

16. **विभागीय पुस्तकालय** - छात्राओं की तत्कालिक पुस्तकीय समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय पुस्तकालय का भी प्रकल्प है, जिसके अन्तर्गत गृह विज्ञान विषय के पाँचों शाखाओं की कुल 15 पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त नेट/जे.आर.एफ. तथा टीईटी/सीटीईटी जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित करने व तैयारी हेतु भी पुस्तिकाओं की व्यवस्था है।

17. **विभागीय कार्यभार** - विभागीय कार्यो को नियमित व सुचारू रूप से चलाने के लिए इस सत्र में विभाग की सभी शिक्षिकाओं को बराबर कार्यभार वितरित किया गया है जिससे कि शिक्षण-प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रमों में गुणवत्ता की कमी न आये। इस विभागीय कार्यभार की प्रणाली को आगे भी उतरोत्तर उद्धित किया जाता रहेगा।

18. **प्रयोगशाला सहायिका** - गृह विज्ञान प्रयोगशाला की उचित देखभाल व सुचारू कार्य संचालन के लिए लैब सहायिका का भी प्रावधाान है। जिनका मुख्य कार्य लैब सम्बन्धित सामग्रियों, सफाई और व्यवस्था की देख-रेख करना है।

19. **शिक्षण-विधियाँ**

| शिक्षण-विधि | सत्र 2021-22 में प्रस्तावित लक्ष्य | पिछली योजना सत्र (2020-21) की समीक्षा |
|---|---|---|
| 1. रीयल टाइम कम्युनिकेशन | इस विधि में ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म पर वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जीवन्त कक्षा संचालन एवं छात्राओं से संवाद स्थापित किया जाता है।<br>दि. 16.07.21 को, दि. 21.08.21 को, दि. 18.09.21 को, दि. 04.10.21 को, दि. 26.11.21 को | इस सत्र में नहीं हुआ। |
| 2. पॉवर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण | इस विधि में प्रोजेक्टर विधि द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पी.पी.टी. का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा व्याख्यान की जायेगी। इस मात्र में 60 प्रतिशत से अधिक पी.पी.टी. ब्लाग पर अपलोड करने के प्रयास किया जायेगा। | |

| | | |
|---|---|---|
| 3. व्याख्यान विधि | विगत सत्रों की भाँति शिक्षक विविधा प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय-वस्तु का प्रकटन करने हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग करेंगे। | |
| 4. योजना या प्रोजेक्ट विधि | इस विधि के तहत प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय का टॉपिक दिया जायेगा, जिस पर वह स्वयं हल निकालकर असाइनमेण्ट बनायेंगी, जिससे उनकी समस्या समाधान की तात्कालिक कौशल का विकास होगा। | |
| 5. सहभागी विधि कक्षा शिक्षण के दौरान | शिक्षिकाएँ छात्राओं की पूर्ण सक्रिय सहभागिता कराकर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली व उद्देश्यपूर्ण बनायेंगी। | |
| 6. समावेशी शिक्षा | कक्षा में शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विशिष्ट जरूरतों वाली छात्राओं को ध्यान में रखते हुए उन्हे मुख्य धारा से जोड़ने का सम्भावित प्रयास किया जाता है। | |
| 7. प्रदर्शन विधि | गृहविज्ञान एक व्यावहारिक विषय है जिसे केवल व्याख्यान विधि द्वारा पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। अत: प्रदर्शन विधि द्वारा किसी संरचना, कार्य, प्रणाली, तथ्य, प्रक्रिया विधि को स्पष्ट किया जाता है जिससे छात्राएं निरिक्षण परीक्षण, अनुकरण आदि द्वारा जटिल प्रक्रिया का सरलता से बोध करती है। | |
| 8. करके सीखना | स्मृति का स्थान मस्तिष्क में नहीं वरन् शरीर के अवयवों में होता है। अत: गृह विज्ञान शिक्षण में छात्राओं को विभिन्न कार्यो को प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है। | |
| 9. अन्वेषण/शोध विधि | एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं में अन्वेषण एवं शोध की भावना के विकास हेतु उनके समक्ष एक समस्या प्रकट की जाती हैं। जिसके समाधान हेतु उनमें प्रेक्षण, चिंतन, तार्किकता की क्षमता का विकास होता है। इसमें शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक की तरह होती है। | |
| 10. शैक्षिक भ्रमण | बी.ए. अन्तिम वर्ष एवं एम.ए. की छात्राओं को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है। यह छात्राओं के लिए रोचक गतिविधियों में से एक है। | |
| 11. ग्रामीण भ्रमण | छात्राओं को ग्रामीण परिवेश के जीवन शैली, मनोवृत्ति, रोजगार, चुनौतियां, अवसर आदि पर विचार, चिंतन, मनन करने का अवसर दिया जाता है। | |

20. **कार्यशाला एवं व्याख्यान**

**सितम्बर 2021**

| दिनांक | समय | कार्यक्रम | मुख्य वक्ता/अतिथि |
|---|---|---|---|
| 01.09.2021 | 01:20–02:10 | सप्तदिवसीय पोषण सप्ताह प्रारम्भ | |
| 02.09.2021 | 03:00–03:50 | फोर्टिफाइड फूड प्रतियोगिता | |
| 03.09.2021 | 01.20–02.10 | विशिष्ट व्याख्यान – कुपोषण मुक्त भारत | डॉ. अर्चना तिवारी (विभागाध्यक्ष गृहविज्ञान विभाग, गंगोत्री देवी महिला पी.जी. कालेज) |
| 04.09.2021 | 11.20–12.10 | विशिष्ट व्याख्यान – एनीमिया मुक्त भारत | डॉ. कनक मिश्रा, सरस्वती विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय, गोरखपुर |
| 06.09.2021 | 11.20–12.10 | राष्ट्रीय औषधीय उद्यान | कार्यक्रम (भाषण प्रतियोगिता एवं पौधरोपण) |
| 07.09.2021 | 11.00–12.10 | सप्तदिवसीय पोषण सप्ताह का समापन | सही पोषण देश रोशन (कविता पाठ प्रतियोगिता) |

**अक्टूबर 2021**

| दिनांक | समय | कार्यक्रम | मुख्य वक्ता/अतिथि |
|---|---|---|---|
| 09.10.2021 | 12:30–02:10 | विशिष्ट व्याख्यान – मेडिकल टेक्सटाइल | डॉ. श्वेता सिंह, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर |
| 21.10.2021 | 03.00–03:50 | ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर उद्घाटन कार्यक्रम | |
| 26.10.2021 | 11.20–03:00 | दीवाली प्रदर्शनी : उद्यमिता सशक्तिकरण | |

**नवम्बर 2021**

| दिनांक | समय | कार्यक्रम | मुख्य वक्ता/अतिथि |
|---|---|---|---|
| 12.11.2021 | 12:30–01:20 | गृह विज्ञान पारिवारिक पौधशाला उद्घाटन कार्यक्रम | |

**जनवरी 2022**

| दिनांक | समय | कार्यक्रम | मुख्य वक्ता/अतिथि |
|---|---|---|---|
| 29.01.2022 | 02.00–02.40 | शोध व्याख्यान प्रतियोगिता (आनलाइन) | विषय (सर्वाइकल कैंसर और महिला जागरूकता) |

**फरवरी 2022**

| दिनांक | समय | कार्यक्रम | मुख्य वक्ता/अतिथि |
|---|---|---|---|
| 04.02.2022 | 02.00–02.40 | आनलाइन निबन्ध प्रतियोगिता विषय–वैश्विक स्तर पर कैंसर का बढ़ता प्रकोप: कारण, रोकथाम एवं उपचार | |

- ब्यूटीशियन एण्ड सेल्फ केयर सर्टिफिकेट कोर्स – 1 माह
- आर्ट एण्ड क्रॉफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स – 2 माह
- प्रदर्शनी

21. **कक्षाध्यापन की तिथियाँ**

| कक्षा | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बी.ए. (प्रथम) | | 7,16 | 2,19,16 | 5,20 | 11,20 | 8, 16,23 | 7,17 |
| बी.ए. (द्वितीय) | 23,30 | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6,13 |
| बी.ए. (तृतीय) | 23,30 | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,16,22 | 6,13,22 |
| एम.ए. (प्रथम) | | 7,16 | 2,19,16 | 5,20 | 11,20 | 8,16,23 | 5,12,21 |
| एम.ए. (द्वितीय) | 24,31 | 7,16 | 3,13,22 | 9,21 | 17 | 14,21,29 | 12,20 |

22. **मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ**

| कक्षा | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बी.ए. (प्रथम) | | 24 | 25 | 27 | 29 | 24 | |
| बी.ए. (द्वितीय) | | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 22 |
| बी.ए. (तृतीय) | 23 | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 31 |
| एम.ए. (प्रथम) | | 24 | 25 | 27 | 29 | 30 | 31 |
| एम.ए. (द्वितीय) | | 25 | 30 | | 8 | 3 | 5,29 |

**नोट** – विशिष्ट परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रमों की तिथि, समय एवं अतिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

## प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग

1. **उद्देश्य** – इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान-विज्ञान, लोक कला के साथ-साथ तत्कालीन स्थितियों-परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिज़ीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधो रखना है।
2. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन** – नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाने के

उद्देश्य से महाविद्यालय में पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक विभागों द्वारा बनायी जाती है। इस पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के अनुरूप बाँट दिया जाता है। सत्र के प्रथम तीन महीनें 3+2+1 की योजना पर अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्नपत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन/मासिक मूल्यांकन कक्षा का संचालन होता है। अगले तीन महीनें 2+3+1 की योजना के अनुरूप कक्षा संचालित होती है। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्यदिवस में किस शिक्षक को कौन सा टापिक पढ़ाना है, यह पूर्ण निर्धारित रहता है इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर **पूर्व योजना-पूर्ण योजना** के सिद्धान्त पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भांति विभाग द्वारा इस सत्र (2021-22) की पाठ्यक्रम योजना मई माह में ही बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस सत्र में **बी.ए. भाग दो की कक्षा विभाग द्वारा 16 जून** से ही प्रारम्भ कर दी गई है। **11 अगस्त से बी.ए. भाग एक एवं भाग तीन** की कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ-साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से दी जा चुकी है।

3. **कक्षाध्यापन (उद्देश्य)** - विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 05/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन का शीर्षक स्वेच्छा से चुनने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक न चुन सके तो शिक्षक शीर्षक देता है। तत्पश्चात समय की उपलब्ध ता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतिकरण योग्य तैयार करवाता है तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरान्त छठवे दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराता है। कक्षाध्यापन के दौरान शिक्षक प्रस्तुतीकरण देने वाले विद्यार्थी का विश्लेषण कर उसे ग्रेड देता है तथा अपने प्रगति आख्या में उक्त विद्यार्थी के खाते में कक्षाध्यापन दर्ज कर लेता है। साथ ही साथ विद्यार्थी के कक्षाध्यापन के कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु दिशा-निर्देश भी देता है इस सत्र में प्रस्तावित कक्षाध्यापन की तिथियाँ अग्रलिखित है।

| कक्षा | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बी.ए. प्रथम | लागू नहीं | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6,13,22 |
| बी.ए. द्वितीय | 22,29 | 5,11,21 | 7,14 | 1,11 | 8,17 | 3,14,21 | 5,12,21 |
| बी.ए. तृतीय | 22,29 | 5,11,21 | 7,14 | 1,11 | 8,17 | 3,14,21 | 5,11,21 |

4. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय-ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न-पत्रों/प्रारूपों के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न-पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। अगस्त से जनवरी माह तक पूछे गए मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जाऐंगे। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ अग्रलिखित हैं-

| कक्षा | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बी.ए. प्रथम | लागू नहीं | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 30 |
| बी.ए. द्वितीय | लागू नहीं | 31 | 22 | 23 | 25 | 29 | 30 |
| बी.ए. तृतीय | लागू नहीं | 31 | 22 | 25 | 26 | 29 | 31 |

5. **प्रगति आख्या** – प्राचीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण–व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में आनलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

6. **स्व–मूल्यांकन प्रपत्र** – विभागीय शिक्षक द्वारा प्रतिमाह आनलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। जिसका एक प्रिंट आउट शिक्षक अपने पास भी विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा– किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये उत्तदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

७. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – इस प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक अपने व्यवहार, आचरण, शिक्षण विधि, विषय ज्ञान एवं सम्प्रेषण कौशल का मूल्यांकन विद्यार्थियों द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में कराता है। वर्तमान सत्र में भी यदि परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं तो सितम्बर एवं दिसम्बर माह में यह प्रपत्र भरवाया जायेगा। साथ ही प्रपत्र में प्राप्त नकारात्मक बिन्दुओं पर आत्मचिन्तन एवं आत्मविश्लेषण कर भविष्य में उसे सुधारने का प्रयास किया जायेगा।

8. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

9. **शिक्षण विधियाँ** – पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविधा शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैं:

   1. व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
   2. प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण
   3. समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण
   4. पॉवर–प्वाइण्ट विधि द्वारा शिक्षण
   5. प्रोजेक्टर के प्रयोग द्वारा शिक्षण
   6. मानचित्रों द्वारा शिक्षण
   7. वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण
   8. ऑडियो–वीडियो (दृश्य–श्रव्य) विधि द्वारा शिक्षण
   9. प्रदर्शन विधि द्वारा (मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड) शिक्षण
   10. शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण

   उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ–साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषयग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में भी विगत वर्ष की ही भांति विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्नपत्रों का पी.पी.टी. बनाकर सभी कक्षाओं को प्रोजेक्टर से पढ़ाने की योजना है।

10. **विभागीय कार्यक्रम** – विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

1. **विशिष्ट व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान :**
इस सत्र में विभाग द्वारा एक विशिष्ट/अतिथि व्याख्यान कराया गया। जिसका विवरण अग्रलिखित हैं

| तिथि | व्याख्याता | व्याख्यान शीर्षक |
|---|---|---|
| 05 जनवरी 2022 | डॉ. रामप्यारे मिश्र | भगवद्गीता की शिक्षाओं का व्यावहारिक अनुप्रयोग |

2. **व्याख्यान प्रतियोगिता :**
विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता एवं सम्प्रेषण कौशल के विकास हेतु एक विभाग स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता के आयोजन की किया गया। यह प्रतियोगिता **04 जनवरी 2022** को सम्पन्न हुई है।

3. **दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी :**
आगामी 04 एवं 05 सितम्बर 2021 को **'भारत का स्वातन्त्र्य समर : गोरखपुर परिक्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में'** विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस हेतु पूर्व में ही एक प्रस्ताव बनाकर **भारतीय इतिहास अनुसन्धान परिषद् ( ICHR )** को भेजा जा चुका है, जहाँ से **3,50,000/- ( तीन लाख पचास हजार )** के **आर्थिक अनुदान** के साथ संगोष्ठी के आयोजन की संस्तुति प्राप्त हो चुकी है।

**नोट** - विभाग द्वारा विभागीय/महाविद्यालय स्तर पर कराये जाने वाले समस्त कार्यक्रम चौरीचौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत आयोजित किये जायेंगे।

11. **ग्राम्य-दर्शन** - प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम- छोटी रेतवहियाँ को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव छोटी रेतवहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता के लिए 4 तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। ये 4 तिथियाँ हैं-

- 08 अगस्त, 2021
- 24 अक्टूबर, 2021
- 27 फरवरी, 2022
- 29 मई, 2022

**नोट** - विषम परिस्थितियों में इन तिथियों में भी परिवर्तन सम्भव है।

12. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्राय: प्रथम वर्ष के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता-पुत्र /पिता-पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय-समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में मेरे (सुबोध कुमार मिश्र) द्वारा 04 विद्यार्थी गोद लिये गये हैं जो सभी तृतीय वर्ष के विद्यार्थी हैं तथा पिछले 2 वर्षों से मेरे गोद में है। इन विद्यार्थियों का विवरण अग्रलिखित है।

| क्र.सं. | नाम | कक्षा | आई.डी. | मोबाइल नं. |
|---|---|---|---|---|
| 1 | विकास चौधरी | बी.ए. भाग तीन | 2019200018 | 8382943696 |
| 2 | अभिषेक सिंह | बी.ए. भाग तीन | 2019200185 | 8081538248 |
| 3 | अभय राज वर्मा | बी.ए. भाग तीन | 2019200157 | 9451812798 |
| 4 | मनीता साहनी | बी.ए. भाग तीन | 2019200183 | 6390215922 |
| 5 | कमलेश साहनी | बी.ए. भाग तीन | 2019200217 | 6394313107 |

13. **विभागीय पुस्तकालय** – विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्धा किया है। विभागीय पुस्कालय में वर्तमान समय में 110 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते है।

14. **वेबसाइट फेसबुक** – महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को साप्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

15. **छात्रसंघ/नैक/एन.सी.सी/एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका** – विभाग समय-समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों तथा छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

16. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** – परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल-बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते है। विभाग के आस-पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होती है।

17. **समय-सारणी** – महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय-सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय-सारणी के अन्तर्गत बी.ए. भाग एक, दो की प्रतिदिन एक-एक कक्षा जब की बी.ए. भाग तीन की सोमवार-मंगलवार दो-दो तथा शेष दिन एक-एक कक्षा संचालित होती है। विभाग द्वारा समय-सारणी का शत-प्रतिशत पालन किया जाता है।

18. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग** – विभाग कक्षाओं के पठन-पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन-पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते है। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामग्री भी समय-समय पर अपलोड करते चलते है। सत्र 2021-22 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी. बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लाग पर 05 पी.पी.टी. कंटेन्ट, 11 शोध पत्र, 6 नोट्स, सत्र 2020-21 के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के 07 प्रश्नपत्रों सहित अपना अद्यतन आयोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लाग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

19. **शिक्षक-आचार संहिता** – महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

## राजनीतिशास्त्र विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** – सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबासाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पाठ्य योजना अद्यतन उद्धत की जाती है जिसमें तिथिवार प्रश्नपत्र से सम्बन्धित शीर्षक का उल्लेख होता है इसकी सहायता से विद्यार्थी कक्षा में आने से पहले मानसिक रूप से तैयार रहता है।

   सत्र 2021–2022 की पाठ्यक्रम योजना के अनुसार बी.ए. (द्वितीय वर्ष) एवं एम.ए. (द्वितीय वर्ष) की कक्षाएँ 15 जून से प्रारम्भ हो चुकी हैं जबकि बी.ए. (प्रथम वर्ष), बी.ए. (तृतीय वर्ष) एवं एम.ए. (प्रथम वर्ष) की कक्षाएँ 11 अगस्त से प्रारम्भ होंगी। इन सभी कक्षाओं का पाठ्यक्रम पुनरावलोकन के साथ 31 जनवरी तक पूर्ण कर लिया जाएगा। विभाग के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है।

2. **कक्षाध्यापन** – विषय में किसी प्रश्न-पत्र में पढ़ाये गये पिछले पाँच व्याख्यानों के आधार पर प्रत्येक छठें दिन विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है। इससे विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद-कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है। आगामी सत्र में होने वाले कक्षाध्यापन का तिथिवार उल्लेख निम्न सूची में है–

| कक्षा | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बी.ए. प्रथम | NA | 05,31 | 08,15 | 04,18 | 18,27 | 15,22 | 06,13,22 |
| बी.ए. द्वितीय | 20,28 | 04,11,27 | 07,14,22 | 11,25 | 17,26 | 14,22 | 05,12,21 |
| बी.ए. तृतीय | 20,28 | 04,11,20 | 07,14 | 01,11,25 | 17,26 | 14,21 | 05,12,21 |
| एम.ए. प्रथम | NA | 07,16,24 | 09,16 | 05,20,27 | 20,29 | 08,16,24 | 04,13,31 |
| एम.ए. द्वितीय | 23,30 | 06,14,23 | 08,22 | 11,25 | 08,12,22 | 03,17,24 | 1,10,19,28 |

3. **मासिक मूल्यांकन** – विद्यार्थियों में वांछित व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित संरचनात्मक मूल्यांकन का प्रारूप तैयार किया जाता है जिसमें बहुविकल्पी एवं निबन्धात्मक प्रश्नों द्वारा विद्यार्थियों की उपलब्धि एवं योग्यता का परिमाणात्मक आकलन किया जाता है।

   आगामी सत्र में होने वाले मासिक मूल्यांकन का तिथिवार उल्लेख निम्न सूची में है–

| कक्षा | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बी.ए. प्रथम | NA | 21 | 23 | 26 | 09 | 07, 30 | 28 |
| बी.ए. द्वितीय | 31 | 20 | छ। | 01 | 08 | 03, 29 | 28 |
| बी.ए. तृतीय | NA | 27 | 22 | छ। | 08 | 03, 29 | 31 |
| एम.ए. प्रथम | NA | 31 | 25 | 30 | छ। | 31 | 31 |
| एम.ए. द्वितीय | NA | 31 | 29 | 30 | 30 | 31 | 31 |

4. **प्रगति-आख्या** – इसमें कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों यथा कुल कार्यदिवसों में विद्यार्थी की उपस्थिति, कक्षाध्यापन की संख्या, मासिक मूल्यांकन एवं कक्षा में उसके आचरण-व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

गत सत्र बी.ए. एवं एम.ए. प्रथम वर्ष का आफलाइन एवं बी.ए. (द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) तथा एम.ए. द्वितीय वर्ष की प्रगति आख्या ऑनलाइन भरा गया था परन्तु इस सत्र इसे पूरी तरह से आनलाइन भरा जाएगा।

5. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** - यह शिक्षक के आत्म मूल्यांकन से सम्बन्धित प्रपत्र है जिसमें शिक्षक को स्वप्रेरणा से किये गये। कोई कार्य, किसी अन्य शिक्षक का सहयोग करना, अन्य किन्ही शिक्षकों का सहयोग लेना, कितने कार्य दिवस पर विलम्ब से आये, कितने कार्यदिवस पर समय से पूर्व गये इत्यादि बातों का उल्लेख किया जाता है। यह प्रपत्र शिक्षक द्वारा स्वयं प्रत्येक माह की 08 तारीख के भीतर ऑनलाइन दर्ज करना होता है।

   इससे शिक्षक द्वारा तैयार की गयी योजना, कियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। राजनीतिशास्त्र विभाग, महाविद्यालय की इस योजना का परिपालन इस सत्र भी करेगा।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो विद्यार्थियों द्वारा सत्र में दर्ज कराया जाता है।

   इस सत्र में इसे सितम्बर एवं जनवरी माह में दर्ज कराया जाएगा।

7. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** - विभागाधयक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक शनिवार को पठन-पाठन एवं अन्य सभी विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर आगत सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक किया जाएगा।

8. **शिक्षक ब्लाग** - महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रत्येक शिक्षक का ब्लाग बना हुआ है जिसमें शिक्षक अपने व्याख्यानों के क्रम में अपलोड करता है इसमें शिक्षक द्वारा स्वयं तैयार किया गया पी.पी.टी. किसी प्रतिष्ठित पत्रिका में छपा लेख या कोई शोध पत्र शामिल होता है।

   इस सत्र में विभाग के प्रत्येक शिक्षक के प्रत्येक व्याख्यान की पठन-पाठन सामग्री ब्लाग पर आवश्यक रूप से अपलोड की जाएगी।

9. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग से सम्बन्धित ऐसे विद्यार्थी, जो पुस्तकों को खरीदने में सक्षम नहीं है अथवा अधिकाधिक पुस्तकों के अध्ययन में रूचि रखते हैं उनके लिए विभाग में कुछ पुस्तकें व पत्रिकाएं रखी गयी है इच्छुक विद्यार्थी से कुछ जानकारी लिखित रिकार्ड में रखते हुए उन्हे पुस्तकें आवंटित कर दी जाती है। विभाग में पुस्तक उपलब्ध न होने पर उन्हें केन्द्रीय पुस्तकालय से पुस्तके दिलाने का प्रयास किया जाता है।

   इस सत्र में विभागीय पुस्तकालय के पुस्तकों की संख्या में आवश्यक वृद्धि करने का प्रयास किया जाएगा।

10. **गोद लिए गये विद्यार्थी :** शिक्षक द्वारा अपनी कक्षा के कुछ (लगभग पाँच विद्यार्थी) ऐसे विद्यार्थी जिनकी कक्षा में गतिविधियां कुछ असमान्य हो यथा किसी गतिविधि में रूचि न रखना, कक्षा में लगातार अनुपस्थित रहना, को शिक्षक द्वारा गोद लिया जाता हैं ताकि ऐसे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। विभाग के शिक्षकों द्वारा गये विद्यार्थियों की सूची-

| शिक्षक | गोद लिए गये विद्यार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|
| | नाम | कक्षा | आई.डी.संख्या | मोबाइल नं. |
| श्री हरिकेश यादव | रूपम चौधरी | बी.ए. द्वितीय वर्ष | B.A.2020210106 | 7394927206 |
| | प्रिया जायसवाल | बी.ए. द्वितीय वर्ष | B.A.2020210326 | 6386464577 |
| | श्याम यादव | बी.ए. द्वितीय वर्ष | B.A.2020210132 | 7236029006 |
| | मो. इज़राफिल शाह | बी.ए. द्वितीय वर्ष | B.A.2020210252 | 8382943298 |
| | रितेश कुमार सिंह | बी.ए. द्वितीय वर्ष | B.A.2020210339 | 8709919680 |
| | शिवम यादव | बी.ए. द्वितीय वर्ष | B.A.2020210331 | 7991991405 |

11. **गोद लिए गया गाँव** – संस्थागत सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा ककरहिया ग्राम अधिगृहित किया गया है। विभाग द्वारा अधिगृहित ग्राम का वर्ष में लगभग चार बार भ्रमण किया जाता है इस भ्रमण के माध्यम से ग्रामवासियों को उनके नागरिक अधिकारों, कर्त्तव्यों, सरकार द्वारा चलायी गयी विभिन्न योजनाएँ, आदि के विषय में जागरूक किया जाता है।

इस सत्र में राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा निम्न तिथियों पर ग्राम भ्रमण। ग्राम्य दर्शन की योजना है–

- 08 अगस्त 2021 – रविवार
- 24 अक्टूबर 2021 – रविवार
- 27 फरवरी 2022 – रविवार
- 29 मई 2022 – रविवार

12. **शिक्षण विधियाँ**

1. **व्याख्यान विधि :** शिक्षक द्वारा विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, तार्किक रूप से विषयवस्तु का प्रकटन करने हेतु पारंपरिक विधि 'व्याख्यान विधि' का प्रयोग किया जाएगा।
2. **पॉवर-प्वाइण्ट प्रस्ततीकरण :** इस विधि में प्राजेक्टर द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पीपीटी का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा व्याख्या की जाएगी।
3. **सहभागी विधि :** कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षक, विद्यार्थियों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर शिक्षण-प्रक्रिया को प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया जाएगा।
4. **ऑनलाइन शिक्षण :** विगत सत्र कोरोना महामारी के कारण शासनानुदेशों का पालन करते हुए कक्षा में कुल पंजीकृत विद्यार्थियों के अधिकतम एक तिहाई विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके इसके लिए ऑनलाइन शिक्षण (जूम/गूगल मीटींग एप) का प्रयोग किया गया। आगामी सत्र में यदि आवश्यकता हुई तो पुनः इस विधि का प्रयोग किया जाएगा।

## कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी, अन्य विभागीय कार्यक्रम

**अगस्त**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 24.08.2021 | मंगलवार | 10:30 से 11:20 बजे | भारत-इजराइल कूटनीतिक सम्बन्ध | व्याख्यान | प्रो. रूसीराम महानन्दा, अध्यक्ष, राजनीतिशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |

**सितम्बर**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 15.09.2021 | बुधवार | 11:20 से 12:10 बजे | भारतीय लोकतन्त्र विश्व के लिए एक मॉडल | व्याख्यान | डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, एमपीपीजी, जंगल धूसड़ गोरखपुर |

**अक्टूबर**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 01.10.2021 | शुक्रवार | 11:20 से 12:10 बजे | महात्मा गाँधी के विचार : वर्तमान प्रासंगिकता | निबन्ध प्रतियोगिता | – |
| 23.10.2021 | शनिवार | 12:30 से 01:20 बजे | विश्व-शक्ति सन्तुलन में संयुक्त राष्ट्र का योगदान | व्याख्यान | डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, असि. प्रोफेसर, राजनीतिशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |

**नवम्बर**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 26.11.2021 | शुक्रवार | 12:30 से 01:20 बजे | भारतीय विदेश नीति का बदलता स्वरूप | व्याख्यान | प्रो. राजेश कुमार सिंह, राजनीतिशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |

**दिसम्बर**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 28.12.2021 | मंगलवार | 11:20 से 12:10 बजे | शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता | प्रतियोगिता | – |

**जनवरी**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 12.12.2022 | बुधवार | 12:30 से 01:20 बजे | भारतीय राजनीतिक चिन्तन का इतिहास:प्राचीन अथवा नवीन | वाद-विवाद प्रतियोगिता | – |

**नोट :** उपर्युक्त विभागीय कार्यक्रमों के समय, तिथियों एवं व्याख्याताओं में तत्कालीन परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन संभव है।

## अर्थशास्त्र विभाग

गत सत्र 2020-21 के अनुभवों एवं उपलब्धियों के आधार पर वर्तमान सत्र में निम्न बिन्दुओं पर योजनाएं बनायी जा रही है-

1. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाएं** - अर्थशास्त्र विषय की पाठ्यक्रम योजना जुलाई माह से पूर्व बनाकर दे दिया जायेगा जिससे कि जुलाई माह से पूर्व वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। जिसका उद्देश्य है विद्यार्थियों तक दिनांक के आधार पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को बाँटकर उपलब्ध कराना। विद्यार्थी सत्र के प्रारम्भ में ही यह जान सकता है कि किस तिथि को किस शिक्षक द्वारा किस शीर्षक पर पढ़ाया जायेगा, जिससे वह उस शीर्षक को

पहले ही घर पर पढ़कर तैयार होकर कक्षा में बैठेगा। वर्तमान सत्र में कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जायेगा। इसकी प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

2. **आफलाईन सहित आनलाईन कक्षा संचालन** - शिक्षक द्वारा पूर्व निर्धारित शीर्षक पर व्याख्यान/पी.पी.टी. सहित कक्षा का संचालन किया जायेगा।

3. **प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं** - पठन-पाठन में आधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ-साथ प्रोजेक्टर का कक्षा व्याख्यान में प्रयोग किया जायेगा जिससे कि अधिक से अधिक प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं चलाई जा सकें।

4. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** - सप्ताह में एक दिन शिक्षक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा पढ़ाया जायेगा सभी विद्यार्थी पूर्व निर्धारित विषय पर कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास करेंगे। कक्षाध्यापन में विशेषतौर पर वे शीर्षक दिये जायेगे जो विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। साप्ताहिक कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थी के अन्दर कक्षा में सबके सामने खड़े होकर अपनी बात कहने की क्षमता विकसित करना है। वर्तमान सत्र में भी इसे शत-प्रतिशत लागू किया जायेगा।

**प्रत्येक माह में निर्धारित साप्ताहिक कक्षाध्यापन की तिथि :**

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जून | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए. प्रथम | | NA | 21,31 | 08,15 | 04,18 | 09,18 | 07,15,22 | 06,12 |
| बी.ए. द्वितीय | 19,28 | 05,20 | 0,21,27 | 07,14 | 01,11 | 08,17 | 03,14,21 | 05,12 |
| बी.ए. तृतीय | 19,28 | 05,20 | 04,11,20 | 07,14 | 01,11 | 08,17 | 03,14,21 | 05,12,21 |

5. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक माह के अन्त में विभाग के शिक्षक द्वारा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में आने वाले प्रश्नों का माहवार वितरित कर लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जायेगा। जिससे कि विद्यार्थी का सभी प्रश्न पत्र जो सम्भावित तौर पर विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले हैं पहले ही तैयार हो सके। मासिक मूल्यांकन के दौरान उत्तर लिखने के शैली के साथ-साथ लिखावट भी सुन्दर होता है।

**प्रत्येक माह में निर्धारित मासिक मूल्यांकन की तिथि :**

| कक्षा | मासिक मूल्यांकन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए. प्रथम | NA | 31 | 23 | 26 | 27 | 30 | 22 |
| बी.ए. द्वितीय | 28 | 27 | 22 | 25 | 26 | 29 | 31 |
| बी.ए. तृतीय | 28 | 27 | 22 | 25 | 26 | 29 | 31 |

6. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - स्वमूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के प्रथम सप्ताह के अन्त तक उस माह में अपने कार्यो एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा-पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्वप्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र में आनलाईन भरकर प्राचार्य को उपलब्ध कराया जायेगा।

स्वमूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक पिछले महीने की पूरी गतिविधि को जानकर अपने आचरण व्यवहार तथा समय की महत्ता को समझते हुए उसे सुधारने का प्रयास करेंगे।

7. **प्रगति आख्या**– विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर वेबसाईट के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन के साथ-साथ आचरण-व्यवहार के अंको का उल्लेख किया जायेगा। प्रगति आख्या किसी विद्यार्थी द्वारा सम्पूर्ण माह में किये गये गतिविधियों का संकलन होता है जिसे देखकर विद्यार्थियों में सुधार हेतु कार्य किया जायेगा।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**– महाविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप- ''शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र'' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीडबैक लिया जायेगा। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त सुझावों को यथा सम्भव शिक्षक, प्राचार्य के निर्देशानुसार लागू करने का प्रयास किया जायेगा।

9. **उपचारात्मक कक्षाएं**– विभाग के विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर विषय सम्बन्धी समस्याओं के निवारण हेतु उपचारात्मक कक्षाएं चलायी जायेंगी।

10. **पूरक पाठ्यक्रम**– विषय के पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वर्तमान आर्थिक एवं मौद्रिक प्रणाली एवं उसकी विशेषताओं के साथ-साथ उन सभी अंगो की चर्चा की जायेगी जिनका सम्बन्ध प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों के कल्याण से है।

11. **विभागीय लाइब्रेरी**– प्रत्येक वर्ष की भांति सत्र 2021-22 में भी विद्यार्थियों को सेन्ट्रल लाइब्रेरी के अतिरिक्त विभागीय लाइब्रेरी से पुस्तक उपलब्ध कराया जायेगा।

12. **स्वैच्छिक श्रमदान**– विभाग के शिक्षक प्रत्येक वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान में भाग लेंगे।

13. **विद्यार्थियों को गोद लेना**– गत सत्र में, पांच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनका उन्नयन करने का प्रयास किया गया जिसमें एक विद्यार्थी तृतीय वर्ष के होने के कारण अब महाविद्यालय से बाहर चला जायेंगे। इसलिए वर्तमान सत्र में बी.ए. प्रथम वर्ष से एक अन्य विद्यार्थी का चयन किया जायेगा जिससे कि विद्यार्थियों की संख्या पांच हो सके। गोद लिये गये विद्यार्थियों का पठन-पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ उनके व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयास किया जायेगा।

| क्रं.सं. | नाम/आई.डी. नं. | विषय | कक्षा | मोबाईल |
|---|---|---|---|---|
| 1. | कालिन्दी चौहान, बी.ए.2019200132 | अंग्रेजी, अर्थशास्त्र | बी.ए. भाग तीन | 9936887847 |
| 2. | सपना गुप्ता, बी.ए.2020210180 | भूगोल, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र | बी.ए. भाग दो | 7390073315 |
| 3. | वर्षा साहनी, बी.ए.2020210023 | समाजशास्त्र, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र | बी.ए. भाग दो | 8381993721 |
| 4. | नसरीन बानो, बी.ए.2020210341 | मनोविज्ञान, प्रा.इतिहास, अर्थशास्त्र | बी.ए.भाग दो | 9662948980 |

14. **शिक्षक ब्लाग**– विभाग के शिक्षक का शत-प्रतिशत पावर-प्वाइंट ब्लाग पर अपलोड है साथ ही साथ किताबों व शोध पत्रों की साफ्ट कापी अलग से उपलब्ध करायी गयी है। वर्तमान सत्र में शोध पत्रों के साथ-साथ अन्य पुस्तकों की सूची भी अपलोड किया जायेगा जिससे कि विद्यार्थियों को आसानी से पाठ्य-सामग्री उपलब्ध हो सके।

15. **विभाग द्वारा गोद लिये गये गाँव**– गत सत्र की भांति वर्तमान सत्र में भी विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपने गोद लिये गये गांव (ककरहियां) में चार बार जनजागरूक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा जिसके लिए निर्धारित तिथि निम्न है–
    - 08 अगस्त 2021
    - 24 अगस्त 2021
    - 27 फरवरी 2022
    - 29 मई 2022
16. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा**– प्रत्येक सत्र की भांति वर्तमान सत्र में भी बी.ए. भाग–एक, दो व तीन के सभी वार्षिक प्रश्न पत्रों को विश्वविद्यालय के मानक अनुसार बनार सितम्बर–अक्टूबर माह में महाविद्यालय के परीक्षा विभाग को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
17. **विभागीय रपट**– विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन सम्बन्धी अनुभवों, उपलब्धियों सहित गत सत्र 2020–21 का विभागीय रपट ब्लाग पर उपलब्ध है तथा वर्तमान सत्र का विभागीय रपट जुलाई 2023 के पूर्व ब्लाग पर अपलोड कर दिया जायेगा।

**नोट** : उपरोक्त कार्यक्रमों की तिथियों एवं अतिथियों में परिवर्तन हो सकता है।

## हिन्दी विभाग

1. **समय सारणी/ कक्षा संचालन** – विभाग में सभी कक्षाएं समय सारणी के अनुसार संचालित की जाती हैं।
2. **पाठ्यक्रम योजना** – पाठ्यक्रम योजना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत पूरे सत्र में होने वाले शिक्षण कार्य की रूप रेखा प्रस्तुत की जाती है। बी.ए. द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं एम.ए. अन्तिम वर्ष की कक्षाएं 16 जुलाई से पाठ्यक्रम योजना में प्रारम्भ होती है। बी.ए. प्रथम वर्ष एवं एम.ए. प्रथम वर्ष की कक्षाएं 1 अगस्त से चलती है। सत्र 2021–22 में बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं एम.ए. अन्तिम वर्ष की कक्षाएं 16 जून से संचालित हो रही है।

   इस योजना का उद्देश्य है कि पाठ्यक्रम का कोई भी भाग न छूटे और समय से पाठ्यक्रम पूर्ण हो जाय। साथ ही प्रतिदिन के कक्षा विवरण से विद्यार्थियों को अवगत करा सकें।
3. **कक्षाध्यापन** – इसके अन्तर्गत सप्ताह भर पढ़ाये गये व्याख्यान से कोई भी भाग विद्यार्थी तैयार कर 05 से 07 मिनट कक्षा संचालन करता है। इसकी तैयारी हेतु प्रथम कक्षाध्यापन दिवस पर ही 10 छात्रों का विषय के साथ नामांकन करते है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी का हिचक दूर करके, अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है।

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए. प्रथम | NA | 05,12,21 | 07,14 | 01,11 | 08,17 | 03,14,21 | 5,12,21 |
| बी.ए. द्वितीय | 20, 28 | 04,11,20 | 06,13,21 | 09,23 | 16 | 02,13,20 | 4,11,20 |
| बी.ए. तृतीय | 20, 28 | 04,11,20 | 06,13,21 | 09,23 | 16 | 02,13,20 | 4,11,20 |
| एम.ए. प्रथम वर्ष | NA | 07,16 | 02,09,16 | 05,20 | 11,20 | 08,16,23 | 7,17,24 |
| एम.ए. अन्तिम वर्ष | 23,30 | 06,14 | 01,07,14 | 01,18 | 09,18 | 07,15,22 | 6,13,22 |

४. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक महीने में पढ़ाये गये व्याख्यान से 03 या 04 प्रश्न देकर विद्यार्थियों को 50 मिनट की कक्षा में मासिक मूल्यांकन कराया जाता है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न पत्र को विभाजित कर उपलब्ध करा देना एवं विश्वविद्यालय परीक्षा हेतु पूर्व तैयारी करा देना है।

| कक्षा | मासिक मूल्यांकन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए. प्रथम | NA | 31 | 22 | 25 | 26 | 29 | 31 |
| बी.ए. द्वितीय | NA | 27 | 30 | 30 | 25 | 28 | 29 |
| बी.ए. तृतीय | NA | 27 | 30 | 30 | 25 | 28 | 31 |
| एम.ए. प्रथम वर्ष | NA | 24 | 25 | 27 | 29 | 31 | 31 |
| एम.ए. अन्तिम वर्ष | NA | 23 | 22 | 26 | 27 | 30 | 31 |

5. **प्रगति आख्या** – इसके अन्तर्गत पढ़ाये गये व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति की संख्या, कक्षाध्यापन का श्रेणी, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं विश्वविद्यालय परीक्षा विवरण दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य छात्र के पठन-पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण कर सुधारात्मक सुझाव देना है।

6. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा** – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के तर्ज पर आगामी परीक्षा का सम्भावित प्रश्नों के प्रश्नपत्र बनाकर, परीक्षा कराकर परिणाम घोषित करते हैं। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परीक्षा की पूर्व तैयारी कराना है।

7. **विभागीय कार्यक्रम** –

| | **विषय** |
|---|---|
| • 14 सितम्बर, 2021 | विशिष्ट व्याख्यान 'हिन्दी दिवस' |
| • 27 सितम्बर, 2021 | विशिष्ट व्याख्यान 'साहित्य क्या है?' |
| • 25 अक्टूबर, 2021 से 31 अक्टूबर तक | सप्तदिवसीय कार्यशाला-'वर्तनी, उच्चारण एवं ध्वनियां' |
| • 22 नवम्बर, 2021 | हिन्दी भाषण प्रतियोगिता |
| • 22 नवम्बर, 2021 | हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता |
| • 25 नवम्बर, 2021 | हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता |
| • 26 नवम्बर, 2021 | उदीयमान कवि गोष्ठी |
| • 28 दिसम्बर, 2021 | हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता |
| • 10 जनवरी, 2021 | विशिष्ट व्याख्यान (अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी दिवस) |
| • 16 फरवरी, 2022 | विशिष्ट व्याख्यान – साहित्य क्यों पढ़ें? |

**नोट**– प्रत्येक माह में एक या दो व्याख्यान अतिथि शिक्षक पढ़ाये, विभाग इसका प्रयास करेगा।

**सम्भावित व्याख्याताओं की सूची** –

- प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
- प्रो. रामदरश राय
- प्रो. अरविन्द त्रिपाठी
- प्रो. प्रत्यूष दूबे
- डॉ. विजयानन्द त्रिपाठी
- डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी
- डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

**नोट**– उपर्युक्त कार्यक्रम में निर्धारित तिथि एवं अतिथि में समय एवं विशेष परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन हो सकता है।

8. **शिक्षण विधि** – विभाग सामान्यत: निम्नलिखित शिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाता है।
   - संवाद विधि
   - प्रश्नावली विधि
   - श्यामपट्ट विधि
   - पी.पी.टी. विधि

9. **पुस्तकालय** – विभागीय शिक्षक अध्ययन/अध्यापन हेतु पुस्तकालय में अद्यतन रहते हैं तथा विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया जाता है। शिक्षक प्रतिदिन पुस्तकालय का उपयोग करते है एवं उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर करते हैं। विभाग में विभागीय पुस्तकालय भी है जिससे विद्यार्थियों को समय-समय पर अध्ययन हेतु पुस्तकें उपलब्ध करायी जाती हैं।

10. **तकनीकी प्रसार** – विगत सत्रों में पी.पी.टी. पर कक्षाएं चली हैं इस सत्र में स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग किया जायेगा। वेबसाइट के अन्तर्गत ब्लाग पर सारांश, नोट्स, शोध पत्र, व्याख्यान उपलब्ध कराया जायेगा।

11. **गोद लिए विद्यार्थी** – प्रत्येक शिक्षक स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं से 5-5 विद्यार्थी को गोद लेता है। इस सत्र में – डॉ. आरती सिंह द्वारा गोद लिए गऐ विद्यार्थियों के नाम–

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रांजल शर्मा | मो. नं. 8840320956 |
| 2. | किरन यादव | मो. नं. 9838482699 |
| 3. | तारकेश्वर पाण्डेय | मो. नं. 9026182301 |
| 4. | सब्या | मो. नं. 9555366186 |
| 5. | खुशबू निष्ठाद | मो. नं. 8467079609 |

**नोट:**– तीन नयें विद्यार्थियों को गोद लेना है।

डॉ. सुधा शुक्ला द्वारा गोद गोद लिए गऐ विद्यार्थियों के नाम –

| | | |
|---|---|---|
| 1. | काजल मद्धेशिया | मो. नं. 9026119646 |
| 2. | निशा मौर्य | मो. नं. 9670101880 |
| 3. | प्रिया सिंह | मो. नं. 8175984680 |
| 4. | ज्ञानेन्द्र पाण्डेय | मो. नं. 9877854251 |
| 5. | प्रवीण शुक्ल | मो. नं. 6307599214 |
| 6. | अनामिका सिंह | मो. नं. 9569853454 |
| 7. | कमलेश निषाद | मो. नं. 8887622505 |
| 8. | मनीषा मद्धेशिया | मो. नं. 7388263560 |
| 9. | शालिनी शर्मा | मो. नं. 8299465774 |
| 10. | सुनैना प्रजापति | मो. नं. 9198337712 |

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या सुनना एवं उचित समाधान करना, रचनात्मक कार्यों के साथ विभाग एवं महाविद्यालय की गतिविधियों में सहभाग के लिए प्रेरित करना एवं स्वच्छता तथा अनुशासन बनाये रखना है।

12. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – प्रत्येक सत्र में दो बार सितम्बर एवं जनवरी माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों द्वारा सम्बन्धित शिक्षक द्वारा अवलोकन भरा जाता है।

13. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – महीने के प्रथम कार्यदिवस में शिक्षक द्वारा भरा जाता है और विभाग में सुरक्षित रहता है। वर्तमान सत्र में यह योजना यथावत रहेगा।

14. **फीड बैक (पृष्ठ पोषण) कक्षाएं** – 15–20 फरवरी 2022 इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों की उनकी कमियों गलतियों तथा त्रुटियों से अवगत कराया जाता है। ताकि विद्यार्थी उन्हें सुधार सकें। साथ ही इस प्रक्रिया में छात्रों की अच्छी विशेषताएं, अच्छा कार्य, उनके गुणों तथा उनकी अच्छाईयों का भी विवरण दिया जाता है ताकि वे आगे भी अपने व्यवहारों में प्रदर्शित कर सकें।

15. **प्रार्थना सभा** – महाविद्यालय में प्रार्थना सभा प्रत्येक दिन 09:25 से 09:40 तक आयोजित की जाती है। जिसमें विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी अनिवार्य रूप से उपस्थित होते हैं। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रार्थना सभा प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से 30 जनवरी तक सम्पन्न की जाती है। इसका उद्देश्य राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना, भगवत् गीता उपदेश के माध्यम से राष्ट्रप्रेम एवं भक्तिभावना का भाव जागृत करना है तथा प्रत्येक कार्यदिवस में पड़ने वाले महापुरुषों की जन्मतिथि एवं पूण्यतिथि पर उद्‌बोधन के माध्यम से प्रेरित किया जाता है।

16. **स्वैच्छिक श्रमदान** – इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं। 1 घण्टे 10 मिनट के समय में हम श्रमदान करते हैं। इस योजना में प्राचार्य, शिक्षक विद्यार्थी समूह भाव से कार्य करते हैं। विभाग के शिक्षक विद्यार्थी इस योजना में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रम के प्रति झिझक (संकोच) दूर करना एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी जाती है।

17. **ग्राम्य दर्शन** – विभाग पूरे सत्र में निम्नलिखित चार तिथियों में विद्यार्थियों के साथ ग्राम्य दर्शन हेतु जायेगा।
    - 8 अगस्त, 2021
    - 24 अक्टूबर, 2021
    - 27 फरवरी, 2022
    - 29 मई, 2022

    इस योजना के अन्तर्गत विभाग के शिक्षक गोद लिए गाँव का दर्शन करने विद्यार्थियों के साथ जाते हैं। ग्रामवासियों को शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हैं। समय-समय पर डाक्टर के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण कर उचित सलाह दी जाती है।

18. **सोशल मीडिया**– महाविद्यालय के वेबसाइट के अन्तर्गत फेसबुक, यू-ट्यूब, व्हाट्सएप पर विभाग की सभी सूचनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। इसका उद्देश्य है कि विद्यार्थी इस माध्यम से सूचनाएं प्राप्त करें एवं विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से लाभान्वित हों।

19. **निःशुल्क चिकित्सा**– महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह में दो दिन चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाता है। महाविद्यालय के प्रयास पर डाक्टर आते हैं और उनके द्वारा महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, परिचर एवं विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण होता है। साथ ही आस-पास के ग्रामवासियों को भी इस सुविधा का लाभ मिलता है।

20. उपरोक्त के अतिरिक्त आचार संहिता का पालन करना, महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखना, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना, बिजली पानी बचत करना, परिसर में सौहार्द पूर्ण वातारण बनाये रखना आदि के लिए शिक्षक द्वारा समय पर प्रेरणा दी जाती है।

## मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

**उद्देश्य** – इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान-विज्ञान, लोक कला के साथ-साथ तत्कालीन स्थितियों-परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिशीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधे रखना है।

### विभागीय योजनाएँ : 2021-22

1. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन** – नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक विभागों द्वारा बनायी जाती है। इस पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के अनुरूप बाँट दिया जाता है। सत्र के प्रथम तीन महीनें 3+2+1 की योजना पर अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्नपत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन/मासिक मूल्यांकन कक्षा का संचालन होता है। अगले तीन महीनें 2+3+1 की योजना के अनुरूप कक्षा संचालित होती है। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्यदिवस में किस शिक्षक को कौन सा टापिक पढ़ाना है, यह पूर्ण निर्धारित रहता है इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर पूर्व योजना-पूर्ण योजना के सिद्धान्त पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भाँति विभाग द्वारा इस सत्र (2021-22) की पाठ्यक्रम योजना मई माह में ही बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस सत्र में बी.ए. भाग दो की कक्षा विभाग द्वारा 16 जून से ही प्रारम्भ कर दी गई है। 11 अगस्त से बी.ए. भाग एक एवं भाग तीन की कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ-साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से दी जा चुकी है।
2. **कक्षाध्यापन (उद्देश्य)** – विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 05/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन का शीर्षक स्वेच्छा से चुनने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक न चुन सके तो शिक्षक शीर्षक देता है। तत्पश्चात समय की उपलब्ध ता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतिकरण योग्य तैयार करवाता है तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरान्त छठवें दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराता है। कक्षाध्यापन के दौरान शिक्षक प्रस्तुतीकरण देने वाले विद्यार्थी का विश्लेषण कर उसे ग्रेड देता है तथा अपने प्रगति आख्या में उक्त विद्यार्थी के खाते में कक्षाध्यापन दर्ज कर लेता है। साथ ही साथ विद्यार्थी के कक्षाध्यापन के कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु दिशा-निर्देश भी देता है इस सत्र में प्रस्तावित कक्षाध्यापन की तिथियाँ अग्रलिखित है।

| कक्षा | कक्षाध्यापन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए. प्रथम | NA | 7,16 | 7,14,22 | 9,23 | 16,25 | 9,17,24 | स्थगित |
| बी.ए. द्वितीय | 23,30 | 7,17 | 7,14,22 | 9,23 | 16,25 | 9,17,24 | स्थगित |
| बी.ए. तृतीय | 23,30 | 7,17 | 7,14,22 | 9,23 | 16,25 | 9,17,24 | स्थगित |
| एम.ए. प्रथम | NA | 7,17 | 7,14,22 | 9,23 | 16,25 | 9,17,24 | स्थगित |
| एम.ए. द्वितीय | 23,30 | 7,17 | 7,14,22 | 9,23 | 16,25 | 9,17,24 | स्थगित |

3. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय-ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न-पत्रों/प्रारूपों के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न-पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। अगस्त से जनवरी माह तक पूछे गए मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जाऐंगे। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ अग्रलिखित हैं–

| कक्षा | मासिक मूल्यांकन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए. प्रथम | NA | 27 | 30 | 30 | 30 | 31 | 29 |
| बी.ए. द्वितीय | NA | 27 | 30 | 30 | 30 | 31 | 29 |
| बी.ए. तृतीय | NA | 27 | 30 | 30 | 30 | 31 | 29 |
| एम.ए. प्रथम | NA | NA | 30 | 30 | 30 | 31 | 29 |
| एम.ए. द्वितीय | NA | 27 | 30 | 30 | 30 | 31 | 29 |

5. **प्रगति आख्या** – प्राचीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण-व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में आनलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

6. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** – विभागीय शिक्षक द्वारा प्रतिमाह आनलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। जिसकी एक प्रिंट आउट शिक्षक अपने पास भी विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा– किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये उत्तदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

7. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – आत्ममूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु छात्र/छात्राओं द्वारा दिसम्बर/जनवरी के किसी भी कार्यादिवस छात्र/छात्राओं की अधिकतम संख्या को देखते हुए उनसे पूर्व निर्धारित प्रोफार्मा पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

8. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

10. **शिक्षण विधियाँ** – पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविधा शिक्षण प्रविधि यों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैं:

- व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
- प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण

- समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण
- प्रोजेक्टर के प्रयोग द्वारा शिक्षण
- वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण
- शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण
- पॉवर-प्वाइण्ट विधि द्वारा शिक्षण
- मानचित्रों द्वारा शिक्षण
- ऑडियो-वीडियो (दृश्य-श्रव्य) विधि द्वारा शिक्षण

उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषय ग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में भी विगत वर्ष की ही भांति विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्नपत्रों का पी.पी.टी. बनाकर सभी कक्षाओं को प्रोजेक्टर से पढ़ाने की योजना है।

## विभागीय कार्यक्रम

विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधाारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

1. **विशिष्ट व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान :**
   (अ) 27 सितम्बर, 2021 दिन-सोमवार, बी.ए. भाग-1, 2, 3 तथा एम. ए. भाग-1, 2
   विषय:- राजा राम मोहन राय की पुण्यतिथि के अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में या पुर्नजागरण में योगदान
   वक्ता:- डॉ. अजय मिश्रा, डी.ए.वी. कालेज, गोरखपुर

   **नोट :** कार्यक्रम से सम्बन्धित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान शीर्षक सम्भावित है। विषम परिस्थितियों में इसमें परिवर्तन सम्भव है।

2. **उपचारात्मक कक्षाएं** - विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आने के उपरान्त फरवरी माह में 15 से 24 तक शैक्षिक दृष्टिकोण से आशानुरूप प्रदर्शन न कर पाने वाले विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

3. **शैक्षिक भ्रमण** - विभाग द्वारा कुछ चुने हुए विद्यार्थियों को विषय की रोचकता को बढ़ाने एवं सम्बन्धित स्थलों का वास्तविक ज्ञान परिमार्जित करने के उद्देश्य से शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जायेगा। यह शैक्षिक भ्रमण एक दिवसीय होगा। इस शैक्षिक भ्रमण के अन्तर्गत कुशीनगर, चौरीचौरा अथवा बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर में से किसी एक स्थान का भ्रमण कराया जायेगा। यह शैक्षिक भ्रमण 06 फरवरी को प्रस्तावित है।

   **नोट** - विभाग द्वारा विभागीय/महाविद्यालय स्तर पर कराये जाने वाले समस्त कार्यक्रम चौरीचौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत आयोजित किये जायेंगे।

4. **ग्राम्य-दर्शन** - इतिहास विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम- भट्ठा चौराहा, जंगल धूसड़ को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव जंगल धूसड़ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता के लिए 4 तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। ये 4 तिथियाँ हैं-
   - 09 अगस्त 2021
   - 02 अक्टूबर 2021
   - 22 फरवरी 2022
   - 29 मई 2022

   **नोट** - विषम परिस्थितियों में इन तिथियों में भी परिवर्तन सम्भव है।

5. **गोद लिए गए विद्यार्थी** – विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्राय: प्रथम वर्ष के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता–पुत्र /पिता–पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय–समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में मेरे (जितेन्द्र प्रजापति) द्वारा 04 विद्यार्थी गोद लिये गये हैं जो सभी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हैं तथा पिछले वर्ष से ही मेरे गोद में है। इन विद्यार्थियों का विवरण अग्रलिखित है।

| क्र.सं. | नाम | कक्षा | आई.डी. | मोबाइल नं. |
|---|---|---|---|---|
| 1 | अनिकेत | बी.ए. भाग एक | MPPG-BAS210009 | 8098806554 |
| 2 | अनु गुप्ता | बी.ए. भाग एक | MPPG-BAS210441 | 9506052260 |
| 3 | पंकज मौर्या | बी.ए. भाग एक | MPPG-BAS210012 | 8090361898 |
| 4 | राहुल कनौजिया | बी.ए. भाग एक | MPPG-BAS210255 | 7991706548 |
| 5 | रूचि | बी.ए. भाग एक | MPPG-BAS210036 | 8178417931 |

6. **विभागीय पुस्तकालय** – विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्ध किया है। विभागीय पुस्कालय में वर्तमान समय में 110 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते है।

7. **वेबसाइट फेसबुक** – महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को सम्प्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

8. **छात्रसंघ/नैक/एन.सी.सी/एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका** – विभाग समय–समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों तथा छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय–समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है। एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

9. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** – परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल–बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते है। विभाग के आस–पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होती है।

10. **समय–सारणी** – महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय–सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय–सारणी

के अन्तर्गत बी.ए. भाग एक, दो की प्रतिदिन एक-एक कक्षा जब की बी.ए. भाग तीन की सोमवार-मंगलवार दो-दो तथा शेष दिन एक-एक कक्षा संचालित होती है। विभाग द्वारा समय-सारणी का शत-प्रतिशत पालन किया जाता है।

11. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग** - विभाग कक्षाओं के पठन-पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन-पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते है। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामग्री भी समय-समय पर अपलोड करते चलते है। सत्र 2021-22 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लाग पर 05 पी.पी.टी. कंटेन्ट, 11 शोध पत्र, 6 नोट्स, सत्र 2020-21 के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के 07 प्रश्नपत्रों सहित अपना अद्यतन बायोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लाग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

12. **शिक्षक-आचार संहिता** - महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

## शिक्षाशास्त्र

1. **विशिष्ट व्याख्यान**- सत्रारम्भ के पहले दूसरे दिन - विषय परिचय, कार्यपद्धति, भाषा परिसर संस्कृति विषय पर।
2. **विभागीय योजनाएँ** -
   - पाठ्यक्रम योजना - महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ्-योजना अद्यतन उद्धारित कर दी जाती है।
   - पठन-पाठन - प्रत्येक माह में 30 प्रतिशत कक्षायें प्रोजेक्टर (PPT) पर संचालित करने की योजना है।
   - कक्षाध्यापन - प्रत्येक सप्ताह में कक्षाध्यापन महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के अभिमुखीकरण हेतु एक अनूठी योजना है जिसका प्रयोग पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कराया जाता है। यह योजना इस सत्र भी सउद्देश्य चलती रहेगी।
   - मासिक मूल्यांकन - प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम के आधार पर बहुविकल्पीय, विस्तृत उत्तरीय 30 अंक का प्रश्न बनाकर छात्र/छात्राओं को दिया जाता है।
   - शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र - प्रत्येक सत्र में दो बार छात्र/छात्राओं से शिक्षक के मूल्यांकन हेतु प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण विधि का मूल्यांकन करना है।
   - शिक्षक स्वमूल्यांकन - विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा हर माह की 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाईन भरा जाता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक द्वारा स्वयं का आन्तरिक मूल्यांकन करना है।
   - प्रगति आख्या - बी.ए. में शिक्षाशास्त्र विषय पढ़ रहे विद्यार्थी की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन किया जाता है यह प्रत्येक

सत्र में ऑनलाईन/ऑफलाईन तैयार किया जाता है।

- पुस्तकालय – विभागीय शिक्षक अध्ययन/अध्यापन हेतु पुस्तकालय में अद्यतन रहते हैं तथा छात्र/छात्राओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। पुस्तकालय की आवागमन पंजिका पर शिक्षक हस्ताक्षर करते है यह योजना वर्तमान सत्र में भी चले इसका प्रयास किया जायेगा।
- गोद लिए गये विद्यार्थी – विभाग में प्रत्येक शिक्षक द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों के जन्म दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्य महाविद्यालय के अतिरिक्त व्यक्तिगत आधार पर चिन्हित स्थान पर सुनिश्चित कराना।
- स्वैच्छिक श्रमदान – विभाग के शिक्षकों के द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है तथा छात्र/छात्राओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। जिसको उद्देश्य छात्रों में सहनशीलता, विनम्रता को विकसित करना।
- यूट्यूब/फेसबुक – इस सत्र में यूट्यूब चैनल द्वारा छात्र/छात्राओं को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा।
- शिक्षक ब्लॉग – महाविद्यालय की वेबासाइट पर शिक्षाशास्त्र विभाग की सभी शिक्षकों का व्याख्यान शत प्रतिशत पी.पी.टी. के रूप में अपलोड करने की योजना है। इस सत्र में ब्लॉग पर विषय सारांश को ब्लॉग पर डालने का प्रयास किया जायेगा।

3. **शिक्षण विधियाँ** –
   - व्याख्यान विधि – शिक्षण विधियों में व्याख्यानके बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। बी.ए. की कक्षाओं में शिक्षक व्याख्यान विधि का प्रयोग करते है।
   - प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं – इस सत्र में अधिकाशत: कक्षाएं पावर प्वाइट पर लेने की योजना है।
   - उपचारात्मक अनुदेशन – मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुन: उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है।

4. **व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, प्रतियोगिता, कार्यशाला** –
   - 07 जुलाई – वन महोत्सव सप्ताह पर वृक्षारोपण कार्यक्रम
   - 04 सितम्बर – निबन्ध प्रतियोगिता
     विषय– शिक्षा में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की भूमिका
   - 13 सितम्बर – शिक्षा मनोविज्ञान एवं उसके क्षेत्र
   - 09 अक्टूबर – विशिष्ट व्याख्यान
     विषय– सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका
   - 21 अक्टूबर – पोस्टर प्रतियोगिता
     विषय–स्वतन्त्रा संग्राम सेनानी
   - 17 नवम्बर – भाषण प्रतियोगिता
     विद्यार्थी जीवन में शिक्षा की भूमिका
   - 20 दिसम्बर – स्वास्थ्य जागरूकता रैली
   - 25 जनवरी – मेंहदी प्रतियोगिता

5. **कक्षाध्यापन**

| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | NA | 5,12,21 | 7,14 | 1,11 | 8,17 | 3,14,21 | 6,13,22 |
| II | 20,29 | 5,12,21 | 7,14,22 | 11 | 6,20,29 | 17,24 | 8,18,20 |
| III | 23,31 | 7,16 | 2,9,16 | 5,20 | 11,22 | 9,18 | 3,10,19 |

**नोट** – वर्तमान सत्र में बी.ए. द्वितीय वर्ष की कक्षाएं 16 जुन से आनलाइन संचालित की जा रही हैं। जिसके कारण पाठ्ययोजना के संचालन में आंशिक संशोधन हो सकता है।

6. **मासिक मूल्यांकन**

| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | NA | 31 | 22 | 25 | 26 | 31 | 31 |
| II | NA | 31 | 30 | 26 | 29 | 24 | 27 |
| III | 23,31 | 24 | 25 | 27 | 30 | 27 | 28 |

**नोट** – उपर्युक्त कार्यक्रम की तिथि/अतिथि के सन्दर्भ में समय एवं परिस्थिति के आधार पर परिवर्तन हो सकता है। यह सभी कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

## Department of English Literature

### Departmental Action Plan

1. **Classes according to time table -** College has allotted II period for the B.A. I year in Chhatrapati Shivaji kaksh, V period for B.A. III year in Madan Mohan Malviya kaksh & VI period for B.A. II year in Dadhichi kaksh. Dept. will take all the classes at the allotted time in the allotted kaksh.

2. **Lesson Plan -** Dept. teaches according to the lesson plan. Though last year dept. was not able to continue classes according to the lesson plan due to covid-19. Last year 104 working days for B.A. I year & 117 working days for B.A. IIyear & III year were available but dept. had taken 112 classes in B.A. I year, 154 classes in B.A. II year & 139 classes in B.A. final year.

   This year classes of B.A. II have been started from 16th June 2021 & dept. will try to complete the syllabus according to lesson plan & on time. **Extra classes will be managed during the working days & hours.**

3. **Class Teaching -** After every fifth working day, sixth day's classes are taken by the students which help in personality & academic development of the students. The team of class teaching is declared on the previous class teaching day. Class teaching help them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skill and analytical ability. Lecturer helps them to be ready with their allotted topic. Each & every student is provided an opportunity to participate in class-teaching according their ascending I.D. No. Last year more than 24 students out of 30 in I year, 5 students out of 9 in II year & 8 out of 8 regular students in III year had participated. **This year dept. will try to achieve that more than 70% participation of students.**

   This year's class teaching schedule is:

| CLASS | CLASS TEACHING SCHEDULE | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | July | August | September | October | November | December | January | Febuary |
| B.A. I | NA | NA | 4, 15, 23 | 25 | 13 | 7, 22 | 10, 16 | NA |
| B.A. II | 22,29 | 5,12,21 | 7,14 | 1,11 | 8,17 | 3,14,21 | 5,12,21 | 6,12,19 |
| B.A. III | NA | NA | 7,14 | 1,11 | 8,17 | 3,14,21 | 5,12,21 | 6,12,19 |

3. **Monthly Evaluation -** In the last week of the month, monthly evaluation is scheduled as it help Lectures to assess that revealed or the taught portion of the month was understood by the students before it's too late. Evaluation shows that how many have failed to grasp a particular chapter & a lecturer can reteach it. If a few are confused, the lecturer can provide individualized help. It also help students to get ready for the examinations & to know their weak points. Last year 30% students participated in the monthly evaluation. **This year dept. will try to assure participation of every regular student.** This year monthly evaluations are held on :

| Class | MONTHLY EVALUATION SCHEDULE | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | July | Aug | Sept | Oct | Nov | Dec | Jan | Feb |
| B.A. I | NA | NA | 23 | 26 | 27 | 30 | NA | NA |
| B.A. II | NA | NA | 22 | 25 | 26 | 29 | 31 | |
| B.A. III | NA | 31 | 22 | 25 | 26 | 29 | 31 | |

4. **Power-point classes - This year Dept. has decided to take 100% classes on projector through ppt presentation too**. Though dept. has uploaded the complete syllabus of B.A. I, II &III year on the Departmental Blog in the notes form last year. Department will ask students to access the blog. The students who want to take the benefit of power point class as well as notes online they have to access the blog of the department.

6. **Teaching Methodology -**

- Chalk & talk
- Explanation Method
- Group Discussion
- Competition
- Book Reading
- Participatory Method
- Real time question
- Power-Point
- Class Teaching
- Problem solving sessions

7. **Guest Lectures**

*"Something different than the usual always seems interesting!"*

Guest lectures & workshops enhances the educational experience of the students. It provides them opportunity to learn new, when students are guided by the professors or the guest lectures they learn a ton, with such aim Dept. has planned to organise guest lectures workshop for the students on:

8. **Proposed Guest Lectures**

| Date | Topic | Lecturer |
|---|---|---|
| 30th Oct. 21 | Gaming effect on language | Dr. Sudheer Narayan Singh, H.O.D. & communication Department of Huminites & Management Science, MMMUT, Gorakhpur |
| 9th Feb. 22 | Literature Film & Society | Dr. Aseem Tripathi, H.O.D Department of English, K.S. Saket P.G. College Ayodhya |
| 26rt Feb. 22 | Growth of Indo-Anglian | Prof. Shikha Singh, Prof. Dept. of English Lit., literature DDU Gorakhpur University, Gorakhpur |

9. **Proposed Seven Days Workshop**

| Date | Topic | Lecturer |
|---|---|---|
| 7th Feb. 22 | Inauguration ceremony & An | Dr. Shikha Malviya, H.O.D., Dept. of English |
| | Introduction to criticism & | Lit., Brij Bihari Degree College, Kausikala, Mathura |
| | growth of criticism | |
| 8th Feb. 22 | Biographicial criticism | Dr. Mohd. Faiz Asst. Prof. Upadhi Degree College, Pilibhit |
| 9th Feb. 22 | Comparative criticism & | Dr. Mohd. Faiz Asst. Prof. Upadhi Degree College, |
| | Chicago school of criticism | Pilibhit |
| 10th Feb. 22 | Psychological criticism | Dr. Mohd. Faiz Asst. Prof. Upadhi Degree College, Pilibhit |
| 11th Feb. 22 | Myth & feminist criticism | Dr. Mohd. Faiz Asst. Prof. Upadhi Degree College, Pilibhit |
| 12th Feb. 22 | New criticism | Dr. Shikha Malviya, H.O.D., Dept. of English Lit., Brij Bihari Degree College, Kausikala, Mathura |
| 13th Feb. 22 | Practical criticism & closing | Dr. Shikha Malviya, H.O.D., Dept. of ceremony English Lit., Brij Bihari Degree College, Kausikala, Mathura |

❖ Only 30-40 students of B.A. II year & III year will be allowed to participate in the workshop. Selection of B.A. II year students for the participation will be based on their intrest for further studies in English literature.

10. **Proposed Subject Experts**

- Prof. Alok, H.O.D., Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
- Prof. Ajay Shukla, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
- Prof. Shikha Singh, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
- Dr. Anugrah Tiwari, Associate prof. Dept. of English Lit., St. Andrews College, Gorakhpur
- Dr. Pankaj Kumar Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University
- Dr. Sudheer Narayan Singh, H.O.D Department of Huminites & Management Science, MMMUT, Gorakhpur
- Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G. College, Dhara, Kushinagar.

❖ Date & Guest can be changed according to the current situation & avaibility of the guest lecturer.

11. **Competitions -** Competition not only promotes, improved teamwork & collaboration & enhances social emotional learning, but also develops academic heroes, beneficial peer comparisons & increase intrinsic motivation. So to bring all these, Dept. will organise some competitions as:

| Date | Competition | Topic |
|---|---|---|
| 30 Dec 21 | Essay Competition | Importance of voting in India |
| 23 Nov 21 | Elocution Competition | New Education policy Reflection new India |
| 4th Feb 22 | Story-writing competition | Picture will be given |
| 4th Feb 22 | Lecture competition | |
| 24th Feb 22 | Extempore | |

Last year due to covid-19 very few students were regular & so only 30% of students had participated. **This year dept. will try to train the students for the proper use of technology so they can participate even online & will inspire all the students to participate.**

12. **Problem Solving class & Remedial Class -** IV Period will be declared as Problem solving class for the Students of B.A I, II & III year. The period of 15thfeb-24thfeb will be declared as remedial class after pre-university examination to clear their doubts & to discuss their writing skill to get more marks.

13. **Shikshak Pratipusthi Prapatra -** This year too Dept. will take feedback of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month of September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college. Last year 100% regular students had filled feedback form.

14. **Self-assessment & progress report** - Dept. fills self-assessment form each & every month's last day with the progress report of the students' online. It allows us to create critical reflective practice in our own actions. It strengthens & aware about the responsibilities over own work & increase control & ownership of our professional development.

    This year too dept. will continue and try to submit both either on the last day of the month or the first day of the upcoming month as dept. has done since 2006.

15. **Value added Course** - Dept. had conducted spoken classes free of cost since 2007-2019 but due to Covid-19 last year (session 2020-2021) Dept. had postponed the scheme. **This year dept. will try to conduct spoken classes from Nov 21-Feb 22.**

16. **Library -** Dept. visits & spends at least half an hour to forty minutes in the library everyday & promotes students too to visit library & provide them lists of books to access some supplementary books.

    Dept. has its departmental library too but very few books are available in the departmental library as Dept. is attached to central library.

17. **Blog -** Last year dept. had uploaded Departmental report, one research paper & 100% of syllabus of B.A. I, II & III year and Pre-University Question Papers on the blog which is provided by the college on the college website. This year dept. will try to upload all the research paper on the blog.

18. **Technical extension -** Dept. will try to take classes on smart board this year.

19. **Swachik Shramdaan -** Dept. along with 60% students of the dept. participate in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that labourers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

    Apart from this shramdaan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness& benefits the body in so many ways.

    **Though last year due to covid 19 swachik shramdaan was suspended. I hope this year situation will be normal & Dept. will again participate in swachik shramdaan.**

## समाजशास्त्र विभाग

1. **विशिष्ट व्याख्यान** – समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 31.12.2021 प्रस्तावित विषय – ''सामाजिक परिवर्तन और युवा पीढ़ी'' विशिष्ट अतिथि डॉ. मनीश कुमार पाण्डेय सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग नेशनल, पी.जी. कालेज, बड़हलगंज, गोरखपुर

2. **शोध व्याख्यान प्रतियोगिता** – समाजशास्त्र विषय के छात्र/छात्राओं में शोध अभिरूचि बढ़ाने हेतु शोध व्याख्यान प्रतियोगिता दिनांक 18.12.2021 को प्रस्तावित है।

3. **अतिथि व्याख्यान**– समाजशास्त्र विषय के छात्र–छात्राओं हेतु प्रत्येक माह में गत सत्र की भाँति अतिथि व्याख्यान पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रस्तावित है।

4. **अतिथि व्याख्यान हेतु प्रस्तावित अतिथियों के नाम व दिनांक**
   - डॉ. श्रीराम यादव, (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर), 22.09.2021
   - डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय, (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि. गोरखपुर), 26.10.2021
   - श्री प्रकाश प्रियदर्शी (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि. गोरखपुर), 30.11.2021

5. **कक्षाध्यापन** - विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास के लिए साप्ताहिक कक्षाध्यापन महाविद्यालय की अत्यन्त महत्वाकांक्षी योजना है। विभाग द्वारा पाठ्यक्रम योजना के अनुसार सप्ताह में पाँच दिन के कक्षा के उपरान्त छठे दिन साप्ताहिक कक्षाध्यापन विद्यार्थियों द्वारा कराया जाता है जिसमें पाँच से छः दिन पहले विद्यार्थियों को 'शीर्षक' उपलब्ध करा दिया जाता है एवं निर्धारित तिथि को कक्षाध्यापन कराया जाता है। विद्यार्थी तैयार किये गये शीर्षक को निर्धारित समय में पूर्ण करता है। कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से झिझक एवं डर को दूर कर उनके अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है।

6. **कक्षाध्यापन सूची** -

| कक्षा | कक्षाध्यापन तिथि | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए. प्रथम वर्ष | NA | 7,16 | 2,9,16 | 5,20 | 11,20 | 8,16,23 | 7,17 |
| बी.ए. द्वितीय वर्ष | 23,30 | 6,14,23 | 8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6,13,24 |
| बी.ए. तृतीय वर्ष | 23,30 | 6,14,24 | 7,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6,13,22 |
| एम.ए. प्रथम वर्ष | NA | 7,16 | 2,9,16 | 5,20 | 11,20 | 8,15,22 | 6,13,22 |
| एम.ए. अन्तिम वर्ष | 23,30 | 6,14 | 1,8,15 | 4,18 | 9,18 | 7,15,22 | 6,13,22 |

7. **मासिक मूल्यांकन** - विभाग द्वारा प्रत्येक माह में पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ाये गये व्याख्यान से दीर्घउत्तरीय 3 (तीन) एवं बहुविकल्पीय आधाारित प्रश्न देकर विद्यार्थियों को निर्धारित कक्षा की घण्टी में जमा करके उसका मूल्यांकन किया जाता है और सभी विद्यार्थियों को उनके अंक बता दिये जाते हैं एवं उसका विवरण प्रगति आख्या पर अंकित कर दिया जाता है।

8. **मासिक मूल्यांकन सूची** -

| कक्षा | मासिक मूल्यांकन | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
| बी.ए. प्रथम वर्ष | NA | 26 | 25 | 27 | 29 | 31 | 24 |
| बी.ए. द्वितीय वर्ष | NA | 26 | 23 | 26 | 27 | 30 | 31 |
| बी.ए. तृतीय वर्ष | NA | 31 | 23 | 26 | 27 | 30 | 31 |
| एम.ए. प्रथम वर्ष | NA | 24 | 25 | 27 | 29 | 30 | 31 |
| एम.ए. अन्तिम वर्ष | NA | 23 | 23 | 26 | 27 | 31 | 31 |

9. **ग्राम्य दर्शन** – इस योजना के अन्तर्गत विभाग के शिक्षक गोद लिए गए गाँव का भ्रमण करने विद्यार्थियों के साथ जाते हैं। ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, सरकारी योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया जाता है। गत वर्ष की भाँति विभाग इस वर्ष निर्धारित कार्यक्रमों के साथ ग्रामीणो में जागरूकता के कार्यक्रम प्रस्तावित तिथियॉ के अनुसार करेगा।

   **ग्राम्य दर्शन की प्रस्तावित तिथियाँ-**

   - 08 अगस्त, 2021
   - 24 अक्टूबर, 2021
   - 27 फरवरी, 2022
   - 29 मई, 2022

10. **कार्यशाला** – वर्तमान सत्र में विभाग द्वारा सप्तदिवसीय कार्यशाला की योजना है जो दिनांक–23.10.2021 से 30.10.2021 तक प्रस्तावित है।

11. **पाठ्यक्रम योजना** – विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार सभी कक्षाएं संचालित होती हैं। विगत वर्षों में 16 जुलाई से स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो जाती रही है, तथा 1 अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ होती हैं। वर्तमान सत्र में 16 जून से स्नातक द्वितीय एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो चुकी है तथा स्नातक प्रथम एवं तृतीय वर्ष तथा परास्नातक प्रथम वर्ष की कक्षाएं 11 अगस्त से संचालित होंगी।

12. **समय-सारणी** – विभाग की कक्षायें पूर्णत: समय-सारणी के अनुसार संचालित होती हैं।

13. **पठन-पाठन** – समाजशास्त्र विभाग में सामान्यत: निम्नलिखित शिक्षण विधियों से पठन-पाठन कराया जाता है-

   - व्याख्यान विधि
   - प्रश्नोत्तर विधि
   - समूह चर्चा
   - प्रोजेक्टर (PPT)

14. **पुस्तकालय** – विभागीय शिक्षक अध्ययन हेतु पुस्तकालय में जाते हैं एवं विभागीय विद्यार्थियों को खाली घण्टी में पुस्तकालय में जाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करते है। पुस्तकालय के पंजिका पर आते व अध्ययन के उपरान्त समय लिखकर हस्ताक्षर किया जाता है।

15. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग द्वारा प्रत्येक सत्र में सितम्बर एवं जनवरी माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों के सुझावों के आधार या शिक्षक मूल्यांकन सुधार करता है।

16. **शिक्षक स्वमूल्यांकन** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा हर माह 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरा जाता है जिसमें शिक्षक के आने जाने का समय, किसी कार्यक्रम में स्वप्रेरणा से सहयोग, सम्बन्धित दायित्व निर्वहन आदि बातों का उल्लेख किया जाता है।

17. **यूट्यूब/फेसबुक/सोशल मीडिया** – विभाग द्वारा महाविद्यालय के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं आयोजनों का जो महाविद्यालय यूट्यूब व फेसबुक के माध्यम से सीधा प्रसारण होता है, विद्यार्थियों के कक्षा समूह पर लिंक भेजकर सम्बन्धित आयोजनों एवं कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है।

18. **तकनीकी प्रसार** – विगत सत्र में प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं विभाग के शिक्षकों द्वारा चलाई गई है। इस सत्र में सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर पर पढ़ाने की योजना है। महाविद्यालय के वेबसाइट पर शिक्षक ब्लॉग पर विभाग के शिक्षकों द्वारा पी.पी.टी. अपलोड कर दिया गया है। जिसका उपयोग विद्यार्थी कभी भी डाउनलोड करके पढ़ सकते है।

19. **प्रगति आख्या** – इसके अन्तर्गत पढ़ाये गये व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति, कक्षाध्यापन, मासिक

मूल्यांकन का अंक, आचरण व्यवहार, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं विश्वविद्यालय परीक्षा के अंकों का विवरण भरा जाता है। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थी के पठन-पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण का सुझाव देना है। इस सत्र से प्रगति आख्या पूर्णत: आनलाईन भरी जा रही है।

20. **विश्वविद्यालय पूर्व-परीक्षा** - इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय परीक्षा के मानक पर प्रश्नों को बनाकर आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए उसे विभिन्न खण्डों में विभक्त कर मासिक मूल्यांकन के प्रश्नों का स्वरूप दे दिया जाता है जिससे विद्यार्थी आगामी परीक्षा के लिए अच्छे से तैयार हो सके।

21. **गोद लिए गये विद्यार्थी** - विभाग का प्रत्येक शिक्षक प्रथम वर्ष के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेता है।

गोद लिए गए विद्यार्थियों का विवरण :

| शिक्षक | छात्र |
|---|---|
| डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय | i) रजनीश कुमार<br>ii) संजना सिंह<br>iii) नीलेश सिंह<br>iv) विनय कुमार गुप्ता<br>v) अमित कुमार गुप्ता |
| बृजभूषण लाल | i) अंगीरा निषाद<br>ii) आशीष कुमार गुप्ता<br>iii) ब्रजेश चौहान<br>iv) रोहनी चौहान<br>v) विशाल साहनी |

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या जानना एवं उचित समाधाान करना, सामूहिक, रचनात्मक कार्यो के साथ ही विभाग एवं महाविद्यालय के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभाग के लिए प्रेरित करना, एवं स्वच्छता तथा अनुशासन को बनाये रखना। उपर्युक्त विद्यार्थियों का इस सत्र में स्नातक पूर्ण हो रहा है। वर्तमान सत्र में नये विद्यार्थियों का चयन कर लिया जायेगा।

22. **पृष्ठ पोषण ( फीड बैक ) कक्षाएं** - (15-20 फरवरी 2022) इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों की त्रुटियों आदि से अवगत कराया जाता है ताकि विद्यार्थी उन्हे सुधार सके साथ ही इस प्रक्रिया में छात्रों की अच्छी विशेषताए, अच्छे कार्य एवं उनके गुणो व अच्छाइयों के बारे में बात करके उन्हे उससे अवगत कराया जाता है।

23. **प्रार्थना सभा** - महाविद्यालय में प्रार्थना सभा प्रत्येक दिन 09:25 से 09:40 तक आयोजित की जाती है जिसमें विभाग के शिक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित होते है। साथ ही विभाग के सभी विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करते है। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रार्थना सभा प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से 30 जनवरी तक सम्पन्न की जाती है इसका उद्देश्य राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना, गीता उपदेश के माध्यम से राष्ट्रप्रेम एव भक्ति भावना का भाव जागृत करना है तथा प्रत्येक कार्यदिवस में पड़ने वाले महापुरुषों की जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि तथा अन्य महत्वपूर्ण दिवसों पर उद्बोधान के माध्यम से प्रेरित किया जाता है।

24. **स्वैच्छिक श्रमदान** – इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती है। इस दिन 01 घण्टे 10 मिनट के समय में महाविद्यालय के शिक्षको एवं विद्यार्थियों के साथ विभाग के सभी शिक्षक स्वैच्छिक श्रमदान करते है। इसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

25. **निःशुल्क चिकित्सा** – महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह में दो दिन चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है। विभाग के शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय के आस-पास के गांवो में स्वास्थ्य लाभ हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है।

26. **राष्ट्रीय सेवा योजना** – महाविद्यालय की स्थापना काल से ही यह योजना लागू है। विभाग के शिक्षक श्री बृजभूषण लाल वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे है। साथ ही विभाग के शिक्षक समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थियों को सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित करते है।

27. **रोवर्स रेंजर्स** – महाविद्यालय में गत वर्ष की भांति यह योजना लागू है विभाग के शिक्षक श्री बृजभूषण लाल रोवर्स रेंजर्स प्रभारी के रूप में इस सत्र में अपना दायित्व का निर्वहन कर रहे है।

28. उपर्युक्त के अतिरिक्त शिक्षक आचार संहिता का पालन करना, महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखना, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना, बिजली पानी की बचत, परिसर संस्कृति के अनुरूप शिक्षक, विद्यार्थी आचरण/व्यवहार बनाये रखना आदि के लिए शिक्षक द्वारा समय-समय पर प्रेरणा दी जाती है।

**नोट**– उपर्युक्त विभागीय कार्यक्रम की तिथि/अतिथि के सन्दर्भ में समय एवं विशेष परिस्थिति के आधार पर परिवर्तन हो सकता है। यह सभी कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

## Psychology Department

The annual departmental plan of the psychology department has been prepared keeping in mind the personal, educational, behavioral and social upliftment of the students. For this work, after reviewing the progress report of the students, the efforts of the teachers regarding them have been outlined. The annual plan for lectures, seminars, workshops, competitions etc. is made keeping in mind the curriculum plan.

Since its inception, the educational objective of the Department of Psychology has been full of various dimensions like positive, developmental, interesting, innovative etc. All the teachers of the department are committed to fulfill these objectives. The heart of the action plan of the Department of Psychology is always to come true to the ground of reality. Departmental action plan of Psychology Department are –

1. **Start of the Session -** After the completion of the admission process by July 30, it has been decided to conduct the first year and third year classes from August 11. Classes for the second year of graduation have started from 16th June and will be completed by 30th January as per the course plan.
2. **Time Table -** Every class in the college is conducted according to the time table, the class of psychology will also be conducted according to the time table.
3. **Practical Classes -** The practical classes for the undergraduate classes will start from August 16. Field work will be done after completing the laboratory work of third year classes by December 30.
4. **Laboratory -** The laboratory will be kept updated. The cleanliness and safety of the laboratory will be ensured. For the purchase of necessary equipment and other materials for the laboratory, the demand letter will be sent to the principal through the laboratory in-charge. Experimental equipment will be entered in the store register, the test and verification of the storage register will be done by the laboratory in-charge

and principal in the month of March at the end of the session.

5. **Teaching – Learning Process**
It will be the goal of the department that the teaching-learning can be effective and of high quality. According to the syllabus plan, the syllabus of all classes will be completed by January 30, if due to any reason the syllabus of any question paper of any class will not be completed by January 30, then the concerned Teachers will complete the syllabus by teaching additioNAl classes on the basis of the permission of the principal.

6. **Course Plan -** Under this scheme the course plan is made well before the start of academic session and it is made open to everyone on the website of the college. In course plan the title and theme of the theory as well as practical classes are declared for everyday and students are well aware of it before coming to the college. In this session it was also uploaded on website. Classes of BA/BSc II are proposed from 15th June and theory classes of BA/BSc I & III are proposed from August 11.

7. **Innovations in Class Teaching -** The use of smart boards, projectors, charts, models, etc., as aids in classroom teaching, will continue as in the previous sessions. All classes will be conducted through projectors. The lectures of all the question papers will be prepared and uploaded on the teacher blog of the college website. Apart from this, the departmental teachers will also put other text materials which will be useful for the students on their own blogs. Efforts will be made to provide information about other subjects to the students of psychology subject under the inter-disciplinary method. In each class, in the order of informal conversation by the departmental teachers, discipline, nation, society and college will be discussed in the context of life vision.

The following teaching methods will be used by Department of Psychology in classroom teaching:

- **Teaching Methods**

1. **Live Classes :** E – Learning platform will be used in which live class conduct and interaction with students will be done through video conferencing.

2. **Power Point Presentation :** In this method, the class will be conducted with the help of projector by presenting the PPT prepared on various topics of the syllabus.

3. **Lecture / Explanation Method :** Like in the previous sessions, the teachers will use the method of lecture/Explanation to explain the various topics, facts and explain the contents in sequential and logical manner.

4. **Participatory Method :** The teaching process is made effective and purposeful by making full active participation of teacher – student during class.

5. **Inclusive education technique :** In the classroom, possible efforts are made to integrate the students with the mainstream keeping in view the specific needs of the students such as physical, intellectual, cognitive and socio – cultural etc.

6. **Learning by doing :** By doing learning, complex tasks can be learned easily, so in psychology teaching, students are provided with the opportunity to learn by doing different tasks directly.

7. **Group Discussion :** Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

8. **Class Teaching :** Class Teaching helps students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

8. **Weekly Class Teaching -** In this scheme every 6th day of the class is attributed to the class teaching made by the students. Class Teaching helps them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability. For class teaching, on the first day of the beginning of the session i.e. 5 days before the class teaching, the Names and subjects of the students teaching the class will be decided and declared in the class. Preparation of students for classroom teaching will be done outside the classroom. On the day of class teaching, one by one the students will be taught the class on a predetermined topic. The students who have taught the class will not be given a second chance until one cycle of all the students is completed. The details of the students teaching the class will be kept by the departmental teachers with giving them marks in round of 10 marks. In class teaching, students will be motivated to present their subject matter properly.

   Like previous years, this year also this scheme will continue.

9. **Weekly Class Teaching Dates**

| Class | Class Teaching | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | July | Aug | Sept | Oct | Nov | Dec | Jan |
| B.A./ B.Sc. I | NA | 07,16,24 | 02,09,16 | 05,20 | 09,18 | 07,15,22 | 06,13 |
| B.A./ B.Sc. II | 23,30 | 06,14 | 01,08,15 | 04,18 | 09,18 | 07,15,22 | 06,13 |
| B.A./ B.Sc. III | 23,30 | 06,14 | 01,08,15 | 04,18 | 09,18 | 07,15,22 | 06,13 |

10. **Summary of the Lesson -** Students will not be given a photocopy of their lecture in every class by the teacher. As an alternative arrangement, students can get the course material of the subject through PPT uploaded on the teacher blog of the college website.

11. **Monthly Evaluation (Assessment) -** Last days of class teaching of every month is scheduled as monthly test to evaluate the academic performance of the students. In order to know the desired behavioral changes of the students, a structural assessment is designed on the subject matter taught in each month, in which quantitative assessment of student's achievement and ability is done by multiple choice and essay type questions. Like previous years, this year also this scheme will continue.

**Monthly Assessment Dates**

| Class | Monthly Assessment | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | July | Aug | Sept | Oct | Nov | Dec | Jan |
| B.A. / B.Sc. I | NA | NA | 25 | 26 | 27 | 30 | 22 |
| B.A. / B.Sc. II | NA | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 22 |
| B.A. / B.Sc. III | NA | 23 | 23 | 26 | 27 | 30 | 22 |

12. **Progress Report -** It is a record of the activities of students. Basically the records of the students that are maintained in progress report are attendance of the student, participation in class teaching and monthly evaluation, their character and behavior in the class and college premises, performance in pre-university exam and university exam etc. This scheme will be applicable in this session like every session. Progress report will be uploaded on the website by 10th of every month.

13. **Analysis of Progress Report -** The analysis of Progress Report is made every year at the end of the session. It is annexed with Progress Report. Through this report the performance of entire classes and achievement are analyzed and it becomes the base of our performance for upcoming academic session.

14. **Self-Assessment Report -** SAR is a technique of self-evaluation by the faculty members. All faculty members follow it. . SAR of every month is submitted by the 8th day of the next month. This SAR is the

gist of duties and responsibilities performed by faculty members. It also includes the innovation, if any, made individually or in collaboration with other faculty members. It is a means of evaluation of continuous progress in the performance. SAR is observed by the Principal of the college. From previous session SAR is filled online at the college website. In this session it will also continue.

15. **Faculty Feedback Report -** It is a technique to get the response from the students about the faculty members. In this process the students are given a particular form to fill about the academic performance and personal conduct of the faculty. Through this technique the faculty members improves their depth of knowledge and social behavior. This activity is performed twice in a year (September & January) and the copy of it is kept in the office for the observation by the Principal.

16. **Adopted Students -** It is the scheme in which every faculty member is expected to adopt five students at least. These students belong to NSS, hostel, Rover Rangers, and class representatives. The faculty members are expected to monitor and interact with them regularly and help them in personality development. The adopted students of Dr. Venkat Raman are –

| | | |
|---|---|---|
| 1. Arachna Sahini | B.A. I | Class Representative |
| 2. Sushma Kumari | B.A. I | N.S.S. |
| 3. Anugya Bharti | B.A. III | N.S.S. |
| 4. Sonu Nishad | B.A. I | N.S.S |
| 5. Vacant (It will be filled in this session) | | |

Dr. Amit Kumar Tripathi –

| | | |
|---|---|---|
| 1. Mamta Mishra | B.A. I | NCC |
| 2. Anand Raj | B.A. I | |
| 3. Aakansha | B.A. I | N.S.S. |
| 4. Vishwajeet Ajay Mishra | B.Sc . I Bio | N.S.S |
| 5. Vishal Gond | B.A. I | N.S.S. |
| 6. Shivani Maddheshia | B.A. I | N.S.S. |

17. **Adopted Village -** To interact with local people and to develop public relation all faculty of the department adopt a village nearby the college and they visit there frequently. The Department of Psychology has adopted the villages Chhoti Jamunahiya which are about 3km. away from the college. Department are expected to understand the life and problems of the villagers and, if possible, do something better for them. The villagers are also made aware of government schemes so that they can get the maximum benefits. In this session, village tour is proposed to be held on August 8, October 24, February 27 and May 29.

18. **Village Tour schedule**

**August 2021**

| Date | Day | Time | Program |
|---|---|---|---|
| 08-08-2021 | Sunday | 10:00 A.M. onwards | Village Tour |

**October 2021**

| Date | Day | Time | Program |
|---|---|---|---|
| 24-10-2021 | Sunday | 10:00 A.M. onwards | Village Tour |

**February 2022**

| Date | Day | Time | Program |
|---|---|---|---|
| 27-02-2022 | Sunday | 10:00 A.M. onwards | Village Tour |

**May 2022**

| Date | Day | Time | Program |
|---|---|---|---|
| 29-05-2022 | Sunday | 10:00 A.M. onwards | Village Tour |

19. **Voluntary Contribution of Labour -** In this activity the faculty members and students contribute their labour for cleanliness and making eco-friendly environment of the college. This scheme is voluntary and performed on every weekend. It continues for one and half an hour on every weekend. In this session also this scheme will continue as before.

20. **Remedial Course -** At the end of academic session remedial course is conducted to enhance the proper understanding of the subjects and allied themes. In this course the focus is given on those students who join the college late. Their unattended course is completed and their doubts are made clear. Exam related doubts are also made clear to the students. In this session these classes are proposed from 1st to 8th February 2022.

21. **Remedial Classes Dates**

| Date | Day | Time | Program |
|---|---|---|---|
| 01-02-2022 | Tuesday | 10:00-11:30 A.M | Remedial Class |
| 02-02-2022 | Wednesday | 10:00-11:30 A.M | Remedial Class |
| 03-02-2022 | Thursday | 10:00-11:30 A.M | Remedial Class |
| 04-02-2022 | Friday | 10:00-11:30 A.M | Remedial Class |
| 05-02-2022 | Saturday | 10:00-11:30 A.M | Remedial Class |
| 07-02-2022 | Monday | 10:00-11:30 A.M | Remedial Class |
| 08-02-2022 | Tuesday | 10:00-11:30 A.M | Remedial Class |

22. **Pre-University Exams -** Every year Pre-University exam is conducted and it is based on the pattern of University exams. The papers are made by faculty members with the help of previous years question papers. The exams are conducted to make the University exam student friendly. In this session also pre-university examination will be conducted.

23. **Departmental Blog -** From last two years departmental blogs are being updated by the department. Every faculty members has been given their user id and password to update the blogs. On the blogs audio-visual study materials like PPT, PDF, Doc., YouTube clips are made available to the students. On the departmental blogs more than 150 PPT and PDF study materials are available for the students. They can also access the research papers of the faculty members. It will be updated from time to time in this session also.

24. **Alumni -** Department of Psychology keeps the record of pass-out students and tries to remain in contacts with them. The department is having a list of such students and it is updated every year. The existing and new students get benefits due to the presence of old students, so this scheme will continue to run smoothly in this session as well.

25. **Guidance and Counselling Services -** The Department will arrange the service of Guidance and Psychological Counselling for College Students, Faculty and Staff. The aims of guidance and counselling programs are to assist individuals to develop the ability to understand them, to solve their own

problems, and to make appropriate adjustments to their environment. The objectives of guidance programme students are :

i) Help students to make appropriate choice of course(s) in accordance with their abilities and interest.
ii) Help them to plan their career based on the choice of course.
iii) Make them aware of various job opportunities related to various courses.

26. **Training of Counselling skills -** Counseling skills training will be arranged for the students of psychology department. It help them to become a good counselor in future.
27. **Discipline -** The teachers of psychology department will take the responsibility of discipline around the psychology department.
28. **Library -** According to the plan of the college, every teacher will make good use of his free time in the library to increase his talent and stay updated. In this regard every faculty of the department studies sitting in the library and registers their presence on the library register, this sequence will be continued by the faculty of the department this year as well.
29. **NAAC & IQAC -** The department will continue to make available the records sought by NAAC from time to time.
30. **Prayer Meeting -** Every day a prayer meeting is organized in the college from 9:20 am to 9:40 am, in which the teachers of the department compulsorily participate; this scheme will be applicable this year also.
31. **E-Content on Government Digital Library -** The e-content was uploaded on the digital library by the faculty member of psychology department in the last session which will be applicable in this session also.
32. **Uses of Smart Board -** Like the previous session, in this session also the smart board will be used by the faculty of the department for teaching work.

- **Workshop & Lectures -** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students. In workshop by learning about new topics and meeting leaders in their field student feels encouraged and motivated. Listening to any prominent personality in workshop helps the student to gain information about their way of work or how things take place. In this regard Department of Psychology has planned several workshops and guest lecturers in this session.

**December 2021**

| Date | Day | Time | Program |
|---|---|---|---|
| 28-12-2021 | Tuesday | 09:40 – 10:30 A.M. | Workshop |

**List of Expected Guest of Workshop, Invited Lecture and Lecture Competition**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Dr. Sheela Singh | Associate Professor (Retd.) Digvijinath P.G. College, Gorakhpur |
| 2. | Prof. Anubhuti Dubey | Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur |
| 3. | Prof. Dhananjay Kumar | Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur |
| 4. | Dr. Sushil Tiwari | Associate Professor (Retd.) St. Andrew's College, Gorakhpur |
| 5. | Dr. Premlata Verma | Associate Professor (Retd.) Bapu P.G. College, Pipiganj, Gorakhpur |
| 6. | Dr. Vivek Shahi | Assistant Professor, Digvijinath P.G. College, Gorakhpur |
| 7. | Dr. Vinod Gupta | Assistant Professor, D.A.V.P.G. College, Gorakhpur |
| 8. | Dr. Abhay Pratap Singh | Assistant Profesor, Akhilbhagya P. G. College, Ranapar, Gorakhpur |

**Note :** It is possible to change the dates, time and Name of Gust of the above departmental programs according to the current circumstances.

## वाणिज्य विभाग

**प्रस्ताविकी** – स्वदेश, स्वधार्म, स्वतंत्र और स्वाभिमान के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। शिक्षा परिषद और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि महाराणा प्रताप स्नातकोतर महाविद्यालय में अध्ययन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा को प्राप्त करे।

शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र गोरखपुर के ग्रामीण अंचल की क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरुप छात्र-छात्राओं में नेतृत्व एवं प्रशासनिक कुशलता के विकास एवं रोजगार प्राप्त करने हेतु सुयोग्य बनाने के उद्देश्य से स्थापना काल से वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ बी.काम, तीन वर्षीय पाठ्यक्रम एवं सत्र 2015-16 से एम.काम. दो वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। अतः वर्तमान सत्र 2021-22 में उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ती हेतु विस्तृत विभागीय कार्यक्रम एवं कार्ययोजना अधोवर्णित है।

**नोट** – किन्ही विशेष परिस्थिति में प्रस्तावित कार्यक्रम की तिथि एवं आमंत्रित अतिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

| क्र.सं. | दिनांक | विवरण |
|---|---|---|
| 1. | 16 जुलाई 2021 | अभिरुचि व्याख्यान (शिक्षा कैसी होनी चाहिए? वर्तमान परिदृश्य में इसका स्वरूप) – व्याख्याता : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |
| 2. | 08 अगस्त 2021 | ग्राम-दर्शन – गाँव की स्थिति का अध्ययन – संयोजक : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |
| 3. | 18 अगस्त 2021 | अभिरुचि व्याख्यान (भविष्य में भारत की अर्थव्यवस्था) – व्याख्याता : श्री नन्दन शर्मा |
| 4. | 5 सितम्बर 2021 | स्नातक प्रथम वर्ष परिचय समारोह व स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष परिचय समारोह – संयोजक : श्री नन्दन शर्मा |
| 5. | 11 सितम्बर 2021 | अभिरुचि व्याख्यान (आधुनिक परिदृश्य में प्रबन्ध का बदलता स्वरूप) – व्याख्याता : सुश्री श्वेता |
| 6. | 28 जनवरी 2022 | एक दिवसीय कार्यशाला (परीक्षा प्रश्नों का उत्तर लेखन कला) – संयोजक : श्री नन्दन शर्मा |
| 7. | 27 फरवरी 2022 | ग्राम-दर्शन- गाँव में शिक्षा स्तर का मूल्यांकन – संयोजक : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |
| 8. | 29 मई 2022 | ग्राम-दर्शन- गाँव में स्वच्छता, स्वास्थ्य व शिक्षा का मूल्यांकन व आगामी ग्राम-योजना – संयोजक : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |

1. **पाठ्यक्रम योजना** – सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वार्षिक योजना निर्धारण बैठक में विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित शैक्षिक कार्यदिवस ज्ञात होते ही विस्तृत पाठ्यक्रम योजना निर्धारित कर दी जाती है। पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कार्यदिवस में प्रत्येक पाठ्यक्रम में दैनिक व्याख्यान का शीर्षक व संख्या

विषय वार उपलब्ध होता है। विद्यार्थी इस योजना में वार्णित शीर्षक का पूर्व अभ्यास कर व्याख्यान में उपस्थित होता है फलस्वरूप ज्ञान अर्जन सहज हो जाता है।

यह योजना महाविद्यालय की वेवसाइट www.mpm.edu.in पर अपलोड कर दी गई है। विद्यार्थी इसे कभी भी देखकर इसका अनुसरण कर सकते है।

2. **कक्षाध्यापन** - प्रत्येक पाठ्यक्रम/कक्षा में एक सप्ताह में एक विषय के पांच व्याख्यान पूर्ण होने पर छठवें दिवस उस सप्ताह में पढ़े गये शीषर्क/पाठ पर विद्यार्थियों द्वारा अपने सहपाठियों एवं विषय शिक्षक के समक्ष कक्षाध्यापन किया जाता है। विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन के दिन शिक्षक भी इस भूमिका में उपस्थित रहते है। इस विधि से विद्यार्थियों में अर्जित ज्ञान की मौखिक अभिव्यक्ति व सम्प्रेषण कौशल के रूप में व्यक्तित्व विकास के आयाम प्राप्त करने में समर्थन मिलता है।

विद्यार्थियों को एक सप्ताह पूर्व ही पाठ्यक्रम योजना अनुसार शीर्षक तय कर दिये जाते है। विद्यार्थियो को चक्राक्रमानुसार कक्षाध्यापन का अवसर दिया जाता है परिणाम स्वरूप प्रत्येक विद्यार्थी को कक्षाध्यापन का अवसर प्राप्त होता है। पाठ्यक्रम योजना अनुसार प्रत्येक पाठ्यक्रम/कक्षा की माहवार कक्षाध्यापन तिथियाँ तालिका में उल्लेखित है जिसके अनुसार वर्तमान सत्र में विद्यार्थी कक्षाध्यापन विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।

| कक्षा | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बी.कॉम. भाग–1 | लागू नहीं | 05,06,07 12,14,16, 31 | 01,02,06, 07,08,13, 14,15,30 | 01,04,09, 11,18,23, 25,26 | 11,12,13, 20,22,23 | 08,09,11, 16,17,18, 23,24,27 | 07,08, 10,17, 18,19 |
| बी.कॉम. भाग–2 | 20,22, 23,28, 29,30 | 05,06,07, 12,14,16, 31 | 01,02,07, 08,09,14, 15,16 | 01,04,05, 11,18,20, 21,22,23 | 12,16,17, 23,25,26 | 11,13,14, 18,20,21, 27,28,29 | 10,11, 12,20,21 |
| बी.कॉम. भाग–3 | 20,22, 23,28, 29,30 | 05,06,07, 12,14,16, 31 | 01,02,07, 08,09,14, 15,16 | 01,04,05, 11,18,20, 21,22,23 | 12,13,16, 22,23,25 | 09,11,15, 17,18,20, 24,27,28 | 08,10, 11,18, 19,20 |
| एम.कॉम. प्रथम वर्ष | लागू नहीं | 09,10,11, 12,14,16 | 10,11,13 | 01,04,05 | 12,13,16, 17,18,20 | 17 | 03,04, 05,06,07 |
| एम.कॉम. अन्तिम वर्ष | 22,23, 29,30 | 06,07,14, 16 | 01,02,08, 09,15,16 | 04,05,18, 20,21,22, 23 | 12,13,16, 22,23,25 | 09,11,13, 17,18,20, 24,27,28 | 08,10, 11,18, 19,20 |

4. **मासिक मूल्यांकन** - विस्तृत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रत्येक माह के अन्त में प्रत्येक विषय/प्रश्नपत्र में उस माह में पढ़ाए गये अध्याय आधारित प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन किया जाता है। मासिक मूल्यांकन में पूछे गये प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में दिये जाने वाले प्रश्नपत्र का अध्याय आधारित भाग होता है। प्रत्येक माह में विद्यार्थियों का मूल्यांकन 35 अंक निर्धारित किया गया है। इस प्रकार अगस्त से

लेकर जनवरी तक कुल छः बार मूल्यांकन कर 210 अंको में उनकी उपलब्धि पता चल जाती है। 210 अंको में 180 अंक के सैद्धान्तिक प्रश्न होने है और 30 अंक आचरण व्यवहार के मूल्यांकन हेतु होता है।

वाणिज्य विभाग द्वारा प्रत्येक माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन की निर्धारित तिथियां तालिका में वर्णित कर दी गई है।

| कक्षा | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| बी.कॉम. भाग-1 | 21,23,24 | 21,22,23 | 27,28,29 | 29,30 | 01,31 | 01,03,24, 27,28 |
| बी.कॉम. भाग-2 | 21,23,24 | 22,23,25 | 28,29,30 | दिसम्बर प्रथम सप्ताह में | 01,02,03 | 03,04,05, 28,29,30 |
| बी.कॉम. भाग-3 | 21,23,24 | 22,23,25 | 28,29,30 | 30 | 01,02 | 01,03,04, 27,28,29 |
| एम.कॉम. प्रथम वर्ष | 25,26, 27,31 | 01,02,14, 15,16,27, 29,30 | 21,22, 23,25, 26,27 | 30 | 01,02,03, 08,18,20, 21,22,23 | 21,22,24 |
| एम.कॉम. अन्तिम वर्ष | 23,24 | 23,25 | 28,29,30 | 30 | 01,02 | 01,03,04, 27,28,29 |

5. **मासिक मूल्यांकन परिणाम** – माह के अन्त में प्रत्येक विषय/प्रश्नपत्र का मासिक मूल्यांकन-परिणाम महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आनलाइन प्रगति आख्या पर दर्ज कर दिया जायेगा। इस प्रगति आख्या को विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक कभी भी देख कर स्थिति जान सकते है।

6. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** – प्रत्येक माह के पांचवे कार्यदिवस पर विभाग के शिक्षकों द्वारा स्वयं द्वारा किये गए गत मासिक कार्यों के विषय में मूल्यांकन किया जाता है। इसमें पठन-पाठन की सामान्य समीक्षा के अतिरिक्त स्वप्रेरणा से महाविद्यालय एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं समाज के प्रति किये गये कार्यों का भी उल्लेख किया जाएगा। वर्तमान सत्र में यह प्रपत्र कालेज वेबसाइट के माध्यम से जनसामान्य को समर्पित होगा।

7. **प्रगति आख्या** – प्रत्येक माह में स्व-मूल्यांकन प्रपत्र दर्ज करने के साथ ही विद्यार्थियों की कक्षावार प्रगति-आख्या महाविद्यालय की वेबसाइट पर दर्ज कर दी जाएगी। प्रगति आख्या में प्रत्येक माह में शिक्षक व्याख्यान संख्या, विद्यार्थियों को व्याख्यान में उपस्थिति, साप्ताहिक कक्षाध्यापन में विद्यार्थी की सहभागिता एवं उनके आचरण व्यवहार से सम्बन्धित प्राप्तांक एवं मासिक मूल्यांकन में उसका प्रदर्शन दर्ज किया जायेगा प्रगति आख्या देखकर विद्यार्थियों के अभिभावक घर बैठे ही अपने पाल्यों की प्रगति की समीक्षा कर सकते हैं।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग द्वारा वर्ष में दो बार 06 सितम्बर व 23 जनवरी को छात्रों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाएगा। इस सत्र में यह प्रपत्र महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से भरवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रपत्र में विद्यार्थियों द्वारा दी गई सूचना का प्रयोग शिक्षक अपने व्यक्तित्व में उतार कर अपनी कमियों को दूर करेंगे एवं अपनी-अपनी शिक्षण शैली का परिमार्जन करेंगे।

9. **गोद लिये गये छात्र** – वाणिज्य विभाग द्वारा पंजीकृत छात्रों को गोद लेने की परम्परा विकसित की गई है विभाग का प्रत्येक शिक्षक न्यूनतम पांच विद्यार्थी को गोद लेता है। इस हेतु शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थी के सभी अकादमिक सामाजिक एवं व्यक्तिगत गतिविधियों एवं सूचनाओं को जाना जाता है और संवाद के माध्यम से सुधार एवं सम्बल प्रदान करने के दृष्टिकोण से उचित मार्गदर्शन किया जाता रहा है। इस वर्ष में भी सभी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गोद लेने की प्रक्रिया 05 सितम्बर तक पूर्ण कर ली जाएगी।

   विभाग में शिक्षक श्री नन्दन शर्मा द्वारा गोद लेने हेतु पांच स्थान रिक्त है।

10. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम** – वाणिज्य विभाग द्वारा मूल्य परक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा जिसका विवरण निम्न है–
    - **कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम – विवरण** – इस पाठ्यक्रम में बी.काम. भाग एक एवं दो के पंजीकृत विद्यार्थी आवेदन द्वारा प्रवेश पा सकेंगे। इसकी प्रशिक्षण अवधि 40 घंटे होगी, जिसमें सामान्य कम्प्यूटर उपयोग से सम्बन्धित पाठ्यक्रम तय करके प्रशिक्षण दिया जाएगा और परीक्षा द्वारा मूल्यांकन करके प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

      **नोट**– प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में सीटों की उपलब्धता सीमित की जा सकती है एवं आवश्यक परिचालन शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा।
    - **कार्यालय प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम- विवरण** – इस पाठ्यक्रम में बी.काम. भाग एक, दो व तीन एवं एम.काम. प्रथम व अन्तिम वर्ष के चयनित एवं पंजीकृत विद्यार्थी प्रवेश पा सकेगें। इस पाठ्यक्रम की न्यूनतम अहर्ता कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण अथवा अन्यत्र से कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र होगी। इस पाठ्यक्रम की अवधि 30 घंटे होगी जिसमें विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यालयी कार्यों को करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। परीक्षण द्वारा योग्य विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

11. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय द्वारा निर्धारित साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान के साथ-साथ वाणिज्य विभाग द्वारा गोद लिए गये गांव जंगल तिनकोनियों नं. 02 में साप्ताहिक स्वच्छता, स्वास्थ्य और शैक्षिक अभियान संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य गोद लिए ग्राम में जीवन स्तर से जुड़ी समस्या का पता करके उत्थान हेतु सकारात्मक प्रयास करना है।

12. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा** – फरवरी माह में 05-16 फरवरी में आयोजित होने वाली विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में विभाग द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई जायेगी। इस हेतु परीक्षा प्रश्न पत्र तैयार करना परीक्षा अवधि में आवंटित कक्ष परिवेक्षण, उत्तर पुस्तिका मुल्यांकन एवं अतिम विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम भी निर्धारित विधि से तैयार किया जाएगा।

13. **उपचारात्मक कक्षा** – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरान्त 18 से 22 फरवरी तक उपचारात्मक कक्षाएं सम्बन्धित विषय अध्यापकों द्वारा संचालित की जाएगी।

14. **विभागीय पूर्व छात्र सम्मेलन** – वाणिज्य विभाग द्वारा 05 जून 2022 में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन एवं उसमें छात्र उपयोगी नये विकसित आयामों की जानकारी प्राप्त कर उसे अध्ययन-अध्यापन विधियों में शामिल करना प्रमुख रहेगा।

15. **शिक्षण विधियाँ** – वाणिज्य विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में अग्रलिखित शिक्षण विधियां अपनाई जाएगी जिसका संक्षिप्त स्वरूप वर्णित है।
    - **प्रोजेक्ट विधि**– इस विधि के अन्तर्गत कक्षा व्याख्यान से सम्बन्धित महत्वपूर्ण एवं विस्तृत बिन्दुओं को पी. पी.टी. एवं पी.डी.एफ. प्रस्तुती के माध्यम से व्याख्या की जाएगी।

- **व्याख्यान विधि**- इस विधि में दैनिक पाठ्यक्रम योजना अनुसार अध्याय शीर्षक पर विभिन्न श्रोतों से पूर्व में व्याख्यान तैयार कर छात्रों के समक्ष इसकी व्याख्या की जाएगी।
- **सामूहिक चर्चा ( केस स्टडी ) विधि** :- इस विधि में विद्यार्थियों के समक्ष महत्वपूर्ण शीर्षक तय कर उन्हें इस पर जानकारी एकत्र करने को निर्देशित किया जाएगा और प्रत्येक सहभागी छात्रों को विद्यार्थी कक्षाध्यापन के समय अपना पक्ष रखने को कहा जाएगा। इस विधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में तर्क क्षमता एवं समस्या की समीक्षा करने की योग्यता का विकास करना होगा।

16. **मासिक शिक्षक बैठक** - वाणिज्य विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में प्रत्येक माह के अंतिम कार्यदिवस में विभागीय बैठक कर गत माह में किये गए कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी माह में सम्पन्न होने वाले कार्यों की समीक्षा एवं निष्पादन योजना तय कर दी जाएगी। इसी क्रम में जुलाई माह में 16 जून 2021 से आनलाइन कक्षा प्रारम्भ होने के उपरान्त एवं 05 जुलाई से महाविद्यालय परिसर में परम्परागत कक्षा प्रारम्भ करने एवं विभागीय कार्यों के सफल निष्पादन हेतु बैठक कर वर्तमान सत्र में प्रमुख कार्यों के प्रभारी निर्धारित कर दिये गये है। जिसका विवरण निम्नवत है-

| क्र.सं. | विभागीय कार्य | प्रभारी शिक्षक |
|---|---|---|
| 1. | प्रगति आख्या (सम्पूर्ण) | श्री चन्दन कुमार ठाकुर |
| 2. | जीवन वृत्त | श्री चन्दन कुमार ठाकुर |
| 3. | विभागीय कार्यक्रम रिपोर्ट | श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |
| 4. | ग्राम दर्शन रिपोर्ट | श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |
| 5. | गोद लिए गये छात्र | सुश्री श्वेता |
| 6. | पाठ्यक्रम योजना | श्री नन्दन शर्मा |
| 7. | पाठ्यक्रम (विवरण) | श्री नन्दन शर्मा |
| 8. | उद्यमिता व स्वरोजगार | श्री नन्दन शर्मा |
| 9. | स्व-मूल्यांकन प्रपत्र | श्री चन्दन कुमार ठाकुर |
| 10. | स्नातक से स्नातकोत्तर विवरण | श्री नन्दन शर्मा |
| 11. | स्वैच्छिक श्रमदान | श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |
| 12. | छात्र विविधता | श्री नन्दन शर्मा |
| 13. | शिक्षक आचार संहिता | सुश्री श्वेता |
| 14. | विभाग के भविष्य की योजना | श्री नन्दन शर्मा |
| 15. | लेखांकन प्रशिक्षण | श्री नन्दन शर्मा |
| 16. | कम्प्यूटर प्रशिक्षण | श्री नन्दन शर्मा |
| 17. | अतिथि व्याख्यान दाता सूची | सुश्री श्वेता |
| 18. | विभाग के पूर्व छात्र | श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |
| 19. | शिक्षक ब्लाग 1. स्नातक स्तर - | श्री नन्दन शर्मा |
| | 2. स्नातकोत्तर स्तर - | श्री चन्दन कुमार ठाकुर |

17. **शिक्षक ब्लॉग** – सभी शिक्षकों के द्वारा विषय से सम्बन्धित व्याख्यान के समानान्तर सामग्री को पी.पी.टी. व पी.डी.एफ. रूप में शिक्षक ब्लाग पर कक्षा व्याख्यान विषय सामग्री सारांश के रूप में महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।
18. **स्मार्ट बोर्ड व कॉलेज यूट्यूब चैनल** – प्रत्येक शिक्षक के द्वारा इस सत्र में कम-से-कम 5 कक्षा स्मार्ट बोर्ड पर संचालित करने का प्रयास किया जायेगा व स्मार्ट बोर्ड की संचालित कक्षा को संरक्षित कर कॉलेज के यूट्यूब चैनल पर अपलोड करना और विद्यार्थियों को चैनल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
19. **शैक्षिक भ्रमण** – बी.कॉम. व एम.कॉम. के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जायेगा। शैक्षिक भ्रमण तिथि परिस्थिति अनुसार तय की जाएगी।
20. **शोध-विधि** – स्नातक व परास्नातक के विद्यार्थियों में अन्वेषण एवं शोध की भावना विकसित करने हेतु उनको वर्तमान वित्तीय वर्ष की आर्थिक व कर से सम्बन्धित विषय पर उनके समक्ष एक शोध समस्या निर्धारित की जायेगी जिससे उनमें प्रेक्षण, चिन्तन, तार्किकता की क्षमता का विकास हो सके। इसमें शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक की तरह होगी।

**नोट**– 5 सितम्बर 2021 को स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के परिचय समारोह में महाविद्यालय के पूर्व छात्र जो किसी विशेष कार्यभार पर आसीन हैं, उन्हें आमन्त्रित किया जायेगा।

## बी०एड्० विभाग

**जुलाई-2021**

**A )** सत्रारम्भ के प्रथम सप्ताह – कार्यशाला
विषय- कार्यपद्धति, भाषा परिसर संस्कृति

**B ) विभागीय योजनाएँ**

1. प्रार्थना सभा – प्रार्थना सभा महाविद्यालय की आत्मा है। यह प्रत्येक शैक्षिक दिवस 9:20 से 9:40 तक होता है। इसमें विभाग के प्रत्येक शिक्षक-विद्यार्थी सकारात्मक भाव से उपस्थित होकर प्रार्थना, वन्दना के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हैं। इस सत्र में प्रार्थना सभा प्रभारी बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता हैं। श्रीमद्भगवत गीता के महत्वपूर्ण श्लोकों का पाठ बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
2. समय-सारणी – महाविद्यालय में प्रत्येक कक्षाएं समय-सारणी के अनुसार चलती हैं, जिसमें बी.एड्. विभाग की अपनी समय-सारणी के अनुसार कक्षाएं चलेंगी।
3. महाविद्यालय ब्लॉग – महाविद्यालय के वेबसाइट पर सभी शिक्षक के ब्लाग हैं। जिसमें सभी शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित कन्टेंट अपडेट करते हैं। जिसे विद्यार्थी या अन्य कोई भी देख-पढ़ सकते हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी के माध्यम से अतिरिक्त कन्टेंट उपलब्ध कराना है। जिससे अनौपचारिक रुप से भी पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जा सके, यह इस सत्र में भी लागू रहेगा।
4. राज्य स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी – डिजिटल लाइब्रेरी पर ई-कंटेन्ट महाविद्यालय द्वारा पिछले सत्र में सभी शिक्षकों ने अपने ई-कंटेंट अपलोड किये थे, जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
5. स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग – महाविद्यालय प्रत्येक सत्र में तकनीकी के क्षेत्र में नवाचार करता है, जिससे शिक्षक-छात्र अधिगम का विकास हो। इस उद्देश्य के साथ इस सत्र में स्मार्ट बोर्ड के संचालन का प्रयोग

प्रत्येक शिक्षक द्वारा किया जाएगा।

6. पुस्तकालय–वाचनालय – महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक शिक्षक अपने रिक्त समय का सदुपयोग एवं ज्ञान के विकास के लिए पुस्तकालय में जाते हैं, और वहाँ आवागमन पंजिका पर उपस्थिति दर्ज करते हैं। विभाग के द्वारा प्रत्येक सत्र बी.एड्. विषय की पुस्तकें पुस्तकालय को दान की जाती हैं। छात्राध्यापकों को भी पुस्तकालय में पुस्तक दान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्रों को अध्ययन हेतु डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध कराने हेतु शिक्षक द्वारा गोद लिए गये छात्रों को एन–लिस्ट से जोड़ा गया है, जिससे कि महाविद्यालय के ऑनलाइन लाइब्रेरी से जुड़कर अध्ययन कर सकते हैं। जो इस सत्र में भी लागू है।
7. पाठ्यक्रम योजना – महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ योजना उद्धरित कर दी जाती है। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण पाठ्यक्रम योजना बनाकर पूर्व नियोजित ढंग से कक्षा का संचालन किया जा सके। छात्र वार्षिक पाठ योजना से प्रत्येक कार्य दिवस में पढ़ाये जाने वाले विषय से परिचित हो सके।
8. नवआगन्तुक छात्राध्यापकों का स्वागत – प्रतिवर्ष बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों द्वारा बी.एड्. प्रथम वर्ष के नवागन्तुक छात्राध्यापकों को तिलक लगाकर एवं रक्षासूत्र बाँधकर स्वागत किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों को आत्मीयता का बोध कराने व परिसर संस्कृति से परिचित कराना है, जो इस सत्र में भी करने की योजना है।
9. मासिक मूल्यांकन – प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय–वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नपत्र माह के अन्तिम सप्ताह में तैयार करके छात्रों की अधिगम उपलब्धि का परीक्षण किया जाता है। प्रश्न पत्र में निर्धारित पूर्णांक के आधार पर बहुविकल्पीय/निबन्धात्मक परीक्षा ली जाती है। इसके द्वारा छात्राध्यापकों के सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा को पूरा करने का प्रयास किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
10. प्रगति आख्या – बी.एड्. में पढ़ रहे सभी छात्राध्यापकों की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक मूल्यांकन कर छात्राध्यापकों का सुधारात्मक विश्लेषण करना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
11. स्वमूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में शिक्षक स्व–मूल्यांकन प्रपत्र जमा होता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक स्वयं की कार्यपद्धति का मूल्यांकन एवं विश्लेषण करें। यह कार्यपद्धति इस सत्र में भी लागू रहेगा।
12. शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – इस सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में प्रत्येक शिक्षक का छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। इस प्रपत्र का उद्देश्य छात्रों द्वारा दिये गये प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण प्रविधियों में सुधार के प्रयास किये जाते हैं। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
13. प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम – मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धान हेतु बी.एड्. विभाग में जीवन मूल्य एवं हमारे पूर्वज पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं, जिसमें सनातन मूल्यों, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक–सांस्कृतिक नवाचार लाने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महती भूमिका निभाने वाले महान पूर्वजों के बारे में अध्ययन–अध्यापन किया जाता है तथा उसके पूर्ण होने के पश्चात छात्राध्यापकों में व्यवहारगत मूल्यों में परिवर्तन हुआ, इसके लिए निबन्धात्मक परीक्षा करायी जाती है एवं उत्तीर्ण छात्राध्यापकों को प्रमाण–पत्र दिये जाते हैं।
14. मिशन मंझरिया – 2021–22 में ''एक विभाग–एक गाँव योजना'' को पूर्ववत जारी रखते हुए महाविद्यालय

से सटे ग्राम मंझरिया को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के साथ-साथ तकनीकी विकास के प्रति जागरूकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गांव बनाने का मिशन मंझरिया प्रोजेक्ट को एक कदम और आगे बढ़ाने की योजना। इस सत्र में लागू रहेगा।

15. स्वैच्छिक श्रमदान – महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में शिक्षक-छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। इसका उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्राध्यापकों में श्रम की महत्ता का बोध कराना है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
16. मासिक समीक्षा बैठक – प्रत्येक माह विभागीय स्तर पर मासिक समीक्षा की जाती है इसमें अगले माह की योजना तैयार की जाती है। इस सत्र में भी यह लागू रहेगा।
17. साप्ताहिक शिक्षक बैठक – प्रति सप्ताह किये गए पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में साप्ताहिक शिक्षक बैठक किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
18. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष – 23 जनवरी 2021 से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष कार्यक्रम मनायी जा रही है। जिसके अन्तर्गत 23 जनवरी 2022 तक कार्यक्रम किये जाऐंगे।
19. बी.एड्. स्काउट-गाइड परिचयात्मक – फरवरी माह में 15-19 फरवरी 2022 को पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन।
20. छात्रसंघ – महाविद्यालय में प्रतिवर्ष छात्रसंघ का चुनाव होता है। इसमें बी.एड्. के छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। छात्रसंघ पदाधिकारी के चयन हेतु कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव किया जाता है। इसके चयन का आधार छात्र की उपस्थिति मासिक मूल्यांकन के अंक एवं आचरण व्यवहार के आधार पर किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्रों में लोकतंत्र की भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।
21. नैक – महाविद्यालय को नैक द्वारा श्रेणी बी प्रत्यायित है। रैंक में और अधिक सुधार हेतु नैक द्वारा दिये गये मानकों को पूरा करने की दिशा में इस सत्र में बी.एड्. विभाग अग्रसर है। विभाग द्वारा आई.क्यू.ए.सी. को सम्पूर्ण नवीन सूचनाएँ नियमित अंतराल पर उपलब्ध कराई जाती है।
22. उन्नत भारत अभियान – उन्नत भारत अभियान गाँवों को उन्नत करने की केन्द्र सरकार की एक योजना है। जिसके तहत बी.एड्. विभाग के मिशन मंझारिया में कार्य अग्रसर है।

**C ) शिक्षण विधियाँ**

1. प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएँ – गत सत्र बी.एड्. विभाग में प्रत्येक कक्षाएँ सम्पूर्ण पावर प्वाइंट पर ली गयी। इस वर्ष भी हम एक कदम और आगे चलने का प्रयास करेंगें।
2. व्याख्यान विधि – शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। हम अपनी बी.एड्. की कक्षाओं में भी व्याख्यान विधि का प्रयोग करते हैं, इस वर्ष व्याख्यान में शिक्षक-छात्र अन्त:क्रिया के प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जाऐगा।
3. प्रोजेक्ट विधि – शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु बी.एड्. की सभी कक्षाओं में प्रोजेक्ट विधि का प्रयोग किया जाता है जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
4. सामूहिक परिचर्चा – बी.एड्. की प्रत्येक कक्षाओं में एक व्याख्यान पूर्ण करने के बाद उस प्रकरण पर

छात्राध्यापकों द्वारा सामूहिक चर्चा की जाती है। इस सत्र में भी पूर्ण रूपेण लागू।

5. समनुदेशन विधि – बी.एड् सत्र की प्रत्येक सैद्धन्तिक एवं प्रयोगात्मक कार्य में एसाइनमेंट विधि का प्रयोग किया जाता है जिससे कि व्यक्तिगत शिक्षण विधियों में जो कठिनाई होती है उसको दूर किया जा सके। इस सत्र में भी लागू होगा।
6. उपचारात्मक अनुदेशन – मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुनः उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
7. स्कूल इंटर्नशिप – बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों का विद्यालयी प्रशिक्षण कार्य प्रत्येक वर्ष की भांति कराने की योजना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
8. सूक्ष्म शिक्षण – बी.एड्. प्रथम वर्ष की कक्षाओं का प्रतिदिन सूक्ष्म शिक्षण कौशल अभ्यास। सत्रारम्भ से ही लागू होगा।
9. ग्राम्य प्रोजेक्ट – एक विभाग एक गांव के तर्ज पर इस वर्ष भी ग्राम विकास के लिए अग्रसर रहेंगें।
10. शैक्षिक भ्रमण – बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रोंका किसी दर्शनीय स्थल का शैक्षिक भ्रमण। इस सत्र में परिस्थिति अनुकूल रहने पर किया जाऐगा।

**D**) कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी

**जुलाई-2021**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 07.07.2021 | बुद्धवार | 11.00–11.50 | नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत | पौधरोपण | – |

**अगस्त-2021**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 26.08.2021 | गुरुवार | 12.10–01.20 | मिशन शक्ति के अतर्गत इक्वैलिटी डे वुमेन | भाषण प्रतियोगिता | – |

**सितम्बर-2021**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 04.09.2021 | शनिवार | 11.00–11.50 | मिशन शक्ति के अंतर्गत पोषण के प्रति जागरूकता | पोस्टर प्रतियोगिता | – |
| 05.09.2021 | रविवार | 11.00–11.50 | मिशन शक्ति के अंतर्गत समसामयिक संदर्भ में शिक्षक का आदर्श एवं व्यवहार | आनलाइन व्याख्यान | डॉ. राजशरण शाही |
| 16.09.2021 | शुक्रवार | 12.00–12.50 | नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष पर विश्व ओजोन दिवस | शोध व्याख्यान | – |
| 25.09.2021 | शनिवार | 11.00–11.50 | मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी सशक्तीकरण | व्याख्यान | शीलम वाजपेयी |
| 25.09.2021 | शनिवार | 09.25–09.40 | मिशन शक्ति के अंतर्गत | योगाभ्यास | – |

**अक्टूबर–2021**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 02.10.2021 | शुक्रवार | 09.25–09.40 | मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रार्थना सभा में एनीबेसेन्ट जयंती पर व्याख्यान | उदबोधन | – |
| 22.10.2021 | शुक्रवार | 11.20–12.10 | नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में स्वतन्त्र भावना | भाषण प्रतियोगिता | – |
| 30.10.2021 | शनिवार | 09.25–09.40 | मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रार्थना सभा में शपथ ग्रहण (राष्ट्रीय एकता दिवस) | – | – |

**नवम्बर–2021**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 13.11.2021 | शनिवार | 13.30–1.20 | नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती वर्ष के अंतर्गत | वाद–विवाद प्रतियोगिता | – |

**दिसम्बर–2021**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 18.12.2021 | शनिवार | 12.30–01.20 | नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत | पर्यावरण जागरूकता रैली | – |
| 18.12.2021 | शनिवार | | मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रार्थना सभा में | योगाभ्यास | – |

**जनवरी–2022**

| दिनांक | दिन | समय | विषय | कार्यक्रम | प्रस्तावित वक्ता |
|---|---|---|---|---|---|
| 06.01.2022 | गुरुवार | 10.30–11.30 | नेता जी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती वर्ष के अंतर्गत | पेंटिग प्रतियोगिता | – |
| 12.01.2022 | बुधवार | 10.30–11.00 | नेताजी सुभाष्ठा चन्द्र बोस की जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत | आनलाइन शोध व्याख्यान प्रतियोगिता | – |
| 19.01.2022 | बुधवार | 11.20–12.30 | नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष के अंतर्गत | आनलाइन भाषण प्रतियोगिता | – |
| 23.01.2022 | शनिवार | 12.30–1.30 | नेता जी सुभाष्ठाचन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष का समारोप कार्यक्रम | आनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम | – |

## भाग - 3 : क्रीड़ा विभाग

सत्र 2021-22 में क्रीड़ा विभाग द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

- **मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती-विशिष्ट व्याख्यान ( 29 अगस्त अगस्त 2021 ) ऑनलाइन**
  विषय : 'शिक्षा में खेल का महत्व'
- **महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता ( 18-19 सितम्बर, 2021 )**
  उद्घाटन समारोह:- 18 सितम्बर, 2021
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण:- 19 सितम्बर, 2021
- **महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता ( 24-25 अक्टूबर, 2021 )**
  उद्घाटन समारोह:- 24 अक्टूबर, 2021
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण:- 25 अक्टूबर, 2021

### वार्षिक क्रीड़ा समारोह-संस्थापक समारोह के अन्तर्गत

- **योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता ( 18-20 नवम्बर, 2021 )**
  उद्घाटन समारोह:-18 नवम्बर, 2021
  कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग- 18 नवम्बर, 2021
  कबड्डी प्रतियोगिता बालिका वर्ग- 20 नवम्बर, 2021
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण:-20 नवम्बर, 2021
- **योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता ( 22-23 नवम्बर, 2021 )**
  उद्घाटन समारोह:- 22 नवम्बर, 2021
  वॉलीबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग- 22 नवम्बर, 2021
  वॉलीबॉल प्रतियोगिता बालिका वर्ग- 23 नवम्बर, 2021
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण:-23 नवम्बर, 2021
- **महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता ( 22-25 दिसम्बर, 2021 )**
  उद्घाटन समारोह:- 22 दिसम्बर, 2021
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण:- 25 दिसम्बर, 2021

### भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत

- **महन्त दिग्विजनाथ स्मृति बैडमिण्टन प्रतियोगिता ( 12-13 जनवरी, 2022 )**
  उद्घाटन समारोह:- 12 जनवरी 2022
  बैडमिण्टन प्रतियोगिता बालक वर्ग- 12 जनवरी, 2022
  बैडमिण्टन प्रतियोगिता बालिका वर्ग- 13 जनवरी, 2022
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण 13 जनवरी 2022
  कबड्डी प्रतियोगिता बालक/बालिका वर्ग-16 जनवरी 2022
  वॉलीबाल प्रतियोगिता बालक/बालिका वर्ग-20 जनवरी 2022

## वार्षिक क्रीड़ा समारोह ( 22-23 जनवरी, 2022 )

- **प्रथम दिवस दिनांक- 22 जनवरी, 2022**

| | | |
|---|---|---|
| 9:00 प्रात: उद्घाटन समारोह | – | 9:30 प्रात: 800 मीटर पुरुष फाइनल |
| 9:40 प्रात: 800 मीटर महिला फाइनल | – | 9:50 प्रात: गोला क्षेपण पुरुष फाइनल |
| 9:50 प्रात: 100 मीटर हीट, महिला | – | 10:30 प्रात: गोला क्षेपण महिला फाइनल |
| 10:30 प्रात:100 मीटर हीट, पुरुष | – | 11:00 प्रात: लम्बी कूद महिला फाइनल |
| 11:30 प्रात: लम्बी कूद पुरुष फाइनल | – | 12:10 अपराह्न: 100 मीटर पुरुष फाइनल |
| 12:20 अपराह्न: 100 मीटर महिला फाइनल | – | 12:30-01:00 अपराह्न भोजनावकाश |
| 01:00 अपराह्न: भाला क्षेपण पुरुष फाइनल | – | 01:30 अपराह्न: भाला क्षेपण महिला फाइनल |
| 02:00 अपराह्न: 1500 मीटर पुरुष फाइनल | – | 02:30 अपराह्न: 400 मीटर महिला फाइनल |

- **द्वितीय दिवस दिनांक- 23 जनवरी, 2022**

| | | |
|---|---|---|
| 7:00 प्रात: 5000 मीटर पुरुष फाइनल | – | 9:00 प्रात: 200 मीटर हीट पुरुष |
| 9:30 प्रात: 200 मीटर महिला हीट | – | 10:00 प्रात: चक्का क्षेपण पुरुष फाइनल |
| 10:30 प्रात: चक्का क्षेपण महिला फाइनल | – | 11:00 प्रात: 400 मीटर पुरुष फाइनल |
| 11:15 प्रात: ऊँची कूद पुरुष फाइनल | – | 11:45 प्रात: ऊँची कूद महिला फाइनल |
| 12:15-12:45 अपराह्न भोजनावकाश | – | 12:45 अपराह्न: 200 मीटर पुरुष फाइनल |
| 12:55 अपराह्न: 200 मीटर महिला फाइनल | – | 01:10 अपराह्न:समापन समारोह |
| 12:10 अपराह्न: 100 मीटर पुरुष फाइनल | – | 12:20 अपराह्न: 100 मीटर महिला फाइनल |
| | – | 01:00 अपराह्न: भाला क्षेपण पुरुष फाइनल |

## भाग-4 : राष्ट्रीय सेवा योजना

| | |
|---|---|
| 04 जुलाई 2021 | वनमहोत्सव के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम |
| 11 अगस्त 2021 | शहीद बन्धू सिंह बलिदान पूर्व दिवस पर व्याख्यान |
| 15 अगस्त 2021 | स्वतंत्रता दिवस समारोह |
| 20 अगस्त 2021 | सद्भावना दिवस पर विचार गोष्ठी |
| 05 सितम्बर 2021 | शिक्षक दिवस समारोह |
| 08 सितम्बर 2021 | अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर विचार गोष्ठी |
| 16 सितम्बर 2021 | विश्व ओज़ोन संरक्षण दिवस पर व्याख्यान |
| 19 सितम्बर 2021 | स्वैच्छिक श्रमदान प्रारम्भ |
| 24 सितम्बर 2021 | राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (दिवसीय कार्यशाला) |
| 02 अक्टूबर 2021 | गाँधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह |
| 23 अक्टूबर 2021 | संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना पूर्व दिवस पर भाषण प्रतियोगिता |

| | |
|---|---|
| 31 अक्टूबर 2021 | सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती निबंध प्रतियोगिता |
| 10 नवम्बर 2021 | प्रथम एक दिवसीय शिविर |
| 19 नवम्बर 2021 | राष्ट्रीय एकीकरण दिवस (एक दिवसीय कार्यशाला) |
| 26 नवम्बर 2021 | संविधान दिवस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता |
| 28 नवम्बर 2021 | महात्मा ज्योतिबा फूले पूण्यतिथि पर निबंध प्रतियोगिता (जातिवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा) |
| 01 दिसम्बर 2021 | विश्व एड्स दिवस पर जनजागरूकता रैली (हसनगंज ग्राम) में, एवं विचार गोष्ठी |
| 02 दिसम्बर 2021 | राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर व्याख्यान |
| 12 दिसम्बर 2021 | द्वितीय एक दिवसीय शिविर |
| 14 दिसम्बर 2021 | राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पोस्टर प्रतियोगिता |
| 12 जनवरी 2022 | स्वामी विवेकानन्द जयंती (भारत-भारती पखवारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह) |
| 19 जनवरी 2022 | महाराणा प्रताप स्मृति दिवस (एक दिवसीय कार्यशाला) |
| 23 जनवरी 2022 | सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पर व्याख्यान |
| 25 जनवरी 2022 | राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विचार गोष्ठी |
| 26 जनवरी 2022 | गणतंत्र दिवस समारोह |
| 16 मार्च 2022 | तृतीय एक दिवसीय शिविर |
| 08–14 मार्च 2022 | सप्तदिवसीय विशेष शिविर |
| 21 मार्च 2022 | चतुर्थ एकदिवसीय शिविर |
| 08 मार्च 2022 | अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस |

गोद लिए गये गांव हसनगंज में सेवा कार्य सत्र भर विभिन्न तिथियों में किया जायेगा।

## भाग-5 : अवकाश सूची : 2020-21

| क्र.सं. | त्यौहार का नाम | घोषित दिन | दिनांक | दिन |
|---|---|---|---|---|
| 1. | ईदुज्जुहा (बकरीद) | 01 | 21 जुलाई 2021 | बुधवार |
| 2. | नागपंचमी | 01 | 13 अगस्त 2021 | शुक्रवार |
| 3. | मोहर्रम | 01 | 19 अगस्त 2021 | गुरुवार |
| 4. | कृष्ण जन्माष्टमी | 01 | 30 अगस्त 2021 | सोमवार |
| 5. | चेहल्लूम* | 01 | 02 सितम्बर 2021 | मंगलवार |
| 6. | अनन्त चतुर्दशी | 01 | 19 सितम्बर 2021 | रविवार |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 7. | पितृ विसर्जन | 01 | 06 अक्टूबर 2021 | बुधवार |
| 8. | दशहरा | 01 | 12–16 अक्टूबर 2021 | मंगलवार से शनिवार |
| 9. | ईद–ए–मिलाब/वारावफ़ात | 01 | 19 अक्टूबर 2021 | मंगलवार |
| 10. | दीपावली | 04 | 01–04 नवम्बर 2021 | सोमवार से गुरुवार |
| 11. | गोवर्धन पूजा | 01 | 05 नवम्बर 2021 | शुक्रवार |
| 12. | भैया दूज/चित्रगुप्त पूजा | 01 | 06 नवम्बर 2021 | शनिवार |
| 13. | छठपूजा | 01 | 10 नवम्बर 2021 | बुधवार |
| 14. | कार्तिक एकादशी | 01 | 15 नवम्बर 2021 | सोमवार |
| 15. | गुरुनानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा | 01 | 19 नवम्बर 2021 | शुक्रवार |
| 16. | क्रिसमस दिवस | 01 | 25 दिसम्बर 2021 | शनिवार |
| 17. | मकर संक्रान्ति | 02 | 14–15 जनवरी 2022 | शुक्रवार, शनिवार |
| 18. | बुढ़वा मंगल | 01 | 25 जनवरी 2022 | मंगलवार |
| 19. | मौनी अमावस्या | 01 | 11 फरवरी 2022 | गुरुवार |
| 20. | महाशिवरात्रि | 01 | 01 मार्च 2022 | मंगलवार |
| 21. | होली | 03 | 17–19 मार्च 2022 | गुरुवार से शनिवार |
| 22. | रामनवमी | 01 | 10 अप्रैल 2022 | रविवार |

*चन्द्रदर्शन के आधार पर तिथि परिवर्तित हो सकती है।

2. **दायित्त्वसह कार्य विभाजन** – परम्परागत रूप से कार्य विभाजन में निम्न तीन विधियाँ अपनायी गई।

क) शिक्षक स्वयं से अपना कार्य चुनकर अपने को प्रभारी घोषित कर दें।

ख) कोई शिक्षक किसी कार्य हेतु किसी भी अन्य शिक्षक का नाम प्रस्तावित कर दें।

ग) प्राचार्य द्वारा किसी कार्य हेतु किसी को प्रभारी बना दिया जाय।

वर्तमान सत्र में अधिकांश शिक्षकों ने अपनी रूचि के अनुसार स्वयं अपना दायित्व चुना, कुछ का नाम अन्यों द्वारा प्रस्तावित किए जाने पर सम्बन्धित शिक्षक की सहमति पर दायित्व निर्धारित हुए तो अन्त में कुछ कार्य/दायित्व प्राचार्य द्वारा दे दिए गए। बैठक में निम्नवत दायित्व निर्धारित किया गया–

**महाविद्यालय प्रशासन ( सत्र 2021–22 )**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **प्रवेश/परीक्षा** | डॉ. विजय कुमार चौधरी |
| 2. | **मुख्य नियंता/अनुशासन** | डॉ. मंजेश्वर |
| 3. | **राष्ट्रीय सेवा योजना** | डॉ. अभिषेक सिंह |
| 4. | **पुस्तकालय** | डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय/श्री प्रतीक दास |
| 5. | **प्रयोगशाला/क्रय समिति** | डॉ. रघुबीर नरायन सिंह |
| 6. | **तकनीकी विकास** | श्री श्रीनिवास सिंह |

| | |
|---|---|
| 7. बागवानी/ स्वच्छता/विद्युत | श्री विनय कुमार सिंह /डॉ. अभिषेक सिंह |
| 8. नैक, IQAC, AISHE एवं तत्सम्बन्धी कार्य | डॉ. अभिषेक वर्मा |
| 9. सांस्कृतिक कार्यक्रम/प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन | श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी |
| 10. पठन/पाठन | डॉ. रामसहाय |
| 11. वेबसाइट | श्री श्रीनिवास सिंह |
| 12. क्रीड़ा | डॉ. आरती सिंह |
| 13. सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना | डॉ. प्रदीप कुमार राव |
| 14. रोवर्स-रेन्जर्स | श्री बृजभूषण लाल |
| 15. छात्रसंघ | श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला |
| 16. कार्यालय | डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय |
| 17. अभिभावक संघ | श्री संजय कुमार जायसवाल |
| 18. पुरातन छात्र परिषद् | डॉ. शिव कुमार वर्नवाल |
| 19. प्राथमिक उपचार केन्द्र | डॉ. सुबोध कुमार मिश्र |
| 20. सिलाई-कढ़ाई | डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव |
| 21. कम्प्यूटर प्रशिक्षण | श्री श्रीनिवास सिंह |
| 22. प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम | श्रीमती शिप्रा सिंह |
| 23. मिशन मंझरिया | श्रीमती शिप्रा सिंह |
| 24. प्रार्थना सभा | सुश्री दीप्ति गुप्ता |
| 25. सूचना एवं परामर्श | श्री श्रीकान्तमणि त्रिपाठी |
| 26. ध्येय-पथ/समावर्तन/शोध/प्रकाशन/मुद्रण | डॉ. सुबोध कुमार मिश्र |
| 27. छात्र-महिला सुरक्षा समिति | डॉ. आरती सिंह |
| 28. रख-रखाव/ई.पी.एफ. | डॉ. अरूण कुमार राव |
| 29. छात्रवृत्ति | डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह |
| 30. प्रसार/मीडिया | डॉ. सुबोध कुमार मिश्र |
| 31. कैन्टीन | सुश्री शारदा रानी |
| 32. गणवेश | डॉ. अनुभा श्रीवास्तव |
| 33. पर्यावरण/पालिथीन मुक्त परिसर | डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव |
| 34. छात्रावास | श्री विनय कुमार सिंह |
| 35. सेवायोजन प्रकोष्ठ | श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव |
| 36. एन.सी.सी. | श्री रामाकान्त दूबे |
| 37. अतिथि एवं जलपान | श्री मंजेश्वर |
| 38. दिव्यांग छात्र-समस्या-समाधान प्रकोष्ठ | डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर |
| 39. गोद लिए गए गाँव/उन्नत भारत अभियान | 1. **श्रीमती कविता मन्ध्यान - प्रभारी**<br>2. डॉ. अभिषेक सिंह, सदस्य, रा.से.यो. (का.अधि.)<br>3. श्री बृजभूषण लाल, सदस्य, रा.से.यो. (का.अधि.)<br>4. श्रीमती शिप्रा सिंह, सदस्य, मिशन मंझरिया<br>5. डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना |

3. **शिक्षक आचार संहिता**– सत्र 2021–22 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। माना गया कि शिक्षक के लिए आचार संहिता की आवश्यकता नहीं है। शिक्षक आचार संहिता शिक्षक स्वप्रेरणा से अपने–अपने उपर लागू करेगा। अत: स्वीकृत शिक्षक आचार संहिता की महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर कोई मान्यता नहीं रहेगी। किन्तु शिक्षक द्वारा स्वयं पालन न करने पर उक्त शिक्षक पर आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर स्वत: लागू हो जाएगी।

**शिक्षक आचार संहिता 2021–22**

- शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों के लिए प्रतिमान बनें।
- प्रात: 09:15 पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। विलम्ब से आने पर स्वयं लाल रंग की रेखा खीचकर समय डाल दें, हस्ताक्षर न करें। जाते समय हस्ताक्षर करें तथा समय डालें। तीन दिन विलम्ब होने पर एक दिन आकस्मिक अवकाश मान लिया जायेगा। शिक्षक द्वारा स्वयं इस नियम का पालन न करने पर संस्थाध्यक्ष द्वारा लाल रंग की दो रेखा खींची जा सकती है।
- प्रार्थना सभा 09:20 से 09:40 तक चलेगी। अनुशासन व्यवस्था के अतिरिक्त सभी शिक्षक अनिवार्यत: सम्मिलित होंगे।
- महाविद्यालय परिसर में किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के आसपास अनुशासन की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षकों की होगी।
- प्लास्टिक प्रतिबंधित एवं नशा मुक्त परिसर का नियम स्वयं पर लागू करें।
- पाठ्यक्रम योजना का शत–प्रतिशत पालन करें। 02 मई से पूर्व अगले सत्र के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना प्राचार्य के पास उपलब्ध करा दें।
- प्रायोगिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम शत–प्रतिशत पूर्ण हो। प्रायोगिक कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के कक्षावार मोबाइल नम्बर रखें जायें।
- महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग पर पी.पी.टी., सारांश एवं अन्य पाठ्य सामग्री अपलोड करें।
- प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व पिछले व्याख्यान पर प्रश्नोत्तर का समय दें।
- कक्षा में मोबाइल लेकर किसी भी कीमत पर न जाएं।
- अधिकतर व्याख्यान प्रोजेक्टर पर पढ़ाएं जाएं।
- पुस्तकालय की सभी पुस्तकें 2 मई से पूर्व प्रतिवर्ष जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पुस्तकालय की किसी पुस्तक के बकाया होने की दशा में ग्रीष्मावकाश स्वीकृत नहीं होगा।
- महाविद्यालय के किसी प्रकार के आर्थिक आय–व्यय, अग्रिम आदि का समायोजन 20 मार्च तक अवश्य करा लें।
- जो दायित्त्व सौंपा जाय उसे निर्धारित समय से शत–प्रतिशत पूर्ण करें।
- पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हेतु अवकाश एक दिन पूर्व स्वीकृत कराएं। अवकाश स्वीकृत कराए बिना अथवा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित होने पर अवैतनिक अवकाश मान लिया जायेगा।
- बचे हुए आकस्मिक अवकाश का प्रतिदिन के वेतन की दर से नकद भुगतान अगले सत्र के अगस्त माह में कर दिया जायेगा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन आदि कार्य शिक्षक के स्वाभाविक दायित्व के अन्तर्गत आएगा, उसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा।

- विश्वविद्यालय परीक्षा मानकानुसार/नियमानुसार सम्पन्न कराना शिक्षक का उत्तरदायित्व है। अत: परीक्षा के समय शहर छोड़ते समय सूचना अवश्य दें।
- महाविद्यालय के सभी आयोजनों, कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविरों के उद्घाटन, समापन समारोह आदि में शिक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उचित कारण पर आकस्मिक अवकाश दिया सकता है।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त आयोजनों/कार्यक्रमों में प्रबन्धा तन्त्र के निर्देशानुसार उपस्थिति एवं सहयोग अनिवार्य होगा।
- 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, 26 जनवरी को सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर आकस्मिक अवकाश माना जायेगा। किन्तु ध्वजारोहण में कहीं भी सम्मिलित होने का प्रमाण-पत्र देना होगा।
- स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक प्रतीकात्मक रूप से छात्रों का प्रतिमान बनें। विद्यार्थियों को गोद लेने की योजना को भी शिक्षक स्वेच्छानुसार लागू कर सकते हैं। गोद लिये विद्यार्थियों की सूचना अवश्य दे दें।
- समय-समय पर जारी संशोधनों एवं नये निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

4. **प्रवेश एवं परीक्षा-** प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। प्रवेश के सन्दर्भ में गत 02 मई को सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की पुन: पुष्टि की गई। 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर 11 अगस्त से प्रथम वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं संचालित करने का निर्णय लिया गया। 16 जून से स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो चुकी हैं। पूर्ववत् परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

   प्रवेश हेतु साक्षात्कार की पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार छात्र प्रवेश परामर्श समिति का गठन नहीं हो सका, क्योंकि गत सत्र में कोविड-19 महामारी होने से विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न नहीं हो सकी। इस विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के टापर्स ही उक्त प्रवेश परामर्श समिति के सदस्य होतें है। प्रवेश समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि साक्षात्कार के आधार पर संस्तुत किए गए विद्यार्थी का ही प्रवेश संयोजक/प्राचार्य द्वारा लिया जाएगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड, छात्रवृत्ति फार्म उपलब्ध करा दिया जाएगा। प्रवेश सम्बन्धी सभी प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूर्ण होंगी।

5. **समय-सारणी-** डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. अरुण राव एवं श्री मंजेश्वर द्वारा समय-सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय की वेबसाइट, विद्यार्थियों (स्नातक द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष) के कक्षा व्हाट्सप ग्रुप पर भेज दिया जायेगा तथा सूचना पट्ट पर भी चस्पा कर दिया जायेगा। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण अवश्य कर लिया जाय।

6. **पठन-पाठन-** महाविद्यालय का ध्येय ही गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना है। इस कारण से पठन-पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके, इसके लिए पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन करने की सुनिश्चित व्यवस्था पूर्व की भाँति लागू रहेगा। यद्यपि पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रथम वर्ष की कक्षाएं 01 अगस्त से तथा द्वितीय एवं तृतीय की कक्षाएं 16 जुलाई से प्रारम्भ होनी थी। परन्तु कोविड-19 महामारी के कारण विश्वविद्यालय परीक्षा 27 जुलाई से 10 अगस्त तक होने के कारण स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की कक्षाएं 16 जून से प्रारम्भ हो चुकी हैं। शेष स्नातक द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं 11

अगस्त से चलेंगी। कक्षाएं 50-50 मिनट की पूर्व की भाँति चलेंगी। प्रयोगात्मक कक्षाओं का भी संचालन पाठ्यक्रम योजनानुसार 16 अगस्त से नियमित संचालित होगा। 30 जनवरी तक सभी विषयों के समस्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। यदि किन्हीं कारण से 30 जनवरी तक किसी विषय पर प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सकेगा तब सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे। फरवरी माह में विश्वविद्यालय परीक्षा पद्धति पर ही विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा आयोजित की जायेगी। ताकि इस परीक्षा से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षा से पहले पूर्वाभ्यास का एक अवसर प्राप्त हो सके तथा उनकी परीक्षा के तैयारी ठीक प्रकार से हो सके।

7. **पुस्तकालय-वाचनालय-** पुस्तकालय प्रभारी द्वारा स्टाक-वेरीफिकेशन पूर्ण होने की सूचना दी गई। प्रभारी द्वारा बताया गया कि पुस्तकालय नए सत्र के लिए नए पाठ्यक्रमों/नए प्रकाशनों/ आवश्यकतानुसार अन्य आवश्यक पुस्तकों के साथ अद्यतन कर लिया गया है। वाचनालय में 100 विद्यार्थियों के एक साथ बैठकर पढ़ने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। निर्णय हुआ कि पुस्तकालय-वाचनालय गत सत्रों की तरह चलाया जाय। पुस्तकालय में यदि कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं है, जिसकी आवश्यकता किसी छात्र-शिक्षक को है, तो वह छात्र-शिक्षक पुस्तक बाजार से महाविद्यालय के नाम बिल पर क्रय कर, पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से पुस्तक पुस्तकालय में चढ़वाकर उसका नकद मूल्य प्राप्त कर, पुस्तक अपने नाम जारी करा सकता है। सभी विषयों के प्राध्यापक अपने-अपने विषय के कम से कम दो-दो राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (जर्नल) की सदस्यता हेतु प्रस्ताव पुस्तकालय को 30 जुलाई तक अवश्य दे दें। शिक्षक अपने विषय/प्रश्नपत्र से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शीर्षकों एवं पाठ्यसामग्री की साफ्ट कापी पुस्तकालय को उपलब्ध करायें। ऐसी पुस्तकें जो आउट आफ प्रिन्ट हो गयी है यदि वे ऑनलाइन उपलब्ध है तो उन्हें प्रिन्ट कर पुस्तकालय में उपलब्ध करायी जाए। पुस्तकालय में प्रतिदिन पुस्तकों का आगत-निर्गत व्यवस्था को अद्यतन करने के लिए साफ्टवेयर परिवर्तित कर लागू किया जाय। पुस्तक दान की यशस्वी परम्परा को और व्यापक बनाने हेतु समाज के लोगों से सम्पर्क कर पुस्तकदान के लिए आग्रह किया जाय।

8. **प्रयोगशाला-** प्रयोगशालाएँ अद्यतन रखी जाय। उनमें स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाय। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला में दो बार सामग्री क्रय की जाय। एक बार अगस्त-सितम्बर में तथा दूसरी बार दिसम्बर-जनवरी में। प्रत्येक प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार अद्यतन तकनीकों का प्रयोग बढ़ाया जाय। इस सत्र में भौतिकी, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रक्षा अध्ययन भूगोल, रसायन मे कुछ नवीन उपकरण क्रय किए जाने पर आम सहमति बनी। गत सत्र की भाँति इस सन्दर्भ में शिक्षकों-विद्यार्थियों की संयुक्त क्रय-समिति द्वारा माँग पत्र तथा स्तरीय फर्मो से तीन कोटेसन पर ही कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ जिससे प्रबन्ध समिति/प्रबन्धक महोदय से स्वीकृति लेकर उपकरण क्रय किए जा सके। यह निर्णय भी हुआ कि प्रयोगशालाओं में कुछ उपकरण छात्रसंघ भी अपने मद से क्रय करे, इस दिशा में भी प्रयत्न किए जाएँ। प्रत्येक प्रयोगात्मक विषय की भण्डार पंजिका की जॉच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से अवश्य करा लें।

9. **कक्षाध्यापन में नए प्रयोग-** कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, नक्शा, मॉडल, प्रदर्शनी इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी विषय के सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपलोड किया जाय। इसके अतिरिक्त अन्य

पाठ्य सामग्री जो छात्र उपयोगी हो उसे भी शिक्षक अपने ब्लॉग पर अवश्य डालें। पाठ्य विषय को और भी रूचिकारी बनाने हेतु कुछ शीर्षकों को आडियो-विडियो के माध्यम से कक्षाध्यापन किया जाय। इसी प्रकार पाठ्यक्रम से सम्बन्धित डाक्यूमेंट्री और नाट्य रूपान्तरण के माध्यम से भी विषय को विद्यार्थी के बीच रखने का प्रयास किया जाय। भाषा की कक्षा (हिन्दी, अंग्रेजी) विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए नि:शुल्क चलायी जाय। प्रत्येक विभाग में प्रतिमाह कम से कम दो व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के किसी शीर्षक पर अवश्य करायी जाय। इसी प्रकार अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अन्तर्गत एक विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जाय। प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में अवश्य जाय।

10. **प्रार्थना सभा**- प्रार्थना सभा में पूर्व की भाँति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु पूर्व चयनित श्लोकों का वाचन और उसकी हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में व्याख्या की जाय। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होगा। वाद्ययन्त्र के साथ प्रार्थना सभा को और भी जीवन्त करने का प्रयास किया जाय। प्रार्थना का समय 09:20 से 09:40 अर्थात् 20 मिनट का होगा।

11. **विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा**- महाविद्यालय में पठन-पाठन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से लागू मौलिक प्रयोगों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन प्रयोगों/योजनाओं के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं परिणाम के आधार पर वर्तमान-सत्र में उसे लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख प्रयोगों/योजनाओं के सन्दर्भ में निम्नवत् निर्णय लिया गया-

- **पाठ्यक्रम योजना**- सभी शिक्षकों द्वारा अपने विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निधारित प्रारूप पर बनायी जाती है। इस सत्र के लिए विगत 02 मई तक प्रत्येक विभाग द्वारा अपनी-अपनी कक्षा के पाठ्यक्रम बनाकर प्रचार्य कार्यालय में जमा कर दिया गया और 30 जून तक इसे टाईप करके महाविद्यालय के बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया।

  **उद्देश्य**- समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना। पाठ्यक्रम का कोई हिस्सा छूटे न, किसी विषय को आवश्यकता से अधिक समय तथा किसी को कम समय में न पढ़ाना पड़े। विद्यार्थी को यह पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा।

  **कार्यपद्धति**- अनुभव के आधार पर शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रारूप पर दिनांक, शिक्षक का नाम, विषय, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को 3+2+1 के सिद्धान्त पर तैयार किया जाता है। अर्थात् प्रथम तीन कार्य दिवस एक प्रश्नपत्र, तत्पश्चात् दो कार्य दिवस दूसरा प्रश्न पत्र, महीने के तीन सप्ताह छठवें कार्य दिवस पर छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन तथा माह के अन्तिम सप्ताह के छठवें कार्यदिवस पर मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध होगी।

- **विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन**-

  **उद्देश्य**- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना।

**कार्यपद्धति**– सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात कक्षाध्यापन से लगभग 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा उनका विषय कक्षा में तय कर घोषित कर दिया जाय। अध्यापक उन विद्यार्थियों की कक्षा के बाहर तैयारी कराए। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर अध्यापन कराया जाय। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा न हो जायं। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का विवरण शिक्षक द्वारा उन्हें पूर्णांक 10 अंक में अंक देने के साथ रखा जाएगा।

उक्त उद्देश्य एवं कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। अधिकांश शिक्षकों द्वारा इस योजना का प्रामाणिक विवरण न होने से परिणाम का स्पष्ट चित्र नहीं उभर सका। वर्तमान सत्र में इस योजना का परिणाम सुनिश्चित किया जाएगा।

- **मासिक मूल्यांकन**– प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षक द्वारा अपने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा के द्वारा कक्षा में मासिक मूल्यांकन किया जाता है।

  **उद्देश्य**– विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु प्रेरित करना। मुख्य परीक्षा के समय विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखना।

  **कार्यपद्धति**– शिक्षकों द्वारा वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर-बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक मूल्यांकन के इन्हीं प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी।

- **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन**– विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सन्दर्भ में भरा जाने वाला यह एक प्रारूप है। इस प्रारूप के द्वारा प्रत्येक शिक्षक के कक्षाध्यापन एवं कक्षा में आचरण-व्यवहार पर विद्यार्थी अपना-अपना अभिमत देते है।

  **उद्देश्य**– विद्यार्थियों के अभिमत के आधार पर शिक्षक द्वारा स्वयं का व्यक्तित्त्व विकास।

  **कार्यपद्धति**– वर्ष में दो बार (सितम्बर-दिसम्बर) छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक प्राचार्य के माध्यम से अपने बारे में शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवातें हैं। प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक की कक्षा में विद्यार्थियों को प्रारुप उपलब्ध कराया जाता है, जिसे भरकर विद्यार्थी कक्षा प्रतिनिधि के माध्यम से अगले दिन प्राचार्य के पास जमा करेगें। प्राचार्य विद्यार्थी द्वारा भरे गये प्रपत्रों का अवलोकन करने के उपरान्त सम्बन्धित शिक्षक को अवलोकन हेतु उपलब्ध करा देते हैं। इस प्रारुप के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करता है। इसके उपरान्त यह प्रपत्र प्राचार्य के पास संग्रहीत कर लिया जाता है।

- **शिक्षक स्वमूल्यांकन**– यह शिक्षक द्वारा मासिक भरा जाने वाला प्रारूप है।

  **उद्देश्य**– शिक्षक द्वारा प्रतिमाह निर्धारित प्रारूप के माध्यम से स्वमूल्यांकन कर स्व-विकास करना।

  **कार्यपद्धति**– योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रति वर्ष जारी होता है। शिक्षक द्वारा जुलाई से जनवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन अगले माह के प्रथम दो दिवस में भरा जाता है। जिसका प्रिंट आउट कार्यालय द्वारा निकाल कर

प्राचार्य के अवलोकनार्थ रखा जाता है। प्राचार्य द्वारा समीक्षोपरान्त इसे शिक्षक की व्यक्तिगत पत्रावली में लगवा दिया जाता है।

- **साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान-**

**उद्देश्य-** इस योजना का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, शिक्षकों-कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं, सभी कार्यों का अपने-अपने सन्दर्भ में समान महत्त्व के सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करना। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में आत्म-सम्मान का भाव पैदा करना तथा उन्हें यह एहसास कराना कि जो कार्य वह करते है वह छोटा कार्य नहीं है उसे प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी भी करते है। संस्था के प्रति सभी में अपनापन के भाव को विकसित करना।

**कार्यपद्धति-** प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित तथा मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 50-50 मिनट का समय घटाकर 40-40 मिनट का कर दिया जाता है। इस प्रकार 60 मिनट अर्थात् एक घंटा (12:10 से 1:10 तक) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का होता है। यह श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान हेतु इच्छुक शिक्षक-कर्मचारी तथा विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं। पंजीकृत शिक्षकों के नेतृत्व में 10-10 विद्यार्थियों की टोली बनायी जाती है। प्रत्येक टोली के श्रमदान का स्थान-कार्य शुक्रवार तक प्रभारी द्वारा टोली प्रभारी को दे दिया जाता है। टोली प्रभारी के नेतृत्व में शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान के पश्चात् उपस्थिति सदस्य टोली प्रभारी के पास उपलब्ध कराये गए उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर कर लेते हैं। प्रत्येक माह के अन्त में यह उपस्थित पत्र राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में जमा कर दिया जाता है। यह योजना यथावत वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

- **गोद लिए गए विद्यार्थी-** प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच छात्र-छात्रएं गोद लिए जाते हैं। इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है।

**उद्देश्य-** चिन्हित एवं लक्षित विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

**कार्यपद्धति-** सत्रारम्भ में शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं से चार-चार विद्यार्थी चुने जाते हैं तथा एक विद्यार्थी प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक को दिया जाता है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करता है, वर्तमान सत्र में गोद लिए गए विद्यार्थियों के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी, कक्षा प्रतिनिधि में से ही छात्र-छात्राएं गोद लिए जाएंगें। एक बार गोद लिया गया विद्यार्थी इस महाविद्यालय में अध्ययनरत रहते हुए उसी शिक्षक के पास बना रहेगा। रिक्त स्थानों पर प्राय: स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जाएगा।

- **गोद लिए गए गाँव-** प्रत्येक विभाग द्वारा आस-पास के गाँव में से एक गाँव गोद लिया गया है।

**उद्देश्य-** आस-पास के गावों के साथ महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन-जागरण।

**कार्यपद्धति-** प्रत्येक विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव का पूर्ण विवरण विभागीय रपट में उपलब्ध है। गाँव के परिवारों का विवरण, अमीर-गरीब, साक्षर-निरक्षर, रोजगार-बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग इत्यादि की पूर्ण

सूचना विभाग के पास होती है। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (अगस्त का प्रथम रविवार, वाल्मीकि जयन्ती, फरवरी का प्रथम रविवार, परीक्षा के बाद का प्रथम रविवार) गाँव में जाएंगे।

- **सारांश**- विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति अब नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लाग पर अपलोडेड पी.पी.टी द्वारा विद्यार्थी सम्बन्धित विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक ब्लॉग पर ही शिक्षक सारांश भी अपलोड कर सकते है।

12. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम**- **(क) एवं (ख)** महाविद्यालय द्वारा दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम-'**जीवन मूल्य**', '**हमारे पूर्वज**' संचालित किए जाते है।

**उद्देश्य**- विद्यार्थियों के आचरण-व्यवहार में भारतीय जीवन-मूल्यों का विकास करना। भारतीय संस्कृति के महापुरुषों की लम्बी श्रृंखला से परिचित कराना एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मगौरव एवं श्रद्धा का भाव उत्पन्न करना।

**कार्यपद्धति**- उक्त दोनों प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम बी.एड. के लिए अनिवार्य तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्वैच्छिक है। यह कक्षा सामूहिक परिचर्चा पद्धति से चलायी जाती है। कोई एक शिक्षक इस कक्षा का संचालन करता है। निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत लिखकर घर से लाना होता है।

**ग) नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग**- योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग पाठ्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है।

**उद्देश्य**- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत आस-पास के महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाना।

**कार्यपद्धति**- महाविद्यालय द्वारा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एक प्रशिक्षिका की नियुक्ति की गई है। अगस्त से जनवरी तक छ: माह के इस पाठ्यक्रम की परीक्षा फरवरी माह में होती है। परीक्षा के तत्कालबाद परिणाम घोषित कर दिया जाता है समावर्तन संस्कार के अवसर पर उक्त प्रमाण-पत्र प्रशिक्षार्थियों को दिया जाता है। उक्त पाठ्यक्रम भी यथावत चलता रहेगा। वर्तमान सत्र से श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरुप प्रदान किया जाएगा।

**घ) नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण**- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ही ''नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण'' पाठ्यक्रम महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

**उद्देश्य**- आस-पास के गरीब बच्चों/छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान के प्रति जागरूक करना।

**कार्यपद्धति**- 40-40 प्रशिक्षार्थियों का दो वर्ग इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया जाता है। 15 जून से 30 जून तक 'पहले आओ-पहले पाओ' की नीति पर गाँव का जो भी बच्चा (किसी भी स्कूल की छात्र-छात्राएँ) सर्वप्रथम आवेदन करते हैं उनमें से 40 को प्रवेश दिया जाता है। 01 अगस्त से इनकी कम्प्यूटर कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाती है। पुन: 16 अगस्त को इनमें से रिक्त स्थानों के लिए एवं दूसरे 40

के वर्ग का आवेदन लिया जाता है और प्रथमत: आने वालो का पंजीकरण कर दिया जाता है। 3 बजे से 4 बजे तक यह कक्षा कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशाला में चलती है। वर्तमान सत्र में भी यह कक्षा पूर्ववत् चलायी जाएगी।

ङ) **आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन**- महाविद्यालय में 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' पाठ्यक्रम रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

**उद्देश्य**- वर्तमान समय में पर्यावरणीय एवं परिस्थितिकीय परिवर्तन और इसके परिणाम स्वरुप प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदायें मानव जीवन पर तीव्र गति से प्रभाव डाल रही है। इन्ही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा विद्यार्थियों में प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के प्रति जागरुकता लाने के लिए एवं उसके प्रभाव को कम से कम करने के लिए आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धान का प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

**संचालन विधि**- आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 20 अगस्त 2021 से प्रारम्भ होकर 29 जनवरी 2022 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। सभी कक्षायें शुक्रवार एवं शनिवार को सातवीं घंटी में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में संचालित की जायेंगी। कक्षाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित किया जायेगा और प्रोजेक्ट कार्य के रुप में विद्यार्थियों से स्थानीय समस्याओं और उनके निराकरण के लिए सम्भावित उपायों पर विद्यार्थियों से सूचना एवं आकड़े एकत्रित करवाये जायेंगे।

13. **नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र**- महाविद्यालय द्वारा ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन विगत वर्षों से किया जा रहा है। इस उपचार केन्द्र में डाक्टर एवं अन्य सामग्री गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की ओर से उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय के आस-पास के गाँवों के गरीब और कमजोर व्यक्तियों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु उपचार एवं नि:शुल्क दवा की व्यवस्था होती है। आवश्यकता होने पर गम्भीर रोग से पीड़ित मरीजों को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में रेफर कर उनका उपचार कराया जाता है। इस सत्र में नगर के कुछ प्रतिष्ठित चिकित्सकों को भी इस उपचार केन्द्र पर आमंत्रित करने की योजना बनाकर बुलाने की व्यवस्था किया जायेगा।

14. **क्रीड़ा**- श्रेष्ठ समाज के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य का सुदृढ़ होना अपरिहार्य है। इसी उद्देश्य से महाविद्यालय में आउटडोर एवं इनडोर गेम की व्यवस्था की गयी है। इस सत्र में बालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिण्टन, कैरम, चेस इत्यादि गेम के साथ एथेलेटिक्स पर भी अधिक जोर देने का निर्णय लिया गया। सत्र में समय-समय पर जैसे महापुरुषों की जयन्ती, पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापकों से सम्बन्धित तिथियों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

15. **छात्रसंघ**- छात्र संघ का संचालन छात्रसंघ द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार होगा। छात्रसंघ के माध्यम से विद्याथियों में नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग और विभिन्न समितियों के माध्यम से निर्णय में सहभागिता द्वारा उनके व्यक्तित्व विकास की व्यवस्थित योजना महत्वपूर्ण है।

16. **राष्ट्रीय सेवा योजना**– राष्ट्रीय सेवा योजना में साक्षात्कार के आधार पर पूर्व की भाँति ही स्वयं सेवकों का चयन किया जाएगा। पूर्ववत् सभी प्रकार के आयोजनों/गतिविधियों/ कार्यक्रमों के साथ इस सत्र का महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा 'आदर्श ग्राम योजना'। इस योजना को ग्राम हसनगंज में लागू किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत गाँव में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नशा उन्मूलन सरकारी योजनाओं का लाभ इत्यादि के सम्बन्ध में जन जागरण जैसा प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

17. **एन.सी.सी.**– देश प्रेम एवं राष्ट्रधर्म निभाने वाले युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से गत सत्र से महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो ईकाइयाँ कार्यरत हैं जिसमें छात्र/छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस सत्र बालक वर्ग श्री रमाकान्त दूबे तथा बालिका वर्ग श्रीमती कविता मंध्यान के नेतृत्व में संचालित होंगी।

18. **रोवर्स रेंजर**– गत सत्र 2020–21 से महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर की दो ईकाइयां संचालित हो रही हैं जो वर्तमान सत्र में भी संचालित होंगी। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं को सामाजिक दायित्वों के प्रति उत्तरदायी बनाया जायेगा।

19. **वेबसाइट/फेसबुक/यूट्यूब/ट्विटर** – महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन रहे तथा आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन–परिवर्तन किया जाए। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के क्रम में प्रत्येक शिक्षक अपने–अपने पाठ्यक्रम के अनुसार सभी व्याख्यान पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करेंगे तथा अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायें। इसकी जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जायेगी ताकि विद्यार्थी बेवसाइट से भी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सके। वेबसाइट को निरन्तर व्यवस्थित एवं संवद्धित करवाने हेतु इस सत्र में श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव को अधिकृत किया गया। महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियां फेसबुक, यूट्यूब एवं ट्विटर पर भी प्रसारित किया जाय।

20. **तकनीकी प्रसार**– तकनीकी प्रसार के क्षेत्र में भी महाविद्यालय नित नूतन प्रयोगों के साथ अधुनातन तकनीकों को विगत सत्रों से ही आत्मसात करता चला आ रहा है। महाविद्यालय के व्याख्यान कक्षों को प्राजेक्टर से युक्त करने का कार्य विगत सत्रों में प्रारम्भ किया गया था। वर्तमान में महाविद्यालय के सभी 31 व्याख्यान कक्षों एवं प्रयोगशालाओं को प्रोजेक्टर से लैस कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त सूचना सम्प्रेषण तकनीकी (ICT) को भी महाविद्यालय उत्तरोत्तर विकसित रुप में आत्मसात करता रहेगा। महाविद्यालय का अपना फेसबुक पेज एवं यू–ट्यूब चैनल है जिसपर महाविद्यालय से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं एवं कार्यक्रम यथासमय सम्प्रेषित किया जाता है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में अध्यापन विधि को और अधिक प्रभावी एवं बोधगम्य बनाने के लिए एक व्याख्यान कक्ष को स्मार्ट बोर्ड से युक्त किया गया है। भविष्य में अन्य कक्षों को भी स्मार्ट बोर्ड से लैस किए जाने की योजना है। इन सबके साथ ही महाविद्यालय का सम्पूर्ण परिसर वाई–फाई से युक्त है।

21. **कार्यालय**– ''विद्यार्थी हित सर्वोपरि'' नीति केन्द्रित कार्यालय कार्य करेगा। किसी भी विद्यार्थी को अपने किसी कार्य हेतु कार्यालय में दूसरी बार न आना पड़े। प्रथम आगमन पर ही कार्य सुनिश्चित हो। आय–व्यय बैंक की तर्ज पर प्रतिदिन अद्यतन रखा जाय तथा आय–व्यय का हिसाब पूर्ण कर ही कार्यालय बन्द हो। शिक्षक–कर्मचारी का कोई भी कार्य रोका न जाय, उसका त्वरित समाधान हो। कार्यालय की पूरी कार्यपद्धति पारदर्शी होगी।

22. **NAAC/AISHE -** महाविद्यालय ने अपने सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से वर्ष 2015 में यू.जी.सी. और भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था **NAAC** द्वारा मूल्यांकन कराया था। यह मूल्यांकन प्रत्येक पाँच वर्ष उपरान्त नैक द्वारा किये जाने की सुनिश्चित व्यवस्था है। महाविद्यालय में वर्तमान सत्र में पुन: नैक द्वारा मूल्यांकन कराया जायेगा। महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ट (**IQAC**) प्रारम्भ से ही कार्य कर रहा है।

23. **प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन-** एक संयोजक समिति का गठन किया गया। प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन एवं संयोजक हेतु समिति निम्नवत है-

| **कार्यक्रम/आयोजन** | | **संयोजक** |
|---|---|---|
| 13 अगस्त भारत विभाजन की पूर्व संध्या (व्याख्यान) | - | डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा |
| 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस समारोह | - | श्रीमती शिप्रा सिंह |
| राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला | - | डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा |
| महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज पुण्यतिथि कार्यक्रम | - | डॉ. विजय कुमार चौधरी |
| युवा महोत्सव/वार्षिक महोत्सव | - | डॉ. आरती सिंह |
| संस्थापक समारोह (शिक्षा परिषद) | - | डॉ. आर.एन. सिंह |
| भारत-भारती पखवारा (12 जनवरी-26 जनवरी) | - | सुश्री शारदा रानी |
| सरस्वती पूजा (बसन्त पंचमी) | - | श्रीमती पुष्पा निषाद |
| समावर्तन संस्कार समारोह | - | श्रीमती कविता मंध्यान |

24. **वार्षिक बजट-** बैठक में सत्र 2021-22 हेतु प्रस्तावित बजट पर विचार विमर्श कर सर्व सम्मति से पारित कर दिया गया।

| मद | आय (सत्र 2020-21) | सम्भावित आय (सत्र 2021-22) |
|---|---|---|
| विकास* | 2548900 | 3000000 |
| शिक्षण* | 7561400 | 8000000 |
| पुस्तकालय* | 1504700 | 1800000 |
| प्रयोगशाला* | 1321100 | 1500000 |
| क्रीड़ा* | 708500 | 8000000 |
| विद्युत मेन्टेनेन्स* | 1458800 | 1500000 |
| बी.एड् प्रथम | 5227500 | 4950000 |
| बी.एड् द्वितीय | 2888000 | 3300000 |
| **योग** | **23218900** | **32050000** |

*बी.ए., बी.एस-सी., बी.काम. एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रथम वर्ष में प्रवेश से छात्र संख्या बढ़ेगी।

| **सम्भावित व्यय** | |
|---|---|
| प्रस्तावित वेतन पर व्यय | 18000000 |
| महाविद्यालय में अन्य व्यय लगभग | 3000000 |
| विकास पर | 11050000 |
| **योग** | **32050000** |

## छात्रसंघ प्रतिनिधि

| विषय | कक्षा | नाम |
|---|---|---|
| रसायनशास्त्र | बी.एस-सी. । | श्री शिवम कुमार |
| | बी.एस-सी. ।। | सुश्री शीलवी |
| | बी.एस-सी. ।।। | सुश्री नेहा सिंह |
| | एम.एस-सी. ।।। सेमेस्टर | सुश्री श्वेता मिश्रा |
| गणित | बी.एस-सी. । | श्री आनन्द मिश्रा |
| | बी.एस-सी. ।। | सुश्री शालिनी सिंह |
| | बी.एस-सी. ।।। | सुश्री स्नेहा चौरसिया |
| भौतिकी | बी.एस-सी. । | सुश्री संजना प्रजापति |
| | बी.एस-सी. ।। | श्री आदित्य प्रजापति |
| | बी.एस-सी. ।।। | श्री प्रवीश पाण्डेय |
| प्राणि विज्ञान | बी.एस-सी. । | श्री यादव रणवीर |
| | बी.एस-सी. ।। | श्री मुंजेश पटेल |
| | बी.एस-सी. ।।। | श्री राकेश गुप्ता |
| वनस्पति विज्ञान | बी.एस-सी. । | श्री अनुप चौहान |
| | बी.एस-सी. ।। | सुश्री काजल मौर्या |
| | बी.एस-सी. ।।। | सुश्री अल्पना चौधरी |
| कम्प्यूटर साइंस | बी.एस-सी. । | सुश्री राजनन्दिनी गौड़ |
| | बी.एस-सी. ।। | सुश्री सुहानी सिंह |
| | बी.एस-सी. ।।। | श्री अवनीश कुमार |
| सांख्यिकी | बी.एस-सी. । | श्री प्रजंल गुप्ता |
| | बी.एस-सी. ।। | श्री डब्ल्यू वर्मा |
| | बी.एस-सी. ।।। | सुश्री निधि वर्मा |
| हिन्दी | बी.ए. । | श्री तारकेश्वर पाण्डेय |
| | बी.ए. ।। | श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय |
| | बी.ए. ।।। | श्री व्यास साहनी |
| | एम. ए. ।। | कोई नही |
| अग्रेंजी | बी.ए. । | सुश्री अभिज्ञा चौधारी |
| | बी.ए. ।। | श्री संगम |
| | बी.ए. ।।। | श्री मृत्युजंय सहानी |
| राजनीतिशास्त्र | बी.ए. । | श्री गौरव कुमार |
| | बी.ए. ।। | रूपम चौधरी |
| | बी.ए. ।।। | श्री दुर्गेष्ठा पाल |
| | एम.ए. । | सुश्री ज्योति लता |
| | एम.ए. ।। | सुश्री वंदना गुप्ता |
| इतिहास | बी.ए. । | श्री अनिकेत सिंह |
| | बी.ए. ।। | श्री विशाल प्रसाद |
| | बी.ए. ।।। | श्री सूरज गुप्ता |
| समाज शास्त्र | बी.ए. । | श्री नीलेश सिंह |
| | बी.ए. ।। | श्री सौरभ कुमार |
| | बी.ए. ।।। | श्री आयुष शर्मा |
| | एम.ए. । | कोई नही |
| | एम.ए. ।। | कोई नही |
| प्राचीन इतिहास | बी.ए. । | सुश्री दीपशिखा चौहान |
| | बी.ए. ।। | सुश्री शैल्वी साहनी |
| | बी.ए. ।।। | श्री अभय राज वर्मा |
| अर्थशास्त्र | बी.ए. । | सुश्री रितु कुमारी |
| | बी.ए. ।। | सुश्री अस्मिता सिंह |
| | बी.ए. ।।। | श्री नितेश प्रजापति |
| भूगोल | बी.ए./बी.एस-सी. । | श्री विनय कुमार |
| | बी.ए./बी.एस-सी. ।। | श्री दीपेश कुमार वर्मा |
| | बी.ए./बी.एस-सी. ।।। | श्री राहुल यादव |
| | एम.ए. ।। | सुश्री संध्या |
| मनोविज्ञान | बी.ए./बी.एस-सी. । | सुश्री अर्चना साहनी |
| | बी.ए./बी.एस-सी. ।। | सुश्री नम्रता सिंह |
| | बी.ए./बी.एस-सी. ।।। | सुश्री शिवानी गुप्ता |
| रक्षा अध्ययन | बी.ए./बी.एस-सी. । | श्री सुनील साहनी |
| | बी.ए./बी.एस-सी. ।। | कोई नही |
| | बी.ए./बी.एस-सी. ।।। | श्री शुभम कुमार वर्मा |
| शिक्षा शास्त्र | बी.ए. । | सुश्री साक्षी पाण्डेय |
| | बी.ए. ।। | सुश्री माधुरी |
| | बी.ए. ।।। | श्री संदीप यादव |
| गृहविज्ञान | बी.ए. । | सुश्री निक्की शर्मा |
| | बी.ए. ।। | सुश्री नेहा |
| | बी.ए. ।।। | सुश्री क्षिपा रानी |
| | एम.ए. ।। | कोई नही |
| बी.एड्. | बी.एड्. ।। | कुमारी अनीता निजाद |
| वाणिज्य | बी.काम । | सुश्री ममता गौड़ |
| | बी.काम ।। | श्री प्रिन्स पाण्डेय |
| | बी.काम ।।। | सुश्री काजल कुमारी |
| | एम.काम ।। | श्री ज्ञानेन्द्र मणि उपाध्याय |
| बी.एड. | बी.एड्. । | श्री आदित्य तिवारी |

## छात्रसंघ

**श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| **अध्यक्ष** | श्री सूरज गुप्ता |
| **उपाध्यक्ष** | श्री शुभम कुमार वर्मा |
| **महामंत्री** | श्री राहुल यादव |
| **पुस्तकालय मंत्री** | श्री संदीप यादव |

## छात्र नियंता समिति

**डॉ. मंजेश्वर,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| सुश्री श्वेता मिश्रा | एम.एस-सी. भाग-दो |
| श्री दुर्गेश पाल | बी.ए. भाग-तीन |
| श्री सौरभ कुमार | बी.ए. भाग-एक |
| श्री निलेश सिंह | बी.ए भाग-एक |
| सुश्री अभिज्ञा चौधरी | बी.ए. भाग-एक |

## छात्रा समिति

**डॉ. सुधा शुक्ल,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| सुश्री रितु कुमारी | बी.ए. भाग-एक |
| सुश्री शिवांगी गुप्ता | बी.ए. भाग-तीन |
| श्री संगम | बी.ए. भाग-दो |
| सुश्री ममता गौड़ | बी.काम. भाग-एक |

## क्रीड़ा समिति

**डॉ. आरती सिंह,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| श्री नितेश प्रजापति | बी.ए. भाग-तीन |
| श्री मृत्युन्जय साहनी | बी.ए. भाग-तीन |
| श्री तारकेश्वर पाण्डेय | बी.ए. भाग-एक |
| श्री अनिकेत सिंह | बी.ए. भाग-एक |
| सुश्री साक्षी पाण्डेय | बी.ए. भाग-एक |

## दीवार पत्रिका

**श्री सूरज गुप्ता,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| सुश्री आयुषी शर्मा | बी.काम. भाग–तीन |
| श्री व्यास साहनी | बी.ए. भाग–तीन |
| श्री सुनील साहनी | बी.ए. भाग–एक |
| श्री राहुल यादव | बी.ए. भाग–तीन |

## बागवानी समिति

**श्री विनय कुमार सिंह,** प्रभारी
**डॉ. अभिषेक सिंह,** सह प्रभारी

| | |
|---|---|
| श्री राकेश गुप्ता | बी.एस–सी. भाग–तीन |
| श्री निक्की शर्मा | बी.ए. भाग–एक |
| सुश्री अल्पना चौधरी | बी.एस–सी. अंतिम वर्ष |
| सुश्री माधुरी | बी.ए. भाग–तीन |
| सुश्री काजल कुमारी | बी.काम. भाग–एक |

## प्रयोगशाला समिति

**डॉ. आर.एन. सिंह,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| श्री आदित्य | बी.एस–सी. भाग–दो |
| सुश्री स्नेहा चौधरी | बी.एस–सी. भाग–तीन |
| सुश्री नेहा सिंह | बी.एस–सी. भाग–तीन |
| सुश्री अर्चना साहनी | बी.ए. भाग–एक |
| श्री दीपेश कुमार शर्मा | बी.एस–सी. भाग–दो |

## सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

**श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| श्री आनन्द मिश्रा | बी.एस–सी. भाग–एक |
| श्री शिवम कुमार | बी.एस–सी. भाग–एक |
| सुश्री काजल मौर्या | बी.एस–सी. भाग–दो |
| सुश्री शिल्पी | बी.एस–सी. भाग–दो |
| सुश्री संजना प्रजापति | बी.एस–सी. भाग–एक |

## योग समिति

**डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| श्री प्रिन्स पाण्डेय | बी.काम भाग–दो |
| श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय | बी.ए. भाग–दो |
| श्री विशाल प्रसाद | बी.ए. भाग–दो |
| श्री ज्ञानेश्वर मणि उपाध्याय | एम.काम. भाग–दो |
| श्री आदित्य तिवारी | बी.एड. भाग–एक |

## पुस्तकालय समिति

**डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय/प्रतीक दास,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| श्री संदीप यादव | बी.ए. भाग–तीन |
| श्री सूरज गुप्ता | बी.ए. भाग–तीन |
| श्री रणवीर यादव | बी.एस–सी. भाग–एक |
| सुश्री ज्योति लता | एम.ए. भाग–एक |
| सुश्री दीपशिखा चौहान | बी.ए. भाग–एक |
| श्री ईश्वर चन्द निषाद | बी.ए. भाग–तीन |

## सोशल मीडिया समिति

**डॉ. सुबोध कुमार मिश्र,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| श्री गौरव कुमार | बी.ए. भाग–एक |
| श्री अवनीश कुमार | बी.एस–सी. भाग–तीन |
| श्री अभय राज वर्मा | बी.ए. भाग–तीन |
| श्री शुभम कुमार वर्मा | बी.ए. भाग–तीन |
| श्री डब्लू वर्मा | बी.एस–सी. भाग–दो |

## तकनीकी समिति

**श्री श्रीनिवास सिंह,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| सुश्री नम्रता सिंह | बी.एस–सी. भाग–दो |
| सुश्री शैल्वी साहनी | बी.ए. भाग–दो |
| श्री विनय कुमार | बी.ए. भाग–एक |
| सुश्री अस्मिता सिंह | बी.ए. भाग–दो |
| श्री प्रवीश कुमार पाण्डेय | बी.एस–सी. भाग–तीन |

## प्रार्थना समिति

**सुश्री दीप्ति गुप्ता,** प्रभारी

| | |
|---|---|
| सुश्री नेहा | बी.ए. भाग–तीन |
| सुश्री सन्ध्या | एम.ए. भाग–दो |
| सुश्री शालिनी सिंह | बी.एस–सी. भाग–दो |
| सुश्री सुहानी सिंह | बी.एस–सी. भाग–दो |
| सुश्री राजनन्दिनी सिंह | बी.एस–सी. भाग–एक |

## स्वच्छता समिति

**श्री विनय कुमार सिंह,** प्रभारी
**डॉ. अभिषेक सिंह,** सह प्रभारी

| | |
|---|---|
| सुश्री अनीता निषाद | बी.एड. भाग–दो |
| श्री मुजेश पटले | बी.एस–सी. भाग–दो |
| सुश्री निधि वर्मा | बी.एस–सी. भाग–तीन |
| श्री अनूप चौहान | बी.एस–सी. भाग–एक |

## गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष/निदेशक | डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य |
| शोध समन्वयक | डॉ. सुबोध कुमार मिश्र |
| परामर्श समिति | प्रो. शिवाजी सिंह, गोरखपुर |
| | डॉ. कन्हैया सिंह, आजमगढ़ |
| | डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त, लखनऊ |
| | डॉ. सन्तोष शुक्ला, जे.एन.यू., नई दिल्ली |
| | प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, सागर |
| | प्रो. मुरली मनोहर पाठक, गोरखपुर |
| | प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज |

## आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

| नाम | पद |
|---|---|
| प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), अध्यक्ष | सदस्य |
| प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ | सदस्य |
| डॉ. राजशरण शाही (शिक्षक), बाह्य विशेषज्ञ | सदस्य |
| श्री मनीष त्रिपाठी, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद | सदस्य |
| श्री विपिन कुमार यादव, अध्यक्ष, अभिभावक संघ | सदस्य |
| श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी | सदस्य |
| श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति | सदस्य |
| डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक | सदस्य |
| डॉ. आर.एन. सिंह, अनुशासन | सदस्य |
| डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक | सदस्य |
| श्रीमती कविता मन्ध्यान, शिक्षक | सदस्य |
| डॉ. अभिषेक कुमार वर्मा, शिक्षक | समन्वयक/सचिव |
| डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य | अध्यक्ष |

## नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

| | | |
|---|---|---|
| अध्यक्ष/निदेशक | डॉ. प्रदीप कुमार राव | प्राचार्य |
| शोध सहायक | डॉ. अभिषेक सिंह | प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन |
| परामर्श समिति | डॉ. कृष्ण कुमार गौतम | काठमाण्डू (नेपाल) |
| | डॉ. काशीनाथ | बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल) |
| | श्री राकेश मिश्र | तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल) |
| | श्री सुरेश मल्ल | नेपाल |
| | श्रीमती नलिनी गयवाली | सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल) |
| | श्री दीपक अधिकारी | सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल) |
| | डॉ. हर्ष सिन्हा | दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत) |
| | डॉ. रेनू सक्सेना | जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत) |
| | श्री अजीत कुमार | सामाजिक कार्यकर्ता (भारत) |
| | श्री हरेन्द्र प्रताप | सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत) |
| | श्री अरूण जी | सामाजिक कार्यकर्ता, नई दिल्ली (भारत) |

# सत्र 2021-22 के पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक

## श्रीमती कविता मन्ध्यान

(सरस्वती सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (तृतीय श्रेणी)

## श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय

(महाराणा प्रताप सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी

## श्री कुँवर अमन सिंह

(एकलव्य सम्मान)

हमारे पूर्वज (श्रेष्ठतम् विद्यार्थी)

## सुश्री ज्योति कुमारी

(महन्त दिग्विजयनाथ सम्मान)

सिलाई, कढ़ाई व पेंटिंग (श्रेष्ठतम् प्रशिक्षु)

## सुश्री चाँदनी कुमारी

(योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सम्मान)

ब्यूटी एण्ड सेल्फकेयर प्रमाणपत्र (श्रेष्ठतम प्रशिक्षु)

## सुश्री रीमा

(महारानी पद्मिनी सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (चतुर्थ श्रेणी)

## श्री राम लगन

(महन्त अवेद्यनाथ सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ पुरातन् छात्र

## श्री संदीप पाण्डेय

(स्वामी विवेकानन्द सम्मान)

जीवन मूल्य (श्रेष्ठतम् विद्यार्थी)

## श्री चक्रधर पाठक

(महायोगी गोरखनाथ सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु

## श्री यश सिंह

(चेतक सम्मान)

आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण पत्र (श्रेष्ठतम प्रशिक्षु)

## श्री आदित्य प्रजापति

(मे. सोमनाथ शर्मा सम्मान)

# गत सत्र (2020-21) के पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सरस्वती सम्मान ग्रहण करती श्रीमती शिप्रा सिंह

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री रामरतन

सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री राजाराम

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री सत्यप्रकाश तिवारी

नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री रीतिका प्रजापति

हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करते श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव

# प्रबन्ध समिति

## महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज
### जंगल धूसड़, गोरखपुर

| नाम | पता | पद | व्यवसाय |
|---|---|---|---|
| प्रो. यू.पी. सिंह | राजेन्द्रनगर, गोरखपुर | अध्यक्ष | पूर्व कुलपति |
| श्री प्रमोद कुमार चौधरी | पहाड़पुर, गोरखपुर | उपाध्यक्ष | कृषि |
| महन्त योगी आदित्यनाथ जी | श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर | मंत्री/प्रबन्धक | धर्माचार्य |
| श्री राजेश मोहन सरकार | दुर्गाबाड़ी रोड, गोरखपुर | सदस्य | अधिवक्ता |
| श्री योगी त्यागीनाथ | चौक बाजार, महराजगंज | सदस्य | धर्माचार्य |
| श्री प्रमथनाथ मिश्रा | विलन्दपुर, गोरखपुर | सदस्य | अधिवक्ता |
| श्री गोरक्ष प्रताप सिंह | नथमलपुर, गोरखपुर | सदस्य | कृषि |
| श्री योगी कमलनाथ जी | श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर | सदस्य | धर्माचार्य |
| श्री रामजन्म सिंह | 149वीं, मिर्जापुर<br>पोस्ट–न्यू शिवपुरी, गोरखपुर | सदस्य | पूर्व<br>प्रधानाचार्य |
| श्री नरेन्द्रनाथ वर्मा | बेतियाहाता, गोरखपुर | सदस्य | व्यापार |
| श्री द्वारिका तिवारी | नथमलपुर, गोरखनाथ, गोरखपुर | सदस्य | सेवानिवृत्त<br>अध्यापक |

बढ़ें राष्ट्र निर्माण की ओर . . .

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्वच्छता रिपोर्ट सूची में महाविद्यालय

# Swachh Campus 2019

**Institutional Achievements**

MHRD | Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

# Foreword

Our Educational Institutions are torch bearers of change. Now they are turning into harbingers of national movement for promoting cleanliness. Their keen interest to keep campuses clean and take this message to the communities with whom they are engaged with has been an important contribution this year 2019. Universities and Higher Educational institutions turning into green smart campuses are focusing on cleanliness, waste management, water conservation as well as wastewater management. Saving water and electricity, conserving energy, harvesting rain water, tapping solar energy and promoting cleanliness are indicators to measure a smart campus. Such endeavours by Higher Education Institutions need to be welcomed and supported time to time.

Exercise to rank Universities and Higher Educational Institutions (HEI) on the basis of cleanliness and hygiene has become annual now. They are focusing on factors such as student: toilet, ratio, kitchen hygiene, campus green cover, solid and liquid waste management, garbage disposal, solar energy usage and other relevant areas. Some of the best practices followed by them are documented here at the instance of the Department of Higher Education in Ministry of Human Resource Development Government of India.

**Dr W G Prasanna Kumar**

**Chairman MGNCRE**

## Swachh Campus 2019

# INDEX


| S. No | Higher Education Institutions | Page |
|---|---|---|
| 1. | ABVIITM Gwalior Madhya Pradesh | 7 |
| 2. | AJK College of Arts and Science Coimbatore Coimbatore Tamil Nadu | 11 |
| 3. | Algappa University Sivanganga Tamil Nadu | 15 |
| 4. | Amrita Vishwa Vidyapeetham Coimbatore Tamil Nadu | 19 |
| 5. | Assam Don Bosco University Assam | 22 |
| 6. | Anand College of Education Agra Uttar Pradesh | 27 |
| 7. | BSA Rahman Crescent Institute of Science and Technology Chennai Tamil Nadu | 30 |
| 8. | The Bhopal School of Social Sciences (BSSS) Bhopal Madhya Pradesh | 35 |
| 9. | Cauvery B Ed College Bengaluru Karnataka | 38 |
| 10. | Centurion University of Technology and Management Gajapati Odisha | 41 |
| 11. | Chandigarh University Mohali Punjab | 44 |
| 12. | Chitkara University Himachal Pradesh | 47 |
| 13. | Desh Bhagat University Fatehgarh Punjab | 52 |
| 14. | Dev Sanskriti Vishwavidhyalaya Haridwar Uttarakhand | 56 |
| 15. | Dr DY Patil Vidyapeeth Pune Maharashtra | 59 |
| 16. | Dr Vishwanath Karad MIT World Peace University Maharashtra | 65 |
| 17. | GITAM Vishakhapatnam Andhra Pradesh | 70 |
| 18. | Graphic Era Hill University Dehradun Uttarakhand | 74 |
| 19. | GLA University Mathura Delhi | 79 |
| 20. | Guru Nanak Dev University Amritsar Punjab | 81 |
| 21. | Gujarat National Law University Gujarat | 84 |
| 22. | Hindustan Institute of Technology and Science (HITS) Chennai Tamil Nadu | 88 |
| 23. | IIS University Jaipur Rajasthan | 93 |
| 24. | IIIT Delhi | 97 |
| 25. | IIT Gandhinagar Gujarat | 105 |
| 26. | IIT Guwahati Assam | 110 |
| 27. | IIM Kozhikode Kerala | 115 |
| 28. | IIT Madras Tamil Nadu | 119 |
| 29. | IIT Tirupati Andhra Pradesh | 123 |
| 30. | ITM Gwalior Madhya Pradesh | 127 |
| 31. | Jayoti Vidyapeeth Women's University Jharna Rajasthan | 132 |
| 32. | Karpagam Academy of Higher Education Coimbatore Tamil Nadu | 139 |
| 33. | Koneru Lakshmaiah Education Foundation Guntur Andhra Pradesh | 142 |
| 34. | KLE Academy of Higher Education and Research Belgavi Karnataka | 144 |
| 35. | Krishna Institute of Medical Sciences KIMS Karad Maharashtra | 150 |
| 36. | Lovely Professional University Kapurthala Punjab | 153 |
| 37. | Madurai Kamaraj University Madurai Tamil Nadu | 157 |
| 38. | Madras Christian College Chennai Tamil Nadu | 160 |

## Swachh Campus 2019


| S. No | Higher Education Institutions | Page |
|---|---|---|
| 39. | Maharana Pratap P.G College Gorakhpur Uttar Pradesh | 164 |
| 40. | Maharshi Dayanand University Rohtak Haryana | 168 |
| 41. | Manipal University Jaipur Rajasthan | 172 |
| 42. | Manomaniam Sundarnar University Tirunelveli Tamil Nadu | 176 |
| 43. | Mehr Chand Mahajan DAV College for Women Chandigarh | 179 |
| 44. | Mizoram University Aizawl Mizoram | 184 |
| 45. | Nirmala College Muvattupuzha Kerala | 187 |
| 46. | Nehru Arts and Science College Thirumalayampalayam Tamil Nadu | 192 |
| 47. | NIIT Neemrama Alwar Rajasthan | 196 |
| 48. | OP Jindal University Knowledge Park Raigarh Chattisgarh | 202 |
| 49. | OP Jindal Global University Sonipat | 206 |
| 50. | PRIST College Thanjavur Tamil Nadu | 212 |
| 51. | PSGR Krishnammal College for Women Coimbatore Tamil Nadu | 215 |
| 52. | Rajagiri College of Social Sciences Kochi Kerala | 218 |
| 53. | Rajiv Gandhi National University of Law Patiala Punjab | 224 |
| 54. | RMK Engineering College Tamil Nadu | 227 |
| 55. | RR Bawa DAV College for Girls Punjab | 231 |
| 56. | Siksha O Anusandhan Bhubaneswar Odisha | 235 |
| 57. | Symbiosis International Pune Maharashtra | 239 |
| 58. | Sri Krishna Arts and Science College Coimbatore Tamil Nadu | 248 |
| 59. | Shoolini University Solan Himachal Pradesh | 252 |
| 60. | Sri Sathya Sai Institute of Higher Learning Anantapur Andhra Pradesh | 258 |
| 61. | St. Philomena College Puttur Karnataka | 266 |
| 62. | SRM Institute of Science and Technology Kattankulathur Tamil Nadu | 271 |
| 63. | SRM University Sonepat Haryana | 274 |
| 64. | Suresh Gyan Vihar University (SGVU) Jaipur Rajasthan | 276 |
| 65. | Sri Rama Krishna Arts and Science Coimbatore (SRCAS) Tamil Nadu | 280 |
| 66. | Sumandeep Vidyapeeth Vadodara Gujarat | 282 |
| 67. | VIT Vellore Tamil Nadu | 286 |
| 68. | Vel Tech Chennai Tamil Nadu | 290 |
| 69. | Vignan's Foundation for Science Technology & Research Guntur Andhra Pradesh | 295 |

## Swachh Campus 2019

### Maharana Pratap P.G. College Jungle Dhusan Gorakahpur Uttar Pradesh

Maharana Pratap P.G. College is situated in Gorakhpur in Uttar Pradesh state of India. The course of study followed in the college in accordance with the syllabus prescribed by Gorakhpur University. Arts, Science and Commerce streams are offered at the Graduation level.

| | |
|---|---|
| Student Strength | 2163 |
| Faculty Strength | 65 |

**Residential Facilities**

The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1. The hostel has 24 hours uninterrupted water and power supply.

**Solid and Liquid Waste Management**

The college generates two types of waste: solid and wet waste. The college also collects some amount of horticulture waste such as dried leaves or plant clippings. Certain amount of glass, fiber, and paper, plastic and biodegradable waste i s also collected from all around the campus. Out of the waste collected, wet waste is used for composting and the dry waste is collected by Nagar Nigam for recycling. Waste from toilets in the campus flows into t he teak garden.

**Hostel Kitchen Facilities**

The college hostel provides healthy and nutritious food. The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time. The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene.

## Swachh Campus 2019

**Campus Greenery**

30% of the college is lush green. In all, there are around 2500 trees and plants of different variety. The biodiversity includes Neem ,amla , Jamun, tulsi, Aleovira etc. The college has developed certain rare species like-Sarpgandha which is used to cure acidity and is a uterine tonic, Bhringaraj which is used in the cure of headache and fever, Kelikand used in the cure of snake bite, Jaundice and lepr osy etc. The greenery in college campus is being maintained with the help of a garden committee of the Garden In charge and 5 student members.

**Solar Power**

Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night.

**Adopted Village: 28 Villages**

The 21 departments of college and NSS have adopted a total of 28 village. The names of adopted villages are as follows:-ChhotiRetwahiya, BadiRewathaiya ,Haiderganj, Jungle Aurahi, DahlaHarsevakpur, Shahpur, MahuaChafi,Jungle Tikonia,Basantpur , Khutawa, kakrahiya, Meerganj, Lalganj,chotiJamunia,BadiJamunahiya, Dhodha, Laxmipur, Rampur, Bhagwanpur, HaripurShekhwania, Kewatahia, Dhusia, Tinkonia, Manjharia, Hasanganj. All these villages are situated in 15km radius of the college in Gorakhpur District.

**Benefitted Families:** Around 5500 people of 850 families were covered from these villages.

## Swachh Campus 2019

**Activities Undertaken in the Villages:**

These villages were adopted by the college with the aim to develop the villages in an integrated manner. This includes economic development, infrastructure development and other aspects of human development i.e., hygiene, education, health, drinking water supply, medical facilities and awareness of government schemes etc. The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers. The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college.

Swachh Campus 2019

## Swachh Campus 2019

**Outcomes**

- The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1
- The wet waste in the college is composted and the solid waste is picked up by the Nagar Nigam
- The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time
- The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene
- 30% of the college is lush green
- There are around 2500 trees and plants of different variety in the campus
- The college has developed certain rare species of trees which can be used to treat diseases like acidity, headache, fever, snake bite, jaundice and leprosy etc
- Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night
- The college along with the NSS has adopted 28 villages in the 15 km radius of the college
- Around 5500 people of 850 families from these villages have benefited from the various programs run by the colleges
- The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers
- The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college

# Swachhta Rankings 2019

Achieving Full ODF in Villages

## Swachhta in Indian Villages
## Engagement of Higher Education Institutions

MHRD | Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

| S. NO. | | STATE | DISTRICT | NAME OF THE HEI | ODF VILLAGE(S) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | UNIVERSITY, MEERUT | HLI,SATWAI |
| 1833 | 8 | UTTAR PRADESH | GAUTAM BUDDHA NAGAR | JSS ACADEMY OF TECHNICAL EDUCATION, NOIDA | BISHANPURA, KHORA GHAZIABAD, KACHERA WARSHABAD |
| 1834 | 9 | UTTAR PRADESH | GORAKHPUR | MAHARANA PRATAP MAHAVIDYALAY, JUNGLE DHUSHAN, GORAKHPUR | MANJHARIYA |
| 1835 | 10 | UTTAR PRADESH | AGRA | ANAND COLLEGE OF EDUCATION KETHEM, AGRA | ARSENA |
| 1836 | 11 | UTTAR PRADESH | LUCKNOW | INTEGRAL UNIVERSITY, LUCKNOW | BHAKAHAMAU, PAIKARAMAU, SAADAMAU, BHIKHANPURWA, DASAULI |
| 1837 | 12 | UTTAR PRADESH | KANPUR NAGAR | ANANDA SCHOOL OF NURSING | SARSAUL, NARWAL |
| 1838 | 13 | UTTAR PRADESH | HARDOI | S.C. BOSE MAHAVIDYALAYA, KAHALI TERWA, GAUSGANJ, | KAHALI |
| 1839 | 14 | UTTAR PRADESH | VARANASI | SARASWATI HIGHER EDUCATION AND TECHNICAL COLLEGE OF ENGINEERING, VARANASI | BABATPUR |
| 1840 | 15 | UTTAR PRADESH | BARABANKI | SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY | MATI, HADAURI, SRINANGAR, BASTI AND KHAZOOR |
| 1841 | 16 | UTTAR PRADESH | JHANSI | SR GROUP OF INSTITUTIONS COLLEGE OF PHARMACY, JHANSI | 3 |
| 1842 | 17 | UTTAR PRADESH | GHAZIABAD | K N G D MODI ENGIEERING COLLEGE, MODINAGAR | PALLOTA |
| 1843 | 18 | UTTAR PRADESH | VARANASI | AMBITION INSTITUTE OF TECHNOLGOY | PARAO |
| 1844 | 19 | UTTAR PRADESH | MEERUT | NEELKANTH VIDYAPEETH NH-58, PAWLI KHAS, MODIPURAM, MEERUT | PABARSHA |
| 1845 | 20 | UTTAR PRADESH | MEERUT | NEEL KANTH INSTITUTE OF ENGG. & TECHNOLGOY | PABLI KHAS |
| 1846 | 21 | UTTAR PRADESH | BALLIA | DR MAHAVEER SINGH NURSING | BASARIKAPUR, RAMPUR, KACHHUA |

SWACHHTA RANKINGS 2019 - Achieving Full ODF in Villages by HEIs 154 | **MHRD** - MGNCRE

# उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी में महाविद्यालय

आपदा को अवसर में बदलने वाली उत्तर प्रदेश की जनप्रिय सरकार ने कोविड-19 के दौरान एक अनूठा एवं अद्भुत ज्ञान सागर तैयार किया जिसे उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी के नाम से जाना जाता है। सरकार के प्राथमिक और मुख्य चिन्तन में यह बात थी कि कोविड-19 के दौरान शिक्षण कार्य अधिक प्रभावित न हो और छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे। उ.प्र. सरकार द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर 05 सितम्बर 2020 को शुरू किए गए इस पोर्टल पर सितम्बर एवं अक्टूबर माह में विद्यादान योजना के अन्तर्गत भारतीय संस्कृति में दान के महत्व के अनुरूप छात्रों के हितार्थ ई-पाठ्य सामग्री तैयार करायी गयी जिसमें आज 70,000 से भी अधिक ई. कन्टेंट उपलब्ध हैं।

यह लाइब्रेरी ज्ञान का एक अनूठा संग्रह है जिसमें प्रदेश के सर्वोत्तम प्राध्यापकों के नोट्स एवं लेक्चर्स हर छात्र को नि:शुल्क सुलभ हैं। ऑनलाइन शिक्षण के इस दौर में जिन छात्रों के पास निरन्तर अबाध इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है उनके लिए यह लाइब्रेरी वरदान स्वरूप है। इसके उपयोग से वे अपनी सुविधानुसार शिक्षण सामग्री डाउनलोड करके पढ़ाई कर रहे हैं। दो लाख से अधिक छात्रों द्वारा प्रतिदिन इसका निरन्तर लाभ उठाया जा रहा है। एन.आई.सी द्वारा अपनी तकनीकी दक्षता एवं क्षमता द्वारा अल्प समय में जो सुगम साफ्टवेयर एवं प्लेटफार्म विकसित किया है वह अत्यंत प्रशंसनीय है।

इस डिजिटल लाइब्रेरी में पाठ्यक्रम के अनुरूप टेक्सट के साथ-साथ श्रव्य-दृश्य दृश्य सामग्री भी अपलोड की गयी है। 134 विषयों के 71,000 से अधिक ई-कन्टेंट उपलब्ध हैं जिन्हें 23 विश्वविद्यालयों एवं अनेक महाविद्यालयों के शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया है।

विद्यादान की इस कड़ी में हमारा महाविद्यालय महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर ने उत्तर प्रदेश के सभी महाविद्यालयों के बीच सर्वाधिक 1057 ई-कन्टेंट के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर पूर्वांचल को गौरवान्वित किया है। इस अभियान में महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा 131 तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा 99 ई-कन्टेन्ट डिजिटल लाइब्रेरी के पोर्टल पर अपलोड किया गया जो अपने-अपने विषय के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक रहा। इससे गोरक्षपीठ द्वारा संचालित समस्त शिक्षण संस्थाओं को प्रेरणा तथा पीठ के लोककल्याणकारी एवं शैक्षिक आदर्शो को एक नयी पहचान मिली है। यह महाविद्यालय आगे भी अपने आदर्शों एवं मूल्यों के अनुरूप विद्यादान जैसे कल्याणकारी नवाचारों को आगे बढ़ाता रहेगा।

heecontent.upsdc.gov.in/Cor

## Uttar Pradesh Higher Education Digital Library

| S.No. | College Names | Approved Contents |
|---|---|---|
| 1 | Dr. B. R. Ambedkar University, Agra (Id: U-0509) | 10414 |
| 2 | UNIVERSITY OF LUCKNOW (Id: U-0524) | 9569 |
| 3 | GALGOTIAS UNIVERSITY (Id: U-0643) | 5999 |
| 4 | Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi (Id: U-0527) | 4722 |
| 5 | Sharda University, Gautam Budh Nagar (Id: U-0541) | 3479 |
| 6 | Babu Banarsi Das University, Lucknow (Id: U-0499) | 2867 |
| 7 | SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY (Id: U-0753) | 2791 |
| 8 | G.L.A University, Mathura (Id: U-0513) | 1831 |
| 9 | LUCKNOW UNIVERSITY CAMPUS | 1257 |
| 10 | Choudhary Charan Singh University, Meerut (Id: U-0506) | 1177 |
| 11 | Maharana Pratap Mahavidyalay, Jungle Dhushan, Gorakhpur (Id: C-14178) | 1057 |

संख्या–88/सत्तर–3–2021–08(37)/2020

**प्रेषक,**

**योगेन्द्र दत्त त्रिपाठी**
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

**सेवा में,**

1. **निदेशक,**
उच्च शिक्षा, उ0प्र0,
प्रयागराज।

2. **कुलसचिव,**
समस्त राज्य/निजी
विश्वविद्यालय, उ0प्र0।

**उच्च शिक्षा अनुभाग–3** **लखनऊ : दिनांक 22 मार्च, 2021**

विषयः– **ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी, उ0प्र0 पोर्टल पर सर्वाधिक ई–कन्टेन्ट अपलोड किये जाने हेतु सम्बन्धित विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/शिक्षकों को पुरस्कृत किये जाने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

अवगत है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उ0प्र0 उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारम्भ दिनांक 05.09.2020 को किया गया। छात्रों के हित में ई–कन्टेन्ट को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों द्वारा अधिक से अधिक ई–कन्टेन्ट उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से माह सितम्बर–अक्टूबर, 2020 को विद्यादान माह के रूप में मनायाा गया है। इसी कम में शासन के पत्र संख्या–2140/सत्तर–3–2020–08(27)/2020, दिनांक 10 सितम्बर, 2020 एवं शासन के पत्र संख्या–2154/सत्तर–3–2020–08(27)/2020, दिनांक 11 सितम्बर, 2020 द्वारा विद्यादान माह की अवधि में दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 तक पोर्टल पर अपलोड किये गये कुल ई–कन्टेन्ट के आधार पर श्रेणी निर्धारित करते हुए विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/शिक्षकों को पुरस्कृत किये जाने का निर्णय लिया गया।

2– तत्कम में ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी, उ0प्र0 पोर्टल पर सर्वाधिक ई–कन्टेन्ट अपलोड करने वाले विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/शिक्षको को पुरस्कृत किया गया है। पुरस्कृत सम्बन्धित विशविद्यालयों/महाविद्यालयों/शिक्षको का श्रेणीवार विवरण निम्नलिखित हैः–

**TOP 07 COLLEGES (STATE PUBLIC UNIVERSITIES) WHO HAS UPLOADED MAXIMUM CONTENTS**

**(AS ON 31.10.2020)**

| S. NO. | COLLEGE_NAME | UNIVERSITY_NAME | TOTAL COUNT |
|---|---|---|---|
| 1 | Km. Mayawati Government Girls Post Graduate Badalpur, Gautambuddha Nagar (Id: C-28831) | Choudhary Charan Singh University, Meerut (Id: U-0506) | 909 |
| 2 | Maharana Pratap Mahavidyalay, Jungle Dhushan, Gorakhpur (Id: C-14178) | Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Gorakhpur (Id: U-0508) | 876 |
| 3 | K. N. Govt. P.G. College, Gyanpur, Sant Ravidas Nagar, Bhadohi (Id: C-13536) | Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi (Id: U-0527) | 469 |
| 4 | Jagatpur P.G.College, Varanasi (Id: C-13541) | Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi (Id: U-0527) | 415 |
| 5 | Shahid Mangal Pandey Government Mahila Mahavidyalaya, Meerut Mob. (Id: C-28642) | Choudhary Charan Singh University, Meerut (Id: U-0506) | 360 |
| 6 | Teri P.G. Collage, Ghazipur (Id: C-44624) | Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Id: U-0550) | 346 |
| 7 | AVADH GIRLS DEGREE COLLEGE (Id: C-12727) | UNIVERSITY OF LUCKNOW (Id: U-0524) | 246 |

FREE ONLINE EDUCATION
swayam
शिक्षित भारत, उन्नत भारत

## स्वयं (SWAYAM) लोकल चैप्टर की मान्यता

स्वयं (SWAYAM) पोर्टल भारत सरकार के शिक्षा विभाग और अखिल भारतीय तकनीकि शिक्षा परिषद द्वारा तैयार किया गया एक Online Education Portal है। स्वयं (SWAYAM) पोर्टल को शिक्षा नीति के तीन आधारभूत सिद्धातों – पहुँच, निष्पक्षता तथा गुणवत्ता को प्राप्त करने के उद्देश्य से बनाया गया है। इस पर 9वीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के सभी कोर्स निःशुक्ल उपलब्ध हैं। जो छात्र कोर्स को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करते है उन्हें प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसका उपयोग कोई भी कर सकता है। इन पाठ्यक्रमों की मुख्य विशेषता है कि यह पाठ्यक्रम शिक्षकों के द्वारा तैयार किया जाता है। **महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर को 28 जनवरी, 2021** को स्वयं (SWAYAM) के लोकल चेप्टर की मान्यता प्रदान की गई। अब कालेज के शिक्षक स्वयं (SWAYAM) द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के मेंटर बन सकते हैं। महाविद्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले छात्र अब महाविद्यालय में आकर स्वयं (SWAYAM) पाठ्यक्रमों की परीक्षा में उपस्थित होकर प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर सकते है।

सत्यमेव जयते

# Certificate

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

*This is to certify that Maharana Pratap P.G College, Gorakhpur is now a Recognized Social Entrepreneurship, Swachhta & Rural Engagement Cell (SES REC) Institution. The Institution has successfully framed the SES REC Action Plan and constituted ten working groups for improving facilities in the Campus and the Community/Adopted Villages in the areas of Sanitation & Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Conservation and Greenery post COVID-19, along with the observation of three environment, entrepreneurship and community engagement related days to inculcate in faculty, students and community, the practices of Mentoring, Social Responsibility, Swachhta and Care for Environment and Resources.*

**Date of Issue: 25 August 2020**

**Dr. W G Prasanna Kumar**
**Chairman**

**Mahatma Gandhi National Council of Rural Education**
**Department of Higher Education, Ministry of Education**
**Government of India**

Certificate No.: MoE/SES REC/ UP5 /Gorakhpur/03

# हमारे प्रयास

- प्रात: सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 16 जुलाई से स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करने की योजना का क्रियान्वयन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- प्लास्टिक मुक्त परिसर।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापक।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- प्रतिदिन विद्यार्थियों को सारांश द्वारा कक्षाध्यापन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिका एवं समावर्तन पत्रिका एवं छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक' का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगीराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण छात्राओं हेतु नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- हमारे पूर्वज एवं जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत प्रयोग के तौर पर मंझरिया गाँव का सम्पूर्ण विकास।
- महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- मासिक ई-पत्रिका ध्येय पथ का प्रकाशन।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।

## समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य ( यज्ञ और श्राद्ध आदि ) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

## संकल्प

मैं .....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती .....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य/बी.एड. में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

9415282504

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा